THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 348 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र कृ.11, 2082 रविवार, 15 मार्च-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✻ पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

'एआई कानून नहीं बना सकता'

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसियां)। शनिवार को एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस विक्रम नाथ ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते इस्तेमाल पर महत्वपूर्ण टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि अगर एआई का समझदारी से उपयोग किया जाए तो यह कानूनी कामकाज को आसान बना सकता है और समय बचा सकता है, लेकिन यह किसी भी हालत में वकील की समझ, अदालत के अधिकारी की नैतिक जिम्मेदारी या जज के संतुलित निर्णय की जगह नहीं ले सकता। जस्टिस नाथ ने कहा कि तकनीक केवल एक उपकरण है और इसे उपकरण की तरह ही इस्तेमाल किया जाना चाहिए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि एआई नोट या ड्राफ्ट तैयार करने में मदद कर सकता है। >14

'जहां कांग्रेस का दिमाग बंद होता है, वहां हमारा काम शुरू होता है'

> 24 हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया

सिलचर, 14 मार्च (एजेंसियां)। असम के सिलचर में पीएम मोदी ने शनिवार को 24 हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इस दौरान अपने संबोधन में पीएम मोदी ने असम की बराक घाटी की अहमियत पर बात करते हुए कहा, सिलचर को बराक घाटी का गेटवे कहा जाता है। ये वो जगह है, जिसने भाषा, संस्कृति को मिलाकर एक विशेष पहचान बनाई है। बराक नदी के उपजाऊ मैदानों, यहां के चाय बागानों ने यहां के किसानों, व्यापार मार्गों और शिक्षा संस्थानों को हमेशा प्रेरित किया है। ये क्षेत्र असम ही नहीं, बल्कि पूरे उत्तर पूर्व और पश्चिम बंगाल से जोड़ता है। बराक घाटी के इस क्षेत्र को 21वीं सदी में और मजबूत करने के लिए आपके बीच आया हूं।

उत्तर पूर्व का बड़ा लॉजिस्टिक और ट्रेड हब बनेगी बराक घाटी : पीएम मोदी ने शिलॉन्ग-सिलचर कॉरिडोर का भूमि पूजन किया। 166 किलोमीटर लंबे इस कॉरिडोर की लागत करीब 22,860 करोड़ रुपये होगी। इससे असम और मेघालय के बीच कनेक्टिविटी बेहतर होगी। इस कॉरिडोर की मदद से गुवाहाटी से सिलचर के बीच यात्रा का समय साढ़े आठ घंटे से कम होकर सिर्फ पांच घंटे रह जाएगी। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा, थोड़ी देर पहले यहां हजारों करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। रेल, कृषि वन ऐसे हर प्रोजेक्ट से बराक घाटी, उत्तर पूर्व का एक बड़ा लॉजिस्टिक और ट्रेड हब बनने जा रहा है। इससे यहां के नौजवानों के लिए रोजगार के अनगिनत अवसर बनने जा रहे हैं। मैं आप सभी को इन सारी विकास परियोजनाओं के लिए बहुत-बहुत बधाई देता हूं। उन्होंने कहा, आजादी के अनेक दशकों तक कांग्रेस की सरकारों ने उत्तर पूर्व को दिल्ली और दिल, दोनों से दूर रखा। कांग्रेस ने उत्तर पूर्व को एक तरह से भुला दिया। लेकिन भाजपा एनडीए की डबल इंजन सरकार ने उत्तर पूर्व को ऐसे कनेक्ट किया है। >14

पीएम मोदी ने कहा-बंगाल से महा जंगलराज खत्म होगा

कोलकाता, 14 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री ने पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य की सत्ताधारी दल तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधा है। इस दौरान उन्होंने कहा कि आपका ये उत्साह, जोश बता रहा है कि बंगाल क्या सोच रहा है, बंगाल के मन में क्या चल रहा है। ब्रिगेड परेड ग्राउंड का इतिहास साक्षी है कि जब-जब बंगाल देश को दिशा देता है, ये ब्रिगेड मैदान बंगाल की आवाज बनता है। इस मैदान से अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ उठी आवाज हिंदुस्तान में क्रांति बन गई थी। उसका नतीजा ये हुआ कि अंग्रेजों के अत्याचार और लूट का खात्मा हुआ। आज एक बार फिर ब्रिगेड ग्राउंड से नए बंगाल की क्रांति का बिगुल बज गया है। प्रधानमंत्री ने इस दौरान कहा कि बंगाल में बदलाव अब दीवारों पर भी लिखा जा चुका है और बंगाल के लोगों के दिलों में भी छप चुका है। अब बंगाल से निर्मम सरकार का अंत होकर रहेगा।

माओवाद पर लगा बैन हटाएं जेल में बंद वर्कर्स को करें रिहा

> टॉप माओवादी देवुजी की तेलंगाना सीएम से मांग

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हाल ही में मुख्यधारा में शामिल हुए शीर्ष माओवादी देवुजी उर्फ़ तिप्पिरी तिरुपति तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से एक अपील की है। उन्होंने सीएम से सीपीआई (माओवादी) पर लगे प्रतिबंध को हटाने का आग्रह किया है।

उन्होंने कहा कि अगर पार्टी को राजनीतिक स्वतंत्रता दी जाए तो वह कानूनी रूप से काम करेगी और पीएलजीए को भंग कर देगी। उन्होंने जेल में बंद माओवादी नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों की रिहाई, आंदोलन में मारे गए लोगों के परिवारों को समर्थन और शहरी नक्सल के नाम पर हो रहे उत्पीड़न को समाप्त करने की भी मांग की। देवुजी ने कहा कि आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों के लिए 1 करोड़ रुपये और पांच एकड़ जमीन मांगने की खबरें जल्दबाजी में फैलाई गईं और ये आधिकारिक एजेंडा का हिस्सा नहीं थीं। देवुजी ने टीओआई से माओवादी आंदोलन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर बातचीत की। देवुजी ने खुद को एक माओवादी नेता के रूप में प्रस्तुत किया। माओवाद भूमिगत गतिविधियों से हटकर एक सार्वजनिक और कानूनी राजनीतिक संघर्ष की ओर बढ़ रहा है। देवुजी उर्फ तिप्पिरी तिरुपति ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और केंद्र सरकार के समक्ष कई मांगें रखीं। उनकी मुख्य मांग सीपीआई (माओवादी) पर लगे प्रतिबंध को हटाने की है, ताकि पार्टी सशस्त्र संघर्ष के बजाय एक कानूनी राजनीतिक इकाई के रूप में कार्य कर सके। देवुजी ने कहा कि यदि पार्टी पर लगा प्रतिबंध हटा दिया जाता है, तो सीपीआई (माओवादी) कानूनी ढांचे के भीतर काम करेगी और पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (पीएलजीए) को भंग कर देगी।

उन्होंने कहा कि इसे धोखाधड़ी नहीं, बल्कि शांतिपूर्ण राजनीतिक भागीदारी के प्रति प्रतिबद्धता के रूप में देखा जाना चाहिए। देवुजी ने कहा कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के साथ अपनी हालिया मुलाकात के दौरान उनकी केंद्रीय मांग यह थी कि राज्य सरकार सीपीआई (माओवादी) पर लगे प्रतिबंध को हटाने के लिए दबाव डाले।

कुछ भारतीय जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने की अनुमति

ईरान ने लंबी दोस्ती और साझा हितों का दिया हवाला

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसियां)। भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फथाली ने शनिवार को इस बात की पुष्टि की है कि उनके देश ने कुछ भारतीय जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से होकर गुजरने की अनुमति दी है। उन्होंने कहा है कि भारत और ईरान के बीच बहुत ही पुरानी दोस्ती है और दोनों के हित आपस में जुड़े हुए हैं। शनिवार को होर्मुज जलडमरूमध्य से भारत के दो एलपीजी टैंकर 'शिवालिक' और 'नंदा देवी' गुजर कर निकले हैं और अभी अंतर्राष्ट्रीय समुद्र में हैं और भारत की ओर बढ़ रहे हैं। इसी दौरान शनिवार को इंडिया टुडे कॉन्क्लेव में ईरानी राजदूत मोहम्मद फथाली ने कहा कि ईरान ने भारत के कुछ जहाजों के लिए होर्मुज स्ट्रेट को खोल दिया है। फथाली ने माना है कि शुरू में भारत के साथ संवाद में कुछ दिक्कते हुई थीं, लेकिन यह भी स्वीकार किया है कि अब 'दोनों ही देश एक-दसरे को सपोर्ट' कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हां, हमने कुछ जहाजों को होर्मुज से गुजरने की अनुमति दी है, लेकिन कितनों को यह इस समय नहीं बता सकता।

92700 मीट्रिक टन गैस लेकर आ रहे शिवालिक और नंदा

सरकार ने बताया-कालाबाजारी के खिलाफ देशभर में अभियान

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच देश में रसोई गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में सरकार सक्रिय है। भारत की राष्ट्रीय ऊर्जा सुरक्षा और मैरीटाइम लॉजिस्टिक्स के मोर्चे पर महत्वपूर्ण गतिविधियां दर्ज की गई हैं। एक तरफ जहां भारी मात्रा में एलपीजी गैस लेकर विशाल टैंकर भारतीय बंदरगाहों की ओर बढ़ रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ घरेलू बाजार में आपूर्ति श्रृंखला को बाधित करने वालों के खिलाफ एजेंसियों ने सख्त रुख अपना लिया है। शनिवार को पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता

शर्मा ने बताया कि 'शिवालिक' और 'नंदा' नाम के एलपीजी टैंकर इस समय रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज पास को पार कर चुके हैं और भारत की ओर आगे बढ़ रहे हैं। यह एक बड़ा ऊर्जा लॉजिस्टिक्स ऑपरेशन है, क्योंकि ये दोनों पोत कुल मिलाकर 92,700 मीट्रिक टन गैस का बड़ा शिपमेंट लेकर आ रहे हैं। तय योजना के मुताबिक, ये वाणिज्यिक जहाज पश्चिमी तट पर स्थित प्रमुख बंदरगाहों- मुंद्रा पोर्ट और कांडला पोर्ट पर एंकर करेंगे।

शेड्यूलिंग के अनुसार ये शिपमेंट 16 और 17 मार्च को भारत पहुंच जाएंगे। इतनी बड़ी मात्रा में गैस की आवक से घरेलू बाजार में ऊर्जा की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित होगी और औद्योगिक व घरेलू मांग को सुचारू रूप से पूरा किया जा सकेगा। कमर्शियल शिपिंग और लॉजिस्टिक्स के अलावा, समुद्री क्षेत्र से जुड़े कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर भी सकारात्मक खबर सामने आई है। आधिकारिक सूचना के मुताबिक, पिछले 24 घंटों के भीतर 30 भारतीय नाविकों को सफलतापूर्वक सुरक्षित भारत वापस लाया गया है।

जेल से रिहा हुए जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक-गृह मंत्रालय ने हटाया एनएसए

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसियां)। जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को शनिवार को जोधपुर सेंट्रल जेल से रिहा कर दिया गया। यह रिहाई उस समय हुई जब केंद्र सरकार ने वांगचुक पर लगे राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) को हटा दिया। मंत्रालय ने बताया कि यह फैसला राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत मिले अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए लिया गया है। सरकार का कहना है कि यह फैसला लद्दाख में शांति और स्थिरता का माहौल बनाने के लिए लिया गया है। वांगचुक को 26 सितंबर 2025 को हिरासत में लिया गया था।

इससे ठीक दो दिन पहले लेह में लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर बड़े प्रदर्शन हुए थे। इन प्रदर्शनों के दौरान हिंसा भी हुई थी, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी और 45 से ज्यादा लोग घायल हुए थे, जिनमें 22 पुलिसकर्मी भी शामिल थे। हिंसा के बाद लेह के जिला मजिस्ट्रेट के आदेश पर वांगचुक को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत हिरासत में लिया गया था, ताकि इलाके में कानून-व्यवस्था बनाए रखी जा सके। बाद में उन्हें राजस्थान के जोधपुर स्थित जेल में भेज दिया गया था।

5 दिन बाद कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की सप्लाई शुरू

सरकार बोली-घबराकर बुकिंग न करें

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसियां)। सरकार ने 5 दिन बाद कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर पर लगी रोक हटा दी है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि देश के 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कमर्शियल सिलेंडर का वितरण शुरू कर दिया गया है। सरकार ने 9 मार्च को कमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई पर रोक लगाई थी। वहीं, सिलेंडरों की कालाबाजारी और अवैध भंडारण को रोकने के लिए देशभर में छापेमारी तेज कर दी गई है। सरकार ने कहा है कि घरेलू उपभोक्ताओं को घबराने की जरूरत नहीं है। पेट्रोलियम और नेचुरल गैस मिनिस्ट्री की जॉइंट सेक्रेटरी (मार्केटिंग और ऑयल रिफाइनरी) सुजाता शर्मा ने कहा कि अब दिल्ली-एनसीआर की इंडस्ट्रीज, होटल, रेस्टोरेंट और दूसरी संस्थाओं को एक महीने के लिए नेचुरल गैस की जगह बायोमास से बने पेलेट्स, खासकर रिफ्यूज डिराइव्ड फ्यूल (आरएफ) पेलेट्स के अस्थायी इस्तेमाल की मंजूरी दे दी गई है।

'अलोकतांत्रिक प्रक्रिया की लोकतंत्र में कोई जगह नहीं'

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसियां)। केंद्र सरकार द्वारा सोनम वांगचुक की हिरासत को तत्काल प्रभाव से रद्द करने के फैसले पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने सरकार के इस फैसले का स्वागत किया है और सुप्रीम कोर्ट से बिना मुकदमे के हिरासत की अधिकतम अवधि को लेकर मानदंड तय करने की अपील की है। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में सोनम वांगचुक ने बिना मुकदमे के अनिश्चितकालीन हिरासत अवधि की आलोचना की और इसे औपनिवेशिक युग की अलोकतांत्रिक प्रथा बताया। शशि थरूर ने सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में लिखा, मुझे खुशी है कि केंद्र सरकार ने सोनम वांगचुक की हिरासत रद्द कर दी है, लेकिन 169 दिन का समय बहुत लंबा लगता है। सर्वोच्च न्यायालय को बिना मुकदमे के अधिकतम हिरासत की अवधि के लिए सख्त मानदंड बनाने की जरूरत है। अनिश्चितकालीन हिरासत औपनिवेशिक काल से चली आ रही एक अलोकतांत्रिक प्रथा है।

'बेहद जटिल स्थिति से निपट रहे ऊर्जा सुरक्षा प्राथमिकता'

> पश्चिम एशिया संकट पर विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच शनिवार को भारत ने सुरक्षित ऊर्जा आपूर्ति और सामान के निर्बाध आवागमन की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा है कि स्थिति बेहद जटिल है। इस संकट पर एक अंतर-मंत्रालयी ब्रीफिंग के दौरान विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि संघर्ष शुरू होने के बाद से भारत लगातार संवाद और तनाव कम करने की अपील करता रहा है। उन्होंने भारत की प्राथमिकताओं पर जोर देते हुए कहा कि सामान और ऊर्जा की आपूर्ति निर्बाध जारी रहनी चाहिए और नागरिक ढांचे, खासकर ऊर्जा से जुड़ी सुविधाओं पर हमले से बचना चाहिए।

माल और ऊर्जा का निर्बाध पारगमन सुनिश्चित करना प्राथमिकता : प्रवक्ता ने कहा, भारत ने लगातार जोर दिया है कि माल और ऊर्जा के निर्बाध पारगमन को सुनिश्चित करना उसकी प्राथमिकताओं में से एक रहा है। हमने पूरे क्षेत्र में ऊर्जा सहित नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने से बचने का भी आह्वान किया है। हमारा मानना है कि वैश्विक समुदाय के एक बड़े हिस्से की भी यही प्राथमिकताएं हैं। जायसवाल ने कहा, संघर्ष का प्रभाव वैश्विक स्तर पर महसूस किया जा रहा है। हमने खाड़ी सहयोग परिषद के सदस्यों, ईरान, अमेरिका और इस्राइल सहित सभी पक्षों से वार्ताकारों के जरिये विभिन्न राजनीतिक और राजनयिक स्तरों पर संपर्क बनाए रखा है, ताकि उनके बातचीत की जा सके और अपनी प्राथमिकताओं पर जोर दिया जा सके, खासकर ऊर्जा सुरक्षा से जुड़ी प्राथमिकता। जायसवाल ने कहा, प्रधानमंत्री ने क्षेत्र में अपने समकक्षों से बात की है। पिछले कुछ दिनों में विदेश मंत्री और हमारे दूतावास भी अपने वार्ताकारों के साथ लगातार संपर्क में रहे हैं। इस प्रक्रिया में जहाजरानी (शिपिंग) कंपनियों जैसे अन्य प्रमुख हितधारकों की चिंताओं को भी संबोधित करना पड़ा है।

आईआरआईएस के कई नाविकों को वापस भेजा

अधिकारियों ने फंसे हुए ईरानी नागरिकों को वापस भेजने के लिए एक चार्टर्ड उड़ान की व्यवस्था की, जिनमें वे ईरानी भी शामिल थे, जो पर्यटक के रूप में भारत आए थे या यहां राजनयिक के रूप में तैनात थे। यह उड़ान कल रात कोच्चि से रवाना हुई। यात्रियों में आईआरआईआईएस लावन के चालक दल के गैर-जरूरी सदस्य भी शामिल थे। यह ईरानी युद्धपोत अभी कोच्चि बंदरगाह पर ठहरा हुआ है। प्रवक्ता ने कहा, ब्रिक्स के सदस्य देश पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति में सीधे तौर पर शामिल हैं।

'किसानों के मुद्दे पर लड़ती रहेगी कांग्रेस'

यूएस ट्रेड डील का जिक्र कर राहुल ने सरकार को घेरा

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसियां)। केंद्र सरकार की नीतियों को लेकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी लगातार हमलावर हैं। उन्होंने एक बार फिर फेसबुक पोस्ट लिखकर किसानों से जुड़ा मुद्दा उठाया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि उन्होंने सरकार से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से जुड़ा सवाल पूछा, लेकिन सरकार ने जवाब देने से बचने का रास्ता चुना और संसद के पटल पर पुरानी नीतियों को दोहराया गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी किसानों के हक में संसद से लेकर सड़क तक आवाज उठाते रहेगी।

स्वामीनाथन समिति के सुझावों पर जोर : राहुल ने अपने फेसबुक पोस्ट में लिखा, लोकसभा में मैंने सरकार से सीधा सवाल पूछा : 2021 में किसानों से किया गया सी2 + 50 प्रतिशत कानूनी एमएसपी का वादा अब तक लागू क्यों नहीं हुआ? सरकार ने जवाब देने से बचते हुए सिर्फ अपनी पुरानी एमएसपी नीति दोहरा दी। राहुल जिस सी2 प्लस 50 प्रतिशत फॉर्मूले का जिक्र कर रहे हैं, इसे आम तौर पर स्वामीनाथन समिति के सुझावों की तरह भी देखा जाता है। इसके तहत सरकार को ये सुझाव दिया गया है कि खेती की कुल लागत (सी2) में 50 प्रतिशत मुनाफे को जोड़ने के बाद ही फसल के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का निर्धारण किया जाना चाहिए।

अपने पोस्ट के साथ कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सरकार से संसद में मिले जवाब की प्रति भी साझा की है। विपक्ष के नेता ने सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए अपने फेसबुक पोस्ट में आगे लिखा, सरकार ने यह भी स्वीकार किया कि उसने राज्यों पर एमएसपी बोनस खत्म करने का दबाव डाला, जिसे बिना किसी तर्क के 'राष्ट्रीय प्राथमिकताओं' के नाम पर सही ठहराया गया। उन्होंने अमेरिका के साथ ट्रेड डील को लेकर भी टिप्पणी की।

राहुल ने लिखा, एक और गंभीर सवाल- अमेरिका के साथ व्यापार समझौते से जुड़ा है। उन्होंने ट्रेड डील के हिस्से में गैर-व्यापारिक अवरोध (गैर-व्यापार बाधाएं) को घटाए जाने की बात पर हैरानी जताते हुए पूछा कि क्या इसका मतलब एमएसपी और सरकारी खरीद को कमजोर करना है? बकौल राहुल गांधी, सरकार इस सवाल से भी बच रही है। केंद्र सरकार की नीतियों के साथ-साथ नीयत पर सवाल खड़े करते हुए राहुल गांधी ने अपनी पोस्ट के अंतिम हिस्से में लिखा, मोदी सरकार किसानों से किया वादा तो निभाना नहीं चाहती, अपने स्वार्थ के लिए वो भारतीय कृषि को कुर्बान करने को भी तैयार है।

इजरायल ने ईरान के स्पेस रिसर्च सेंटर और एयर डिफेंस फैक्ट्री पर किया हमला

तेल अवीव, 14 मार्च (एजेंसियां)। ईरान के खिलाफ इजरायल और अमेरिका की ओर से कार्रवाई लगातार जारी है। इजरायली डिफेंस फोर्स की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, आईडीएफ ने हमले में ईरान के स्पेस रिसर्च सेंटर और एयर डिफेंस फैक्ट्री को निशाना बनाया है। आईडीएफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो साझा कर लिखा, "ईरानी स्पेस एजेंसी का मुख्य रिसर्च सेंटर और एक एरियल डिफेंस सिस्टम प्रोडक्शन फैक्ट्री। इस सेंटर में रिसर्च के लिए इस्तेमाल होने वाली स्ट्रेटेजिक लैब थीं, जिसमें मिलिट्री सैटेलाइट बनाना, इंटेलिजेंस इकट्ठा करना और मिडिल ईस्ट में टारगेट पर फायर करना शामिल था। आईडीएफ ने एक खास फैक्ट्री समेत कई ईरानी आतंकी शासन के एरियल डिफेंस सिस्टम प्रोडक्शन साइट्स पर भी हमला किया।" >14

अकेले चुनाव लड़ेगी बीजेपी : शाह ने 'बदलाव रैली' में किया ऐलान

मोगा (पंजाब), 14 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को ऐलान किया कि बीजेपी पंजाब में अकेले विधानसभा चुनाव लड़ेगी। अमित शाह ने पंजाब के मोगा में 'बदलाव रैली' को संबोधित किया। काफी वक्त से अटकलें लग रही थी कि बीजेपी अपने पूर्व सहयोगी शिरोमणि अकाली दल (बादल) के साथ विधानसभा चुनाव के लिए गठबंधन कर सकती है लेकिन अमित शाह ने इस तरह की तमाम अटकलों को खारिज कर दिया है।

अमित शाह ने बीजेपी के लिए समर्थन मांगते हुए कहा, मैं पंजाब के लोगों से अपील करने आया हूं। बीजेपी पहले पंजाब में अकालियों के जूनियर पार्टनर के तौर पर सरकार का हिस्सा थी। जब भी हम आपके सामने आए, हम छोटे भाई की भूमिका में आए। शाह ने कहा कि बीजेपी अब अपनी सरकार बनाने के लिए जी-जान लड़ाने जा रही है। अमित शाह ने रैली में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा, मैं पंजाब की माताओं, बहनों और बुजुर्गों समेत सभी से आशीर्वाद लेने आया हूं। हमें अपना आशीर्वाद दें। राज्य को मादक पदार्थों की समस्या से अगर कोई छुटकारा दिला सकता है तो वह सिर्फ नरेंद्र मोदी और बीजेपी हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, हमने जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 खत्म किया। आज नक्सलवाद खत्म होने की कगार पर है। अगर पंजाब को मादक पदार्थों की समस्या से छुटकारा दिलाना है, तो उसे बीजेपी की डबल इंजन वाली सरकार की जरूरत है। अमित शाह ने कहा, आज पंजाब कर्ज, मादक पदार्थों की समस्या, धर्म परिवर्तन, भ्रष्टाचार और गैंगस्टरों के आतंक के कारण बर्बाद हो गया है। शाह ने कहा कि पंजाब को बेरोजगारी से छुटकारा दिलाने में मदद के लिए कांग्रेस, अकाली दल और आम आदमी पार्टी को कई मौके दिए गए। अमित शाह की रैली के लिए मोगा में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। मोगा पंजाब के राजनीतिक रूप से अहम मालवा इलाके में आता है। मालवा में पंजाब की 117 विधानसभा सीटों में से 69 सीटें आती हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ टीएमसी पर घुसपैठियों को संरक्षण देने, सामाजिक तनाव बढ़ाने और चुनावी लाभ के लिए जानबूझकर सीमा सुरक्षा को कमजोर करने का आरोप लगाया।

पटनायक का भाजपा पर विधायकों की खरीद-फरोख्त का आरोप

भुवनेश्वर, 14 मार्च (एजेंसियां)। बीजद अध्यक्ष नवीन पटनायक ने शनिवार, 14 मार्च को भाजपा पर आगामी राज्यसभा चुनावों में 'विधायकों की खरीद-फरोख्त' का आरोप लगाया है। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया में एक अपराध बताया। यह टिप्पणी राज्य में क्रॉस-वोटिंग की आशंका के बीच आई है, जहां चार सीटों के लिए पांच उम्मीदवार मैदान में हैं। भाजपा के वरिष्ठ विधायक जय नारायण मिश्रा ने पटनायक के आरोपों को सिरे से खारिज किया। उन्होंने ऐसी किसी खरीद-फरोख्त से इनकार किया।

भाजपा के आधिकारिक उम्मीदवार प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन सामल और राज्यसभा सांसद सुजीत कुमार हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री दिलीप रे निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं और उन्हें भाजपा का समर्थन प्राप्त है। बीजद के उम्मीदवार संतृप्त मिश्रा और डॉ. दत्तेश्वर होता हैं, जिन्हें कांग्रेस और सीपीआईएम का समर्थन है।

ड्रोन के जरिए हेरोइन की तस्करी का पर्दाफाश, दो तस्कर गिरफ्तार

लेह, 14 मार्च (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले के कई गांवों में पाकिस्तानी ड्रोन के भारतीय सीमा में प्रवेश करने के बाद सुरक्षाबलों ने शनिवार को व्यापक सर्च ऑपरेशन शुरू किया। अधिकारियों के अनुसार रात रामगढ़ सेक्टर के कंद्राल, अबताल और बहादुरपुर गांवों के ऊपर कुछ मिनटों के लिए दुश्मन ड्रोन की गतिविधि देखी गई। सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके को कड़ी निगरानी में रखा और सुबह होते ही सर्च ऑपरेशन चलाया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सीमा पार से कोई हथियार या मादक पदार्थ नहीं गिराए गए हैं। पिछले दो दिनों में सुरक्षाबलों ने आरएसपुरा सेक्टर के सीमा गांवों से ड्रोन से गिराए गए सामान में से 3.15 किलो से अधिक हेरोइन बरामद की जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 20 करोड़ रुपये से अधिक है।

केरल के मंत्री बोले सबरीमाला में महिलाओं के प्रवेश पर हमारा रुख 2007 जैसा

भाजपा पर लगाया गंभीर आरोप

देवस्वम मंत्री वीएन वासवन

कोच्चि, 14 मार्च (एजेंसियां)। केरल के देवस्वम मंत्री वीएन वासवन ने शनिवार को सबरीमाला में महिलाओं के प्रवेश की अनुमति देने वाले 2018 के सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के लिए भाजपा को दोषी ठहराया। उन्होंने कहा कि एलडीएफ सरकार का वर्तमान रुख वही है, जो 2007 में सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष दायर हलफनामे में था। वह सुप्रीम कोर्ट की नौ सदस्यीय पीठ के समक्ष राज्य सरकार की ओर से दायर हलफनामे के संबंध में पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे,

जिसमें मासिक धर्म वाली उम्र की महिलाओं के पहाड़ी मंदिर में प्रवेश के संबंध में सरकार की स्थिति स्पष्ट की जानी थी। उन्होंने कहा कि 2018 का फैसला भाजपा से जुड़ी महिला वकीलों द्वारा सुप्रीम कोर्ट का रुख करने के बाद आया था।

सरकार का क्या रुख है?

उन्होंने कहा, हमने 2007 में एक हलफनामा दायर किया था जिसमें कहा गया था कि इस मुद्दे का फैसला धार्मिक अनुष्ठानों के विशेषज्ञों को करना चाहिए। हम अभी भी उसी रुख पर कायम हैं। उन्होंने आगे कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल महिलाओं के प्रवेश पर राज्य सरकार का रुख नहीं मांगा है, बल्कि कुछ संवैधानिक मुद्दों पर स्पष्टीकरण मांगा है। मंत्री ने कहा, हमने सर्वोच्च न्यायालय के एडवोकेट जनरल और संवैधानिक विशेषज्ञों को जवाब देने के लिए नियुक्त किया है। उन्होंने आगे कहा कि यदि अदालत इस मामले पर राज्य सरकार का रुख जानना चाहेगी तो उसे प्रस्तुत किया जाएगा।

यह भी बताया कि एलडीएफ सरकार ने 2007 में दायर हलफनामे में पहले ही अपना रुख स्पष्ट कर दिया था। उन्होंने कहा, पार्टी (माकपा) का रुख सरकार के रुख के समान है। सरकार भक्तों के साथ है। हम हमेशा से भक्तों के साथ रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ कुछ नहीं कह सकते हैं?

उन्होंने पूछा, वे कई मामलों में अदालत जाते हैं और हर बार उन्हें प्रतिकूल जवाब मिलते हैं। क्या केरल में कोई ऐसा विपक्ष रहा है जिसे अदालतों से इतने झटके लगे हों? जब उनसे सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले के बाद 2018 में राज्य सरकार की कार्रवाई के बारे में पूछा गया,

जिसमें सभी उम्र की महिलाओं को सबरीमाला में प्रवेश करने की अनुमति दी गई थी, तो उन्होंने कहा कि इस तरह की कोई व्याख्या नहीं की जानी चाहिए क्योंकि सरकार ने 2007 के हलफनामे में पहले ही अपना रुख स्पष्ट कर दिया था। उन्होंने कहा, अगर सुप्रीम कोर्ट कोई फैसला देता है, तो क्या हम उसके खिलाफ कुछ कह सकते हैं? महिलाओं के प्रवेश का फैसला देश की सर्वोच्च अदालत का था।

भाजपा ने अपना रुख बदला?

उन्होंने कहा, वे अब छिप रहे हैं। दरअसल, वे इसके पक्ष में खड़े थे। लेकिन यहां वे एक अलग रुख अपना रहे हैं। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि 2018 में महिलाओं के प्रवेश को सुगम बनाने के प्रयास भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए थे। उन्होंने दावा किया, भाजपा के युवा वकीलों ने ही यह मुकदमा दायर किया था। फैसला उन्हीं के पक्ष में आया था। तब उन्होंने इसे ऐतिहासिक फैसला बताया था।

लेकिन कुछ समय बाद उन्होंने अपना रुख बदल लिया। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में मासिक धर्म की उम्र वाली महिलाओं को सबरीमाला मंदिर में प्रवेश करने की अनुमति दी थी, जिसके बाद केरल में व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए थे। फिलहाल, सुप्रीम कोर्ट पहले के फैसले के खिलाफ दायर अपीलों पर विचार कर रहा है।

शादी का झांसा देकर किया दुष्कर्म, 1.50 लाख भी ऐंठे

इंदौर, 14 मार्च (एजेंसियां)। किराना दुकान पर काम करने वाले युवक ने युवती को शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपी न केवल युवती का शारीरिक शोषण किया, बल्कि कर्ज उतारने के नाम पर पीड़िता से 1.50 लाख रुपए भी ऐंठ लिए। पुलिस ने शुक्रवार को पीड़िता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है। एमआईजी टीआई सीबी सिंह ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर प्रवेश मंडलोई निवासी शिव शक्ति नगर के खिलाफ अलग-अलग धाराओं में कायमी की है।

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वह एक किराना दुकान पर चार साल से काम करती आ रही है। वहीं पर आरोपी प्रवेश मंडलोई हम्माली की काम करता है। उससे जान पहचान होने के बाद दोनों दोस्त बन गए थे। फोन पर बात भी होने लगी थी।

मणिपुर में बम धमाका

चार साल के बच्चे की मौत

इंफाल, 14 मार्च (एजेंसियां)। मणिपुर के नोनी जिले में शनिवार सुबह हुए बम विस्फोट में एक चार वर्षीय बच्चे की मौत हो गई, जबकि उसके पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना जिले के ताओलिंगपुंग गांव में सामने आई, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। पुलिस और स्थानीय सूत्रों के अनुसार घटना सुबह करीब 8:30 बजे नामकाओलोंग पार्ट-2 इलाके में यह हादसा उस समय हुआ, जब बच्चों के हाथ लगा एक संदिग्ध विस्फोटक अचानक फट गया।

बताया जा रहा है कि बच्चे उसे घर लेकर आए थे और पिता उसे सुरक्षित तरीके से नष्ट करने की कोशिश कर रहे थे। मृतक बच्चे की पहचान कलाइंगामपौ पामेई (4) के रूप में हुई है। उसके पिता थुआनकुंगाम पामेई (40), विस्फोट में बुरी तरह घायल हो गए। बताया जाता है कि विस्फोटक को फेंकने या नष्ट करने के दौरान उनका पैर फिसल गया, जिससे धमाका हो गया। धमाका इतना तेज था कि पास खड़े बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई,जबकि पिता के दोनों पैरों में गंभीर चोटें आईं।

घायल को तुरंत इंफाल स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। यह घटना खौपुम थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि विस्फोटक आखिर बच्चों के हाथ कैसे लगा। अधिकारियों ने कहा कि घटना की विस्तृत जांच की जा रही है।

आईएसआई समर्थित दो आतंकी गिरफ्तार, एके-47 राइफल और कारतूस बरामद

अमृतसर, 14 मार्च (एजेंसियां)। अमृतसर देहात पुलिस ने आईएसआई समर्थित आतंकी और सीमा पार हथियार तस्करी से जुड़े एक मॉड्यूल के संबंध में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक एके-47 राइफल, दो मैगजीन, 36 जिंदा कारतूस तथा तीन ग्लॉक 9 एमएम पिस्तौल बरामद की हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी सोशल मीडिया के माध्यम से विदेश में बैठे हैंडलरों के संपर्क में थे। जांच के दौरान यह भी जानकारी मिली है कि यह मॉड्यूल सोशल मीडिया के जरिए युवाओं को कट्टरपंथ की ओर प्रभावित करने तथा भारत और पुलिस के खिलाफ संदेश फैलाने की गतिविधियों से भी जुड़ा हुआ था। पुलिस ने इस संबंध में थाना घरिंडा में मामला दर्ज कर लिया है। अधिकारियों के अनुसार पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के अभी पता लगाया जा रहा है और इनके आगे-पीछे के लिंक भी खंगाले जा रहे है।

विदेशी लिंक के आरोपों के बाद पूर्व अध्यक्ष च्रुंगू को संगठन से किया गया बाहर

टिटो गंजू ने संभाली कमान

जम्मू, 14 मार्च (एजेंसियां)। कश्मीरी पंडितों का प्रतिनिधित्व करने वाले संगठन पनुन कश्मीर ने अपने पूर्व अध्यक्ष अजय च्रुंगू को तत्काल प्रभाव से निष्कासित कर दिया है। संगठन ने उनके कथित विदेशी संबंधों की जांच भी आदेशित की है, जिसमें अमेरिका स्थित पाकिस्तानी आईएसआई एजेंट गुलाम नबी फैई के साथ कथित संपर्क शामिल है। संगठन ने च्रुंगू की जगह टिटो गंजू को नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। पनुन कश्मीर के संयोजक अग्निशेखर ने यह सर्कुलर वरिष्ठ नेताओं और अन्य अधिकारियों की सलाह के बाद जारी किया।

सर्कुलर में कहा गया है कि यह कदम संगठन के वैचारिक स्पष्टता, अनुशासन और ऐतिहासिक मिशन की सुरक्षा के लिए उठाया गया है। च्रुंगू पर संगठन के सिद्धांतों से विचलन, वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के खिलाफ अप्रत्यक्ष रूप से चरित्रहास, संगठनात्मक विस्तार में बाधा और कुछ विदेशी संपर्कों को लेकर गंभीर सवाल उठे थे। सर्कुलर के अनुसार च्रुंगू ने संगठन द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब देने से इंकार कर दिया और कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया। इस कारण संगठन ने उन्हें निष्कासित करने का निर्णय लिया। पनुन कश्मीर ने च्रुंगू के विदेशी संपर्कों विदेश यात्राओं के प्रायोजन और कथित शत्रुतापूर्ण एजेंसियों से जुड़ाव की जांच के लिए एक आयोग भी बनाने का निर्णय लिया है। संगठन 24 मई को जम्मू में एक कार्यकर्ता कार्यशाला आयोजित करेगा,

'दल कोई भी हो, अच्छी बात सीखनी चाहिए'

राघव चड्ढा के मुरीद हुए मंत्री विक्रमादित्य सिंह; सोशल मीडिया पर की तारीफ

शिमला, 14 मार्च (एजेंसियां)। हिमाचल के लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा की कार्यशैली की सराहना की है। विक्रमादित्य ने अपनी फेसबुक पोस्ट में लिखा कि भारतीय लोकतंत्र की खूबसूरती यही है कि यहां सीखने के दरवाजे हमेशा खुले रहते हैं।

उन्होंने कहा कि राजनीति में जो व्यक्ति जनता के हित में ईमानदारी और तथ्य के साथ बात करता है, वह हमारी सीख और सम्मान दोनों का हकदार होता है, चाहे वह किसी भी दल या विचारधारा से आता हो। उन्होंने राघव द्वारा संसद में उठाए गए मुद्दों की भी प्रशंसा की, जैसे आम उपभोक्ता, मध्यम वर्ग और युवाओं से जुड़े प्रश्न, जो सीधे आम भारतीय के जीवन से जुड़े हैं।

विक्रमादित्य ने कहा कि हमें अच्छी बात और जनहित का काम जहां भी दिखे, उसे स्वीकार करना चाहिए। उन्होंने लिखा कि हमें कभी किसी से सीखने में गुरेज नहीं करना चाहिए, न दल देखकर, न विचारधारा देखकर। राजनीति और सार्वजनिक जीवन में सक्रिय हर व्यक्ति के लिए विनम्रता और सीखने की यह भावना सबसे बड़ी पूंजी है।

विक्रमादित्य हाल ही में दिल्ली दौरे पर थे, जहां उन्होंने केंद्रीय मंत्रियों के समक्ष हिमाचल से जुड़े मुद्दों को उठाया। उनकी यह फेसबुक पोस्ट बहुत प्रसारित हो रही है।

कैमरे पर खुद का वीडियो रिकॉर्ड कर वंदे भारत एक्सप्रेस पर फेंके पत्थर

मुंबई, 14 मार्च (एजेंसियां)। कैमरे पर दिखने के लिए लोग क्या-क्या नहीं करते। लेकिन क्या कभी सुना है कि कैमरे पर दिखने के लिए कोई पत्थरबाजी भी कर सकता है। हैरान करने वाला ऐसा ही मामला महाराष्ट्र से सामने आया है। यहां पर एक शख्स ने फेमस होने के लिए सीएसएमटी–साईनगर शिर्डी वंदे भारत एक्सप्रेस पर पत्थर फेंकें। इस दौरान उनसे अपने मोबाइल से घटना का वीडियो रिकॉर्ड किया, जैसे वह कोई बहुत ही शानदार काम रह रहा हो।

हालांकि आरोपी युवक को रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने घटना के कुछ ही घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया। घटना 13 मार्च की है। ठाकुर्ली और कल्याण रेलवे स्टेशनों के बीच किलोमीटर 52/114 के पास एक अज्ञात व्यक्ति ने ट्रेन पर पत्थर फेंके। इस दौरान कोच सी-1, सी-3, सी-4 और सी-7 पर पत्थर लगने से खिड़कियों के शीशे क्षतिग्रस्त हो गए।

आबकारी घोटाला मामले में

अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया ने कोर्ट में भरे 50-50 हजार के श्योरिटी बॉन्ड

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली आबकारी घोटाले से जुड़े सीबीआई मामले में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने आरोपमुक्त होने के बाद अदालत में 50-50 हजार रुपये के श्योरिटी बॉन्ड दाखिल किए। राऊज एवेन्यू स्थित विशेष न्यायाधीश की अदालत ने 27 फरवरी को इस मामले में केजरीवाल और सिसोदिया समेत कुल 23 आरोपितों को आरोपों से मुक्त कर दिया था।

कानूनी प्रक्रिया के तहत किसी आपराधिक मामले में आरोपित के बरी या आरोपमुक्त होने पर श्योरिटी बॉन्ड दाखिल करना अनिवार्य होता है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना होता है कि यदि आदेश के खिलाफ अपील दायर होती है तो संबंधित आरोपित अदालत में उपस्थित रहें। सीबीआई की ओर से दर्ज इस मामले में दिल्ली की पूर्व आबकारी नीति में अनियमितताओं के आरोप लगाए गए थे। हालांकि अदालत ने सुनवाई के बाद सभी 23 आरोपितों को आरोपों से मुक्त कर दिया था।

खाकी पर सीबीआई का छापा

20 हजार की रिश्वत लेते तीन पुलिसकर्मी दबोचे

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने दिल्ली के सुल्तानपुरी पुलिस थाना इलाके में छापा मारा। इस कार्रवाई के दौरान एक हेड कांस्टेबल को गिरफ्तार किया गया है। दो अन्य पुलिसकर्मियों को भी पकड़ा है। मिली जानकारी के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए पुलिस अधिकारी पर 20,000 रुपये की रिश्वत मांगने का गंभीर आरोप है।

छापे के बाद दो अन्य पुलिसकर्मियों से भी पूछताछ की जा रही है। इन पुलिसकर्मियों की मामले में संलिप्तता की गहन जांच की जा रही है। सीबीआई ने भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी मुहिम के तहत यह कार्रवाई की है। यह छापा रिश्वतखोरी के आरोपों की पुष्टि के बाद मारा गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए आगे की जांच जारी है।

लोक अदालत की तारीख 22 मार्च को

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली में लंबित ट्रैफिक चलानों का निपटारा करने का इंतजार कर रहे लोगों के लिए जरूरी खबर सामने आई है। 14 मार्च यानी आज आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत की तारीख अब बदल गई है। दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने इसे स्थगित करते हुए नई तारीख का ऐलान कर दिया है। लोक अदालत आम लोगों के लिए पुराने ट्रैफिक जुर्माने से राहत पाने का अच्छा मौका होती है। क्योंकि यहां कई मामलों में कम जुर्माने के साथ निपटारा हो जाता है।

दिल्ली स्टेट लीगल सर्विस अथॉरिटी की ओर से जारी सूचना के अनुसार पहले यह लोक अदालत आज यानी 14 मार्च को आयोजित होनी थी। अब इसे 22 मार्च को आयोजित किया जाएगा। देश के अन्य राज्यों में जहां लोग राष्ट्रीय लोक अदालत तय तारीख पर ही आयोजित की जा रही है। वहीं दिल्ली में प्रशासनिक कारणों से इसकी तारीख आगे बढ़ाई गई है। 22 मार्च को दिल्ली के कई जिला अदालत परिसरों में लोक अदालत लगाई जाएगी। इनमें प्रमुख रूप से तीस हजारी कोर्ट, कड़कड़डूमा कोर्ट, पटियाला हाउस कोर्ट, रोहिणी कोर्ट, साकेत कोर्ट, द्वारका कोर्ट और राउस एवेन्यू कोर्ट शामिल है। इन सभी कोर्ट परिसरों में सुबह से शाम तक लंबित मामलों की सुनवाई कर उनका निपटारा किया जाएगा।

लोक अदालत में आमतौर पर छोटे और कंपाउंडेबल ट्रैफिक मामलों का ही निपटारा किया जाता है। इनमें हेलमेट या सीट बेल्ट न पहनना, रेड लाइट जंप करना, ओवर स्पीडिंग, गलत पार्किंग, बिना पीयूसी सर्टिफिकेट के वाहन चलाना, वैध ड्राइविंग लाइसेंस या फिटनेस सर्टिफिकेट न होना और ट्रैफिक संकेतों की अनदेखी जैसे मामलों को सुलझाया जाता है। हालांकि कुछ गंभीर मामलों की सुनवाई यहां नहीं होती है। शराब पीकर वाहन चलाना, हिट एंड रन, अवैध रेसिंग, नाबालिग ड्राइविंग या किसी आपराधिक मामले में इस्तेमाल हुए वाहनों से जुड़े मामलों का निपटारा लोक अदालत में नहीं किया जाता है।

हाईकोर्ट ने 200 करोड़ की जमीन पर रोक लगाई

वन विभाग की याचिका पर गुप्तेश्वर सोसायटी के पक्ष में आदेश पर ब्रेक

ग्वालियर, 14 मार्च (एजेंसियां)। ग्वालियर में लगभग 200 करोड़ रुपए की जमीन से जुड़े विवाद में हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण अंतरिम आदेश दिया। हाईकोर्ट की एकल पीठ ने गुप्तेश्वर गृह निर्माण सहकारी संस्था के पक्ष में दिए गए पिछले फैसले के अमल पर फिलहाल रोक लगा दी है। 11 दिसंबर 2024 को प्रथम अपील में दिए गए फैसले में बरा गांव की 198 बीघा जमीन को निजी संपत्ति मानते हुए गुप्तेश्वर गृह निर्माण सहकारी संस्था के पक्ष में निर्णय दिया गया था। यह जमीन ग्वालियर नगर निगम सीमा के बरा गांव में स्थित है। यहां भूमि की कीमत एक करोड़ रुपये प्रति बीघा से अधिक आंकी जा रही है।

रिश्वत लेते हुए महिला अधिकारी गिरफ्तार

ठाणे, 14 मार्च (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने महाराष्ट्र के ठाणे में अनुसूचित जनजाति प्रमाणपत्र जांच समिति की एक महिला अधिकारी को 2.5 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। आरोपी अधिकारी का नाम मीनाक्षी एन। उनहाले है, जो कोकण डिविजन में डिप्टी डायरेक्टर के पद पर तैनात थीं। अधिकारियों के मुताबिक, उन्होंने एक व्यक्ति से उसकी पत्नी और बेटी की जाति प्रमाणपत्र फाइल पास करने के लिए 2.5 लाख रुपये की मांग की थी। शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने जाल बिछाया और उन्हें ऑफिस में रिश्वत लेते समय रंगे हाथ पकड़ लिया। मामले में भ्रष्टाचार निवारण कानून के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

मुखानी में आठ तोला सोना चोरी करने वाला शातिर गिरफ्तार

हल्द्वानी, 14 मार्च (एजेंसियां)। होली की सुबह मुखानी थाना क्षेत्र में आठ तोला सोना चोरी करने वाला शातिर चोर को पुलिस ने 150 सीसीटीवी खंगालकर गिरफ्तार कर लिया है। शनिवार को एसएसपी मंजुनाथ टीसी के निर्देशों पर पुलिस ने कड़ी मशक्कत करके चोर को पकड़ा है। उसके कब्जे से करीब 13 लाख रुपये मूल्य के सोने के जेवरात और नकदी बरामद की गई है। मुखानी बिठौरिया नंबर-1 निवासी हेमचंद लोहनी ने तहरीर देकर कहा कि वह दो मार्च से पांच मार्च के बीच अपने पैतृक गांव जिला अल्मोड़ा गए हुए थे। पांच मार्च को घर लौटने पर उन्हें पता चला कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनके घर का ताला तोड़कर अंदर रखे सोने के जेवरात और नकदी चोरी कर ली है। तहरीर के आधार पर थाना मुखानी में अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

कच्चे माल की कमी से हिमाचल के फार्मा उद्योगों पर संकट; दाम बढ़े, सप्लाई बाधित

सोलन, 14 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के प्रभाव से हिमाचल का फार्मा उद्योग में भी अछूता नहीं रहा। फार्मा उद्योग इस समय कच्चे माल की भारी कमी और बढ़ती कीमतों के कारण गंभीर संकट से गुजर रहा है। कच्चे माल के दाम लगातार बढ़ रहे हैं, वहीं सप्लाई में आ रही दिक्कतों के चलते उद्योगों को उत्पादन बनाए रखना मुश्किल हो गया है। उद्योग जगत के प्रतिनिधियों का कहना है कि वर्तमान परिस्थितियों में फैक्ट्रियों को सुचारू रूप से चलाना बेहद चुनौतीपूर्ण हो गया है। कच्चे माल की उपलब्धता कम होने और कीमतों में लगातार बढ़ोतरी से उत्पादन लागत में भारी इजाफा हो रहा है। कच्चे दाम के लगभग 40 से 50 प्रतिशत दाम बढ़ गए हैं।

आ रही एलपीजी की बड़ी खेप

दो भारतीय जहाज शिवालिक और नंदा देवी ने होर्मुज का रास्ता पार किया

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसियां)। मिडिल ईस्ट संकट के बीच ईरान ने जिन भारतीय ध्वज वाले दो लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस के टैंकरों से भरे जहाजों को होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित गुजरने को मंजूरी दी थी, वे अब इस संवेदनशील रास्ते को पार कर चुके हैं और भारत की तरफ बढ़ रहे हैं।

दोनों जहाजों के नाम शिवालिक और नंदा देवी हैं। बता दें कि इन जहाजों से एलपीजी की बड़ी खेप भारत आ रही है। भारत के जहाजों को ईरान और उस क्षेत्र के अन्य सभी देशों के सहयोग से होर्मुज जलडमरूमध्य का रास्ता सुरक्षित तरीके से पार कराया गया। दोनों भारतीय जहाजों को भारत लाए जाने की आधिकारिक मंजूरी पिछले कुछ दिनों में भारतीय नेतृत्व और ईरानी नेतृत्व के बीच हुई बातचीत के बाद दी गई थी।

शिवालिक और नंदा देवी, दोनों ही जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य को पार कर चुके हैं। अब वह जल्द ही भारत पहुंचेंगे। बता दें कि रसोई गैस कि किल्लत की खबरों के बीच दोनों जहाजों का भारत पहुंचना अहम माना जा रहा है। दरअसल मिडिल ईस्ट संकट की वजह से देशभर में एलपीजी की किलल्त की खबरें सामने आ रही हैं। लोग रसोई गैस के लिए लंबी लाइनों में लगे हैं। हालांकि सरकार का कहना है कि ये सिर्फ पैनिक है। हमारे पास गैस की कमी नहीं है। बता दें कि होर्मुज जलडमरूमध्य, दुनिया के सबसे संवेदनशील समुद्री रास्तों में से एक है।

शाम भारत में रह रहे ईरान के राजदूत मोहम्मद फतहाली ने पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि ईरान होर्मुज में भारतीय जहाजों को सेफ पैसेज देगा। इसके बाद ही भारतीय ध्वज वाले दो लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस टैंकरों को होर्मुज पार करने की अनुमति मिली। जहाजों को सेफ पैसेज देने के सवालों पर पर भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फतहाली ने कहा कि मेरा भरोसा है कि ईरान और भारत दोस्त हैं और हमारे हित एक हैं।

भारत में ईरान के राजदूत के तौर पर मैं आपसे कहता हूं कि इस हालत में, युद्ध के बाद भारत अलग-अलग क्षेत्रों में ईरान की मदद करें।

अभय चौटाला को विदेशी नेटवर्क से धमकी

सुरक्षा पर केंद्र सरकार का रवैया स्पष्ट नहीं, हाईकोर्ट सख्त

चंडीगढ़, 14 मार्च (एजेंसियां)। इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला को विदेशी नेटवर्क से धमकी के बाद उनकी सुरक्षा पर केंद्र सरकार का रवैया स्पष्ट नहीं है। इस पर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। अदालत ने स्पष्ट कर दिया कि उसके पूर्व आदेश के बावजूद यदि अगली सुनवाई तक केंद्र सरकार जवाब दाखिल नहीं करती है तो भारी जुर्माना लगाया जा सकता है। दूसरी तरफ, इस मामले में चंडीगढ़ ने अपना जवाब दाखिल कर दिया है। सुनवाई के दौरान चंडीगढ़ पुलिस ने अदालत को बताया कि धमकी देने के लिए जिस मोबाइल नंबर से व्हॉट्सएप कॉल की गई है वह वह विदेशी नेटवर्क से जुड़ा हुआ है और इस संबंध में जांच जारी है। आरोपित की गिरफ्तारी के प्रयास लगातार किए जा रहे हैं।

चंडीगढ़ पुलिस ने अदालत को बताया कि अभय सिंह चौटाला के खतरे का आकलन कराया गया है और रिपोर्ट में संभावित खतरे की आशंका बनी हुई है। इसी को ध्यान में रखते हुए चंडीगढ़ के सेक्टर-9/ए स्थित उनके आवास मकान नंबर 80 के आसपास बीट पेट्रोलिंग और पीसीआर वाहनों की गश्त बढ़ा दी गई है। शपथपत्र में यह भी कहा गया कि अभय सिंह चौटाला को हरियाणा सरकार द्वारा पहले से ही संरक्षित व्यक्ति घोषित किया गया है और उन्हें 'वाई प्लस' श्रेणी की सुरक्षा दी जा रही है।

इस सुरक्षा व्यवस्था के तहत एक गार्ड टीम के अलावा हरियाणा पुलिस के सात जवान पायलट और एस्कॉर्ट ड्यूटी पर तैनात हैं, जो डबवाली, जिला सिरसा स्थित तेजखेड़ा फार्म सहित अन्य स्थानों पर भी सुरक्षा उपलब्ध करा रहे हैं। पुलिस ने अदालत से कहा कि याचिका में उठाए गए मुद्दों पर आवश्यक कार्रवाई की जा चुकी है और सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम कर दिए गए हैं, इसलिए याचिका का निपटारा किया जा सकता है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सु वि चा र

अगर बनना है तो उस तालाब की तरह बनो, जहां शेर भी पानी पीता है बकरी भी, मगर सर झुका के!

तेलंगाना ने तंजानिया को डिजिटल अर्थव्यवस्था में सहयोग का प्रस्ताव दिया

तंजानिया के मंत्री सचिवालय में श्रीधर बाबू से मिले

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना ने तंजानिया को तकनीकी सहयोग और संस्थागत सहायता प्रदान करने का प्रस्ताव रखा है, ताकि तंजानिया अपनी अर्थव्यवस्था को डिजिटल रूप में बदल सके। यह जानकारी सूचना प्रौद्योगिकी एवं उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने दी।

मंत्री ने यह प्रस्ताव शनिवार को सचिवालय में तंजानिया के संचार, सूचना प्रौद्योगिकी एवं नवाचार मंत्री मुद्रिक रमाधनी सोरागा के नेतृत्व वाली उच्चस्तरीय प्रतिनिधि मंडल से बैठक के दौरान दिया। बैठक में दोनों पक्षों ने विभिन्न क्षेत्रों में तेलंगाना और तंजानिया के बीच सहयोग को मजबूत करने के अवसरों पर चर्चा की। श्रीधर बाबू ने कहा कि तेलंगाना सूचना प्रौद्योगिकी, पर्यटन, स्वास्थ्य, जीवन विज्ञान, उभरती प्रौद्योगिकियां, डिजिटल प्रशासन, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, स्टार्टअप, नवाचार इकोसिस्टम और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में रणनीतिक सहयोग के लिए रोडमैप तैयार करेगा। उन्होंने राज्य में डिजिटल परिवर्तन की प्रगति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि तेलंगाना ने प्रौद्योगिकी-संचालित शासन और नवाचार में मजबूत प्रतिष्ठा बनाई है।

उन्होंने कहा, डिजिटल परिवर्तन सामाजिक और आर्थिक समावेशी विकास का मुख्य आधार बन गया है। तेलंगाना तंजानिया को डिजिटल अर्थव्यवस्था बनाने में अपने अनुभव, तकनीकी विशेषज्ञता और संस्थागत ज्ञान साझा करने के लिए तत्पर है। मंत्री ने यह भी कहा कि तंजानिया में दवाओं और स्वास्थ्य उत्पादों की आपूर्ति के लिए फार्मास्युटिकल वितरण केंद्र स्थापित करने की संभावना का अध्ययन किया जाएगा। इसके साथ ही नागरिक सेवा वितरण (मी-सेवा), महिला उद्यमिता (वी हब), स्टार्टअप और नवाचार इकोसिस्टम, तथा कौशल विकास कार्यक्रमों में सहयोग भी प्रदान किया जाएगा। तंजानिया के मंत्री सोरागा ने कहा कि उनकी सरकार तेलंगाना जैसे प्रगतिशील क्षेत्रों के साथ मिलकर डिजिटल अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में इच्छुक है।

उन्होंने तेलंगाना की सूचना प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, चिकित्सा पर्यटन, डिजिटल शासन और स्टार्टअप में उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि जल्द ही दोनों पक्ष सहयोग को औपचारिक रूप देने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करेंगे। बैठक में तंजानिया के उच्च अधिकारी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

निर्माण स्थल पर दंपति की हत्या, इलाके में सनसनी

संगारेड्डी, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पाटनचेरु थाना क्षेत्र के इंद्रेशम में शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात एक निर्माण स्थल पर काम कर रहे दंपति की बेरहमी से हत्या कर दी गई। अज्ञात बदमाशों ने सोते समय धारदार हथियारों से हमला कर दोनों की जान ले ली। मृतकों की पहचान सोमला दशरथ (50) और मन्याम्मा (46) के रूप में हुई है, जो महबूबनगर जिले के गुड्डूर मंडल के डोंगाचिंता थंडा के मूल निवासी थे। आजीविका की तलाश में वे कुछ वर्ष पहले इंद्रेशम आकर बस गए थे। दंपति निर्माण स्थल के पास बनी एक झोपड़ी में रहते थे। रिहायशी इलाके के बीच हुई इस दोहरे हत्याकांड से पूरे क्षेत्र में दहशत फैल गई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए पाटनचेरु के सरकारी अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने सुराग जुटाने के लिए फोरेंसिक टीम और खोजी दल की मदद ली है तथा आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राधिकरण समाज में कानूनी जागरूकता फैलाने के लिए प्रतिबद्ध : पंचाक्षरी

तेलंगाना राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण की पहल दो मोबाइल लोक अदालत वाहनों का शुभारंभ

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण ने राज्य के दूरदराज के क्षेत्रों में कानूनी सेवाओं के विस्तार के उद्देश्य से दो नए मोबाइल लोक अदालत वाहन/बहुउद्देशीय वाहन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश और राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण (एनएएलएसए) के कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम नाथ ने नवनिर्मित वाहनों का नोवोटेल एचआईसीसी, हैदराबाद में शुभारंभ किया।

कार्यक्रम में उच्च न्यायालय और सुप्रीम कोर्ट के अन्य वरिष्ठ न्यायाधीश, तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश आपरेश कुमार सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष पी. सैम कोशि, और प्राधिकरण के सदस्य सचिव च. पंचाक्षरी सहित अन्य न्यायिक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। तेलंगाना राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण के वर्तमान समय में केवल चार मोबाइल वाहन हैं, जिन्हें 34 जिलों में मासिक प्रणाली के माध्यम से कानूनी साक्षरता शिविर, जेल दौरे और अन्य कानूनी गतिविधियों के लिए प्रयोग किया जाता है। नए वाहन उच्च तकनीक सुविधाओं से लैस हैं।

वाहनों में एक केबिन में लोक अदालत संचालन, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, कंप्यूटर, एलईडी टीवी, वेब कैमरा, हाई-स्पीड इंटरनेट, स्प्लिट एसी, माइक प्रणाली, सीसीटीवी और पावर बैकअप की सुविधा है। दूसरा केबिन न्यायिक अधिकारी, पैनल वकील और कर्मचारियों के यात्रा और कानूनी साक्षरता शिविर, जागरूकता कार्यक्रम आदि के संचालन के लिए समर्पित है। इस सेवा उद्देश्य नि:शुल्क कानूनी सहायता और मार्गदर्शन, गांवों में कानूनी जागरूकता शिविर का आयोजन, प्रभावित व्यक्तियों को उनके कानूनी अधिकारों और राहत पाने की प्रक्रियाओं की जानकारी, मोबाइल लोक अदालत के माध्यम से विवादों का शीघ्र और सामूहिक समाधान आदि है। कार्यान्वयन: प्रत्येक जिले के जिलाधिकारी लोक अदालत वाहन का मासिक कार्यक्रम तैयार करेंगे, जिससे गांवों तक कानूनी सेवाएं और जागरूकता शिविर पहुंच सकें।

सदस्य सचिव च. पंचाक्षरी ने बताया कि यह पहल राज्य में न्याय तक पहुंच बढ़ाने और जनता को कानूनी मुद्दों के प्रति जागरूक करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण लगातार इस मिशन के लिए प्रयासरत है और जनता को न्याय दिलाने तथा समाज में कानूनी जागरूकता फैलाने के लिए प्रतिबद्ध है।

CLASSIFIEDS

Rentals commercial

Rent: Shop @ Begum Bazar for Rent in Ground floor 265 sft and stilt floor 310 sft. opp. Kashmir house. Ph.9396829958.

WANTED

Wanted Male TAILORS for Ladies Garments @ A Wholesale Cloth Store Near KOMPALLY, Hyderabad Language : Hindi or Telugu Ph. 7993979516

CHANGE OF NAME

I, 14664893N, Hav, Palukuri Siddaiah, R/o, Dist: Prakasam, Andhra Pradesh, changed my Daughter's name from P Eswari to Palukuri Eswari, vide Affidavit No. 284935 dt. 12.03.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No.14664893N, Hav, Palukuri Siddaiah, R/o, Dist : Prakasam, Andhra Pradesh, changed my Daughter's name from P Jubeda to Palukuri Jubeda vide Affidavit No. 284936 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, Kasimbi, W/o, No. 14664893N, Hav, Palukuri Siddaiah, R/o, Dist: Prakasam, Andhra Pradesh, changed my name from Kasimbi to Palukuri Kasimbi, vide Affidavit No. BU 311109 dt. 13.03.2026, before Spl Judicial Magistrate, Hyderabad.

I, No. 14669860 M, NK, Ram Sevak Maurya, R/o, Dist: Azamgarh, Uttar Pradesh, changed my Father's name from Barsati Ram to Barsati Maurya, vide Affidavit No.284946 dt. 12.03.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14650111F, Hav, Vankar Mahesh Kumar, R/o, Dist: Sabarkantha, Gujarat, changed my Son's name from Master Siddh to Vankar Sidhdhkumar Maheshbhai vide Affidavit No.284973 dt.13.03.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No.14650111F, Hav, Vankar Mahesh Kumar, R/o, Dist: Sabarkantha, Gujarat, changed my Father's name from Vankar Mangilal to Manibhai Vechatbhai Vankar vide Affidavit No. 284971 dt.13.03.2026, before Medchal-Malkajgiri Court,

I, JC 770479K, Sub, Subash Chander, R/o, Dist: Samba, Jammu and Kashmir, changed my Mother's name from Biasho Devi to Biaso Devi vide Affidavit No. 284974 dt.13.03.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No.14642827L, Hav, Sunil Kumar Pathak, R/o, Dist: Pratapgarh, Uttar Pradesh, changed my Mother's name from Sona Pathak to Sona Devi vide Affidavit No. 284976 dt. 13.03.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

बढ़ते मानव तस्करी मामलों पर एनएचआरसी ने जारी किए नोटिस

मुख्य सचिव और डीजीपी को दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट देने का निर्देश

नई दिल्ली, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने बिहार में हर साल दर्ज होने वाले 12,000 से 14,000 लापता व्यक्तियों के मामलों की मीडिया रिपोर्ट पर स्वत: संज्ञान लिया। इनमें अधिकांश बच्चे हैं, और केवल दो-तिहाई लापता बच्चों को ही पुनः ढूंढा जा सका। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनएचआरसी) के अनुसार ओडिशा, बिहार, तेलंगाना और महाराष्ट्र में मानव तस्करी के अधिकतम मामले दर्ज हुए हैं। नाबालिग लड़कों की तस्करी में ओडिशा शीर्ष पर है, जबकि नाबालिग लड़कियों की तस्करी में राजस्थान सबसे आगे है। रिपोर्ट के अनुसार, ये बच्चे भिक्षाटन, बालश्रम, वेश्यावृत्ति और अन्य अवैध गतिविधियों में मजबूर किए जाते हैं। आयोग ने इस मुद्दे को गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन मानते हुए बिहार, ओडिशा, तेलंगाना, महाराष्ट्र और राजस्थान के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशकों को दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है। रिपोर्ट में लापता व्यक्तियों की संख्या कम करने के लिए उठाए गए कदम और एनएचआरसी से प्राप्त नवीनतम सांख्यिकीय डेटा शामिल होगा।

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ प्रदर्शन किया

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। खैरताबाद जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मोता रोहित मुदिराज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ एक विशाल अनूठा प्रदर्शन आयोजित किया। यह विरोध बाबू जगजीवन राम मूर्ति, बाशीरबाग से शुरू होकर जवाहरलाल नेहरू मूर्ति, आबिडस तक किया गया। प्रदर्शन में एक 100 फीट लंबा बैनर भी उठाया गया, जिस पर लिखा था- 'प्रधानमंत्री की स्थिति संदिग्ध है।' इसके माध्यम से मोदी सरकार पर भारत के हितों को अमेरिका के दबाव में समझौता करने और विशेष रूप से भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में देश की संप्रभुता को नुकसान पहुंचाने के आरोप लगाए गए। प्रदर्शनकारियों ने पीएम मोदी से एडानी मामला, एपस्टीन फाइल्स और अन्य संबंधित आरोपों के जवाब देने या तत्काल पद त्यागने की मांग की।

इस विशाल प्रदर्शन में 1000 से अधिक सदस्य ने भाग लिया। खैरताबाद जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोथा रोहित मुदिराज ने कहा, हम इस व्यापार समझौते को रद्द करने की मांग कर रहे हैं और चाहते हैं कि नरेंद्र मोदी इन आरोपों का जवाब दें या तत्काल इस्तीफा दें। कार्यक्रम में एआईसीसी सचिव (तेलंगाना सह प्रभारी) सचिन सावंत, पूर्व सांसद वी. हनुमंत राव, नामपल्ली फिरोज खान, विजय रेड्डी सहित कई वरिष्ठ कांग्रेस नेता भी उपस्थित रहे। यह प्रदर्शन न केवल शहरवासियों का ध्यान आकर्षित करने वाला था, बल्कि प्रधानमंत्री की नीतियों और व्यापार समझौतों पर जनसाधारण में उठ रहे सवालों को भी उजागर करने वाला था।

हैदराबाद डिवीजन ने स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे, हैदराबाद डिवीजन ने आज हैदराबाद भवन, गुलिस्तां में अधिकारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए एक व्यापक स्वास्थ्य जांच शिविर सफलतापूर्वक आयोजित किया। इस शिविर का उद्देश्य अधिकारियों की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करना था।

शिविर में कुल 55 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें संतोष कुमार वर्मा, डिविजनल रेलवे मैनेजर, हैदराबाद डिवीजन, आशा वर्मा, अध्यक्ष, महिला कल्याण संगठन, हैदराबाद डिवीजन, डी.एस. रामाराव, एडीआरएम और अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं उनके परिवार शामिल थे। शिविर में प्रतिभागियों को एकीकृत डायग्नोस्टिक सेवा प्रदान की गई, जिसमें सभी आवश्यक स्वास्थ्य मानकों का उच्च गुणवत्ता वाले चिकित्सकों द्वारा मूल्यांकन किया गया। मुख्य सेवाओं में मूलभूत स्वास्थ्य जांच, रक्तचाप मापन और दृष्टि परीक्षण, उपवास रक्त परीक्षण, ईसीजी, 2डी इको और हड्डी घनता परीक्षण, चिकित्सक, हृदय रोग विशेषज्ञ और फेफड़े विशेषज्ञ द्वारा समीक्षा शामिल रहा। शिविर का संचालन काचीगुड़ा और मौलाली स्वास्थ्य इकाइयों की चिकित्सा टीम के नेतृत्व में किया गया। शिविर में डॉ.च. पद्मा, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस/एचवाईबी) की उपस्थिति में उच्च स्तरीय चिकित्सीय सेवा सुनिश्चित की गई। सेंट्रल हॉस्पिटल, लालागुड़ा ने भी महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया, और यशोदा अस्पताल, सिकंदराबाद के साथ साझेदारी से प्रतिभागियों को उच्च तकनीक निदान सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। शिविर की सफलता रेलवे अधिकारियों और उनके परिवार की दीर्घकालिक स्वास्थ्य सुरक्षा और कार्यकुशलता के प्रति संगठन की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। आयोजकों ने चिकित्सा कर्मचारियों और स्वयंसेवकों के योगदान की सराहना की, जिन्होंने जांच शिविर के सुचारू संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

दुकानों में आग, भारी नुकसान

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में शुक्रवार रात कुतुब शाही मकबरों वाली सड़क पर स्थित कई दुकानों में अचानक आग लग गई। इस घटना में दुकानों का काफी सामान जलकर नष्ट हो गया, लेकिन किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। बताया जा रहा है कि आग मस्जिद-ए-तौहीद के पास एक टायर की दुकान में लगी और देखते ही देखते पास की गैस चूल्हा मरम्मत की दुकान तक फैल गई। उस समय मस्जिद में करीब 1500 लोग नमाज पढ़ रहे थे। सभी लोगों को तुरंत सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया गया। सूचना मिलने पर दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और काफी प्रयास के बाद आग पर काबू पा लिया गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी हो सकती है। गैस चूल्हा मरम्मत की दुकान में रखे छोटे गैस सिलेंडर भी आग के दौरान फट गए, जिससे नुकसान बढ़ गया। पुलिस और दमकल विभाग पूरे मामले की जांच कर रहे हैं।

स्थायी बदलाव का मार्ग केवल लोकतंत्र है : सीतक्का

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायत राज और ग्रामीण विकास मंत्री सीतक्का ने शनिवार को अपने जीवन यात्रा का उदाहरण देते हुए कहा कि 'बुलेट से बैलेट तक' की उनकी यात्रा लोकतंत्र की गहरी शक्ति को दर्शाती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वास्तविक और स्थायी बदलाव केवल लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के माध्यम से ही संभव है। मंत्री ने साझा किया कि उनके जीवन में एक महत्वपूर्ण मोड़ आया, जब वह कभी न्यायालय में आरोपी के रूप में उपस्थित थीं और बाद में उसी न्यायालय में वकील के रूप में कानूनी बहस पेश की। उन्होंने यह असाधारण व्यक्तिगत विकास भारतीय संविधान द्वारा प्रदान किए गए अवसरों का परिणाम बताया। यह बयान उन्होंने 'शीस्पार्क्स 2026' कार्यक्रम में दिया, जो देशभर की विविध पेशेवर क्षेत्रों की प्रभावशाली महिला नेताओं को एकत्र करने वाला मंच था। इस आयोजन में उन्होंने अपने अनुभव और मंत्री के रूप में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों पर अपने विचार साझा किए। सीतक्का ने समाज में महिलाओं की भूमिका को परिवर्तन के प्रेरक के रूप में महत्वपूर्ण बताया और आयोजकों की पहल की सराहना की, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान देने वाली प्रभावशाली महिलाओं को एक साथ लाया। उन्होंने कहा कि उद्यमिता, शोध, सूचना प्रौद्योगिकी, लेखन, कला और सार्वजनिक प्रशासन सहित विभिन्न क्षेत्रों की महिलाओं की उपस्थिति प्रेरणादायक है और ऐसे मंच महिलाओं की नेतृत्व क्षमता को मजबूत करने में सहायक हैं। मंत्री ने बताया कि तेलंगाना सरकार महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए विभिन्न पहल कर रही है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण गरीबी उन्मूलन संगठन (एसईआरपी) के माध्यम से राज्यभर में लगभग 46 लाख महिलाओं ने स्वयं सहायता समूह बनाए हैं और सक्रिय रूप से सामाजिक और आर्थिक विकास में भाग ले रही हैं। सीतक्का ने यह भी बताया कि बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच, लघु और मध्यम उद्यमों के लिए ऋण प्रदान करना और बाज़ार तक पहुंच सुनिश्चित करना, महिलाओं को केवल नौकरी प्राप्त करने वाली के रूप में नहीं बल्कि रोजगार सृजन करने वाली के रूप में सक्षम बना रहा है।

छायाचित्र प्रतियोगिता के विजेताओं का कल सम्मान

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना वाणिज्य एवं उद्योग मंडल महासंघ की पर्यटन समिति द्वारा आयोजित 'पर्यटन जंक्शन रत्न छायाचित्र प्रतियोगिता' के विजेताओं की घोषणा कर दी गई है। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य हैदराबाद के कलात्मक रूप से विकसित यातायात चौराहों और सार्वजनिक कला प्रतिष्ठानों को रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत करना है। पुरस्कार वितरण समारोह 16 मार्च 2026 को दोपहर 2:30 बजे महासंघ भवन के जे.एस. कृष्णमूर्ति सभागार में आयोजित किया जाएगा। समारोह में महानगर निगम के आयुक्त आर.वी. कर्णन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे और विजेताओं को पुरस्कार प्रदान करेंगे। प्रतियोगिता में प्राप्त छायाचित्रों का मूल्यांकन प्रतिष्ठित निर्णायक मंडल और छायाचित्र विशेषज्ञों द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार छायाचित्र पत्रकार रजनी कांत को मिला। उनकी विजेता तस्वीर बाहरी परिधि मार्ग के नरसिंगी-कोकापेट

खंड पर स्थापित बच्चों के खेलते हुए शिल्प को दर्शाती है, जिसे वास्तुकार कुमारा स्वामी गौड़ ने तैयार किया है। यह कलाकृति तेलंगाना की सांस्कृतिक जीवंतता और सामुदायिक जीवन की भावना को दर्शाती है। द्वितीय पुरस्कार छायाचित्र पत्रकार नोमुला राजेश रेड्डी को मिला। उनकी तस्वीर नरसिंगी-कोकापेट मार्ग पर स्थापित सुनहरे रंग की विशाल मानव-मस्तिष्क आकृति को दर्शाती है, जो चिंतन, जागरूकता और आत्ममंथन का प्रतीक है। तृतीय पुरस्कार शौकिया छायाचित्रकार मोगिलिशेट्टी संध्या को मिला। उनकी तस्वीर माधापुर स्थित शिल्पकला वेदिका के पास स्थापित एक कलात्मक संरचना को दर्शाती है, जिसमें लाल, सफेद और हरे रंग की मानव आकृतियां मिलकर एक धातु के ग्लोब को उठाए हुए दिखाई देती हैं। यह स्थापना एकता, सहयोग और सामूहिक प्रयास का प्रतीक मानी गई है। इसके अलावा पांच सांत्वना पुरस्कार अबुजा श्रीनिवास, जी. बालस्वामी, गणेशन पोन्नम्बलम, शालिनी जैन और आवुला श्रीनिवास को दिए जाएंगे। पर्यटन समिति के अध्यक्ष प्रकाश अम्मनाबोलु और सह-अध्यक्ष डी. रामचंद्रम ने बताया कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य नागरिकों और छायाचित्र प्रेमियों को शहर के रचनात्मक रूप से सजाए गए चौराहों जहां मूर्तियां, फव्वारे, भित्ति चित्र और अन्य सौंदर्यीकरण कार्य किए गए हैं, को खोजने और अपने कैमरे में कैद करने के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि ऐसी पहल लोगों को अपने ही शहर को नए दृष्टिकोण से देखने और शहरी जीवन में मौजूद कला की सराहना करने के लिए प्रेरित करती है। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार के रूप में 10 हजार रुपये, द्वितीय पुरस्कार के लिए 7 हजार 500 रुपये, तृतीय पुरस्कार के लिए 5 हजार रुपये तथा पांच सांत्वना पुरस्कारों के लिए 1-1 हजार रुपये की राशि प्रदान की जाएगी। समारोह में पर्यटन समिति के सदस्य, प्रतिभागी, छायाचित्र विशेषज्ञ और अन्य विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहेंगे। महासंघ ने प्रतिभागियों और मीडिया प्रतिनिधियों से समारोह में शामिल होकर हैदराबाद की शहरी कला और पर्यटन क्षमता को प्रोत्साहित करने का आह्वान किया है।

हेतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्याक 4
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी मूण्डवा
प्रार्थी बनाम अप्रार्थीगण
श्रीमती कांता
अनुराधा वगैराह

प्रार्थी का प्रार्थना पत्र **संख्या 27/2025**
अधीन धारा 251ए राजस्थान काश्तकारी अधिनियम

आप विपक्षीगण- अनुराधा पुत्री जगदीश, ओमप्रकाश पुत्र रामबल्लभ, गोदावरी पत्नी रामबल्लभ, जयप्रकाश पुत्र रामबल्लभ, माधवी पुत्री जगदीश, शारदा पुत्री रामबल्लभ, संगीता पुत्री जगदीश, सीता पुत्री रामबल्लभ, हनुमान पुत्र जगदीश जातियान माली निवासीगण मूण्डवा तहसील मूण्डवा जिला नागौर, राजस्थान।

के विरुध्द इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि खसरा नम्बर 215/492 वाके मौजा खारडा में आने जाने, पशु छकडे ट्रेक्टर ट्रोली इत्यादि लाने ले जाने व आवागमन के लिए खसरा नम्बर 215/492 के दक्षिणी-पश्चिमी कुंटाड भाग से खसरा नम्बर 213 की उतरी माठ के सहारे-सहारे मूण्डवा से रामसिया पिथोलाव जाने वाले रास्ते तक पूर्व से पश्चिम लम्बाई में 20 फुट चौडाई में कटाणी रास्ता दर्ज करने हेतु पेश किया है।

अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरुध्द हेतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 19 माह 03 सन 2026 को 03.00 बजे मध्यान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिस सम्पर्क के रूप में अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो, यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तथा उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एकपक्षीय रुप से किया जायेगा।

यह आज दिनांक 07 माह 03 सन 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।

हस्ता./-
उपखण्ड अधिकारी
मूण्डवा (नागौर)
(न्यायालय सहायक कलेक्टर - एस.डी.ओ.-मूण्डवा की मुहर)

सैयद अता हसनैन बने बिहार के राज्यपाल

चीफ जस्टिस संगम साहू ने दिलाई शपथ

बिहार के नए राज्यपाल बने जनरल सैयद अता हसनैन.

नीतीश और दोनों उप-मुख्यमंत्री रहे मौजूद

पटना, 14 मार्च (एजेंसियां)। सैयद अता हसनैन ने शनिवार को बिहार के नए राज्यपाल के रूप में शपथ ली। वे राज्य के 43वें राज्यपाल बने हैं। पटना के लोक भवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और दोनों उपमुख्यमंत्री भी मौजूद रहे। पटना हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के। विनोद चंद्रन ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

समारोह में कई मंत्री, अधिकारी और गणमान्य लोग भी शामिल हुए। सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारियों में गिने जाते हैं। उन्होंने करीब 40 वर्षों तक सेना में सेवा दी है और कई अहम जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। अपने सैन्य करियर के दौरान वे खास तौर पर रणनीतिक नेतृत्व और सुरक्षा मामलों की गहरी समझ के लिए जाने जाते रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर में निभाई अहम भूमिका

अपने लंबे सैन्य कार्यकाल में उन्होंने जम्मू-कश्मीर में कई महत्वपूर्ण पदों पर काम किया। उनके नेतृत्व में सेना ने सुरक्षा के साथ-साथ सामाजिक पहल भी शुरू की। इन पहलों में युवाओं को शिक्षा, खेल और रोजगार से जोड़ने के प्रयास शामिल रहे, जिससे उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने की कोशिश की गई।

सेना के बाद भी राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ाव

सेना से सेवानिवृत्त होने के बाद भी हसनैन राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक मामलों से जुड़े रहे। उन्हें राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का सदस्य बनाया गया। इस दौरान उन्होंने आपदा प्रबंधन से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णयों में योगदान दिया और नीति निर्माण में भूमिका निभाई।

राज्यपाल पद पर नई जिम्मेदारी

अब बिहार के राज्यपाल के रूप में उनके सामने संवैधानिक जिम्मेदारियों का महत्वपूर्ण दायित्व है। राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में माना जा रहा है कि उनका अनुभव राज्य के लिए उपयोगी साबित हो सकता है।

मुस्लिम समुदाय से फिर राज्यपाल

इससे पहले 25 दिसंबर 2024 को आरिफ मोहम्मद खान को बिहार का राज्यपाल बनाया गया था। उनके रूप में राज्य को 26 साल बाद मुस्लिम समुदाय से राज्यपाल मिला था। इससे पहले ए। आर। किदवई 1998 तक बिहार के राज्यपाल रहे थे। अब सैयद अता हसनैन के राज्यपाल बनने से एक बार फिर मुस्लिम समुदाय से यह पद सुर्खियों में है।

पुलिस मुठभेड़ में 50 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

बाराबंकी, 14 मार्च (एजेंसियां)। जहांगीराबाद स्थित मछली फार्म में हुई डकैती के मामले में फरार चल रहे बदमाश को पुलिस ने मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया है। 25 जनवरी को हुई डकैती के बाद से फरार लखनऊ के इस बदमाश पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। स्वाट व असन्द्रा पुलिस ने शनिवार भोर हुई मुठभेड़ बदमाश के पैर में गोली लगी है। स्वाट व असन्द्रा पुलिस शनिवार भोर गश्त और चेकिंग कर रही थी, तभी कंधवापुर मोड़ के पास सिद्धौर से रामसनेहीघाट हाईवे की ओर एक संदिग्ध युवक बाइक से आता दिखा। पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया तो वह भागने लगा। पकड़े जाने से बचने के लिए बदमाश ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। गोली स्वाट प्रभारी उपनिरीक्षक अंकित त्रिपाठी के कान के पास से निकल गई, जिससे वह बाल-बाल बच गए।

पड़ोसन ने 2 साल के बच्चे को उतारा मौत के घाट

शिवहर, 14 मार्च (एजेंसियां)। जिले से एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आ रही है। यहां नगर थाना क्षेत्र के ताजपुर गांव में पुरानी दुश्मनी में गला दबाकर 2 साल के बच्चे की हत्या कर दी गई है। बच्चे का शव पड़ोसी के घर से बोरे में मिला है। मृतक की पहचान ताजपुर निवासी अरुण साह के पुत्र सुजीत कुमार (02) के रूप में की गई है। शुक्रवार की दोपहर बच्चा अपने घर से लापता हो गया था, इसकी सूचना पुलिस को दी गई थी।

सूचना के बाद पुलिस की टीम भी खोजबीन में जुट गई थी। वहीं अब बच्चे का शव पड़ोसी के घर मिलने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। एसपी ने बताया कि बच्चा लापता था, जिसकी सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम बच्चे की तलाश में जुटी हुई थी। पुलिस को सूचना मिली है पड़ोसी पर इल्जाम लग रहा है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पडीसी के घर से बोरे में बन्द बच्चे के शव को बरामद कर लिया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पड़ोसी महिला पार्वती देवी को गिरफ्तार कर लिया है।

आजम खान यतीमखाना प्रकरण

27 मार्च को होगी सुनवाई, हाईकोर्ट की रोक जारी

रामपुर, 14 मार्च (एजेंसियां)।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव आजम खान के खिलाफ यतीमखाना प्रकरण में शआज सुनवाई नहीं हो सकी। इस प्रकरण में आजम खान व अन्य आरोपितों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। हाईकोर्ट से याचिका पर सुनवाई होने तक ट्रायल कोर्ट के अंतिम निर्णय पर रोक लगी है। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता सीमा राणा ने बताया कि अब इस मामले की सुनवाई 27 मार्च को होगी।

इन लोगों के खिलाफ दर्ज है नामजद केस

इन मुकदमों में आजम खान समेत सेवानिवृत्त सीओ आले हसन खां, सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष वीरेंद्र गोयल, इस्लाम ठेकेदार आदि भी नामजद हैं। मुकदमे की सुनवाई एमपी-एमएलए कोर्ट (सेशन ट्रायल) में चल रही है। यतीमखाना प्रकरण में शहर कोतवाली में 12 लोगों द्वारा अलग-अलग मुकदमे दर्ज कराए गए थे। पहले सभी की अलग-अलग सुनवाई चल रही थी, लेकिन बाद में न्यायालय ने इन सभी को एक मानते हुए सुनवाई की। इसमें दोनों पक्षों की गवाही पूरी हो चुकी है। पत्रावली अंतिम बहस तक आ गई है।

2016 में बस्ती को जबरन खाली कराने का आरोप

आजम खान के विरुद्ध यह मामला शहर कोतवाली क्षेत्र की यतीमखाना बस्ती से जुड़ा है। इस बस्ती को वर्ष 2016 में जबरन खाली कराया गया था। तब प्रदेश में सपा की सरकार थी। आजम खां के इशारे पर सपाइयों ने पुलिस फोर्स के साथ बस्ती को जबरन खाली करा दिया था। मुकदमे में घरों में घुसकर मारपीट करने, छेड़छाड़ करने, रुपये, जेवर और भैंस-बकरी लूटकर ले जाने के आरोप हैं।

इराक के पास तेल टैंकर पर हमले में भारतीय इंजीनियर की मौत

गाजियाबाद, 14 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद से एक दुखद खबर आई है, यहां अह्ने वाले मर्चेंट नेवी इंजीनियर देवनंदन प्रसाद सिंह की ईरान-इजरायल-अमेरिका युद्ध में मौत हो गयी। वे अमेरिकी कंपनी क्रूड आयल टैंकर एमटी सेफसी विष्णु पर तैनात थे। उनके जहाज पर हमला हुए, वे एडिशनल चीफ इंजीनियर के पद पर तैनात थे। परिवार के मुताबिक, जापान में तैनात बेटे क्षितिज सिंह ने बताया कि उनकी मां के फोन पर पिता का मैसेज आया, "हमारे जहाज में आग लग गयी है।" इसके बाद परिवार से फिर कोई संपर्क नहीं हो सका। कुछ घंटों बाद खबर मिली कि ईरानी समर्थित हमले में भीषण आग लग गयी, जिसमें देवनंदन सिंह की मौके पर मौत हो गयी।

चौथे दिन भी छापेमारी, 20 करोड़ की संपत्ति जब्त

बांदा, 14 मार्च (एजेंसियां)। आयकर विभाग की टीमें बांदा व महोबा जिले समेत अन्य राज्यों के धनकुबेरों के यहां छापेमारी कर रही हैं। चौथे दिन शनिवार को भी आयकर की टीमें डेरा डाले रहीं। हमीरपुर संसदीय सीट के पूर्व बसपा प्रत्याशी व वर्तमान भाजपा नेता दिलीप सिंह समेत अन्य छह कारोबारियों के यहां पड़ताल जारी है, जिसमें क्रशर कारोबारी सोमेश भारद्वाज, खनन कारोबारी सीरजध्वज सिंह, हरिशरण सिंह, राहुल सिंह समेत महोबा के तीन क्रशरों के कारोबारियों के आवास और कार्यालयों में आयकर टीमें कालेधन को खंगाल रहीं हैं।

चौथे दिन भी जांच पड़ताल में जुटी हैं टीमें

जांच के दौरान कारोबार के आय व व्यय के लेखा जोखा से संबंधित दस्तावेजों को टीमों ने जहां कब्जे में लिया है। वहीं अब तक 20 करोड़ से ज्यादा के नकदी व जेवर मिले हैं। जांच टीम में शामिल एक अधिकारी ने नाम छापने की शर्त पर बताया कि कारोबारियों के बैंक एकाउंट व कारोबार से अर्जित की गई उनकी आय व खर्च के साथ टैक्स की अदायगी आदि जांची जा रही है। जांच का क्रम करीब पूरा होने वाला है।

बरामद रुपयों को विभाग ने बैंक एकाउंट में कराया जमा

बरामद रुपयों को विभाग ने अपने बैंक एकाउंट में जमा कराया है। अभी भी कारोबारियों व उनके मैनेजरों के साथ अन्य काम करने वालों से पूछताछ की जा रही है। देररात तक अफसर जहां बरामद धन व जेवरों के जोड़ने में लगे रहे। वहीं शनिवार को सुबह से खनन व क्रशर कारोबारियों के आवास व प्रतिष्ठानों के बाहर उनके वाहन खड़े नजर आ रहे हैं। जबकि अधिकारी अन्य दिनों की तरह ही अंदर जांच में जुटे हैं।

वहीं कारोबारियों के रिश्तेदारों व कारोबार में पैसा लगाने वालों की भी सूची तैयार की गई है। इससे यह माना जा रहा है कि यहां से लौटने के बाद अभी एक बार दोबारा आयकर की टीमें वापस आकर छापेमारी कर सकती हैं।

बस-डंपर में भीषण टक्कर

57 तीर्थ यात्री सवार थे, 40 घायल; 5 की हालत गंभीर

कानपुर, 14 मार्च (एजेंसियां)। कानपुर में पनकी थाना क्षेत्र के अंतर्गत शनिवार तड़के इटावा-कानपुर हाईवे पर भीषण सड़क हादसा हो गया। इस्पात नगर के पास बने पुल के ऊपर एक तेज रफ्तार डंपर ने नेपाल जा रही डबल डेकर टूरिस्ट बस में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार 57 यात्री भीतर ही फंस गए। हादसे में एक की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि लगभग 50 लोग घायल बताए जा रहे हैं।

अग्निशमन विभाग और पुलिस ने खिड़कियां तोड़कर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। मिली जानकारी के अनुसार, हादसा शनिवार सुबह करीब साढ़े छह बजे हुआ, जब टूरिस्ट बस नासिक से चलकर अयोध्या होते हुए नेपाल जा रही थी। इसमें कुल 57 लोग सवार थे।इस्पता नगर पुल के ऊपर डंपर ने बस को टक्कर मार दी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और पुलिस टीम मौके पर पहुंची।

बस की खिड़कियां और लोहे के हिस्से काटकर घायलों को बाहर निकाला गया। कुल 57 यात्रियों में से 15 साधारण घायल, चार गंभीर और एक अति गंभीर यात्री को तत्काल हैलट अस्पताल भेजा गया। बाकी यात्रियों को भी प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है।

नशे में धुत दूल्हे को देख दुल्हन ने किया शादी से इंकार

बांका, 14 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के बांका जिला के शंभूगंज थाना क्षेत्र के कमड्डी गांव में देर रात एक शादी समारोह उस समय हंगामे में बदल गया, जब वरमाला से ठीक पहले दूल्हा नशे की हालत में अजीब हरकतें करने लगा। दूल्हे की हालत देखकर दुल्हन ने साफ तौर पर शादी से इंकार कर दिया। इसके बाद शादी स्थल पर अफरा-तफरी मच गई और दोनों पक्षों के बीच जमकर नोकझोंक होने लगी।

नाराज लड़की पक्ष के लोगों ने दूल्हा समेत कई बारातियों को बंधक बना लिया। रातभर चले हाई वोल्टेज ड्रामे और पंचायत के बाद आज सुबह दोनों पक्षों में समझौता हुआ, जिसके बाद विधि-विधान से शादी संपन्न कराई गई और दुल्हन को विदा कर दिया गया।

ग्राम पंचायत सचिव से अभद्रता

सरकारी दस्तावेज फाड़ने पर पिता-पुत्र पर एफआईआर

अमरोहा, 14 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थी के आवास की जियोटैग कराने गए ग्राम पंचायत सचिव के साथ अभद्रता करने व सरकारी अभिलेख फाड़ने में किसान व उसके दो बेटे फंस गए हैं। तीनों के विरुद्ध सरकारी कार्य के बाधा डालने व जातिसूचक शब्दों से अपमानित करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है। यह मामला गजरौला थाना क्षेत्र के गांव बसैली का है। राजपाल सिंह पंचायत ग्राम पंचायत सचिव हैं। वर्तमान में उनकी तैनाती इसी गांव में है। वह ग्राम पंचायत बसैली में मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थी भूरे खां के घर पर जिया टैगिंग कराने गए थे।

आरोप है कि लाभार्थी तौसीफ के भाई कलुवा ने अपने दो पुत्रों के साथ मिलकर राजपाल सिंह के साथ अभद्रता की। सरकारी अभिलेख फाड़ दिए तो वहीं जातिसूचक शब्दों से भी अपमानित किया। राजपाल सिंह ने विरोध किया तो कलुवा ने छेड़छाड़ के केस में फंसाने की धमकी दी थी। किसी तरह से यहां से निकलकर राजपाल सिंह ने खंड विकास अधिकारी प्रतिभा अग्रवाल को पूरे मामले से अवगत कराया था। इस मामले की एक वीडियो भी प्रसारित हुई थी। बीडीओ की संस्तुति पर राजपाल सिंह ने तहरीर दी थी। प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि कलुआ व उसके बेटों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच की जा रही है।

आरएसएस जिला कार्यवाह के आवास पर हमला

युवकों ने घर में घुसकर की तोड़फोड़

बिजनौर, 14 मार्च (एजेंसियां)। यूपी के बिजनौर में आरएसएस के जिला कार्यवाह के घर पर दूसरे समुदाय के लोगों ने हमला कर दिया है। इस हमले में घर के परिजनों से बदसलूकी का आरोप भी लगा है। इसकी सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस के साथ भी दुर्व्यवहार हुआ।

बता दें कि बिजनौर की धामपुर तहसील में उस समय तनाव की स्थिति बन गई जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला कार्यवाहक विपिन चौहान के घर पर तड़के 3 बजे हमला होने का मामला सामने आया। जान लें कि संघ के जिला कार्यवाह के घर पर दूसरे समुदाय के कुछ लोगों ने कथित रूप से घर में घुसकर तोड़फोड़ की और मारपीट की है। आरोप है कि हमलावर दूसरे समुदाय के थे, जिन्होंने घर में घुसकर सामान को नुकसान पहुंचाया। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया। इस घटना के बाद हिंदू संगठनों में भारी रोष देखने को मिल रहा है।

बड़ी संख्या में हिंदूवादी संगठनों के कार्यकर्ता जमा हो गए और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करने लगे। लोगों ने प्रशासन और पुलिस से आरोपियों के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई की मांग भी उठाई है।

सपा नेता हाजी रजा पर केस दर्ज, गवाह से मारपीट और धमकी देने के आरोप में 8 नामजद

फतेहपुर, 14 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जनपद में बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश मीडिया प्रभारी के साथ मारपीट मामले में नया मोड़ आ गया है। जिसमें गवाह इमरान को धमकाने और मारपीट करने के आरोप में पुलिस ने सपा नेता हाजी रजा समेत के 8 साथियों पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। यही नहीं दो आरोपियों की गिरफ्तारी भी हुई है।

पुलिस ने बाकी फरार आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी का दावा किया है। इस मामले में बीजेपी नेता फैजान रिजवी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि वर्ष 2021 में गैंगस्टर-हिस्ट्रीशीटर सपा नेता हाजी रजा ने अपने गुर्गों के साथ मारपीट कर जान से मारने का प्रयास किए जाने का मुकदमा दर्ज कराया। जिसके बाद खुली आपराधिक हिस्ट्री के बाद जिला बदर किया गया। लेकिन उसके बाद भी धमकी मिलना जारी है।

कांग्रेस ने कभी सम्मान नहीं दिया

कांशीराम को लेकर राहुल गांधी पर भड़कीं मायावती

लखनऊ, 14 मार्च (एजेंसियां)। बीजेपी सुप्रीमो मायावती एक बार फिर कांग्रेस और राहुल गांधी पर हमलावर हैं। वजह हैं कांशीराम। दरअसल कांग्रेस पार्टी ने लखनऊ में कांशीराम जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया था। इस दौरान राहुल गांधी ने बीएसपी संस्थापक को लेकर बड़ा बयान देते हुए कहा कि अगर जवाहरलाल नेहरू जीवित होते, तो कांशीराम कांग्रेस के मुख्यमंत्री होते। इतना ही नहीं उनके लिए भारत रत्न की भी मांग उठाई गई।

अब मायावती राहुल के इस बयान पर हमलावर हैं। मायावती का आरोप है कि कांग्रेस ने सालों तक सत्ता में रहने के बाद भी बाबा साहेब को कभी भी आदर-सम्मान नहीं दिया। न ही कांग्रेस ने उनको कभी 'भारतरत्न' की उपाधि से सम्मानित किया। अब कांग्रेस कैसे कांशीराम जी को इस उपाधि से सम्मानित कर सकती है। मायावती ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने सत्ता में रहते हुए कांशीराम जी के निधन पर एक दिन का भी राष्ट्रीय शोक घोषित नहीं किया था। उस समय उत्तर प्रदेश की सपा सरकार ने भी राजकीय शोक घोषित नहीं किया था।

कांग्रेस के साथ ही दलित पार्टियां भी निशाने पर

बीएसपी सुप्रीमो ने कांग्रेस के साथ ही दलित संगठनों और अन्य दलित पार्टियों को भी निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि दूसरे दलों के हाथों में खेल कर दलित समाज के बने अनेकों संगठन और पार्टियां भी कांशीराम के नाम को भुनाने की कोशिश में हमेशा लगी रहती हैं। मायावती का ये हमला कांग्रेस के साथ ही चंद्रशेखर आजाद पर भी माना जा रहा है।

बीएसपी को कमजोर करने का आरोप

मायावती ने कहा कि ये सभी दल आए दिन अलग-अलग तरह के हथकंडे अपनाकर कांशीराम जी द्वारा बनाई गई पार्टी बीएसपी को कमजोर करने में लगी हैं। इसके साथ ही उन्होंने समर्थकों से इन लोगों से सचेत रहने को लेकर आगाह किया। उन्होंने कहा कि बीएसपी समर्थकों को खासकर कांग्रेस से सजग रहने की ज्यादा जरूरत है। इनकी दलित-विरोधी सोच और मानसिकता की वजह से ही बीएसपी को बनाया गया था।

अनंत सिंह राज्यसभा चुनाव में कर सकेंगे वोट

पटना, 14 मार्च (एजेंसियां)। 16 मार्च को राज्यसभा चुनाव को लेकर वोटिंग होगी। बिहार की 5 सीटों के लिए मतदान किया जाएगा। वोटिंग से पहले एनडीए के लिए अच्छी खबर है। बेऊर जेल में बंद बाहुबली नेता और मोकामा के विधायक अनंत सिंह को लेकर एमपी-एमएलए कोर्ट ने जरूरी फैसला सुनाया और उन्हें मतदान करने की अनुमति दे दी। कोर्ट के फैसले के मुताबिक, 16 मार्च को अनंत सिंह कुछ देर के लिए बेऊर जेल से बाहर आयेंगे। राज्यसभा चुनाव के लिए वे वोट करेंगे। वोट डालने के बाद वे बेऊर जेल लौट जायेंगे। जानकारी के मुताबिक, एमपी एमएलए की विशेष कोर्ट के न्यायाधीश प्रवीण कुमार मालवीय की अदालत में याचिका दायर की गई थी।

याचिका में कहा गया था कि 16 मार्च को राज्यसभा चुनाव को लेकर मतदान होना है। ऐसे में एक मतदाता जेल में बंद है। इसलिए पुलिस की सुरक्षा के बीच उन्हें मतदान करने की अनुमति दी जाए। अनंत सिंह के वकील की तरफ से दायर की गई इस याचिका पर सुनवाई हुई। वकील की अर्जी स्वीकार कर ली गई। कोर्ट की ओर से बेऊर जेल के काराधीक्षक को आदेश दिया गया कि अनंत सिंह को पूरी सुरक्षा के साथ विधानसभा ले जाया जाए और उन्हें मतदान कराया जाए। वोटिंग के बाद अनंत सिंह को वापस जेल भेज दिया जाए। इस तरह से राज्यसभा चुनाव से पहले एनडीए के लिए कोर्ट का यह फैसला बेहद खास माना जा रहा है।

'ईरान की फिक्र है तो वहीं जाओ'

भड़के ओवैसी बोले- 'क्या देश तुम्हारे बाप का है?'

संभल, 14 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में जुमे की नमाज से पहले पुलिस और सियासत के बीच एक बड़ा शब्द युद्ध छिड़ गया है। संभल के सीओ कुलदीप कुमार का एक वीडियो सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल रहा है, जिसमें वह ईरान-इजरायल विवाद को लेकर प्रदर्शन करने वालों को सख्त लहजे में चेतावनी दे रहे हैं। इस बयान पर एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने बेहद तीखा पलटवार किया है। पीस कमेटी की बैठक में सीओ कुलदीप कुमार ने दो टूक शब्दों में कहा कि जुमे की नमाज के दौरान कोई भी सड़क पर अराजकता नहीं फैलाएगा। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को ईरान के नाम पर छाती पीटनी है या प्रोटेस्ट करना है, वो जहाज पकड़ें और सीधे ईरान चले जाएं। यहां सड़कों पर काली पट्टी बांधना या नारेबाजी करना बर्दाश्त नहीं होगा। सीओ ने चेतावनी दी कि कानून हाथ में लेने वालों का पुलिस बढ़िया इलाज करेगी और किसी को भी मस्जिद के बाहर सड़क पर नमाज पढ़ने की इजाजत नहीं दी जाएगी। सीओ का वीडियो वायरल होते ही असदुद्दीन ओवैसी मैदान में उतर आए। एक जनसभा में उन्होंने गरजते हुए कहा कि मैंने संभल के सीओ का वीडियो देखा है, वह मुसलमानों को थाने बुलाकर धमका रहे हैं। क्या यह मुल्क उनके बाप का है? देश संविधान से चलेगा या किसी की जुबान से? ओवैसी ने यहां तक कह दिया कि संभल के सीओ इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू की भाषा बोल रहे हैं।

आफत का अलर्ट,आंधी-बारिश की आशंका

पटना, 14 मार्च (एजेंसियां)। बिहार में मौसम का मिज़ाज धीरे-धीरे करवट लेने लगा है। सर्दी की रुख़्सती और गर्मी की दस्तक अब साफ महसूस होने लगी है। दिन के वक्त धूप का असर बढ़ने लगा है, जिसकी वजह से लोगों को हल्की गर्मी और बेचैनी महसूस होने लगी है। वहीं सुबह और रात के समय हवा में अभी भी हल्की ठंडक बाकी है, जिससे मौसम का एहसास अभी भी खुशनुमा और राहतभरा बना हुआ है।

पिछले कुछ दिनों के दौरान बिहार के कई इलाकों में हुई हल्की बारिश ने मौसम को संतुलित बनाए रखा है। बारिश की वजह से तापमान में ज्यादा बढ़ोतरी नहीं हुई और लोगों को गर्मी से कुछ हद तक राहत भी मिली।

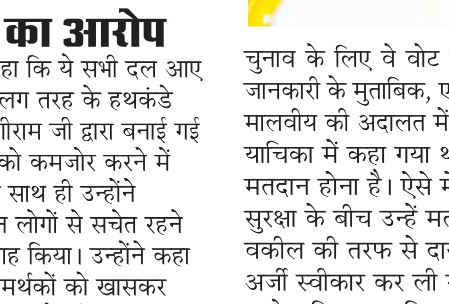

हालांकि अब मौसम विभाग की ताज़ा रिपोर्ट यह इशारा कर रही है कि आने वाले दिनों में मौसम का तेवर अचानक बदल सकता है। लेकिन असली बदलाव 15 मार्च से देखने को मिल सकता है। मौसम विभाग ने बिहार के कई जिलों के लिए मेघगर्जन, वज्रपात और तेज हवाओं को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, शिवहर, सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल, अररिया, किशनगंज, पूर्णिया, कटिहार, कैमूर, रोहतास और औरंगाबाद जैसे जिलों में मौसम अचानक करवट ले सकता है। इन इलाकों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की आशंका है।

इसके साथ ही बादलों की गरज-चमक और हल्की से मध्यम बारिश भी हो सकती है। मौसम विभाग ने एहतियात बरतने की सलाह देते हुए कहा है कि खराब मौसम के दौरान खुले मैदान, पेड़ों या बिजली के खंभों के पास खड़े होने से बचें।

हाईकोर्ट ने रद्द की पुलवामा में पीएसए हिरासत
प्रशासन की लापरवाही पर जताई कड़ी आपत्ति

श्रीनगर, 14 मार्च (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट ने पुलवामा एक व्यक्ति की जनसुरक्षा अधिनियम पीएसए के तहत हिरासत को रद्द करते हुए वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन के एक उद्धरण जो व्यक्ति छोटी-छोटी बातों में सच के प्रति लापरवाह होता है, उस पर बड़े मामलों में भरोसा नहीं किया जा सकता, का भी उल्लेख किया है। आइंस्टीन का उद्धरण संबधित जिला मजिस्ट्रेट के आचरण पर टिप्पणी के दौरान किया गया है।

अदालत ने पीएसए लागू करने के मामले में बरती गई लापरवाही पर कड़ा एतराज जताया है। श्रीनगर स्थित जम्मू कश्मीर व लद्दाख उच्च न्यायालय में पुलवामा निवासीय मुदस्सर अहमद बट की याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति राहुल भारती ने राज्य प्रशासन की लापरवाही पर एतराज जातया। उन्होंने अपने 15 पृष्ठों के फैसले की शुरुआत वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन के एक उद्धरण से की, ताकि कानूनी मामलों में सटीकता के महत्व को रेखांकित किया जा सके। न्यायमूर्ति भारती ने लिखा कि जो व्यक्ति छोटी-छोटी बातों में सच के प्रति लापरवाह होता है, उस पर बड़े मामलों में भरोसा नहीं किया जा सकता। याचिकाकर्ता मुदस्सर अहमद बट पुलवामा का रहने वाला है और एक स्थानीय टिन की दुकान में सेल्समैन के रूप में काम करता था। बट को मई 2025 से सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत हिरासत में रखा गया था। उस पर पुलवामा के मित्रीगाम गांव में आतंकी गतिविधियों का समर्थन करने का आरोप लगाया गया था।उसके मामले की पैरवी एडवोकेट जमीर अब्दुल्ला और जहिर अब्दुल्ला ने की। एडवोकेट जमीर अब्दुल्ला और जहीर अब्दुल्ला दोनो सगे भाई हैं और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के बेटे हैं। अदालत ने रिकार्ड में कई "स्पष्ट त्रुटियों" की ओर ध्यान दिलाया। जिला मजिस्ट्रेट द्वारा दिए गए हिरासत के आधार में 23 फरवरी 2025 को पुलिस समन का उल्लेख किया गया था, जबकि पुलिस दस्तावेजों में ऐसी कोई तारीख मौजूद नहीं थी।

इससे भी अधिक गंभीर बात यह सामने आई कि जिला जेल उधमपुर के अधीक्षक के एक पत्र में कहा गया था कि बट पांच दिसंबर 2024 से हिरासत में हैं, जबकि आधिकारिक हिरासत आदेश 30 अप्रैल 2025 को जारी किया गया था। यानी कथित हिरासत की तारीख आदेश से कई महीने पहले की बताई गई। न्यायमूर्ति भारती ने इस स्थिति को "ऐसा मामला बताया जिसमें प्रतिवादियों का दायां हाथ यह नहीं जानता कि बायां हाथ क्या कर रहा है।" उन्होंने कहा कि इस तरह की हिरासत "संवैधानिक संवेदनशीलता के लिए पीड़ादायक और चिंताजनक" है।

अदालत ने यह भी कहा कि यह समझ से परे है कि गृह विभाग या जिला प्रशासन ने इन गलतियों को ठीक क्यों नहीं किया। अदालत ने अंततः हिरासत को अवैध घोषित करते हुए पुलवामा के जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी आदेशों को रद्द कर दिया। न्यायमूर्ति भारती ने जिला जेल उधमपुर के अधीक्षक को निर्देश दिया कि मुदासिर अहमद बट को तुरंत रिहा किया जाए।

ब्लॉगर ज्योति अधिकारी और पति पर एक और केस पड़ोसी से मारपीट और अवैध शराब बिक्री का मामला

हल्द्वानी, 14 मार्च (एजेंसियां)। हल्द्वानी की चर्चित ब्लागर ज्योति अधिकारी की मुश्किलें बढ़ने में लगी हैं। पहले आर्म्स एक्ट व कुमाऊं के देवी देवताओं के अपमान के आरोप में प्राथमिकी, फिर एक ब्लागर के साथ मारपीट के बाद अब ज्योति अधिकारी व उसके पति पर पड़ोसी ने गंभीर आरोप लगाए हैं। पड़ोसी व्यापारी ने मारपीट करने समेत उसकी दुकान के बाहर शराब बेचने को लेकर आरोप लगाया है। शहर में इंटरनेट मीडिया विवाद और मारपीट के आरोपों को लेकर एक बार फिर ज्योति अधिकारी व उसके पति पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है। संपदा विहार लालमणि निवाड़ फेस-1 किराना व्यापारी नीरज भट्ट ने पुलिस को दी तहरीर में कहा कि व अपने घर के बाहर किराने की दुकान चलाते हैं। आरोप है कि कुछ समय से ज्योति अधिकारी के पति उनकी दुकान के सामने अवैध रूप से शराब बेच रहे थे।

युवक की पीट-पीटकर भीड़ ने की हत्या, 3 गिरफ्तार

चेन्नई, 14 मार्च (एजेंसियां)। चेन्नई में शराब पीकर एक महिला के पास खड़ा होकर पेशाब करना एक शख्स को भारी पड़ा। गुस्साई भीड़ ने पीट-पीटकर इस शख्स की जान ले ली। इस मामले में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। मृतक की पहचान ड्राइवर कलैसेल्वन के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि यह घटना एग्मोर और मन्नाडी इलाके के बीच हुई। 30 साल के कलैसेल्वन अपने दोस्त नितीश बालाजी के साथ एग्मोर में शराब पीने गया था। शराब पीने के बाद दोनों रैपिडो कार से मन्नाडी की ओर जा रहे थे। रास्ते में जब वे एक प्लेटफॉर्म के पास पहुंचे, तो वहां कुछ महिलाएं सो रही थीं। उसी दौरान नितीश बालाजी ने कथित तौर पर उनके पास पेशाब कर दिया। नितीश की इस हरकत से एक महिला की नींद खुल गई और उसे बेहद गुस्सा आ गया। महिला ने नितीश की हरकत का विरोध किया, लेकिन वह नशे में कुछ सुनने को तैयार नहीं था।

बाइक टैक्सी भी सुरक्षित नहीं
ड्राइवर ने बीच रास्ते महिला सवारी से की गंदी हरकत, शोर मचाने पर फरार

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसियां)। देश की राजधानी में ऐप आधारित टैक्सी और बाइक सेवाओं में महिलाओं की सुरक्षा एक बार फिर सवालों के घेरे में है। रोहिणी से पीतमपुरा के लिए ऑनलाइन बाइक बुक करने वाली एक महिला के साथ चालक द्वारा छेड़छाड़, बदसलूकी और जान से मारने की धमकी देने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना 1:28 बजे की है। पीड़िता ने रोहिणी सेक्टर-15 से पीतमपुरा के एमपी ब्लॉक मार्केट जाने के लिए ऑनलाइन कैब ऐप के जरिए एक बाइक बुक की थी।

ऐप पर बाइक चालक का नाम सचिन दिखाई दे रहा था। पीड़िता के अनुसार, सफर शुरू होने के कुछ ही देर बाद चालक की नीयत बदल गई और उसने गलत हरकतें शुरू कर दीं। पीड़िता का आरोप है कि चालक सचिन उसे बार-बार गलत तरीके से छूने लगा। जब महिला ने कड़ा विरोध किया और दूरी बनाए रखने को कहा, तो आरोपी ने बाइक की रफ्तार बढ़ा दी। वह जानबूझकर बार-बार अचानक ब्रेक लगाने लगा ताकि महिला का संतुलन बिगड़े। इस दौरान जब महिला ने बाइक रोकने की कोशिश की, तो आरोपी ने उसे पीछे से पकड़ लिया और छेड़छाड़ की।

डरी हुई महिला ने घबराने के बजाय हिम्मत दिखाई और जोर-जोर से चिल्लाना शुरू कर दिया। उसने धमकी दी कि अगर बाइक नहीं रोकी तो वह चलती बाइक से ही कूद जाएगी। पकड़े जाने के डर से आरोपी चालक ने पीतमपुरा के एफ-यू ब्लॉक स्थित सर्वोदय विद्यालय के पास बाइक रोकी और महिला को वहीं छोड़कर फरार हो गया। पीड़िता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है और ऐप के जरिए आरोपी चालक की पहचान कर सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है और सीसीटीवी फुटेज के जरिए आरोपी की तलाश में जुटी है।

इफ्तार पार्टी और ईद मिलन से दूर रहेगी बीजेडी
नवीन पटनायक ने क्यों लिया ये फैसला?

भुवनेश्वर, 14 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच पिछले करीब दो सप्ताह से जंग चल रही है। जिसके चलते मिडिल ईस्ट में कोहराम मचा हुआ है। इसी बीच ओडिशा की विपक्षी पार्टी बीजू जनता दल (बीजेडी) ने वार्षिक इफ्तार पार्टी और ईद मिलन समारोह का आयोजन नहीं करने फैसला लिया है। बीजद ने इससे खुद को किनारे कर लिया है। पार्टी का कहना है कि इस जंग में हजारों निर्दोष लोगों की जान जाने और कई अन्य के घायल या विस्थापित होने की बात सामने आई है।

ऐसी स्थिति में, और युद्ध की समाप्ति और शांति बहाल होने की आशा में, बीजद ने इस वर्ष इफ्तार और ईद मिलन का आयोजन नहीं करने का निर्णय लिया है। पार्टी ने कहा कि ओडिशा के कई लोग मिडिल ईस्ट के अलग-अलग देशों काम करते हैं। अभी ये लोग उन्हीं देशों में फंसे हुए हैं। इनके परिजनों के साथ हम भी सरकार से लगातार इन लोगों की

सुरक्षित वापसी की अपील कर रहे हैं। इसी वजह संघर्ष से प्रभावित लोगों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए लिया ये फैसला लिया गया है।

पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, बीजेडी के उपाध्यक्ष और पूर्व मंत्री प्रताप जेना ने कहा कि पार्टी हर साल अपने अध्यक्ष नवीन पटनायक की उपस्थिति में मुस्लिम भाइयों और बहनों और विभिन्न धर्मों के सम्मानित व्यक्तियों के साथ एक भव्य इफ्तार और ईद मिलन समारोह का आयोजन करती है। उन्होंने कहा कि, हालांकि, चल रहे जंग के कारण, मिडिल ईस्ट में रहने वाले ओडिशा के कई लोग संकटपूर्ण परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं। युद्ध ने 10 से अधिक देशों को सीधे तौर पर प्रभावित किया है और इसका पूरे विश्व पर प्रभाव पड़ा है। जेना ने कहा कि, इन परिस्थितियों को देखते हुए, बीजद ने इस वर्ष के इफ्तार और ईद मिलन समारोह को स्थगित करने का निर्णय लिया है।

मिडिल ईस्ट जंग के कारण बड़े पैमाने पर हुई जान-माल की हानि पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए, बीजेडी अध्यक्ष नवीन पटनायक ने जनता से इस दुखद समय में किसी भी प्रकार के उत्सव से परहेज करने की अपील की है। यह उल्लेखनीय है कि पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने खाड़ी देशों में फंसे ओडिया पर्यटकों, छात्रों, पेशेवरों और श्रमिकों का मुद्दा पहले भी कई बार उठाया था और राज्य और केंद्र सरकारों से उनकी सुरक्षित और तत्काल निकासी की मांग की थी।

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला
दुष्कर्म केस में रद एफआईआर वापस नहीं होगी, शादी का वादा तोड़ने पर भी नहीं

चंडीगढ़, 14 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण आदेश में कहा है कि यदि किसी आपराधिक मामले में अदालत पहले ही अंतिम आदेश पारित कर एफआईआर रद कर चुकी है, तो बाद में पक्षकारों के बीच समझौते के टूटने या किसी वादे के पूरा न होने के आधार पर उस आदेश को वापस नहीं लिया जा सकता। अदालत ने एक महिला की उस अर्जी को खारिज कर दिया जिसमें उसने आरोप लगाया था कि एक आर्मी मेजर ने समझौते के आधार पर शादी करने का वादा किया था, लेकिन बाद में मुकर गया।

यह मामला एक एफआईआर से जुड़ा था जिसमें सेना के एक मेजर पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया गया था। इस मामले में पहले अदालत ने परिस्थितियों और दोनों पक्षों की उम्र को ध्यान में रखते हुए एफआईआर को रद कर दिया था। बाद में महिला ने अदालत में अर्जी दाखिल कर कहा कि आरोपी ने समझौते के दौरान उससे शादी करने का वादा किया था और उसी आधार पर मामला खत्म हुआ था, लेकिन अब वह शादी करने से साफ इनकार कर रहा है। इसलिए अदालत अपने पुराने आदेश को वापस ले। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस मनीषा बत्रा की पीठ ने कहा कि वर्ष 2024 में पारित आदेश केवल समझौते पर आधारित नहीं था।

अदालत ने स्वतंत्र रूप से मामले के तथ्यों का मूल्यांकन करने के बाद यह निष्कर्ष निकाला था कि आरोपित के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धाराओं 376, 506 और 328 के तहत कोई प्रथम दृष्टया अपराध नहीं बनता। अदालत ने स्पष्ट किया कि एक बार जब अदालत किसी मामले में अंतिम आदेश पारित कर देती है और उसे हस्ताक्षरित कर देती है, तो उसके पास उस आदेश की समीक्षा या संशोधन करने का अधिकार नहीं रह जाता। पीठ ने यह भी कहा कि पक्षकारों के बीच बाद में क्या हुआ या किसने किस वादे का पालन नहीं किया,

26 थाना प्रभारियों को एक साथ मिली सजा, एसपी ने क्यों लिया एक्शन?

जबलपुर, 14 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के जबलपुर शहर में लगातार बढ़ते अपराध और अपेक्षित पुलिस कार्रवाई न होने पर नाराज पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय ने कड़ा कदम उठाते हुए बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की है। जबलपुर के पुलिस इतिहास में संभवतः पहली बार एक साथ 26 थाना प्रभारियों को निंदा की सजा दी गई है। इस कार्रवाई से पुलिस महकमे में हड़कंप की स्थिति बन गई है। पुलिस विभाग में तरह-तरह की चर्चा भी शुरू हो गई हैं। जानकारी के अनुसार, अपराधों की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक में पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय ने शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के थानों की कार्यप्रणाली का विस्तृत मूल्यांकन किया।

इस दौरान पाया गया कि कई थाना क्षेत्रों में अपराध नियंत्रण को लेकर अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई। बीते वर्ष की तुलना में कई थानों का प्रदर्शन कमजोर रहा और अपराधों पर प्रभावी अंकुश नहीं लगाया जा सका। इसी को लेकर पुलिस अधीक्षक ने सख्त रुख अपनाते हुए 25 थाना प्रभारियों को निंदा (कंडेम्नेशन) और एक थाना प्रभारी को चेतावनी देने की कार्रवाई की है।

इस्तीफा दीजिए या तबादला करवा लीजिए
संभल में नमाज के मुद्दे पर इलाहाबाद एचसी की डीएम-एसपी को फटकार

प्रयागराज, 14 मार्च (एजेंसियां)।

संभल में रमजान के दौरान नमाज रोके जाने के मामले पर आज इलाहाबाद हाई कोर्ट ने नमाजियों की संख्या सीमित करने के स्थानीय प्रशासन के फैसले पर सख्त रुख अपनाया है। सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि मस्जिद में नमाजियों की संख्या सीमित नहीं की जा सकती। अगर अधिकारी कानून-व्यवस्था सुनिश्चित नहीं कर सकते तो इस्तीफा दें या तो तबादला करवा लें। इस केस को जस्टिस अतुल श्रीधरन और जस्टिस सिद्धार्थ नंदन की डिवीजन बेंच सुन रही है।

संभल मामले पर इलाहाबाद हाई कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि राज्य का कर्तव्य है कि वो यह सुनिश्चित करे कि हर हाल में कानून का राज कायम रहे। कोर्ट ने कहा कि यदि स्थानीय अधिकारियों, पुलिस अधीक्षक और कलेक्टर को लगता है कि कानून-व्यवस्था की

ऐसी स्थिति पैदा हो सकती है जिसके कारण वे परिसर के अंदर पूजा करने वालों की संख्या सीमित करना चाहते हैं, तो उन्हें या तो अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए या संभल से बाहर अपना तबादला करवा लेना चाहिए।

राज्य का कर्तव्य है

जस्टिस अतुल श्रीधरन और जस्टिस सिद्धार्थ नंदन की डिवीजन बेंच ने कहा कि राज्य का कर्तव्य है कि वो यह सुनिश्चित करें कि हर समुदाय निर्धारित पूजा स्थल पर शांतिपूर्वक पूजा-अर्चना कर सकें। अगर वह कोई निजी संपत्ति है जैसा कि न्यायालय पहले ही तय कर चुका है तो वो राज्य से बिना किसी अनुमति के पूजा कर सकें।

कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट ने पहले ही यह स्पष्ट कर दिया है कि राज्य का हस्तक्षेप केवल तभी आवश्यक होता है और अनुमति केवल तभी मांगी जानी चाहिए जब प्रार्थनाएं या धार्मिक कार्यक्रम सार्वजनिक भूमि पर आयोजित किए जाने हों या सार्वजनिक संपत्ति तक फैल रहे हों।

रमजान के दौरान नमाज अदा करने से रोका गया

याचिकाकर्ता मुनाजिर खान ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में रिट सी याचिका दाखिल करते हुए कहा कि उसे गाटा संख्या 291 पर रमजान के दौरान नमाज अदा करने से रोका जा रहा है। याचिकाकर्ता के वकील ने सुनवाई के दौरान कहा कि यहां एक मस्जिद स्थित है।

हालांकि कोर्ट में याचिकाकर्ता ने मस्जिद या किसी ऐसे पूजा स्थल की कोई भी तस्वीर पेश नहीं की जिसके अंदर नमाज अदा की जानी हो। राज्य सरकार की तरफ से कोर्ट में गाटा संख्या 291 के मालिकाना हक के बारे में बताया गया कि राजस्व रिकॉर्ड में यह मोहन सिंह और भूरज सिंह के नाम पर दर्ज है जो दोनों सुखी सिंह के बेटे है उनके नाम पर दर्ज है।

कोर्ट ने बताया गया कि उस जगह पर केवल बीस नमाजियों को ही अनुमति दी गई है जो वहां नमाज अदा कर सकते हैं।

कल होगी अगली सुनवाई

कोर्ट ने राज्य की तरफ से दी गई दलीलों को खारिज करते हुए कहा कि राज्य का यह कर्तव्य है कि वह यह सुनिश्चित करे कि हर समुदाय किसी तय पूजा स्थल पर या निजी संपत्ति पर बिना किसी सरकारी अनुमति के शांतिपूर्वक प्रार्थना कर सकें।

कोर्ट ने कहा कि परिस्थितियों को देखते हुए राज्य ने इस मामले में निर्देश लेने के लिए समय मांगा है और याचिकाकर्ता एक पूरक हलफनामा दायर करना चाहता है। जिसमें वह तस्वीरें और राजस्व रिकॉर्ड पेश करके यह दिखाएगा कि नमाज कहां अदा की जानी है। कोर्ट ने राज्य सरकार की मांग को मंजूर करते हुए अब इस मामले की सुनवाई 16 मार्च को करेगी।

रिश्वतखोरी मामले में गुरुग्राम के पूर्व डीएफएससी को राहत एचसी से मिली जमानत

गुरुग्राम, 14 मार्च (एजेंसियां)। खाद्य आपूर्ति विभाग में कथित रिश्वतखोरी और डिपो होल्डरों से कमीशन वसूली के चर्चित मामले में पूर्व जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक (डीएफएससी) अनिल कुमार को पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट से जमानत मिल गई है। इससे पहले अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश डा। गगन गीत कौर की अदालत उनकी जमानत याचिका खारिज कर चुकी थी। अदालत में अनिल कुमार की पैरवी अधिवक्ता सतपाल यादव कर रहे हैं। फरवरी में हुई सुनवाई के दौरान अदालत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अनिल कुमार की जमानत याचिका खारिज कर दी थी।

राहुल टुटेजा ने अदालत में दलील दी थी कि मामले में पर्याप्त दस्तावेजी साक्ष्य मौजूद हैं और आरोप बेहद गंभीर हैं। इस बीच एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने मामले की जांच पूरी कर पूर्व डीएफएससी अनिल कुमार, सहायक खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी (एएफएसओ) विजय टांक और विभाग के अधिकारी प्रेम पूर्ण सिंह के विरुद्ध अदालत में चार्जशीट भी दाखिल कर दी है।

थाने में शिकायत दर्ज कराने गई लड़की, एसएचओ ने कहा- 'अब तक गैंगरेप हो जाना चाहिए था'

कोलकाता, 14 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के नरेंद्रपुर से एक गंभीर मामला सामने आया है, जिसमें एक युवती थाने में ईव टीजिंग की शिकायत दर्ज कराने गई थी, लेकिन वहां उसके साथ आपत्तिजनक व्यवहार किया गया। पीड़िता का दावा है कि थाने के एसएचओ ने उसकी बात सुनकर कहा, अब तक गैंगरेप हो जाना चाहिए था, जिससे वह हैरान रह गई। कानून की छात्रा और पीड़िता ने एबीपी आनंदा को बताया कि वह हर दिन अलीपुर कोर्ट से लौटती हैं और रात 8-9 बजे के आसपास घर लौटते समय 'टेस्ट ऑफ दार्जिलिंग' नामक रेस्तरां के पास कुछ लड़के उन्हें ताना मारते हैं, आपत्तिजनक टिप्पणी करते हैं और अश्लील व्यवहार करते हैं।

यह मामला पिछले एक-दो महीने से लगातार चल रहा है। 7 तारीख को भी इसी दौरान यह घटना हुई। पीड़िता ने आगे बताया कि उन्होंने अपनी मां को पूरी घटना बताई और तुरंत नरेंद्रपुर थाने गईं। थाने में जब उन्होंने एसएचओ को सारी बात बताई तो एसएचओ ने कहा, आप जो कह रही हैं, उससे तो अब तक गैंगरेप हो जाना चाहिए था। यह टिप्पणी उनके कमरे में की गई। पीड़िता के अनुसार, वहां उनकी मां और कई अधिकारी मौजूद थे और सभी हैरान रह गए। उन्होंने कहा, "क्या शिकायत दर्ज कराने गई युवती से इस तरह की बात की जा सकती है?" पीड़िता के पिता ने बताया कि उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के पास मामला उठाने की कोशिश की, लेकिन धरना मंच बंद हो जाने के कारण उनसे सीधे मुलाकात नहीं हो सकी।

इसके बाद उन्होंने अरूप विश्वास से संपर्क किया, जिन्होंने तुरंत मामले को मुख्यमंत्री तक पहुंचाने का भरोसा दिलाया। अगले दिन पीड़िता ने लिखित शिकायत दर्ज कराई और मुख्यमंत्री कार्यालय में अधिकारियों को सौंपा। महिला दिवस के एक कार्यक्रम में भी पीड़िता के पिता ने न्यायाधीश के सामने यह मामला उठाया। बारुईपुर जिला पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच में यह पता लगाया जा रहा है कि थाने के एसएचओ ने वास्तव में क्या कहा, शिकायत कितनी सत्य है और उपलब्ध तथ्यों और सबूतों का मिलान किया जा रहा है।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव- अब तक 2 नई पार्टियों का ऐलान
जयललिता की करीबी ने बनाई- ऑल इंडिया पुरच्चि थलैवर मक्कल मुनेत्र कषगम, शशिकला बोलीं- अलायंस करेंगे

चेन्नई, 14 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु में विधानसभा का कार्यकाल 10 मई 2026 को खत्म हो रहा है। आमतौर पर चुनाव कार्यकाल खत्म होने से 4-6 हफ्ते पहले कराए जाते हैं। ऐसे में चुनाव अप्रैल के दूसरे हफ्ते में होने की संभावना है। इस साल होने वाले चुनाव में दो नई पार्टियां मैदान में उतर रही हैं। इनमें से एक है एक्टर थलापति विजय की पार्टी तमिझगा वेत्रि कषगम (टीवीके), जो 234 सीटों पर कैंडिडेट उतारने का ऐलान कर चुकी है।

दूसरी है तमिलनाडु की पूर्व सीएम जयललिता की करीबी और एआईपीटीएमएमके से निष्कासित वीके शशिकला की पार्टी ल इंडिया पुरच्चि थलैवर मक्कल मुनेत्र कषगम (एआईपीटीएमएमके), जो 40 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। शशिकला ने अपनी पार्टी के नाम का ऐलान 13 मार्च को

ही किया है। पार्टी का चुनाव चिन्ह नारियल ट्री फार्म है। पार्टी के झंडे पर अन्ना, एमजीआर और जयललिता की तस्वीरें हैं।

शशिकला ने कहा है कि उनकी पार्टी अकेले चुनाव नहीं लड़ेगी, बल्कि समान विचारधारा वाली पार्टियों के साथ गठबंधन करेगी। विजय के नेतृत्व वाली टीवीके पार्टी ने शनिवार को तमिलनाडु में एआईपीटीएमएमके के नेतृत्व वाले एनडीए के साथ किसी भी गठबंधन की संभावना से इनकार कर दिया।

साथ ही, चुनावी समझौते की संभावना वाली खबरों को मीडिया की अटकलें बताकर खारिज कर दिया। टीवीके के संयुक्त महासचिव निर्मल कुमार ने कहा कि बीजेपी हमारी वैचारिक दुश्मन है।

कांग्रेस ने तमिलनाडु चुनावों के लिए समितियां बनाईं

तमिलनाडु चुनावों की तैयारी करते हुए, कांग्रेस ने चुनाव से जुड़ी कई समितियां बनाईं, जिनमें के सेल्वपेरुंथगाई की अध्यक्षता में एक प्रदेश चुनाव समिति भी शामिल है। पार्टी के एक बयान के अनुसार, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने तमिलनाडु में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों के लिए स्टेट लेवल समितियों के गठन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

इसके अलावा अभियान समिति, चुनाव घोषणापत्र समिति, चुनाव प्रबंधन और समन्वय समिति बनाई है। कांग्रेस ये चुनाव सत्ताधारी पार्टी डीएमके के साथ गठबंधन में लड़ रही है।

डीएमके ने अपने मुख्य सहयोगी कांग्रेस को 28 सीटें, वाइको की एमडीएमके को चार सीटें, और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग तथा मानिथनेया मक्कल काची को दो-दो सीटें आवंटित की हैं।

प्रेमी के वीडियो से सहमी 16 वर्षीय लड़की, बहन के घर फंदा लगाकर दे दी जान

सुनाम, 14 मार्च (एजेंसियां)। (पंजाब) सुनाम के गांव में एक 16 वर्षीय नाबालिग प्रवासी लड़की ने घर में फंदा लगाकर जान दे दी है । घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है। सरपंच प्रीतम सिंह से प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतका बिहार के दरभंगा जिले से संबंधित थी। वह अपनी बहन की देखभाल के लिए पंजाब आई हुई थी, जिसका हाल ही में ऑपरेशन हुआ था। बताया जा रहा है कि मृतका का अपने चचेरे भाई के साले के साथ प्रेम प्रसंग था। दोनों जल्द निकाह करना चाहते थे। लड़की का परिवार आर्थिक तंगी के कारण तुरंत निकाह करने में असमर्थ था। इसी वजह से परिवार ने उसे कुछ समय के लिए पंजाब भेज दिया था। प्रेमी ने लड़की पर शादी के लिए दबाव बनाने के मकसद से अपनी बांह पर ब्लेड मारकर एक वीडियो उसे भेजा। वीडियो में उसने कहा, मैंने तो जो करना था कर लिया, अब तुम सोचो क्या करना है।

बेंजामिन नेतन्याहू आखिर कहां हैं?

पीएम के एआई वीडियो की चर्चा ने बढ़ाई इजरायलियों की चिंता, हाथ में दिखी 6 उंगलियां

तेल अवीव, 14 मार्च (एजेंसियां)। ईरान के साथ चल रहे युद्ध के बीच इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। दरअसल नेतन्याहू बीते एक हफ्ते से सार्वजनिक तौर पर नहीं दिखे हैं। इसी बीच शुक्रवार को उनका एक वीडियो जारी किया गया। इस वीडियो पर इजरायलियों का कहना है कि ये नेतन्याहू नहीं हैं और वीडियो को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से बनाया गया है। वीडियो में नेतन्याहू के हाथ में कथित तौर पर छह उंगलियां दिखने से इस चर्चा ने जोर पकड़ा है। हालांकि यह सब चर्चाएं सोशल मीडिया तक ही सीमित हैं।

इजरायल सरकार और प्रधानमंत्री कार्यलाय की ओर से शुक्रवार को बेंजामिन नेतन्याहू का एक वीडियो संदेश जारी किया गया। आठ मिनट के इस वीडियो में उन्होंने ईरान से युद्ध और दूसरे घरेलू मुद्दों पर कई बातें कहीं। हालांकि इस वीडियो के आने के कुछ ही घंटे में एक नई

बहस शुरू हो गई। वीडियो में नेतन्याहू के दाहिने हाथ में छह उंगलियां दिखने से सोशल मीडिया यूजर्स ने शक जताया कि वीडियो एआई का इस्तेमाल करके बनाया गया है।

इजरायलियों ने जताई चिंता

बेंजामिन नेतन्याहू के वीडियो पर चर्चा छिड़ने के बाद कई सोशल यूजर्स की ओर से उनकी सुरक्षा को लेकर फिक्र का इजहार किया गया। चिंता जताने वालों में अमेरिकी कंजर्वेटिव पॉलिटिकल कमेंटेटर कैंडिस ओवेन्स भी हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए पूछा कि बीबी (नेतन्याहू) आखिर कहां हैं।

कैंडिस ने एक्स पर अपने पोस्ट में लिखा कि क्या इजरायल का पीएम ऑफिस नेतन्याहू के फर्जी एआई वीडियो जारी कर रहा है। दरअसल नेतन्याहू को लेकर उनके समर्थकों में इसलिए भी चिंता है क्योंकि कई मौकों पर ईरानी मीडिया और सोशल मीडिया पर उनकी मौत की अफवाह बीते कुछ दिनों में फैली है।

इजरायल-ईरान का युद्ध

इजरायल और ईरान के बीच 28 फरवरी से लड़ाई चल रही है। इजरायल और अमेरिका गठबंधन के ईरान पर हमले के बाद यह लड़ाई शुरू हुई है। इसने पूरे पश्चिम एशिया को को अपनी चपेट में ले लिया है। ईरान की ओर ओर से इजरायल और खाड़ी देशों के अमेरिकी सैन्य बेसों पर लगातार मिसाइल और ड्रोन हमले किए गए हैं।

ईरान के मिसाइल हमलों में इजरायल के कई शहरों में काफी नुकसान हुआ है। युद्ध के शुरुआती हफ्ते में ईरानी हमलों में तबाह इमारतों को देखने के लिए नेतन्याहू ने कुछ शहरों का दौरा किया था। इसके बाद वह सार्वजनिक तौर पर नहीं दिखे हैं। सिर्फ उनके वीडियो जारी किए गए हैं, जिनमें उन्होंने अपनी बात रखी है।

10 लाख का इनामी माओवादी जोनल कमांडर गिरफ्तार

लातेहार, 14 मार्च (एजेंसियां)। लातेहार पुलिस ने प्रतिबंधित माओवादी संगठन के 10 लाख रुपए के इनामी जोनल कमांडर मृत्युंजय भुइयां उर्फ फ्रेश भुईयां और उसके सहयोगी 2 लाख रुपए के इनामी बबलू राम उर्फ रोहित उर्फ बबलू चंद्रवंशी को गिरफ्तार किया है। एसपी कुमार गौरव ने यह जानकारी दी। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार जोनल कमांडर मृत्युंजय भुइयां मूल रूप से नवाडीह-छिपादोहर क्षेत्र का निवासी है। वहीं, 2 लाख रुपए का इनामी बबलू राम बिहार के अरवल जिले के निरखपुर, किंजर का रहने वाला है। पुलिस ने इनके पास से एक एके-47 राइफल, 21 मैगजीन, लगभग डेढ़ लाख रुपए नगद, माओवादी पर्चे, चार सिम कार्ड, मेमोरी कार्ड, रेडियो और एक घड़ी सहित अन्य सामान बरामद किया है। एसपी के अनुसार, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि माओवादी जोनल कमांडर अपने दस्ते के साथ छिपादोहर थाना क्षेत्र के हरिनामांड़ गांव के आसपास सामान खरीदने आया है।

नीदरलैंड के यहूदी स्कूल में धमाका

मेयर ने बताया सोची-समझी साजिश

एम्स्टर्डम, 14 मार्च (एजेंसियां)। नीदरलैंड के एम्स्टर्डम में शनिवार तड़के यहूदी समुदाय से जुड़े एक स्कूल में विस्फोट हुआ, जिससे इमारत को नुकसान पहुंचा। स्काई न्यूज ने डच मीडिया के हवाले से बताया कि एम्स्टर्डम की मेयर फेम्के हालसेमा ने इस घटना को यहूदी समुदाय को निशाना बनाकर किया गया हमला बताया है। उन्होंने कहा कि एम्स्टर्डम में यहूदी लोग लगातार बढ़ती यहूदी-विरोधी घटनाओं का सामना कर रहे हैं, जो पूरी तरह अस्वीकार्य है।

पुलिस और दमकल विभाग ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को जल्द काबू में कर लिया। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि इस घटना में कोई हताहत हुआ है या नहीं।

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच हुआ हमला

यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर है। अमेरिका और इस्राइल एक ओर, जबकि ईरान और हिजबुल्ला दूसरी ओर आमने-सामने हैं, और क्षेत्र में लगातार बमबारी व सैन्य कार्रवाई

जारी है।

एक दिन पहले हुआ विस्फोट

एम्स्टर्डम की यह घटना रॉटरडैम में एक दिन पहले हुए विस्फोट के बाद सामने आई है। शुक्रवार तड़के डच बंदरगाह शहर रॉटरडैम में एक सिनेगॉग के प्रवेश द्वार पर विस्फोट हुआ, जिससे वहां मामूली आग लग गई।

पुलिस ने इस मामले को आगजनी मानते हुए जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के मुताबिक, इस हमले में कोई घायल नहीं हुआ और आग पर जल्द काबू पा लिया गया। बाद में पुलिस ने रॉटरडैम में एक अन्य सिनेगॉग के पास एक कार में सवार चार किशोरों को हिरासत में लिया। वहीं, नीदरलैंड के एक यहूदी संगठन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दावा किया कि एक इस्लामवादी समूह ने रॉटरडैम विस्फोट का वीडियो ऑनलाइन पोस्ट कर हमले की जिम्मेदारी ली है।

संगठन का कहना है कि इसी समूह ने सप्ताह की शुरुआत में बेल्जियम के लीज शहर में एक सिनेगॉग पर हुए हमले की जिम्मेदारी भी ली थी।

ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो की तबीयत बिगड़ी

जेल से ले जाया गया अस्पताल आईसीयू में इलाज जारी

ब्रासीलिया, 14 मार्च (एजेंसियां)। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। बोल्सोनारो को निमोनिया हो गया है और उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। राजधानी ब्रासीलिया के एक अस्पताल ने शुक्रवार को जानकारी दी कि उन्हें आईसीयू में भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। अस्पताल के डॉक्टरों के अनुसार 70 वर्षीय बोल्सोनारो को तेज बुखार, पसीना, ठंड लगना और ऑक्सीजन का स्तर कम होने जैसी समस्याएं हो रही थीं। जांच में पता चला कि उन्हें ब्रोंकोनिमोनिया है, जो निमोनिया का एक प्रकार होता है और आमतौर पर बैक्टीरिया के कारण होता है।

बोल्सोनारो के स्वास्थ्य को लेकर उनके डॉक्टर ब्रासील कायाडो ने पत्रकारों से कहा कि 70 साल से अधिक उम्र के लोगों में निमोनिया हमेशा गंभीर माना जाता है। उन्होंने बताया कि अगर बैक्टीरिया खून में पहुंच जाए तो यह सेप्टीसीमिया (खून में संक्रमण) में बदल सकता है, जिससे स्थिति और खतरनाक हो सकती है। इससे पहले उनके बड़े बेटे फ्लेवियो बोल्सोनारो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि उनके पिता को जेल से अस्पताल ले जाया गया है। उन्होंने कहा कि सुबह बोल्सोनारो को ठंड लग रही थी और उल्टी भी हो रही थी। फ्लावियो ने लोगों से अपील करते हुए लिखा कि उनके पिता के लिए प्रार्थना करें ताकि बीमारी ज्यादा गंभीर न हो।

दरअसल, जेयर बोल्सोनारो इस समय 27 साल की सजा काट रहे हैं। पिछले साल ब्राजील की सुप्रीम कोर्ट के जजों के एक पैनल ने उन्हें 2022 के चुनाव के बाद सत्ता पलटने की साजिश में दोषी ठहराया था।

पाकिस्तान पर अफगानिस्तान का पलटवार

कुनार-नंगरहार प्रांत में मारे गए 14 पाकिस्तानी सैनिक

काबुल, 14 मार्च (एजेंसियां)। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच सीमा क्षेत्र डूरंड लाइन पर तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया है कि उसकी सेना ने पाकिस्तान की सैन्य चौकियों पर कार्रवाई की, जिसमें कई पाकिस्तानी सैनिक मारे गए और कुछ घायल हुए। यह कार्रवाई पाकिस्तान की ओर से पहले किए गए हवाई हमलों और गोलाबारी के जवाब में की गई बताई जा रही है। अफगान रक्षा मंत्रालय के अनुसार, अफगान सेना ने पूर्वी क्षेत्र के कुनार और नंगरहार प्रांतों में ड्यूरंड लाइन के पास सैन्य ऑपरेशन चलाया। मंत्रालय का कहना है कि इस कार्रवाई में पाकिस्तान के 14 सैनिक मारे गए और 11 घायल हुए। इसके अलावा एक बख्तरबंद टैंक और एक सैन्य वाहन भी पूरी तरह नष्ट कर दिया गया। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने कहा कि यह ऑपरेशन पाकिस्तान की सेना द्वारा किए गए हमलों के जवाब में किया गया।

अफगानिस्तान ने यह भी दावा

किया कि उसकी वायुसेना ने पाकिस्तान के एक रणनीतिक सैन्य केंद्र हमजा पर हवाई हमला किया। यह हमला रिजेक्ट ऑप्रेशन नाम के जवाबी अभियान के तहत किया गया बताया गया है। अफगान सरकार का कहना है कि जब तक पाकिस्तान की तरफ से हमले बंद नहीं होते, तब तक उनकी जवाबी कार्रवाई जारी रहेगी।

पीएएफ ने अफगानिस्तान में किए थे हवाई हमले

इससे पहले पाकिस्तान की वायुसेना ने अफगानिस्तान में कई जगहों पर हवाई हमले किए थे। अफगान अधिकारियों के मुताबिक इन हमलों में नागरिक ढांचे को नुकसान पहुंचा। अफगान एयरलाइन काम एयर के अधिकारियों ने बताया कि कंधार हवाई अड्डे पर रखा गया ईंधन भंडार भी पाकिस्तानी हवाई हमले में प्रभावित हुआ। यह ईंधन इस साल की हज उड़ानों के लिए रखा गया था, जिससे अब उड़ानों पर असर पड़ने की आशंका है।

तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने पाकिस्तान पर नागरिक ढांचे को निशाना बनाने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि जिस ईंधन भंडार पर हमला हुआ, उससे घरेलू एयरलाइनों और संयुक्त राष्ट्र के विमानों को भी ईंधन मिलता था।

संयुक्त राष्ट्र की अफगानिस्तान सहायता मिशन (यूएनएएमए) ने भी हालिया हमलों को लेकर चिंता जताई है। मिशन के अनुसार, काबुल के पुल-ए-चरखी इलाके में हुए हवाई हमलों में कम से कम 4 नागरिकों की मौत और 14 लोग घायल हुए हैं, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र ने दोनों देशों से तुरंत संघर्ष रोकने की अपील की है। यूएनएएमए के आंकड़ों के मुताबिक 26 फरवरी से अब तक अफगानिस्तान में सीमा संघर्ष के कारण कम से कम 75 नागरिक मारे गए और 193 लोग घायल हुए हैं। संगठन ने कहा कि इस हिंसा का सबसे ज्यादा असर आम लोगों, खासकर महिलाओं और बच्चों पर पड़ रहा है।

कथावाचक बोला-विधानसभा के बाहर आत्मदाह कर लूंगा

मंत्री राजेश अग्रवाल ने कथा करवाकर नहीं दिए 15 लाख

रायपुर, 14 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कथावाचक डॉ. रामानुरागी महाराज ने वीडियो जारी कर विधानसभा के बाहर आत्मदाह करने की बात कही है। कथावाचक का कहना है कि, मंत्री राजेश अग्रवाल ने उनसे कथा करवाया और पैसे नहीं दे रहे हैं। यह पैसे करीब 15 लाख रुपए हैं। कांग्रेस नेता धनंजय ठाकुर ने कथावाचक का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया है।

वहीं, इन पर मंत्री राजेश अग्रवाल ने आरोपों को झूठा बताया है। उन्होंने कहा कि, रामानुरागी महाराज ने आयोजन करने की बात कहकर संस्कृति विभाग में आवेदन दिया था। मैंने उनके आवेदन को रिमॉर्क किया था, जैसे सबका करता हूं। संस्कृति विभाग ने आवेदन रिजेक्ट कर दिया। आवेदन रिजेक्ट होने पर वो मुझसे पैसे मांग रहा है।

कांग्रेस नेता धनंजय ठाकुर ने अपने सोशल मीडिया पेज पर कथावाचक डॉ. रामानुरागी महाराज का वीडियो पोस्ट किया है। इस वीडियो में कथाव्यास कह रहा है कि, 2 जनवरी से 9 जनवरी 2026 तक उन्होंने मंत्री राजेश अग्रवाल के अंबिकापुर स्थित लखनपुर गांव में भव्य श्रीमद्भागवत कथा का वाचन किया था।

मंत्री राजेश अग्रवाल ने कथावाचन करवाया, लेकिन पैसा नहीं दिया। जब भी पैसे मांगने जाओ तो उन्हें किनारे कर दिया जाता है।

ईरानी कमांडर ने बताई जंग बंद करने की 2 शर्तें

डोनाल्ड ट्रंप पीएंगे अपमान का घूंट या भीषण होगी लड़ाई?

तेहरान, 14 मार्च (एजेंसियां)। ईरान ने एक बार फिर दोहराया है कि युद्ध खत्म करना अब इजरायल-अमेरिका नहीं बल्कि उसके हाथ में हैं। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के पूर्व कमांडर और एक्सपीडिएंसी डिसर्नमेंट काउंसिल के सचिव मोहसेन रजई ने शनिवार को कहा है कि अमेरिका और इजरायल को इस युद्ध से निकलने के लिए तेहरान के नुकसान की भरपाई करनी होगी। उन्होंने जंग रोकने के लिए भविष्य में हमला ना होने की गारंटी भी मांगी है। ईरान की शर्तें मानना डोनाल्ड ट्रंप के लिए आसान नहीं होगा क्योंकि वह तेहरान को झुकने की धमकी देते रहे हैं।

क्लैश रिपोर्ट के अनुसार, मोहसेन रजई ने अमेरिका और

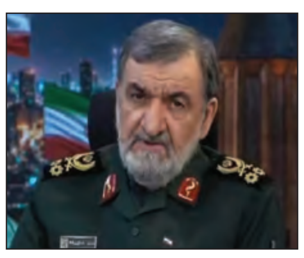

इजरायल से लड़ाई को लेकर हुए एक सवाल के जवाब में कहा, 'युद्ध का अंत हमारे हाथों में है। हम युद्ध खत्म करने पर तभी विचार करेंगे, जब हमारी दो शर्तों को माना जाएगा। इसमें पहली शर्त ये है कि हमें अमेरिका से हमारे सभी नुकसानों के लिए पूरा मुआवजा मिले।'

रजई ने युद्ध रोकने की दूसरी शर्त ईरान पर हमले ना होने की गारंटी को बनाया है। उन्होंने कहा कि हमें भविष्य में हमले ना होने की 100 फीसदी गारंटी मिलनी चाहिए। यह फारस की खाड़ी से अमेरिका की वापसी के बिना संभव नहीं है। ऐसे में हमारी युद्ध रोकने की दूसरी शर्त फारसी खाड़ी (पर्शियन गल्फ) से अमेरिकी सेना की वापसी है।

रजई का यह बयान ऐसे समय आया है, जब ईरान और इजरायल का युद्ध तीसरा हफ्ते में प्रवेश कर गया है। 28 फरवरी से चल रहे इस युद्ध में दोनों ओर से जानमाल का काफी ज्यादा नुकसान हुआ है। खासतौर से ईरान में अमेरिका और इजरायल के हवाई हमलों से बहुत ज्यादा नुकसान हुआ है। ईरान में 1300 से ज्यादा लोगों की जान गई है। ईरान में चल रहे युद्ध से दुनिया का बड़ा हिस्सा किसी ना किसी तरह से प्रभावित हो रहा है। गल्फ के दस से ज्यादा देश ईरान के हमलों का सामना कर रहे हैं। वहीं होर्मुज स्ट्रेट बंद होने से दुनियाभर में तेल और गैस की सप्लाई प्रभावित हो रही है।

तेल-गैस की सप्लाई में रुकावट का भारत में भी हालिया दिनों में देखा गया है। दुनिया के बड़े हिस्से के प्रभावित होने के बावजूद ईरान और इजरायल-अमेरिका की ओर से जंग खत्म होने के संकेत नहीं दिए जा रहे हैं।

अमेरिका की मांग है कि ईरान बिना शर्त सरेंडर कर दे। दूसरी ओर ईरान कह रहा है कि अमेरिका और इजरायल को झुकना होगा।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान लड़ाई नहीं, बात करें

तालिबान के भीषण हमलों के बीच भड़का चीन, दी चेतावनी

बीजिंग, 14 मार्च (एजेंसियां)। चीन ने पाकिस्तान और अफगानिस्तान से कहा है कि वह लड़ाई की तरफ जाने की बजाय बातचीत का रास्ता चुनें। चीन ने दोनों पक्षों को चेताया है कि सैन्य संघर्ष बढ़ने से पूरे क्षेत्र को नुकसान उठाना पड़ेगा। चीन की ओर से ऐसे समय यह कहा गया है, जब दोनों पक्षों में संघर्ष तेज हो गया है। अफगानिस्तान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने कुनार और नंगरहार प्रांतों में बॉर्डर पर पाकिस्तान की सैन्य चौकी को नष्ट करते हुए 14 पाकिस्तानी सैनिकों को मारने का दावा किया है।

चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने शुक्रवार को अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी से फोन पर बात की है। चीनी विदेश मंत्रालय के बयान में बताया गया

है कि यी ने अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच के विवादों को सैन्य ताकत के बजाय बातचीत और परामर्श के जरिए सुलझाने पर जोर दिया है। चीन ने शांति के लिए मध्यस्थ की भूमिका निभाने की भी बात कही है। बयान के अनुसार, वांग ने दोनों पक्षों से संयम बरतने, जल्द से जल्द आमने-सामने बातचीत करने, तत्काल युद्धविराम करने और मतभेदों को सुलझाने का आग्रह किया है। वांग यी ने कहा कि बल का और अधिक इस्तेमाल करने से स्थिति बहुत ज्यादा जटिल हो जाएगी और क्षेत्र में तनाव बढ़ेगा। चीन का यह बयान तब आया है, जब पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में कथित आतंकी कैंपों और उनसे जुड़े बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने का दावा किया है। इसके बाद अफगानिस्तान के बलों ने भी बॉर्डर पर पाक फौज और उसकी चौकियों को तबाह किया है। इससे दोनों पक्षों में तनाव बढ़ गया है।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच बीते साल अक्टूबर से सैन्य झड़पें और तनाव देखने को मिल रहा है। चीन ने लगातार सैन्य संघर्ष रोकने और तनाव कम करने के लिए बयान दिए हैं। बीते हफ्ते चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के विशेष दूत यू शियाओयोंग ने काबुल में अफगानिस्तान के विदेश मंत्री से मुलाकात भी की थी।

ईरान जंग के बीच शहबाज शरीफ की सऊदी अरब में पेशी

क्राउन प्रिंस ने कसे पेच, जंग में उतरेगा पाकिस्तान?

रियाद/इस्लामाबाद, 14 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के दरमियान सऊदी अरब और पाकिस्तान में तनाव बढ़ रहा है। रिपोर्टों से पता चलता है कि सऊदी अरब पाकिस्तान से नाराज चल रहा है और उसके बुलावे पर पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ जेद्दा पहुंचे थे। गुरुवार को शहबाज ने सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से मुलाकात की। इसके पहले पिछले सप्ताह पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर ने सऊदी का चक्कर लगाया था।

ईरान के खिलाफ सऊदी ने पाकिस्तान से मांगा समर्थन

बताया जा रहा है कि इन मुलाकातों से पाकिस्तान और

ईरान के रिश्तों के लिए मुश्किल खड़ी हो सकती हैं, क्योंकि ईरानी हमलों को रोकने के लिए रियाद ने इस्लामाबाद से सक्रिय समर्थन की मांग की है। सऊदी अरब और पाकिस्तान ने पिछले साल एक ऐतिहासिक समझौता किया था, जिसके अनुसार किसी एक देश पर हमला दूसरे पर आक्रमण माना जाएगा।

अमेरिका और इजरायल के हमले के जवाब में ईरान ने सऊदी अरब समेत खाड़ी देशों में लगातार मिसाइल और ड्रोन दाग रहा है। रियाद का कहना है कि अब यही समय है जब पाकिस्तान को समझौते के तहत ईरानी हमलों को रोकने के लिए सऊदी के साथ आना चाहिए।

क्राउन प्रिंस से मुलाकात के बाद शहबाज के प्रवक्ता मुशर्रफ जैदी ने कहा, प्रधानमंत्री ने इन मुश्किल समय में सऊदी अरब के प्रति पाकिस्तान की एकजुटता और समर्थन जाहिर किया। शरीफ ने मुलाकात के दौरान एमबीएस को भरोसा दिलाया कि पाकिस्तान हमेशा सऊदी अरब के साथ मजबूती से खड़ा रहेगा।

पिछले सप्ताह ही सऊदी रक्षा मंत्री ने पाकिस्तानी फील्ड मार्शल असीम मुनीर से मुलाकात की थी।

रेलवे स्टेशन पर गार्ड पर हमला

गिरिडीह, 14 मार्च (एजेंसियां)। गिरिडीह रेलवे स्टेशन परिसर में शुक्रवार देर रात चोरी की नीयत से आए अज्ञात बदमाशों ने ड्यूटी पर तैनात एक गार्ड पर हमला कर दिया। इस हमले में गार्ड गंभीर रूप से घायल हो गए और उनका पैर टूट गया। घटना रात करीब 2:30 बजे की बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, कुछ संदिग्ध लोग स्टेशन परिसर के स्टोर रूम के पास पहुंचे थे। गार्ड ने उनकी गतिविधि पर संदेह होने पर उनसे पूछताछ की, लेकिन पूछताछ करते ही बदमाशों ने अचानक उन पर हमला बोल दिया। बदमाशों ने लाठी-डंडों से मारपीट शुरू कर दी और गार्ड को बुरी तरह घायल कर दिया।

अमेरिका के थाड बैटरी हटाते ही किम जोंग उन ने दिखाई ताकत

सियोल, 14 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में जारी जंग के बीच अब पूर्व एशिया में तनाव बढ़ने की खबर आ रही है। दक्षिण कोरिया की सेना ने बताया कि शनिवार को उत्तर कोरिया ने पूर्वी सागर की ओर लगभग 10 बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। यह शक्ति प्रदर्शन ऐसे समय में किया गया है जब अमेरिकी सेना दक्षिण कोरिया के साथ के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास कर रही है। जापान ने भी उत्तर कोरिया के मिसाइल दागे जाने की पुष्टि की और बताया कि यह उसे विशेष आर्थिक क्षेत्र के बाहर समुद्र गिरी।

दक्षिण कोरिया के जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने बताया कि मिसाइलें उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग के पास एक इलाके से दागी गई थीं। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि वे कितनी दूर तक गईं। वहीं, जापान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि मिसाइलें देश के एक्सक्लूसिव इकनॉमिक जोन के बाहर समुद्र में गिरीं।

दक्षिण कोरिया की बढ़ी टेंशन

दक्षिण कोरिया के जॉइंट चीफ ने कहा कि सेना ने निगरानी बढ़ा दी है और संभावित अतिरिक्त लॉन्च के खिलाफ अपनी तैयारी बनाए हुए है। साथ ही अमेरिका और जापान के साथ जानकारी भी साझा की जा रही है। यह लॉन्च ऐसे समय में हुआ है, जब ट्रंप प्रशासन ईरान के साथ मध्य पूर्व में युद्ध में उलझा हुआ है। इस युद्ध ने दक्षिण कोरिया में सुरक्षा चिंता पैदा कर दी है, क्योंकि स्थानीय मीडिया ने कहा है कि अमेरिका देश में तैनात अपनी मिसाइल रक्षा प्रणालियों को हटाकर दूसरी जगह भेज रहा है।

पिछले दिनों स्थानीय मीडिया में ऐसी तस्वीरें सामने आईं जिसमें अमेरिकी थाड बैटरी को हटाने की जानकारी दी गई। कहा गया कि अमेरिका मिसाइल रक्षा प्रणाली को ईरान के खिलाफ युद्ध में मदद के लिए ले जा रहा है। इस सप्ताह एसोसिएटेड प्रेस ने राष्ट्रपति ली जे म्युंग के ऑफिस से पूछा था कि क्या अमेरिकी सेना सियोंगजू में अपने थाड सिस्टम से इंटरसेप्टर मिसाइलों को हटाकर मिडिल ईस्ट भेज रहा है।

इस बार डोली से आएंगी और हाथी से जाएंगी मां दुर्गा...

वाराणसीः शक्ति उपासना के महापर्व चैत्र नवरात्रि की शुरुआत होने वाली है. नवरात्रि के इस महापर्व पर देवी का आगमन और प्रस्थान का विशेष महत्व शास्त्रों में बताया गया है. यह भविष्य का संकेत भी करती है. वैदिक हिन्दू पंचांग के अनुसार इस बार चैत्र नवरात्रि में मां दुर्गा का आगमन डोली पर हो रहा है जबकि उनका प्रस्थान हाथी पर होगा, जो भारत के लिए शुभ संकेत नहीं है।

चैत्र नवरात्रि की शुरुआत 19 मार्च को हो रही है, जो 27 मार्च को समाप्त होगा. इस दिन ही दोपहर करीब 12 बजे के बाद दशमी तिथि भी लग रही है. ऐसे में इस दिन ही व्रत का पारण और देवी की विदाई होगी. पंडित सुभाष पांडेय ने बताया कि देवी का डोली पर आना शास्त्रों में शुभ नहीं माना जाता है. इससे देश में उथल पुथल जैसी स्थिति बनी रहेगी. इसके साथ ही आर्थिक समस्याओं से भी लोग परेशान होंगे. इसके अलावा भी देश में कई तरह की चुनौतियां होंगी।

प्रकृति का रौद्र रूप दिखेगा

वहीं नवरात्रि का समापन शुक्रवार को हो रहा है. यानी देवी का प्रस्थान इस बार गज (हाथी) पर होगा. गज पर देवी के प्रस्थान से भी प्रकृति का रौद्र रूप देखा जाएगा. जिसके कारण देश दुनिया में अनजान आफत का खतरा होगा. पंडित सुभाष पांडेय ने बताया कि मार्कण्डेय पुराण में ऐसा जिक्र है कि यदि नवरात्रि में पूरे श्रद्धा भाव और पवित्रता से देवी की आराधना की जाएं तो इन अशुभ फलों के असर को कम किया जा सकता है।

इस दिन से ही सृष्टि की शुरुआत

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा तिथि से ही सृष्टि का आरंभ हुआ था. इस दिन से ही हिन्दू नव वर्ष की शुरुआत होती है. कथाओं के मुताबिक देवी पुराण में ऐसा जिक्र है कि सृष्टि के आरंभ से पहले पूरे ब्रह्मांड में अंधकार था. तभी आदि शक्ति मां दुर्गा के मन में सृष्टि के निर्माण की इच्छा प्रकट हुई. उन्होंने यह प्रस्ताव भगवान शिव और ब्रह्मा को दिया. उनके आदेश के बाद ही ब्रह्मा जी ने सृष्टि का आरंभ शुरू किया।

अंधे व्यक्ति की शरारती बच्चों को सीख

किसी भी निर्णय पर पहुंचने से पहले व्यक्ति और परिस्थिति की पूरी जानकारी हासिल करें

पुराने समय की बात है, एक छोटे से गांव में एक अंधा व्यक्ति रहता था। वह अकेला था और उसका जीवन गांव के लोगों की मदद पर निर्भर था। यह व्यक्ति शांत स्वभाव का था और कभी किसी के काम में बिना वजह दखल नहीं देता था।

अंधे व्यक्ति की एक आदत थी, रात में जब भी वह घर से बाहर निकलता, हमेशा अपने साथ एक जलती हुई लालटेन लेकर चलता। गांव के लोग इसे अजीब मानते थे, लेकिन उन्होंने कभी उसे कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

एक दिन गांव के कुछ शरारती लड़कों ने उसे लालटेन के साथ देखा। उन्होंने हंसी उड़ाते हुए कहा, "तुम अंधे हो, तुम्हें तो कुछ दिखाई नहीं देता। फिर ये लालटेन किस काम की?"

अंधे व्यक्ति ने शांतिपूर्वक उत्तर दिया, "तुम सही कह रहे हो, मेरे लिए लालटेन का कोई लाभ नहीं है। मेरे लिए दिन और रात में कोई फर्क नहीं है, मैं अंधकार में ही जीता हूं, लेकिन यह लालटेन मैं दूसरों के लिए रखता हूं, ताकि वे मुझे देख सकें और कोई दुर्घटना न हो।"

लड़कों को यह सुनकर शर्मिंदगी हुई। उन्होंने महसूस किया कि उन्होंने सिर्फ अपनी अधूरी जानकारी और समझ के आधार पर किसी को गलत समझ लिया। सही व्यक्ति के बारे में गलत राय बनाकर उन्होंने उसका मजाक उड़ाया।

प्रसंग की सीख

पूरी जानकारी लें: किसी भी निर्णय पर पहुंचने से पहले व्यक्ति और परिस्थिति की पूरी जानकारी हासिल करें।

अधूरी धारणा से बचें: अधूरी जानकारी पर आधारित राय अक्सर गलत साबित होती है। इसलिए पूरी जानकारी हासिल करने के बाद ही आगे बढ़ें।

धैर्य रखें: किसी को समझने के लिए समय लें। जल्दी में बनाई गई राय अक्सर सतही और भ्रमपूर्ण होती है।

दूसरों के दृष्टिकोण को समझें: किसी के कार्य या व्यवहार के पीछे की सोच जानने की कोशिश करें। दूसरों के दृष्टिकोण को समझकर बात करेंगे तो आपसी रिश्ते सुखद बने रहेंगे।

जांच-पड़ताल करें: किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले तथ्य और प्रमाणों को जांचें, तभी सही नतीजे पर पहुंच सकते हैं।

सकारात्मक सोच अपनाएं: किसी को गलती समझने से पहले उसके अच्छे पक्ष को समझने की कोशिश करें। सकारात्मक सोच रखेंगे, तो किसी को गलत नहीं समझेंगे।

संवाद करें: यदि किसी बात को लेकर संदेह है, तो सीधे व्यक्ति से बात करके जानकारी लें। बातचीत करने से संदेह दूर हो जाते हैं।

सहानुभूति विकसित करें: दूसरों की परिस्थितियों को समझने से हमारी सोच अधिक न्यायपूर्ण बनती है। दूसरों की मजबूरियों का मजाक न उड़ाएं। अन्य लोगों की परेशानियों के लिए सहानुभूति का भाव रखें।

सीखें और सुधारें: यदि गलती हुई, तो उसे स्वीकार करें और संबंधित व्यक्ति से क्षमा मांगें। गलती से सीख लें और भविष्य में न दोहराने का संकल्प लें।

व्यक्तिगत अनुभव पर ध्यान दें: भीड़ की राय या अफवाहों पर भरोसा करने से बचें। भीड़ की वजह से कई बार व्यक्ति गलत धारणा बना लेता है। व्यक्तिगत अनुभव, समझ और निष्कर्ष के आधार पर किसी निर्णय पर पहुंचे।

जीवन में रुकावटें खत्म करने के लिए अपनाएं पान के पत्तों का ये चमत्कारी उपाय

हिंदू धर्म में पान के पत्ते को शुभता का प्रतीक माना गया है। पूजा-पाठ, विवाह और शुभ अनुष्ठानों में पान का पत्ता अनिवार्य है। ऐसा माना जाता है कि पान के पत्ते में समस्त देवी-देवताओं का वास होता है। इसलिए, इसका प्रयोग तंत्र-मंत्र और वास्तु दोषों को मिटाने में भी किया जाता है। आइए जानते हैं कि पान के पत्तों का उपयोग करके आप अपने जीवन की रुकावटों को कैसे दूर कर सकते हैं।

आर्थिक तंगी और दरिद्रता दूर करने के लिए यदि आप आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं और मेहनत के बाद भी पैसा टिक नहीं रहा है, तो मंगलवार या शनिवार के दिन एक साबुत और साफ पान का पत्ता लें। इस पत्ते पर सिंदूर से 'श्रीं' या 'राम' लिखें। अब इस पत्ते को हनुमान जी के मंदिर में जाकर उनके चरणों में अर्पित कर दें। यह उपाय लगातार 5 मंगलवार या शनिवार तक करने से आर्थिक मार्ग खुलने लगते हैं और धन से जुड़ी रुकावटें दूर हो जाती हैं।

बनते कामों में आ रही बाधा को रोकने के लिए अक्सर ऐसा होता है कि हम महत्वपूर्ण काम के लिए निकलते हैं और ऐन मौके पर काम रुक जाता है। ऐसी स्थिति में घर से निकलते समय अपने पास एक साबुत पान का पत्ता रखें। संभव हो तो इस पत्ते पर थोड़ी सी मिश्री या एक इलायची रखकर उसे अपने दाहिने हाथ में लेकर इष्ट देव का स्मरण करें। इसके बाद इसे अपने पर्स या जेब में रखकर घर से बाहर निकलें। यह नकारात्मक ऊर्जा को सोख लेता है और काम में सफलता की संभावना को बढ़ा देता है।

नजर दोष और नकारात्मकता से बचाव

घर में यदि कलह बढ़ गई है या परिवार के किसी सदस्य को बुरी नजर लग गई है, तो एक पान के पत्ते पर गुलाब की कुछ पंखुड़ियां रखें। अब इसे अपने सिर के ऊपर से सात बार घुमाएं और किसी सुनसान जगह पर रख दें या बहते जल में प्रवाहित कर दें। यह उपाय घर से नकारात्मकता को दूर करता है और आपसी प्रेम बढ़ाता है।

राहु-केतु के दोष को शांत करने के लिए

ज्योतिष में राहु और केतु को बाधाओं का कारक माना गया है। यदि आपकी कुंडली में ये ग्रह भारी हैं, तो पान का पत्ता एक अचूक उपाय है। बुधवार के दिन पान के पत्ते पर थोड़ा सा शहद लगाकर दुर्गा मां के चरणों में अर्पित करें। यह उपाय न केवल राहु के दुष्प्रभाव को कम करता है, बल्कि मानसिक शांति और एकाग्रता भी प्रदान करता है।

कौन सा फ्लोर होता है सबसे लकी, किस फ्लोर पर रखना चाहिए कीमती सामान

वास्तु शास्त्र में फ्लोर का महत्व

वास्तु शास्त्र केवल घर की दिशा या दरवाजे की स्थिति पर ही ध्यान नहीं देता, बल्कि यह भी देखता है कि घर जमीन से कितनी ऊंचाई पर है। हर मंजिल का संबंध प्रकृति के अलग अलग तत्वों से माना जाता है, जैसे पृथ्वी, वायु और आकाश। ये तत्व घर के वातावरण, मानसिक संतुलन और समृद्धि पर असर डालते हैं। वास्तु विशेषज्ञों का मानना है कि अगर घर की मंजिल सही चुनी जाए तो घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बेहतर बना रहता है और परिवार के सदस्यों के जीवन में स्थिरता और सुख बना रहता है।

ग्राउंड फ्लोर: पृथ्वी तत्व से मजबूत जुड़ाव

ग्राउंड फ्लोर को वास्तु के अनुसार पृथ्वी तत्व से सबसे ज्यादा जुड़ा हुआ माना जाता है। पृथ्वी तत्व स्थिरता, सुरक्षा और मजबूत आधार का प्रतीक है। जमीन के करीब रहने से परिवार में स्थिरता और आपसी जुड़ाव बढ़ता है। माना जाता है कि इस मंजिल पर रहने वाले लोग ज्यादा संतुलित और शांत जीवन जीते हैं। ग्राउंड फ्लोर उन परिवारों के लिए अच्छा माना जाता है जो स्थिर और शांत जीवन चाहते हैं।

लोअर फ्लोर (पहली से तीसरी मंजिल)

पहली से तीसरी मंजिल तक के फ्लोर को भी वास्तु के अनुसार काफी अनुकूल माना जाता है। इन मंजिलों पर पृथ्वी और वायु तत्व का संतुलन बना रहता है। यह संतुलन घर के माहौल को सकारात्मक बनाए रखने में मदद करता है। ऐसे फ्लोर पर रहने से परिवार में व्यावहारिक सोच, सुरक्षा और संतुलन बना रहता है। इसी वजह से कई वास्तु मानने वाले लोग इन मंजिलों को अपार्टमेंट के लिए अच्छा विकल्प मानते हैं।

मिड फ्लोर (चौथी से छठी मंजिल)

चौथी से छठी मंजिल को अक्सर संतुलित ऊर्जा वाली मंजिलें माना जाता है। यहां पृथ्वी और वायु तत्व का मिश्रण अच्छा रहता है। वास्तु के अनुसार यह संतुलन मानसिक स्पष्टता, भावनात्मक संतुलन और बेहतर स्वास्थ्य को बढ़ावा दे सकता है। इन मंजिलों का एक फायदा यह भी होता है कि यहां सड़क का शोर और प्रदूषण कम होता है, जिससे घर का माहौल ज्यादा शांत महसूस होता है।

ऊंची मंजिल और पेंटहाउस

ऊंची मंजिलों और पेंटहाउस का संबंध मुख्य रूप से वायु तत्व से माना जाता है। वायु तत्व खुलापन, रचनात्मकता और स्वतंत्र सोच का प्रतीक होता है। ऊंचे फ्लोर पर रहने से खुला माहौल, बेहतर दृश्य और ताजी हवा मिलती है। इसलिए कई लोग इन्हें पसंद करते हैं। हालांकि वास्तु के अनुसार जमीन से दूरी ज्यादा होने के कारण कभी कभी स्थिरता की कमी महसूस हो सकती है। इसलिए यह फ्लोर उन लोगों के लिए ज्यादा अच्छे माने जाते हैं जो स्वतंत्र सोच रखते हैं या क्रिएटिव क्षेत्रों में काम करते हैं।

वास्तु के अनुसार घर की दिशा भी है महत्वपूर्ण

मंजिल के अलावा घर की दिशा भी वास्तु में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। पूर्व दिशा वाले घर को बहुत शुभ माना जाता है। माना जाता है कि इससे घर में समृद्धि, स्वास्थ्य और सकारात्मक ऊर्जा आती है। पश्चिम दिशा वाले घर मानसिक शांति और आर्थिक स्थिरता से जुड़े माने जाते हैं। उत्तर दिशा वाले घरों को कुछ लोग कम अनुकूल मानते हैं, लेकिन सही वास्तु योजना से संतुलन बनाया जा सकता है। दक्षिण दिशा वाले घरों में वास्तु के नियमों का ध्यान रखना जरूरी माना जाता है।

आधुनिक अपार्टमेंट में वास्तु की भूमिका

वास्तु शास्त्र एक प्राचीन भारतीय वास्तुकला विज्ञान है, जिसका उद्देश्य घर को प्रकृति के तत्वों के साथ संतुलन में रखना है। पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश इन पांच तत्वों का संतुलन घर के वातावरण को सकारात्मक बनाने में मदद करता है। आज के आधुनिक अपार्टमेंट में भी कई लोग वास्तु के नियमों को ध्यान में रखकर घर चुनते हैं, ताकि घर का माहौल शांत और संतुलित बना रहे।

धारी देवी समेत चारधाम मंदिरों में मोबाइल फोन बैन

लॉकर और वन-वे सिस्टम के साथ दर्शन होंगे, गैर-हिंदुओं के प्रवेश पर रोक

उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल में स्थित धारी देवी मंदिर परिसर में फोन पर बैन लगा दिया गया है। धारी देवी मंदिर परिसर की व्यवस्थाओं और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा देने के उद्देश्य से नगर निगम और मंदिर समिति की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मेयर आरती भंडारी ने की। बैठक में तय किया गया कि मंदिर परिसर की पवित्रता और अनुशासन बनाए रखने के लिए मंदिर क्षेत्र में मोबाइल फोन पूरी तरह वर्जित रहेगा। श्रद्धालुओं को अपने मोबाइल और अन्य सामान रखने के लिए नगर निगम की ओर से लॉकर की व्यवस्था भी की जाएगी। इसके अलावा मंदिर में पैदल आने और जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए वन-वे व्यवस्था लागू करने पर भी सहमति बनी, ताकि दर्शन व्यवस्था अधिक सुचारु और व्यवस्थित हो सके। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि मंदिर परिसर को अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा।

मेयर आरती भंडारी ने कहा कि धारी देवी मंदिर प्रदेश की आस्था का प्रमुख केंद्र है और नगर निगम की प्राथमिकता है कि यहां आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलें। इसके लिए मोबाइल प्रतिबंध, लॉकर व्यवस्था, वन-वे सिस्टम और अतिक्रमण हटाने जैसे कदम उठाए जा रहे हैं।

'चारधाम मंदिर परिसरों में मोबाइल फोन और कैमरों पर बैन'

इधर चारधाम यात्रा को लेकर भी बड़े फैसले लिए गए हैं। बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) की बजट बैठक में बद्रीनाथ और केदारनाथ धाम सहित उसके अधीन आने वाले 48 मंदिरों में गैर-हिंदुओं के प्रवेश पर रोक लगाने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया है। साथ ही गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पांडे ने बताया कि चारधाम मंदिर परिसरों में मोबाइल फोन और कैमरों पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया जाएगा। श्रद्धालुओं को मंदिर में प्रवेश से पहले अपने मोबाइल और कैमरे जमा करने होंगे।

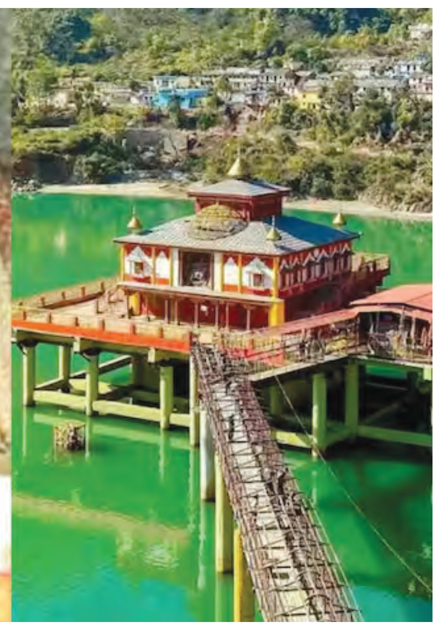

मंदिर से बाहर निकलने के बाद वे मंदिर को बैकग्राउंड में रखकर फोटो और वीडियो ले सकेंगे। मंदिर परिसरों में मोबाइल और कैमरों को सुरक्षित रखने के लिए अलग से व्यवस्था भी की जाएगी।

22 अप्रैल को खुलेंगे केदारनाथ धाम के कपाट

केदारनाथ धाम के कपाट 22 अप्रैल 2026 को सुबह 8 बजे श्रद्धालुओं के लिए खोले जाएंगे। यह तिथि महाशिवरात्रि (15 फरवरी 2026) के अवसर पर ऊखीमठ में पारंपरिक पंचांग गणना के बाद घोषित की गई थी।

इस साल केदारनाथ यात्रा पिछले साल की तुलना में पहले शुरू हो रही है। 2025 में धाम के कपाट 2 मई को खुले थे, जबकि इस बार 22 अप्रैल को खुलेंगे। यानी श्रद्धालु इस बार 10 दिन पहले बाबा केदार के दर्शन कर सकेंगे।

भाई दूज पर बंद हुए थे धाम के कपाट

इससे पहले 23 अक्टूबर 2025 को भाई दूज के अवसर पर केदारनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद किए गए थे। कपाट बंद होने के बाद बाबा की डोली पैदल मार्ग से रवाना होकर लगभग 55 किलोमीटर की यात्रा तय करते हुए 25 अक्टूबर को उखीमठ पहुंची थी, जहां ओंकारेश्वर मंदिर में शीतकालीन प्रवास शुरू हुआ।

मंदिर समिति के अनुसार 2025 की यात्रा के दौरान 17,68,795 श्रद्धालुओं ने बाबा केदार के दर्शन किए। 2013 की आपदा के बाद यह दूसरा अवसर था जब इतनी बड़ी संख्या में भक्त धाम पहुंचे।

23 अप्रैल को खुलेंगे बद्रीनाथ धाम के कपाट

बद्रीनाथ धाम के कपाट 2026 में 23 अप्रैल को सुबह 6:15 बजे श्रद्धालुओं के लिए खुलेंगे। बसंत पंचमी के मौके पर नरेंद्रनगर राजदरबार में पंचांग गणना के बाद यह तिथि तय की गई थी। चमोली में स्थित बद्रीनाथ धाम के कपाट इस बार पिछले साल के मुकाबले 11 दिन पहले खुलेंगे।

वहीं उत्तरकाशी के गंगोत्री धाम और यमुनोत्री धाम के कपाट 19 अप्रैल को अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर विधि-विधान से भक्तों के लिए खोले जाएंगे।

2025 में कब बंद हुए थे बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट

2025 में उत्तरकाशी में स्थित गंगोत्री धाम के कपाट 22 अक्टूबर को विधि-विधान के साथ बंद किए गए। इसके अगले दिन ही दिन 23 अक्टूबर को यमुनोत्री धाम के कपाट विधि विधान से बंद कर दिए गए थे इसके बाद यात्रियों के लिए इन दोनों धामों में नियमित दर्शन बंद हो गए और शीतकालीन पूजा की व्यवस्थाएं शुरू कर दी गईं।

वहीं चमोली जिले में स्थित बद्रीनाथ धाम के कपाट 25 नवंबर को दोपहर 2 बजकर 56 मिनट पर शीतकाल के लिए बंद किए गए थे। फिलहाल बद्रीनाथ की शीतकालीन पूजा जोशीमठ के नरसिंह मंदिर में चल रही है।

शक्ति और भक्ति का महापर्व : नवरात्रि

अतुल कुमार

नवरात्रि शक्ति की आराधना का पर्व है . अच्छा ज्ञान , बुद्धि ,और हुनर को शक्ति का रूप माना गया . आज के युग की यह बडी शक्ति है जो जीवन के केंद्र में है . नौ रातों तक चलने वाला यह पर्व भक्ति ,संस्कृति और आध्यात्मिकता से भरा होता है . साधक इसे श्रद्धा . आस्था और उत्साह से मनाते है . लोक मान्यतानुसार बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक के रूप में इसे माना गया . दरअसल इसका गूढ अर्थ है मनुष्य की सांसारिक समस्याओं के समाधान के लिये उसे सद बुद्धि , सन्मार्ग और सकारात्मकता प्रदान करना . यह केवल आध्यात्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण नहीं बल्कि वैज्ञानिक रूप से भी ज़रूरी है क्यों कि प्रकृति में बदलाव (मौसम परिवर्तन) के दौरान शरीर और मन को शुद्ध करने में इससे मदद मिलती है तथा उसी अनुसार रहन सहन को ढालने की शिक्षा मिलती है . किसी कवि ने इसके महत्व पर खूब लिखा " नौ दिवस के समर्पण से कुम्हलाई आत्म की देह / मन भरा नयी ऊर्जा और शक्ति से सभी मनोरथ पूर्ण होंगे / इसी विश्वास से करो समर्पण अपने को उस दिव्य शक्ति के चरणों में //

नवरात्रि के नौ दिनों में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों (शैल पुत्री ,ब्रह्मचारिणी ,चंद्रघंटा , कुष्मांडा ,स्कंद माता ,कात्यायनी ,कालरात्रि ,महागौरी और सिद्धिदात्री) की पूजा होती है .यह जीवन की क्षमताओं को विकसित

करने का समय है अत; इसे आत्म सुधार का अवसर भी माना गया .नकारात्मक बातें ,चिंतन और विचार आज जब मन – मस्तिष्क पर हावी हो रहे हैं तब यह पर्व उस सोच से बाहर निकल अपने व्यक्तित्व को सुधारने और निखारने का अवसर प्रदान करता है . सोशल मीडिया के इस युग में जब मन सिर्फ स्मार्ट फोन से बंधा हो तब यह पर्व मानसिक विकारों से मुक्ति का संदेश देता है .

पौराणिक प्रसंगानुसार माता दुर्गा ने नौ दिनों तक महिषासुर के साथ युद्ध किया और दसवें दिन उसका अंत कर दिया .विजय के उपलक्ष्य में देवताओं ने माता दुर्गा की स्तुति की और उन्हें महिषासुर मर्दिनी के नाम से संबोधित किया जो आज भी प्रचलित है . शास्त्रानुसार इन नौ दिन और रातों में मनुष्य को अपने अंदर जा अपने मूल का स्मरण करना चाहिये और अपनी चेतना

को जागृत करना चाहिये . प्रसिद्ध आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर के अनुसार " यह संपूर्ण ब्रह्मांड एक ही ऊर्जा ,एक ही शक्ति से बना है जिसे देवी कहते हैं .पूरा ब्रह्मांड उसी एक तरंगित और अदृष्य दिव्य चेतना से बना है जिसमें हमारा शरीर किसी सागर में तैरते हुए शंखों और सीपों की भांति है .आप उसे देख नहीं सकते लेकिन अनुभव कर सकते हो इसलिये इन नौ दिनों में आपको उस अगोचर शक्ति का अनुभव करना चाहिये यह यात्रा उस अदृश्य की ओर है "

आज जब मानसिक स्वास्थ्य के ग़डबडाने की चर्चा ज़ोरों पर हो रही हो तब यह पर्व ज़िंदगी को नयी रौशनी देता है कि झुको ,डरो और घबराओ मत मन को समर्पित करो उस दिव्य शक्ति में जिसे मां दुर्गा कहते हैं .साइंटिस्ट मानते हैं कि यह केवल स्पिरिचुएल नहीं बल्कि स्वास्थ्य उपचार की प्रणाली भी है जो शरीर और मन को संतुलित करती है . जिस प्रकार एक मां बच्चे को जन्म देती है ,उसका पालन पोषण करती है ,उसकी रक्षा करती है और उसे बडा करती है उसी तरह शक्ति भी भक्तों की प्रार्थनाओं का उत्तर देती है .

जीवन में सबसे कठिन परिस्थितियों में एक है अचानक और अप्रत्याशित विपत्ति जो मनुष्य को घोर निराशा में डाल देती है ऐसे क्षणों में देवी शक्ति मां दुर्गा या उसके विविध स्वरूपों की शरण व भक्ति उसे जीवन के नये तथा बदलते रूपों से रूबरू करवाती है . किसी शायर ने खूब कहा " दवा का असर न हो तो नज़र उतारती है मां /जनाब वो कहां हार मानती है ,घर से जब भी कोई मुश्किल में निकला / मां की दुआओं को साथ ले कर निकला / वो माथे के बाज़ु व कान के पीछे लगा काजल का टीका या सिर पर रखा उसका हाथ दुनिया को बता देती है मां की दुआओं का असर जिसके सामने झुक जाती है दुनिया // "

मां दुर्गा की स्तुति को शक्ति की पूजा के रूप में देखा गया . अच्छा स्वास्थ्य , अच्छी आय और जीवन की समृद्धि को मां की बरक्कत के रूप में देखा गया क्यों कि यह सब मां के बनाये नीति नियमों और कर्मों के फल के प्रतीक माने गये .कडी मेहनत को उसने हमेशा अपनी आराधना के रूप में देखा . विद्या ,धन और कौशल सभी तो मां की शक्ति की उपलब्धियां हैं . चालबाज़ियों ,खुराफातों और शरारतों को हमेशा नष्ट किया . लंबी तपस्या कर महिषासुर ने देवताओं से आशीर्वाद लिया कि उसे कोई नहीं मार सकेगा आशीर्वाद ले दंभी और अत्याचारी बन उसने देवताओं को तंग करना शुरु किया तब देवी ने अवतार ले उस पापी का अंत किया . अपने बच्चों को कोई नाहक परेशान करे उसे कोई मां कैसे बर्दाश्त कर सकती है !

वास्तव में नवरात्रि आज की तनाव पूर्ण लाइफ स्टाइल में मन को शांत रखने और मानसिक विकारों को दूर कर पासिटिव एनर्जी को प्राप्त करने का माध्यम है . वह यह भी सिखलाती है कि नारी कमज़ोर नहीं बल्कि दुर्गा (शक्ति) का रूप है आज के समय में कन्या भ्रूण हत्या और महिला हिंसा के बीच यह महिला सम्मान का संदेश देता है . नवरात्रि पर्व वर्ष में दो बार आता है पहला चैत्र नवरात्रि और दूसरा शारदेय नवरात्रि .इस बार चैत्र नवरात्रि का शुभारंभ 19 मार्च से होगा इस उपलक्ष्य में साधक को आत्म मंथन कर अपनी सकारात्मक ऊर्जा को बढाना होगा क्यो कि किसी भजन कवि ने खूब लिखा " रहूं मैं तेरा हो के तेरी सेवा मे , खो के सारा जीवन गुज़ारूं देवी मा / तू जो दे दे सहारा सुख जीवन का , सारा तेरे चरणों में वारुं देवी मां / था जन्मों से कंगाल तूने भक्ति का धन देके, कर दिया मालामाल / चरणों से कभी न करना दूर मां // " वास्तव में "नवरात्रि शक्ति और भक्ति का महापर्व है .

काव्य कुंज

कोलाहल से दूर

डॉ शोभा भंडारी
हैदराबाद

सड़कें और पगडंडियां हैरान हैं,
दर्रे और घाटियां पशेमान हैं,
हरे भरे पेड़ और पत्ते परेशान हैं,
जंगल और वादियों के
दिल में भरा हुआ तूफ़ान है।
हंगामे और कोहराम ने लगाया शांति पर विराम है,
कोलाहल भरी हलचल है,हर क्षण स्तब्ध और वीरान है।
किसने मचाया है हर तरफ क्रंदन,
क्यूं है चहुंओर आर्त्तनाद, है सिर्फ गर्जन,
सृष्टि भी हतप्रभ है इस चीत्कार से,
इस हृदय विदारक,भाव विह्वल विलाप से।।
कोलाहल और कोहराम से दूर,आओ चलें वहां,
जहां धुएं के गुबार में लिपटी हुई सांसे न हों,
जहां घृणा और स्वार्थ की कालिख से पुते दिल न हों,
जहां हिंसा और आतंक की काली परछाई न हो,
जहां धरती मां बेबस लाचार न हो, दुःख से जारजार न हो,
जहां सिर्फ और सिर्फ अमन-शांति और सुकून भरी छांव हो।।

यथार्थ

डॉ हेमंत सुराना,
उदयपुर

कल्पना की दुनिया की मस्ती में,
यथार्थ की तस्वीर ना देखी
दिखावा असलियत के ज़्यादा मशहूर,
सचमुच की जिंदगी से दूर
यथार्थ और स्वप्न करवट भर दूर,
सोच में सफल,मगर यथार्थ से दूर
स्वप्न बिखरा तो,
यथार्थ की दुनिया में रखा कदम
मिथ्यों के भंवर जाल में,
कदम ना बहकना
बदलो इस नए दौर में,
मगर यथार्थ के दायरे में
अपने आप से, अपने सपनों से,
अपनी काबिलियत से,
अपनी सच्चाई से, अपनी सच्चाई से ।

सादगी तो देखो....

दर्शन सिंह
हैदराबाद

सादगी तो देखो उन नज़रों की
हमसे बचने की कोशिश में
बार बार हमें ही देखती है
मेघों से मदिरा जो छलकी
तन मन जो मदहोश हुआ
बहक रहे हैं इस मौसम में
दोनों के जज्बात प्रिये
बातों में ही गले मिले
हम बातों में ही लब छू ले
जो संभव हो वही
मान ले प्रेम की सौगात प्रिये
समझती तो है
लेकिन समझ से परे
किस इंतजार में मुँह फेरती है
सादगी तो देखो...
मन मंदिर के तुम हो वासी
याद तुम्हारी अविनाशी
रोज सुबह के तुम साथी हो
तुम से होती रात प्रिये
तुम बोलो कुछ हम बोले
कानों में मिस्री सी घोलें
होनी है जब हो जाएगी
अपनी भी मुलाकात प्रिये चाहती भी है
लेकिन हां ना में बारम्बार उलझती है
सादगी तो देखो...

आशा से जीवन है

गजानन पाण्डेय

रंग न हो तो जीवन बेनूर है
उदासी से घिरा हर क्षण है ।
प्रेम से संसार है
जीवन का व्यवहार है
आशा से जीवन है
जीवन की खुशियां हैं ।
श्रद्धा व सबूरी में भक्ति का संसार है ।
जीवन में परिवर्तन
प्रगति लाता है
जीवन के दुःखों को
दूर कर जाता है ।

अंबर के रिश्ते...

ओमकार सर्डिवाल,
हैदराबाद

चंदा मामा लगते हैं,सूरज चाचू बनते हैं,
तारों से भी गहरा नाता,
मन को सदा सुहाते हैं।
कोई कहे ये भाई-बहन हैं,
जो नटखट मुस्काते हैं,
शरारत कर टिमटिमाते,
अंबर को चमकाते हैं।
नहीं-नहीं तुम भूल गए हो,
ये तो पथ-प्रदर्शक हैं,
दूर गगन में रहकर भी, राह दिखाते रक्षक हैं।
सूरज-चाँद और तारों से जब, नाता हमने जोड़ा है,
तो बताओ इन ग्रहों से, क्या रिश्ता हमने छोड़ा है?
भैया मेरे! इन ग्रहों से, रिश्ता बड़ा पुराना है,
पृथ्वी को बस धूल-मिट्टी का, ढेर नहीं तुम मानना।
यह तो अपनी 'माँ' सरीखी, जो जीवन का आधार है,
बुध, शुक्र और मंगल से भी, सखा-भाव का प्यार है।
बृहस्पति है बड़ा रक्षक, संकट को हर लेता है,
अन्तरिक्ष की हर आफत को, खुद पर ही वह सहता है।
सजग प्रहरी बनकर बैठा, धरती को सुरक्षित रखता है,
मंगल से भी हाथ मिलाकर, मानव आगे बढ़ता है।
पर क्या तुमने कभी गौर से, इनकी गति को जाना है?
निश्चित पथ और अनुशासन को, सबने सच माना है।
जब विधाता की हर रचना, नियमों में ही ढलती है,
सूरज, चाँद और ग्रहों की टोली, अनुशासन में चलती है।
फिर क्यों हम मानव होकर भी, अनुशासन को भूलें?
आओ आज ये प्रण लें हम, ऊँचाइयों को छू लें।
अनुशासन ही धर्म हमारा, यही प्रगति का मूल है,
नियमों को जो तोड़ रहा है, उसकी बड़ी ये भूल है।

धरा ये कैसा वेश

मोनिका डागा,
चेन्नई

अतृप्त चाहतों के नाम पर
धरा है ये कैसा वेश,
रो रही है मानवता
आपस में लड़ रहे जो देश,
खुद के स्वार्थ में कर रहे हैं
प्रकृति का नुकसान,
फतेह करना चाहे
महत्वाकांक्षाओं का आसमान ।
तोड़ रहे सीमाएं भुलकर भाईचारे का उपदेश,
कोई तो समझाएं उन्हें भेजें शांति का संदेश,
हाथों में थामें खड़े असंख्य परमाणु हथियार,
सभ्य इंसान होकर करें जानवरों सा व्यवहार ।
लूटना चाहते हैं खजाना कौन सा अति विशेष,
क्यों ज़ख्मी कर रहे है बहुरंगी सभ्यता अशेष,
कोहराम मचा रहा आज विश्व में दुखदाई ये खेल,
मौत का तमाशा रचा कौन होगा पास कौन फेल ।
अत्याचार अनाचार अनैतिक अमानवीय आवेश,
ईश तेरे आनंद महल में छाया ये कैसा परिवेश,
झूलस रहे क्रोध नफ़रत की आग में आम इंसान,
गंवा रहे है बेकसूर होकर भी मासूम अपनी जान ।

सबसे भोली मुस्कान माँ की मुस्कान

संजीव ठाकुर,
रायपुर

सबसे भोली मुस्कान,
माँ की मुस्कान होती है,
जैसे थके हुए जीवन पर
शीतल वरदान होती है।
जब-जब दुनिया ने
काँटों से राह सजाई,
माँ ने चुपके से
आँचल की छाँव बिछाई।
अपने दुख को
आँचल में समेटे
वह चुपचाप सो जाती ,
पर बच्चों की हँसी में
अपनी मधुर
मुस्कान खोजती है।
घर की सूनी दीवारों पर
रंग वही भर देती
मुरझाए मन की बगिया में
फिर से बसंत रख देती है।
उसकी हँसी में
रोटी की महक रहती है,
उसकी आँखों में
ईश्वर की छवि बसती है।
जब माँ मुस्काती है तो लगता है जैसे
धरती ने सूरज को
आँचल में पाल लिया हो।
जीवन की सारी थकान
एक पल में उतर जाती , जब माँ की मुस्कान
हौले से दिल को छू जाती है।
सच कहूँ तो दुनिया की हर दौलत फीकी सी होती है,
सबसे भली मुस्कान बस माँ की मुस्कान ही होती है।

नीड़हीन चिड़िया

प्रियंका सौरभ

सूने आँगन की धूल बनी,
मैं स्मृतियों में रोती हूँ।
टूटी छत की छाया तले,
बिखरे सपनों को ढोती हूँ।
कल तक गाती थी जो धुन,
अब वह स्वर भी खोया है।
नीड़ जलाकर समय ने जैसे
मन का वन भी रोया है।
नीले नभ की गोद कहीं,
अब तो धुंध में सोती है।
पंख थके, पथ दूर हुआ,
आशा भी अब रोती है।
फिर भी मौन व्यथा लेकर
मैं गगन पुकारती हूँ—
खोए आँगन, खोए नभ में
अपना घर निहारती हूँ।

जब-जब कवितायें बोलती हैं

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

जब-जब कवितायें बोलती हैं ।
कभी खुशी कभी गम तोलती हैं।।
कविताओं में हर दिल का जवाब
कोई दिल से फकीर,कोई दिल का नवाब,
कभी प्रेम पर छाया प्रेम शबाब
कोई प्रेम पर फेंक रहा है तेजाब,
कवितायें तो है दिल की किताब,
गीता,रामायण समझो जनाब,
जीवन में अमृत घोलती हैं।
जब-जब कवितायें बोलती हैं ।
कभी खुशी,कभी गम तोलती हैं।।
कविता अकेलेपन की साथी
दिल से दिल की पाती मिलाती,
कभी सद्भाव कभी दे जाती क्रांति
संत वाणी से , ज्ञान और शाँति,
कभी कवितायें छंद मुक्त रही हैं
कभी गजल,छंद सहलाती रही हैं,
पर दिल के राज खोलती हैं
जब-जब कवितायें बोलती हैं ।
कभी खुशी, कभी गम तोलती है।।

मैं कविता हूँ

राज किशोर
ग्वालियर

मैं कविता हूँ आज तुम्हारे,
भावों में बसती हूँ।
कर्म-विधा परिवेश स्वयं में,
हर युग में रचती हूँ।।
मैं ही रच प्रतिमान नये,
नव-मूल्य गढ़ा करती हूँ।
अन्यायी का प्रतिकार करें,
मैं साहस भरती हूँ।।
मेरी ही तो गंध सुवासित,
व्यास,सूर तुलसी हैं।
दे मुझको अवदान काव्य सब,
वाग्देवी हुलसी हैं।।
आर्-ग्रंथ सब कविता मय है,
जीवन संगीत सुनाते।
वाह्य-जगत में जो कुछ खोया,
सब अंतस में पाते।।
कविता में लय,रस,गति सब है,
सभी कला की जननी।
यह पुरुषार्थों की माता है,
अद्भुत इसकी करनी।।
कविते !तुम्हें नमन है मेरा,
दिव्य-भाव रक्षक हो।
करती सदा सजग मानव को,
हीन-भाव भक्षक हो।।
जब तक कविता शेष मनुजता,
कभी नहीं हारेगी।
संकट जायें चाहें जितने,
सभी स्वयं टारेगी।।

एक पत्नी का प्यार

वीरेंद्र बहादुर सिंह
नोएडा

ब से तुम्हारे कदमों ने चलना छोड़ा है,
मेरे जीवन ने भी जैसे ठहरना सीख लिया है।
पहले तुम आंगन में सूरज की तरह घूमते थे,
अब बिस्तर पर पड़े-पड़े दिन गिनते हो।
समय कितना बदल गया है,
कल तक तुम मेरा सहारा थे,
आज मैं तुम्हारी लाठी बन गई हूं।
सुबह की पहली किरण के साथ
मेरी दौड़भाग शुरू हो जाती है।
चूल्हे की आंच जलती है,
और साथ ही मन में एक चिंता भी,
कहीं दवा का समय न निकल जाए।
मैं धीरे से तुम्हें उठाती हूं,
तकिए को ठीक करती हूं,
कांपते हाथों में पानी का गिलास देती हूं
और गोलियां एक-एक कर गिनकर खिलाती हूं।
तुम्हारी आंखों में झांकती हूं
तो वहां एक अपराध-सा दर्द दिखता है,
जैसे कह रहे हो,
मैं बोझ बन गया हूं तुम्हारे जीवन पर।
पर मैं मुस्करा देती हूं क्योंकि तुम बोझ नहीं हो,
तुम तो मेरे जीवन की कहानी हो।
दोपहर को जब तुम्हारे पैरों में
तेल मलती हूं धीरे-धीरे, तो याद आता है,
इन्हीं पैरों से तुम खेत नापते थे,
बाजार जाते थे, मेरे लिए चूड़ियां लाते थे।
आज वही पैर मेरे हाथों की उंगलियों पर टिके हैं।
कभी-कभी रात के सन्नाटे में
तुम्हारी कराह सुनाई देती है,
मैं तुरंत उठ बैठती हूं।
पानी पिलाती हूं, दवा देती हूं,
और तुम्हारे सिरहाने बैठकर
धीरे-धीरे पीठ सहलाती हूं।
तुम सो जाते हो, पर मेरी नींद कहीं दूर चली जाती है।
मैं सोचती हूं, जिंदगी ने कैसी परीक्षा ली है।
बुढ़ापे में यह कैसा मोड़ आया,
जहां तुम्हारे कदम रुक गए
और मेरी जिम्मेदारियां बढ़ गईं।
फिर भी मन में एक संतोष है,
मैं तुम्हारे साथ हूं, तुम अकेले नहीं हो।
जब लोग पूछते हैं बहुत मुश्किल होता होगा?
तो मैं बस इतना कहती हूं, मुश्किल तो है
पर यह सेवा नहीं,
यह मेरे प्रेम की पूजा है।
तुम्हारी हर दवा में मेरी प्रार्थना घुली होती है,
तुम्हारी हर सांस में मेरी उम्मीद जुड़ी होती है।
शायद भगवान ने
मुझे तुम्हारी छाया बनने के लिए ही चुना है।
और जब एक दिन यह जीवन की संध्या पूरी होगी,
तो लोग कहेंगे, एक पत्नी थी,
जिसने अपने अपाहिज पति को
सिर्फ सहारा नहीं दिया,बल्कि अपने प्रेम से
उसकी पूरी दुनिया थामे रखी।

संदेशों के रिश्ते...!

संजय एम.
तराणेकर, इंदौर

इस 'मोबाइल' की छोटी स्क्रीन में,
अब रिश्तों की दुनिया फिसल गई।
यूं एक "हैप्पी होली" के मैसेज में,
दिल की गर्मी कहीं से सिमट गई।
ऐसे पहले मिलना, हँसना-बोलना,
घर आकर शुभकामनाएँ देना था।
अब एक 'संदेश-इमोजी' भेजकर,
सिर्फ़ एक फर्ज़ निभाते रहना था।
ना आवाज़ की वह 'मिठास' रही,
ना किसी आँख का अपनापन है।
बदलते डिजिटल दौर के रिश्तों में,
बस, कुछ 'शब्दों' का ही बंधन है।
कोई भी तकनीक बुरी नहीं होती,
बस, दिल का रिश्ता खो ना जाए।
संदेशों से परे हो इंसान ख़ुद आए,
एक-दूजे पे प्रेम-स्नेह बरसा जाए।
इन 'त्योहारों' की असली खुशियाँ,
सबके ही चेहरों की मुस्कान में हैं।
यूं 'सच्चे रिश्ते' वहीं मिला करते हैं,
जहाँ दिलों की पहचान क़ायम हैं।

दिल

रेणुका अग्रवाल
हैदराबाद

कितना प्यारा होता है ये दिल।
जो मां के लिए रोता है ये दिल।
पिताजी से भी स्नेह कम नहीं है,
दिल में दिलों को संजोता है दिल।
ब्याह हो जाने के बाद भी,
जो लड़की मां को भूलती नहीं,
बाप के घर से छूटती नहीं,
ख़ुद का घर ही उजाड़ता है दिल।
बीच भंवर में अटक गया।
रिश्तों में क्यों भटक गया।
दिल चाहता है सबको पर,
चाहते ही दिमाग़ सटक गया।
एक दिल और बीस बीस रिश्ते।
निभाते निभाते थक गए हम तो,
एक को मनाओ,दूसरा रूठ जाता,
दिल बेचारा कुछ समझ न पाता।
मां के दिल में ममता बसी है।
अपनी संतान में वो फंसी है।
सबको बड़ा करते करते,
भूल गई ख़ुद की हँसी है।
दिन भर काम कर कर के,
थक गया इकलौता दिल।
कोई नहीं पूछता उसको,
कर लेता समझौता दिल।

क्या आप जानते हैं!

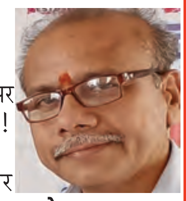

रमेश गायकवाड
रागा, हैदराबाद

कितनी बार हथोड़ा चलाने पर
एक पत्थर मूर्ति बनकर उभर आया है !
क्या आप जानते हैं !
कितने रंगों के मेल से
प्रकृति की तस्वीर बनी है!
कितनी बार आवाज को निखारने पर
एक लयबद्ध धुन पैदा होती है !
क्या आप जानते हैं !
कितनी बार उंगलियां बदलने पर
एक संगीत धुन पैदा होती है
कितने बार चरणों की
भंगिमाओं को बदलने पर
एक नृत्य का आविर्भाव होता है
क्या आप जानते हैं !
कितने घावों को सहनने के बाद
पीढ़ा एक काव्य बन निकलती है
क्या आप जानते हैं !
एक इंसान को इंसान की तरह जीने के लिए
कितने तरीकों को ढूंढना पड़ता हैं!

फ़ितूर से फासले तक

मनीषा मंजरी
दरभंगा

अब तेरा इश्क़ मेरी साँसों को मजबूर नहीं करता,
जो बहका जाए होश को,
वो सुरूर नहीं करता।
हाँ धड़कने धीमी हो जाती हैं,
तेरी आहटों को सुनकर,
पर जो चुरा जाए मेरी आवारगी,
वो फितूर नहीं करता।
जागती है कुछ ख्वाहिशें भी,
जुगनुओं की रौशनी सी,
पर जो अंधेरों की चाहतें भुला दे,
ऐसा कोई चिराग अब दस्तूर नहीं करता।
हाँ फासले थोड़ा सताते हैं,
वक़्त को रोककर मुस्कुराते हैं,
पर जो बारिशों में आँखें भिगाये,
अब दर्द ऐसा कोई कसूर नहीं करता।
फितरत तुझको बुलाती है, परछाइयों को गले लगाती है,
पर लौट आये तेरी गलियों में,
ये बहके क़दमों को मंजूर नहीं करता।
अब जज्बातों में सब्र है, खामोशियों की नुमाइशी कब्र है,
इक शहर तो है, धुंधली यादों का,
पर अब वो आशिकी को मेरे मजबूर नहीं करता।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd.
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

मिसाइलों की दुनिया में शांति की तलाश

ब्रिटिश दार्शनिक बर्ट्रेंड रसेल का एक प्रसिद्ध कथन है कि युद्ध यह तय नहीं करता कि कौन सही है, बल्कि यह तय करता है कि कौन बचा है। आज की वैश्विक परिस्थितियों में यह विचार और अधिक प्रासंगिक दिखाई देता है। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में लगातार बढ़ते युद्ध और संघर्ष यह संकेत दे रहे हैं कि मानव सभ्यता तकनीकी रूप से जितनी आगे बढ़ी है, उतनी ही नैतिक रूप से पीछे भी खिसकती दिखाई दे रही है।

बीते वर्षों में यूक्रेन-रूस युद्ध, पश्चिम एशिया में हिंसा, और विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ते सैन्य तनावों ने वैश्विक शांति को गहरे संकट में डाल दिया है। आधुनिक युद्ध अब केवल सैनिकों तक सीमित नहीं रहे, बल्कि उनके प्रभाव से सबसे अधिक प्रभावित आम नागरिक, महिलाएँ और बच्चे होते हैं। शहर तबाह होते हैं, अर्थव्यवस्थाएँ चरमरा जाती हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए असुरक्षा और भय का वातावरण बन जाता है।

विडंबना यह है कि आज दुनिया की बड़ी शक्तियाँ शांति की बात तो करती हैं, लेकिन हथियारों की होड़ को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने से बचती हैं। परमाणु हथियारों और आधुनिक मिसाइल प्रणालियों के इस दौर में एक बड़ा युद्ध पूरी मानवता के अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न लगा सकता है। वैज्ञानिकों और रणनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि यदि परमाणु हथियारों का सीमित उपयोग भी हो जाए तो उसका प्रभाव केवल युद्धरत देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी पृथ्वी को जलवायु और खाद्य संकट में धकेल सकता है।

युद्ध के पीछे अक्सर राष्ट्रवाद, संसाधनों की होड़ और राजनीतिक प्रभुत्व की आकांक्षा जैसी वजहें होती हैं। लेकिन इन कारणों के बीच सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या किसी भी राष्ट्र की प्रतिष्ठा या शक्ति मानव जीवन से अधिक मूल्यवान हो सकती है। इतिहास गवाह है कि युद्धों ने कभी स्थायी समाधान नहीं दिया, बल्कि नए संघर्षों और दुश्मनी की जमीन तैयार की है। महात्मा गांधी और स्वामी विवेकानंद जैसे विचारकों ने मानवता को हमेशा नैतिकता, करुणा और संवाद का रास्ता दिखाया। गांधी का मानना था कि हिंसा अंततः केवल विनाश ही लाती है, जबकि अहिंसा और संवाद ही स्थायी शांति का मार्ग हैं। आज जब दुनिया के कई हिस्सों में युद्ध की आग भड़क रही है, तब इन विचारों की प्रासंगिकता और बढ़ जाती है।

वैश्विक नेतृत्व के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह युद्ध की राजनीति से ऊपर उठकर मानवता की रक्षा को प्राथमिकता दे। संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की भूमिका भी तभी सार्थक होगी जब वे केवल बयानबाजी तक सीमित न रहकर संघर्षों को रोकने के लिए ठोस पहल करें। साथ ही, हथियारों के व्यापार और सैन्य प्रतिस्पर्धा को नियंत्रित करने के लिए वैश्विक सहमति बनाना भी जरूरी है।

दुनिया के नागरिक समाज, बुद्धिजीवियों और युवाओं को भी इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। शांति केवल सरकारों के निर्णयों से नहीं आती, बल्कि समाज के सामूहिक मूल्यों और चेतना से भी निर्मित होती है। यदि दुनिया को सुरक्षित और स्थिर बनाना है तो युद्ध की मानसिकता को बदलना होगा और सहयोग, संवाद तथा सहअस्तित्व की भावना को मजबूत करना होगा।

अंततः यह याद रखना होगा कि युद्ध में किसी की वास्तविक जीत नहीं होती। कुछ राष्ट्र भले ही सैन्य दृष्टि से विजेता घोषित कर दिए जाएँ, लेकिन मानवता हमेशा हारती है। इसलिए आज सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि कौन शक्तिशाली है, बल्कि यह है कि क्या हम इस पृथ्वी और मानव सभ्यता को बचाने के लिए पर्याप्त बुद्धिमत्ता और साहस दिखा पाएँगे।

तेल के लिए तरसती दिखेगी दुनिया?

खर्ग द्वीप ईरान की लाइफलाइन, यूएस के हमले के होंगे भयावह परिणाम

ईरान की जमीन से करीब 50 किलोमीटर दूर फारस की खाड़ी में एक द्वीप है, जिसे खर्ग द्वीप के नाम से जाना जाता है। महज छह से आठ किलोमीटर लंबे इस द्वीप को कूटनीतिक तौर पर ईरान की लाइफलाइन माना जाता है। ईरान द्वारा निर्यात किया जाने वाला लगभग सारा तेल इसी द्वीप से गुजरता है। अभी तक अमेरिका ने इस पर हमला नहीं किया था, लेकिन कल अमेरिका ने इस द्वीप को भी निशाना बनाया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में बताया कि अमेरिकी हमले में इस द्वीप को भारी नुकसान पहुंचा है।

खर्ग द्वीप ईरान के लिए बेहद अहम

खर्ग द्वीप, ईरान का सबसे संवेदनशील आर्थिक इलाका है। इसकी वजह है यहां के तेल निर्यात टर्मिनल, जहां से दुनिया भर में तेल की आपूर्ति की जाती है। इस द्वीप से ईरान का करीब 90 फीसदी कच्चा तेल निर्यात होता है। यहां के टर्मिनलों में हर दिन करीब 70 लाख बैरल कच्चा तेल लोड करने की क्षमता है। कच्चे तेल के व्यापार का केंद्र होने के नाते यह द्वीप ईरान की सरकार की आय का मुख्य स्त्रोत बन जाता है, जिससे ईरानी नौकरशाही और ईरान की सेना के वेतन का भुगतान होता है। इस द्वीप पर बड़े स्टोरेज टैंक हैं और यह द्वीप समुद्र के नीचे बिछी पाइपलाइनों के जरिए दक्षिणी ईरान के प्रमुख तेल क्षेत्रों से जुड़ा है। यही वजह है कि इस द्वीप को ईरान की जीवनरेखा भी कहा जाता है।

अमेरिकी तेल कंपनी ने किया था निर्माण

खर्ग द्वीप में तेल निर्यात टर्मिनल को अमेरिकी तेल कंपनी एमोको ने विकसित किया था और साल 1979 में ईरान में हुई क्रांति के बाद ईरान की सरकार ने इस द्वीप को अपने कब्जे में ले लिया था। ईरान के लिए खर्ग द्वीप इसलिए भी अहम है क्योंकि ईरान की अधिकतर तटरेखा उथली है, जहां बड़े-बड़े पोत नहीं रुक सकते। खर्ग द्वीप गहरे पानी के करीब है, जिसके चलते यहां बड़े-बड़े पोत और तेल टैंकर आसानी से रुक सकते हैं। खर्ग द्वीप तेल निर्यात के साथ ही ईरान का तेल भंडारण का भी केंद्र है, जहां करीब 180 लाख बैरल कच्चे तेल का भंडार है।

खर्ग द्वीप से निर्यात होने वाले कच्चे तेल का सबसे बड़ा खरीददार चीन है। अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद भी ईरान ने यहां से चीन को तेल निर्यात कर भारी राजस्व हासिल किया। खर्ग द्वीप पर हमले से वैश्विक तेल आपूर्ति बुरी तरह से बाधित हो सकती है और दुनिया जो पहले ही तेल संकट से जूझ रही है, उसके लिए मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। खर्ग पर हमले से वैश्विक बाजार में तेल की कीमतें काफी बढ़ सकती हैं। हालांकि ईरान की तेल आपूर्ति को पूरी तरह से काटने के लिए अमेरिका और इस्राइल को अपनी सेना उतारनी पड़ सकती है और फिलहाल ट्रंप इससे हिचकिचा रहे हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी समझते हैं कि खर्ग का मुद्दा कितना संवेदनशील है। इसलिए अमेरिका ने भी खर्ग में ईरान के सैन्य ठिकानों को ही निशाना बनाने का दावा किया है। ईरान ने भी खर्ग पर हमले पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है और अमेरिका को धमकी देते हुए कहा है कि अगर उनके तेल और आर्थिक ढांचों पर हमले किए गए तो ईरान भी पूरे पश्चिम एशिया में अमेरिका और अमेरिकी कंपनियों के तेल ढांचों पर हमला करेगा।

बिहार का अगला सीएम तय या जान बूझ कर सस्पेंस

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जल्द ही राज्यसभा चले जाएंगे। 16 मार्च को वोटिंग के बाद ये तय मान कर चलिए कि बिहार को भी जल्द ही नया मुख्यमंत्री भी मिलेगा। ज्यादातर यही माना जा रहा है कि नया सीएम बीजेपी से होगा। लेकिन कुछ लोग जेडीयू की तरफ से ही नया सीएम होने की भविष्यवाणी कर रहे हैं। आखिर सच क्या है?

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने खगड़िया में अपनी समृद्धि यात्रा के दौरान मंच से बोलते-बोलते बड़ा इशारा दिया। उन्होंने कहा कि 'ठीक है न, बहुत-बहुत आपको बधाई,मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं। और एक मिनट रुकिए। हम आपको....' इसके बाद सीएम नीतीश कुमार मंच से सीधे उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की तरफ बढ़े और सम्राट चौधरी का कंधा पकड़ कर उन्हें सबका अभिवादन करने का इशारा किया।

नीतीश कुमार के इस व्यवहार के कई तरह के मायने लगाए जा रहे हैं। एक तरफ कहा जा रहा है कि नीतीश कुमार ने खगड़िया में सम्राट चौधरी को सीएम की कुर्सी का उत्तराधिकारी घोषित कर दिया। वहीं दूसरी तरफ कहा जा रहा है कि चुंकि सम्राट चौधरी का विधानसभा क्षेत्र तारापुर भागलपुर कमिश्नरी में पड़ता है तो इसलिए नीतीश ने खगड़िया में सम्राट चौधरी का इस तरह से स्वागत करवाया। इसका बिहार के नए सीएम पद से कोई लेना देना नहीं है।

सवाल ये भी है कि सबकुछ एकदम चुपचाप क्यों हो रहा है? डंका पीटने वाली पार्टी इतनी शांत क्यों है? आखिर क्या वजह है कि बीजेपी के आलाकमान से लेकर पटना दफ्तर तक में बिहार के नए सीएम उम्मीदवार के बारे में खुल कर कोई कुछ बात नहीं कर रहा। हालांकि मीडिया में नाम तो इतने चल रहे हैं कि आम लोग भी कन्फ्यूज हो गए हैं। लेकिन सच में बिहार का अगला सीएम कौन बनेगा, ये किसी को नहीं पता।

इस पर मशहूर शिक्षाविद् और पॉलिटिकल एक्सपर्ट डॉ संजय कुमार कहते हैं कि 'राजनीति में इशारों में सम्राट चौधरी पसंद हो सकते हैं। अगर बीजेपी सम्राट चौधरी पर भी दांव लगाएगी तो उसका क्रेडिट नीतीश कुमार को नहीं लेने देगी। अगर नया चेहरा होगा तो इसमें बीजेपी को क्रेडिट लेने का मौका मिल जाएगा। ये भी तथ्य है कि आजादी के बाद से पहली बार बिहार में बीजेपी का मुख्यमंत्री होगा, इसलिए बीजेपी इसका क्रेडिट भी खुद लेंगी। कुल मिलाकर सारा क्रेडिट का खेल है।'

बीजेपी क्यों नहीं कर रही घोषणा

वहीं नजरें बीजेपी पर भी हैं कि जब सबकुछ तय हो चुका है, नीतीश कुमार राज्यसभा जाने का ऐलान कर चुके हैं तो बीजेपी को भी बिहार के नए सीएम के नाम की चर्चा पर विराम लगा देना चाहिए। इसको लेकर भी कई कारण सामने आ रहे हैं। पहला तो ये कि पहले ही सीएम के नाम की घोषणा करने पर कहीं बीजेपी के अंदर ही घमासान न शुरू हो जाए। इसलिए पत्ते आखिर तक बचा कर रखे जाएं। ऐन वक्त पर चौंकाओ और जब तक कोई नाराज हो, सीएम को उसकी कुर्सी पर बिठा दो। लेकिन सबसे बड़ी बात तो यही है पूरा मामला क्रेडिट गेम का ही है, इसलिए बीजेपी फिर से चौंका दे तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए।

नोटबंदी में कैश के लिए, कोरोना में सांस के लिए, अब गैस के लिए लाइनों में

स्नेहा सिंह

अव्यवस्थित सरकारी योजना के कारण कालाबाजारी बेलगाम, गैस सिलेंडर का ब्लैक रेट 6,000 से 7,000 तक पहुंचने की खबरें वैश्विक स्तर पर पैदा हुई इस आपदा में कालाबाजारियों ने अवसर ढूंढ लिया है। लोगों को लूटने के लिए एलपीजी का काला बाजार शुरू हो गया है। इस समय एलपीजी के एक सिलेंडर की कीमत काले बाजार में 6000 से 7000 रुपए तक पहुंचने की खबरें हैं। एलपीजी सप्लायरों के ठिकानों के बाहर रोज हजारों की संख्या में लोग लाइनों में खड़े दिखाई दे रहे हैं। सरकार लोगों से शांति बनाए रखने की अपील तो कर रही है, लेकिन कालाबाजारी के खिलाफ कदम उठाने या लोगों तक आसानी से गैस सिलेंडर पहुंचाने की कोई घोषणा या ठोस व्यवस्था दिखाई नहीं देती।

गुजरात, महाराष्ट्र, दिल्ली, बेंगलुरु, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में भी गैस की कमी के नाम पर लोग परेशान हो रहे हैं। कुछ शहरों में 4000 से 6000 रुपए तक कीमत पहुंच गई है, जबकि बेंगलुरु में एक सिलेंडर का भाव 9000 रुपए तक पहुंच गया है। ईरान-अमेरिका युद्ध के कारण होर्मुज की खाड़ी बंद होने से एशियाई देशों में कच्चे तेल और गैस की कमी पैदा हो गई है। हजारों जहाज यहां फंसे होने के कारण कच्चा तेल और गैस एशिया तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। भारत की स्थिति इसलिए और भी गंभीर बताई जा रही है, क्योंकि भारत अपनी जरूरत का लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल खाड़ी देशों से होर्मुज के रास्ते मंगाता है। युद्ध के कारण यह रास्ता बंद होने से भारत समेत एशिया और यूरोप के कई देशों में तेल और गैस की कमी पैदा हो गई है। इस वैश्विक संकट को कालाबाजारियों ने अवसर में बदल दिया है और एलपीजी सिलेंडरों की खुलेआम कालाबाजारी शुरू कर दी है।

उल्लेखनीय है कि हाल ही में केंद्र सरकार ने गैस सिलेंडरों के दाम भी बढ़ाए थे। घरेलू गैस सिलेंडर पर 60 रुपए और कामर्शियल गैस सिलेंडर पर 114.50 रुपए की वृद्धि की गई थी। इसके बाद दिल्ली में 14.2 किलो का घरेलू सिलेंडर 913 रुपए का हो गया था, जबकि 19 किलो का कामर्शियल पर 1884.50 रुपए का हो गया था। आश्चर्य की बात यह है कि सरकार एक तरफ दाम बढ़ा रही है और दूसरी तरफ यह भी साफ नहीं कर रही कि वास्तव में गैस की कमी है या नहीं। बाजार में सिलेंडर नहीं मिल रहे, जबकि सरकारी दावे हैं कि गैस का पर्याप्त स्टाक मौजूद है। दूसरी ओर सिलेंडर की सप्लाई की समय सीमा भी बढ़ाकर 25 दिन कर दी गई है।

वास्तविकता यह है कि सरकार की अव्यवस्थित योजना और जनता को अंधेरे में रखने की प्रवृत्ति ही बाजार में धोखेबाजों को फायदा पहुंचाती है। सरकार एक तरफ दावा करती है कि पर्याप्त गैस उपलब्ध है और दूसरी ओर खुद ही कीमतें बढ़ा देती है। रेस्टोरेंट, होटल और अन्य सेवाओं को कामर्शियल गैस का नियमित सप्लाई नहीं मिल रहा है, जिससे कालाबाजार तेजी से बढ़ गया है। कई रेस्टोरेंट बंद हो गए हैं और कई ने अपना काम कम कर दिया है। लोगों को अपने घरों में भी गैस की कमी का सामना करना पड़ रहा है और उनके पास कोई दूसरा विकल्प नहीं है।

चिंताजनक बात यह है कि इस स्थिति का बड़ा मनोवैज्ञानिक असर भी हुआ है। लोगों ने पैनिक बाइंग शुरू कर दी है, जबकि एलपीजी सप्लायरों पर कृत्रिम कमी पैदा करने के आरोप लग रहे हैं। कई सप्लायरों के ठिकानों के बाहर हजारों लोग रोज लाइन में खड़े दिखाई देते हैं। होर्मुज़ की खाड़ी में फंसे जहाजों के कारण भारत के एलपीजी का लगभग 80 प्रतिशत स्टाक प्रभावित हुआ बताया जा रहा है। इस संकट को कालाबाजारियों ने लोगों को लूटने के अवसर में बदल दिया है। कई लोगों ने शिकायत की है कि उन्होंने गैस सिलेंडर बुक करने के बाद भी उन्हें डिलीवरी नहीं मिली। पिछले सप्ताह में ऐसी घटनाएं लगातार बढ़ी हैं। कई लोगों को पंद्रह दिन पहले बुक किए गए सिलेंडर भी नहीं मिल रहे। इसके अलावा जरूरतमंद लोगों से खुलेआम ज्यादा पैसे वसूले जा रहे हैं। देश के कई राज्यों में भी इसी तरह की स्थिति देखने को मिल रही है।

900 रुपए का सिलेंडर कई जगह 3000 रुपए में बेचा जा रहा है, जबकि कामर्शियल सिलेंडर जिसकी कीमत लगभग 2000 रुपए है वह 6000 से 7000 रुपए तक पहुंच गया है। रिपोर्टों के अनुसार 14 किलो के घरेलू सिलेंडर की सबसे ज्यादा कमी है। जानकारों का कहना है कि कमी वास्तविक से ज्यादा कृत्रिम रूप से पैदा की जा रही है। दिल्ली में कुछ रेस्टोरेंट मालिकों के बारे में खबरें हैं कि वे ब्लैक में सिलेंडर खरीदकर अपना कारोबार चलाने की कोशिश कर रहे हैं।

दूसरी ओर आम लोगों को सिलेंडर नहीं मिल पा रहा। दिल्ली, गुरुग्राम, मुंबई और बेंगलुरु के कई छोटे रेस्टोरेंट संचालकों ने बताया कि उन्हें फिलहाल अपना व्यवसाय बंद करना पड़ा है, क्योंकि कामर्शियल गैस के दाम बहुत बढ़ गए हैं। सरकारी गैस नहीं मिल रही और एजेंसियां कालाबाजारी करके एक सिलेंडर के 5000 से ज्यादा रुपए मांग रही हैं।

एक क्लिक की चूक और खतरे में आपकी पूरी डिजिटल दुनिया

सुरेश गांधी

डिजिटल युग में सोशल मीडिया हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। संवाद, सूचना, मनोरंजन और रिश्तों को जोड़ने का सबसे तेज माध्यम बन चुके प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम ने दुनिया को सचमुच हमारी हथेली में ला दिया है। लेकिन इसी डिजिटल सुविधा के साथ एक बड़ा खतरा भी तेजी से बढ़ रहा है, साइबर अपराध का। आज साइबर ठग केवल तकनीकी हैकिंग के जरिए नहीं, बल्कि लोगों की छोटी-सी असावधानी का फायदा उठाकर उनके सोशल मीडिया अकाउंट पर कब्जा कर लेते हैं। एक फर्जी लिंक, एक अनजान कॉल, एक ओटीपी या मोबाइल में डायल किया गया एक छोटा-सा कोड, बस इतना ही काफी है कि किसी की डिजिटल पहचान, निजी जानकारी और सामाजिक संपर्क खतरे में पड़ जाएं। ऐसे में जरूरी है कि सोशल मीडिया के उपयोग के साथ-साथ उसकी सुरक्षा और सावधानियों के प्रति भी व्यापक जागरूकता बढ़ाई जाए।

डिजिटल क्रांति ने दुनिया को अभूतपूर्व गति और सुविधा प्रदान की है। आज संवाद, सूचना, व्यापार, बैंकिंग, मनोरंजन और सामाजिक संबंध, सब कुछ हमारे स्मार्टफोन की स्क्रीन पर सिमट गया है। विशेष रूप से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम ने लोगों के जीवन और समाज के स्वरूप को बदल दिया है। लेकिन तकनीक की यही सुविधा आज साइबर अपराधियों के लिए भी एक नया अवसर बनती जा रही है। सोशल मीडिया पर सक्रिय करोड़ों भारतीयों की डिजिटल पहचान आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां एक छोटी-सी असावधानी पूरे डिजिटल जीवन को संकट में डाल सकती है। एक फर्जी लिंक, एक ओटीपी साझा करना, या किसी के कहने पर डायल किया गया एक छोटा-सा कोड, बस इतना ही काफी है कि कोई अजनबी व्यक्ति आपके अकाउंट, आपकी पहचान और आपके सामाजिक नेटवर्क पर कब्जा कर ले। सवाल केवल एक ऐप के हैक होने का नहीं है। आज सोशल मीडिया अकाउंट व्यक्ति की पहचान, संपर्क, निजी तस्वीरों, पेशेवर संबंधों और कई बार आर्थिक गतिविधियों से भी जुड़ा होता है। ऐसे में यदि कोई हैकर इन अकाउंट तक पहुंच जाता है तो वह न केवल व्यक्तिगत नुकसान पहुंचा सकता है, बल्कि मित्रों और परिचितों को भी ठगी का शिकार बना सकता है।

भारत आज दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल समाजों में से एक है। स्मार्टफोन और इंटरनेट की सुलभता ने गांव से लेकर महानगर तक लोगों को डिजिटल मंच से जोड़ दिया है। सोशल मीडिया अब केवल युवा पीढ़ी का माध्यम नहीं रहा; शिक्षक, व्यापारी, किसान, पत्रकार, सरकारी कर्मचारी, हर वर्ग इसके माध्यम से जुड़ा हुआ है। लेकिन जैसे-जैसे डिजिटल उपयोग बढ़ा है, साइबर अपराध का दायरा भी तेजी से फैल रहा है। पहले जहां हैकिंग को केवल तकनीकी विशेषज्ञों की जटिल गतिविधि माना जाता था, वहीं अब साइबर अपराधी लोगों की मनोवैज्ञानिक कमजोरी और तकनीकी जानकारी की कमी का फायदा उठाने लगे हैं। आज साइबर अपराधियों को किसी बैंक की तिजोरी तोड़ने की जरूरत नहीं होती। उन्हें बस एक फोन कॉल, एक मैसेज या एक फर्जी लिंक की आवश्यकता होती है। यही कारण है कि सोशल मीडिया अकाउंट हैकिंग के मामले लगातार बढ़ रहे हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म हैकरों के लिए इसलिए आकर्षक लक्ष्य बन गए हैं क्योंकि यहां लोगों की बड़ी संख्या सक्रिय रहती है और अधिकांश उपयोगकर्ता सुरक्षा के प्रति पर्याप्त सतर्क नहीं होते। सोशल मीडिया पर लोग अक्सर अपनी निजी जानकारी जैसे मोबाइल नंबर, ई-मेल, लोकेशन, तस्वीरें और सामाजिक संबंध साझा करते हैं। यही जानकारी हैकरों के लिए एक मजबूत आधार बन जाती है। उदाहरण के लिए यदि किसी व्यक्ति का अकाउंट हैक हो जाता है तो अपराधी उसकी संपर्क सूची में मौजूद लोगों को संदेश भेजकर आपात स्थिति का बहाना बनाते हैं, जैसे दुर्घटना, अस्पताल या किसी जरूरी भुगतान की बात। चूंकि संदेश परिचित व्यक्ति के अकाउंट से आता है, इसलिए कई लोग बिना जांच-पड़ताल किए पैसे भेज देते हैं। इस प्रकार सोशल मीडिया हैकिंग केवल एक व्यक्ति की समस्या नहीं रह जाती, बल्कि यह एक श्रृंखलाबद्ध साइबर ठगी का माध्यम बन जाती है।

साइबर अपराधियों ने लोगों के अकाउंट तक पहुंचने के लिए कई नए तरीके विकसित कर लिए हैं। इनमें से अधिकांश तकनीकी से ज्यादा मनोवैज्ञानिक होते हैं। कुछ ऐप्स मोबाइल में इंस्टॉल होते ही फोन की जानकारी तक पहुंच बना लेते हैं। इन ऐप्स के माध्यम से भी अकाउंट हैक किए जा सकते हैं।

फिशिंग आज साइबर अपराध का सबसे सामान्य तरीका बन चुका है। इसमें अपराधी किसी बैंक, कंपनी या सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के नाम से फर्जी लिंक भेजते हैं। जब उपयोगकर्ता उस लिंक पर क्लिक कर अपनी लॉगिन जानकारी दर्ज करता है, तो वह सीधे अपराधियों के पास पहुंच जाती है।

कई मामलों में अपराधी बैंक अधिकारी या कंपनी प्रतिनिधि बनकर फोन करते हैं और किसी बहाने से ओटीपी मांग लेते हैं। एक बार ओटीपी मिल जाने पर वे आसानी से अकाउंट एक्सेस कर लेते हैं। हाल के समय में यह तरीका तेजी से सामने आया है। इसमें किसी बहाने से उपयोगकर्ता से एक डायल कोड डलवाया जाता है, जिससे कॉल फॉरवर्डिंग सक्रिय हो जाती है। इसके बाद व्हाट्सएप या अन्य प्लेटफॉर्म का वेरिफिकेशन कॉल सीधे हैकर के फोन पर पहुंच जाता है।

अपराधी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे दिखने वाले फर्जी लॉगिन पेज तैयार करते हैं। उपयोगकर्ता को पता ही नहीं चलता कि वह असली वेबसाइट पर नहीं बल्कि नकली पेज पर अपनी जानकारी दर्ज कर रहा है। पासवर्ड में अक्षर, संख्या और विशेष चिन्ह शामिल करें। एक ही पासवर्ड सभी प्लेटफॉर्म पर इस्तेमाल न करें। यह सुरक्षा का अतिरिक्त स्तर होता है। इससे कोई व्यक्ति पासवर्ड जानने के बाद भी बिना ओटीपी के लॉगिन नहीं कर पाएगा। किसी भी लिंक पर क्लिक करने से पहले उसकी सत्यता जरूर जांचें। फोन, ई-मेल या मैसेज के माध्यम से ओटीपी या पासवर्ड कभी साझा न करें। बैंक, कूरियर या सोशल मीडिया कंपनियां फोन पर कभी पासवर्ड या कोड नहीं मांगतीं। मोबाइल ऐप और ऑपरेटिंग सिस्टम को समय-समय पर अपडेट करना जरूरी है। खुले वाई-फाई नेटवर्क पर सोशल मीडिया या बैंकिंग अकाउंट लॉगिन करने से बचना चाहिए।

अक्सर लोग यह समझ ही नहीं पाते कि उनका अकाउंट हैक हो चुका है। लेकिन कुछ संकेत ऐसे होते हैं जिनसे समय रहते स्थिति का पता लगाया जा सकता है। यदि आपके सोशल मीडिया अकाउंट से अचानक अजीब पोस्ट या मैसेज जाने लगें, अनजान लोगों को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी जाने लगे, या पासवर्ड अचानक काम करना बंद कर दे, किसी अज्ञात स्थान से लॉगिन नोटिफिकेशन आना, ई-मेल या मोबाइल नंबर बदल जाना. ऐसी स्थिति में तुरंत पासवर्ड बदलना और सुरक्षा सेटिंग्स की जांच करना जरूरी है। यह खतरे का संकेत हो सकता है। इसी तरह यदि किसी अज्ञात स्थान या डिवाइस से लॉगिन का नोटिफिकेशन मिले तो तुरंत सुरक्षा जांच करना आवश्यक हो जाता है।

26000 करोड़ का साम्राज्य, सबसे अमीर फिल्म मेकर के आगे शाहरुख और आदित्य चोपड़ा कुछ भी नहीं

अगर आप सोच रहे हैं कि शाहरुख खान, आदित्य चोपड़ा या फिर करण जौहर भारत के सबसे अमीर फिल्म मेकर हैं तो आप गलत हैं, इन तीनों की संपत्ति को मिला भी दें तो ये भारत के सबसे अमीर फिल्म मेकर के इर्द-गिर्द भी नहीं पहुंचते। फोर्ब्स मैगजीन ने साल 2026 की अरबपतियों की वार्षिक सूची जारी की है। इस लिस्ट ने वैश्विक स्तर पर धन और प्रभाव के नए समीकरण पेश किए हैं। इस साल की सूची में दुनिया भर के 4000 प्रभावशाली व्यक्तियों को जगह मिली है, जिनमें 300 से अधिक भारतीय शामिल हैं। मनोरंजन जगत के नजरिए से देखें तो दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योग और मीडिया के एक बड़े दिग्गज ने लगातार चौथे साल भारत के सबसे अमीर फिल्म निर्माता का खिताब अपने नाम किया है।

26000 करोड़ की संपति

सन टीवी नेटवर्क के अध्यक्ष और सन पिक्चर्स के मालिक कलानिधि मारन वर्तमान में भारत के सबसे धनी फिल्म निर्माता हैं। फोर्ब्स की ताजा रिपोर्ट के अनुसार मारन की कुल संपत्ति 2.8 बिलियन डॉलर (लगभग 26000 करोड़) आंकी गई है। उनके इस विशाल साम्राज्य का एक बड़ा हिस्सा उनके प्रोडक्शन हाउस सन पिक्चर्स से आता है। तमिल सिनेमा में अग्रणी स्थान रखने वाली इस कंपनी ने 'एंथिरन', 'पेट्टा', 'बीस्ट', 'जेलर' और 'कुली' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों का निर्माण किया है। भविष्य की परियोजनाओं में रजनीकांत की 'जेलर 2' और एटली के साथ एक बड़ा प्रोजेक्ट शामिल है, जिसने ट्रेड बाजार में पहले ही हलचल मचा दी है।

बॉलीवुड दिग्गजों के मुकाबले मारन का साम्राज्य

कलानिधि मारन की संपत्ति की भव्यता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उनकी कुल नेटवर्थ बॉलीवुड के सबसे बड़े नामों की संयुक्त संपत्ति से भी अधिक है। जहां मारन 26000 करोड़ के मालिक हैं, वहीं बॉलीवुड के दिग्गज शाहरुख खान (7500 करोड़), आदित्य चोपड़ा (7700 करोड़) और करण जौहर (2000 करोड़) की कुल संपत्ति को मिला देने पर भी वे मारन के आसपास नहीं ठहरते। इस दौड़ में मारन ने रॉनी स्क्रूवाला को भी पीछे छोड़ दिया है, जो 1.6 बिलियन ($1.6 बिलियन) की संपत्ति के साथ फोर्ब्स की सूची में शामिल होने वाले एकमात्र अन्य भारतीय फिल्म निर्माता हैं।

पारिवारिक विरासत से मीडिया मुगल बनने तक का सफर

पूर्व केंद्रीय मंत्री मुरासोली मारन के बेटे कलानिधि मारन ने 80 के दशक में अपने परिवार के छोटे से प्रकाशन व्यवसाय से करियर की शुरुआत की थी। 1993 में उन्होंने सन टीवी नेटवर्क की स्थापना की, जिसे आज फोर्ब्स 37 चैनलों वाला एक क्षेत्रीय टेलीविजन दिग्गज मानता है, जिसकी पहुँच भारत के 14 करोड़ से अधिक घरों तक है। टीवी के अलावा उनके निवेश समाचार पत्रों, रेडियो और डीटीएच सेवाओं में भी फैले हुए हैं। खेल की दुनिया में भी उनका दबदबा है, वह आईपीएल की सनराइजर्स हैदराबाद, एसएटी20 की सनराइजर्स ईस्टर्न केप और द हंड्रेड की सनराइजर्स लीड्स जैसी तीन क्रिकेट टीमों के मालिक हैं।

व्यावसायिक संचालन में परिवार की भूमिका

कलानिधि मारन के इस विशाल साम्राज्य के प्रबंधन में उनका परिवार महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उनकी पत्नी कावेरी मारन सन टीवी नेटवर्क में कार्यकारी निदेशक के रूप में कंटेंट (सामग्री) की देखरेख करती हैं। वहीं उनकी बेटी काव्या मारन, जो क्रिकेट स्टेडियमों में अपनी उपस्थिति के लिए अक्सर चर्चा में रहती हैं, उनके तीनों क्रिकेट फ्रेंचाइजी की सीईओ के रूप में कमान संभाल रही हैं।

आलिया भट्ट से लेकर नोरा फतेही तक, इन सेलेब्स के पास है विदेशी नागरिकता; बॉलीवुड में बनाई पहचान

बॉलीवुड के कई कलाकार ऐसे हैं जो विदेशी नागरिकता रखते हैं। कुछ तो विदेश में जन्मे और भारत में पहचान बनाई, जबकि कुछ के माता पिता विदेशी हैं। हालांकि इन कलाकारों ने अपनी मेहनत से भारत में नाम कमाया और उन्हें भारतीयों ने प्यार दिया। आइए जानते हैं वह कौन से कलाकार हैं जो भारत में मशहूर हैं और उनके पास विदेशी नागरिकता है?

कटरीना कैफ

कटरीना कैफ एक ब्रिटिश नागरिक हैं। उनका जन्म हांगकांग में 16 जुलाई 1983 एक ब्रिटिश मां के यहां हुआ। वह बॉलीवुड की सबसे मशहूर अभिनेत्रियों में से एक हैं। उनकी मशहूर फिल्मों में 'नमस्ते लंदन', 'सिंह इज किंग', 'एक था टाइगर' और 'सूर्यवंशी' शामिल हैं। कटरीना ने अभिनेता विक्की कौशल से शादी की है। वह एक ब्यूटी ब्रांड की सह-संस्थापक भी हैं।

नोरा फतेही

नोरा फतेही बॉलीवुड में अपनी एक्टिंग से ज्यादा अपने डांस नंबर्स के लिए जानी जाती हैं। उनके पास कनाडा की नागरिकता है। उनका जन्म टोरंटो में 6 फरवरी 1992 को हुआ था। उनके माता-पिता का ताल्लुक मोरक्को से है। वह सबसे पहले फिल्म 'रोर'

में नजर आईं। इसके बाद वह 'सत्य मेव जयते' और 'बटला हाउस' जैसी फिल्मों का हिस्सा रहीं। उन्होंने तेलुगू और मलयालम सिनेमा में भी काम किया है।

आलिया भट्ट

आलिया भट्ट के पास अपनी मां, सोनी राजदान के जरिए ब्रिटिश नागरिकता है। उनका जन्म 15 मार्च 1993 को मुंबई में हुआ था। पिछले कुछ वर्षों में वह हिंदी सिनेमा की टॉप स्टार्स में से एक बन गई हैं। उन्होंने 'हाईवे', 'राजी', 'गली बॉय', 'गंगूबाई काठियावाड़ी', 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' और 'जिगरा' जैसी फिल्मों में काम किया है। आलिया ने रणबीर कपूर से शादी की है और उनकी एक बेटी है।

जैकलीन फर्नांडिस

जैकलीन फर्नांडिस के पास श्रीलंका की नागरिकता है। वह बॉलीवुड में काफी मशहूर हैं। उनका जन्म 11 अगस्त 1985 को बहरीन में हुआ था। उनकी जड़ें श्रीलंका से जुड़ी हैं। उन्होंने 'मिस यूनिवर्स श्रीलंका 2006' का खिताब जीतने के बाद बॉलीवुड में कदम रखा। हिंदी सिनेमा में, उन्हें 'मर्डर 2', 'हाउसफुल 2', 'रेस 2', 'किक', 'जुड़वा 2' और 'राम सेतु' जैसी फिल्मों से पहचान मिली।

सनी लियोन

सनी लियोन एक कनाडाई-अमेरिकी अभिनेत्री हैं। उनका जन्म 13 मई 1981 को कनाडा में हुआ था। बाद में उन्होंने कनाडाई नागरिकता बरकरार रखते हुए अमेरिका की नागरिकता भी हासिल कर ली। भारत में, उन्होंने 'जिस्म 2', 'रागिनी एमएमएस 2',

'एक पहेली लीला' और 'केनेडी' जैसी फिल्मों के साथ-साथ रियलिटी शो, गानों से अपनी पहचान बनाई। सनी ने डेनियल वेबर से शादी की है और उनके तीन बच्चे हैं।

इमरान खान

इमरान खान के पास अमेरिकी नागरिकता है। उनका जन्म 13 जनवरी 1983 को मैडिसन, विस्कॉन्सिन में हुआ था। आमिर खान के भतीजे ने बॉलीवुड में रोमांटिक स्क्रीन इमेज बनाई है। उनकी सबसे मशहूर फिल्मों में 'जाने तू... या जाने ना', 'आई हेट लव स्टोरीज', 'डेली बेली', 'मेरे ब्रदर की दुल्हन' और 'एक मैं और एक तू' शामिल हैं। उन्होंने लंबे समय तक एक्टिंग से दूरी बनाए रखी।

'किंग' ने खोली अभिषेक बच्चन की किस्मत फिल्म के डायरेक्टर के साथ करेंगे अगली फिल्म

अभिषेक बच्चन ने अपने अब तक के करियर में अलग-अलग जॉनर की फिल्म की हैं, लेकिन एक खास जॉनर करने से वह चूके गए हैं। अब वह सिद्धार्थ आनंद की अगली हॉरर फिल्म का हिस्सा होंगे। इस फिल्म की कहानी को लेकर भी अपडेट सामने आया है।

इस जॉनर में अभिनय करेंगे अभिषेक बच्चन

वैरायटी इंडिया के मुताबिक 'किंग' फिल्म के डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद अपनी मारफिक्स बैनर तले एक हॉरर फिल्म बनाएंगे। इस फिल्म में ही अभिषेक बच्चन अभिनय करेंगे। कहानी के बारे में बात करें तो यह फिल्म एक पिता और बेटी के इमोशनल रिश्ते पर होगी। फिल्म की बड़े स्तर पर वीएफएक्स का काम भी किया जाएगा। वैसे अब तक इस बात की ऑफिशियल अनाउंसमेंट मेकर्स ने नहीं की है।

फिल्म 'किंग' में नेगेटिव रोल कर रहे हैं

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अभिषेक बच्चन फिल्म 'किंग' में नेगेटिव रोल कर रहे हैं। इस फिल्म में शाहरुख खान लीड रोल में हैं। वहीं किंग खान की बेटी सुहाना खान भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म के टीजर में शाहरुख खान एक्शन अंदाज में नजर आए थे।

रोल में एक्सपेरिमेंट कर रहे हैं अभिषेक

अभिषेक बच्चन के पास एक और फिल्म है, जिसे रितेश देशमुख ने निर्देशित किया है। फिल्म का नाम 'राजा शिवाजी' है। यह एक ऐतिहासिक फिल्म है जो छत्रपति शिवाजी महाराजा पर होगी। अभिषेक बच्चन की पिछली फिल्म 'कालीधर लापता' थी, यह एक इमोशनल ड्रामा फिल्म थी। इस फिल्म के लिए अभिषेक को काफी सराहा गया था।

आईपीएल से पहले धोनी की चेन्नई सुपर किंग्स पर हुआ केस रजनीकांत की फिल्मों के गाने के इस्तेमाल पर लगी रोक

क्रिकेट का महाकुंभ कहा जाने वाला आईपीएल शुरु होने वाला है। लेकिन अब आईपीएल शुरू होने से पहले महेंद्र सिंह धोनी की टीम चेन्नई सुपर किंग्स कानूनी पचड़े में फंस गई है। 'जेलर', 'जेलर 2' और 'कुली' के निर्माताओं सन टीवी नेटवर्क लिमिटेड ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) क्रिकेट टीम पर मुकदमा दायर किया है। उनका आरोप है कि प्रमोशनल वीडियो में फिल्मों के ऑडियो ट्रैक, बैकग्राउंड म्यूजिक और डायलॉग का अनधिकृत उपयोग किया गया है। सीएसके की नई जर्सी का प्रचार करने वाला यह वीडियो, मुकदमा दायर होने से पहले सीएसके के सोशल मीडिया चैनलों पर जारी किया गया था। कॉपीराइट उल्लंघन का नोटिस जारी होने के बाद, टीम ने वीडियो को हटा दिया और दूसरे संगीत के साथ इसे दोबारा अपलोड किया।

मद्रास हाई कोर्ट में दायर हुआ मुकदमा

कॉपीराइट उल्लंघन का मुकदमा मद्रास उच्च न्यायालय में दायर किया गया था। इसमें सन टीवी नेटवर्क ने दावा किया था कि सीएसके ने इन फिल्मों के गानों और अन्य सामग्री के उपयोग के लिए अनुमति नहीं ली थी।

निर्माताओं का कहना है कि सामग्री कॉपीराइट द्वारा संरक्षित है और किसी भी उपयोग के लिए पूर्व अनुमति आवश्यक है। टीम ने यह भी आरोप लगाया कि टीम की जर्सी के अनावरण वाले प्रोमो वीडियो का उपयोग उनके उत्पादों को 2,399 रुपये में बेचने के लिए किया गया था, जिसका अर्थ है कि इनका उपयोग अनधिकृत व्यावसायिक लाभ के लिए किया गया था।

विवादित प्रचार वीडियो ने फिल्म और क्रिकेट दोनों प्रशंसकों का ध्यान तुरंत आकर्षित किया, जिन्होंने म्यूजिक और डायलॉग्स को पहचान लिया। इसके बाद सन टीवी नेटवर्क ने 1 मार्च को सीएसके टीम को एक औपचारिक नोटिस भेजा, जिसमें इस बात की जानकारी दी गई। साथ ही टीम से इसको फिर से चलाने और इसके डिस्ट्रीब्यूशन को रोकने की बात कही।

आज हुई मामले की सुनवाई

रिपोर्ट के अनुसार, सन टीवी नेटवर्क का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ वकील जे. रविंद्रन ने कहा, 'वादी द्वारा 1 मार्च, 2026 को भेजे गए एक पत्र में अनधिकृत उपयोग का मुद्दा उठाए जाने के बाद सीएसके लिमिटेड ने कॉपीराइट सामग्री का उपयोग बंद कर दिया था।'

इसके बाद 13 मार्च को सुनवाई हुई। प्रोडक्शन हाउस ने संगीतकार अनिरुद्ध रविचंदर के साथ हुए समझौते की एक कॉपी भी प्रस्तुत की, जिसमें उन्हें संगीत के उपयोग के सभी अधिकार दिए गए थे। कानूनी प्रतिनिधियों ने बार-बार होने वाले उल्लंघनों को रोकने के महत्व पर जोर दिया। अदालत में रविंद्रन ने क्रिकेट टीम से भविष्य में इस तरह की कार्रवाई से बचने का आग्रह किया।

दलीलें सुनना जारी रखेगा कोर्ट

अदालत ने सन टीवी नेटवर्क के दावों और सीएसके द्वारा कानूनी नोटिस पर दी गई तत्काल प्रतिक्रिया पर ध्यान दिया है। किसी भी पक्ष ने अतिरिक्त कानूनी उपायों या संभावित समझौतों के संबंध में कोई और बयान नहीं दिया। मद्रास उच्च न्यायालय इस मामले में दलीलें सुनना जारी रखेगा क्योंकि वह यह निर्धारित करेगा कि इन गीतों और डायलॉग्स के उपयोग के लिए कोई और प्रतिबंध या जुर्माना उचित है या नहीं।

प्रियंका चोपड़ा ने बताई बॉलीवुड छोड़ने की वजह : कहा- खराब माहौल में रहना पसंद नहीं था

ऐश्वर्या राय बच्चन और मिंडी कलिंग से मिली प्रेरणा

खराब माहौल में रहना पसंद नहीं करती। यह कहना है एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा का, जिन्होंने हाल ही में बताया कि आखिर उन्होंने बॉलीवुड छोड़कर हॉलीवुड का रुख क्यों किया। प्रियंका ने कहा कि वह भी ऐश्वर्या राय बच्चन और अमेरिकी अभिनेत्री मिंडी कलिंग की तरह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाना चाहती थीं और इसी वजह से उन्होंने नए मौके तलाशने का फैसला लिया।

प्रियंका ने अपने करियर के शुरुआती दिनों को याद किया। उन्होंने बताया कि उन्होंने महज 18 साल की उम्र में फिल्मों में कदम रखा था। उनकी पहली फिल्म तमिल भाषा की Thamizhan थी, जिसमें उनके साथ साउथ सुपरस्टार विजय नजर आए थे। प्रियंका ने बताया कि उस समय उन्हें पहली बार स्टारडम की असली ताकत देखने को मिली थी, जब विजय को देखने के लिए सेट पर भारी भीड़ जुट जाती थी।

प्रियंका के मुताबिक, करियर की शुरुआत में उन्हें लगता था कि फिल्म इंडस्ट्री का मतलब सिर्फ फेम और लोकप्रियता हासिल करना है। लेकिन समय के साथ उनका नजरिया बदला और उन्होंने समझा कि एक्टिंग सिर्फ शोहरत नहीं, बल्कि एक गंभीर कला भी है। उन्होंने कहा कि अब तक वह करीब 70 फिल्मों में काम कर चुकी हैं और हर प्रोजेक्ट से उन्हें नया अनुभव मिला है। एक्ट्रेस ने यह भी स्वीकार किया कि एक समय ऐसा आया जब उन्हें बॉलीवुड में खुद को सीमित महसूस होने लगा था। उन्हें लगा कि अगर वह एक ही जगह पर रुक गईं तो नए अवसर नहीं मिल पाएंगे। इसी सोच ने उन्हें हॉलीवुड में किस्मत आजमाने के लिए प्रेरित किया।

प्रियंका ने कहा कि उस दौर में अंतरराष्ट्रीय फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में भारतीय कलाकारों की मौजूदगी बहुत कम थी। हालांकि ऐश्वर्या राय बच्चन और मिंडी कलिंग जैसी हस्तियां ऐसी थीं जिन्होंने ग्लोबल लेवल पर अपनी पहचान बनाई। प्रियंका के लिए यह उदाहरण प्रेरणा की तरह था कि भारतीय कलाकार भी दुनिया के मंच पर अपनी जगह बना सकते हैं।

प्रियंका का मानना है कि जीवन में कई बार कठिन हालात आते हैं, लेकिन उन परिस्थितियों में फंसे रहना सही नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर इंसान लंबे समय तक खराब माहौल में रहता है तो वह उसे सामान्य मानने लगता है, इसलिए समय रहते बदलाव करना जरूरी होता है।

आज प्रियंका हॉलीवुड और बॉलीवुड दोनों में सक्रिय हैं और एक ग्लोबल स्टार के तौर पर अपनी अलग पहचान बना चुकी हैं।

ईरान-इजराइल जंग का असर दीपिका पादुकोण का पेरिस इवेंट छूटा

मिडिल ईस्ट तनाव से इंटरनेशनल फ्लाइट्स प्रभावित, सुरक्षा कारणों से फैशन शो में नहीं पहुंचीं

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण को हाल ही में एक बड़ा झटका लगा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते युद्ध तनाव का असर अब एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री तक पहुंच गया है। इसी कारण दीपिका को पेरिस में होने वाले एक खास इंटरनेशनल इवेंट में शामिल होने का प्लान कैंसिल करना पड़ा।

दरअसल, दीपिका पादुकोण को फ्रांस की राजधानी पेरिस में होने वाले एक बड़े फैशन शो में हिस्सा लेना था। वह इस इवेंट के लिए पहले से तैयारियां भी कर चुकी थीं और उनकी टीम लगातार इसकी प्लानिंग कर रही थी। लेकिन मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और सुरक्षा कारणों से कई फ्लाइट्स प्रभावित हो गईं, जिसकी वजह से उनका पेरिस जाना संभव नहीं हो पाया।

दीपिका को 9 मार्च के आसपास पेरिस के लिए रवाना होना था। लेकिन अचानक कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के रद्द होने और ट्रैवल अनिश्चितता के कारण उनकी टीम को आखिरी वक्त में यह फैसला लेना पड़ा कि वह इस बार इवेंट में शामिल नहीं होंगी।

बताया जा रहा है कि दीपिका इस इवेंट के लिए अपने आउटफिट और स्टाइलिंग की तैयारियां भी कर चुकी थीं। वह एक ग्लोबल लग्जरी ब्रांड की एंबेसडर होने के नाते इस शो में शामिल होने वाली थीं। ऐसे में उनका इस इवेंट से पीछे हटना फैशन और एंटरटेनमेंट जगत में चर्चा का विषय बन गया है।

हालांकि फिलहाल दीपिका की तरफ से इस मामले में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक मौजूदा हालात को देखते हुए उनकी टीम ने सुरक्षा और यात्रा संबंधी दिक्कतों को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया। ईरान-इजराइल के बीच बढ़ते तनाव का असर सिर्फ राजनीति या अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं रहा, बल्कि अब इसका असर अंतरराष्ट्रीय इवेंट्स और मनोरंजन जगत पर भी साफ दिखाई देने लगा है। दीपिका का यह इवेंट मिस करना इसी का एक उदाहरण माना जा रहा है।

तलाक के बाद हंसिका मोटवानी ने किया क्रिप्टिक पोस्ट, लिखा- 'चढ़दी कलां'; क्या है इसका मतलब

अभिनेत्री हंसिका मोटवानी हाल ही में तलाक की खबर से चर्चा में हैं। उन्होंने अपने पति सोहेल कथूरिया से तलाक ले लिया है। तलाक के बाद हंसिका ने एक क्रिप्टिक पोस्ट सोशल मीडिया पर शेयर कर सभी को हैरान कर दिया है।

हंसिका का पोस्ट

तलाक के अगले दिन हंसिका ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर की है। उन्होंने लिखा, 'हमेशा चढ़दी कला'। दरअसल, चढ़दी कला एक पंजाबी और सिख शब्द है। इसका मतलब मुश्किल समय में भी हौसला, आशा और सकारात्मक रहना। यानी की चुनौतियों के बावजूद मजबूत और खुश रहना।

कब हुआ तलाक

हंसिका और सोहेल का तलाक आपसी सहमति से हुआ है। मुंबई की बांद्रा फैमिली कोर्ट ने 11 मार्च 2026 को इसे मंजूरी दी। दोनों ने दिसंबर 2022 में शादी की थी, यानी शादी के करीब 4 साल बाद यह फैसला हुआ। शादी के कुछ समय बाद ही दोनों के बीच मतभेद शुरू हो गए थे। उनके व्यक्तित्व, सोच और जीवनशैली में काफी अंतर था।

2024 से दोनों अलग-अलग रह रहे थे। कोर्ट में हंसिका ने गुजारा भत्ता (एलिमनी) या कोई स्त्रीधन नहीं मांगा। दोनों ने शांतिपूर्वक अलग होने का फैसला किया। सोहेल एक बिजनेसमैन हैं, फिल्म इंडस्ट्री से नहीं जुड़े। उनकी पिछली शादी रिंकी बजाज से थी, जो हंसिका की करीबी दोस्त बताई जाती हैं।

हंसिका मोटवानी ने अपना करियर बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट बच्चों के लोकप्रिय टीवी सीरियल 'शाका लाका बूम बूम' में अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने ऋतिक रोशन की फिल्म 'कोई मिल गया' में भी बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट काम किया। इसके बाद उन्होंने साउथ की फिल्म 'देसमुदुरु' से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की।

राज्यसभा चुनाव में हुई आर्थिक अपराध एजेंसी की एंट्री

प्रलोभन और पैसे के बीच जांच एजेंसियां सक्रिय

पटना, 14 मार्च (एजेंसियां)। राज्यसभा की पांचवीं सीट पर जीत पक्की करने में जुटे रणनीतिकारों के लिए 16 मार्च को होने वाला चुनाव अब सिर्फ विधायकों की संख्या जुटाने तक ही सीमित नहीं रह गया है। विधायकों को तोड़ फोड़ के साथ पैसा और प्रलोभन का खेल तो चल ही रहा था अब इस खेल में आर्थिक अपराध से जुड़ी एजेंसियां भी शामिल हो गई हैं। सत्ता के गलियारों की मानें तो सत्ता पक्ष की तरफ से विपक्ष को हर हाल में रोकने के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। चलिए जानते हैं कि जीत हार को लेकर कैसे कैसे मोहरे सेट किए जा रहे हैं?

राज्यसभा की पांच सीटों पर होने वाले चुनाव पर अब तक सब कुछ लोकतंत्र की मर्यादा के अनुसार हो रहा था। लेकिन महागठबंधन ने जैसे ही पूर्व राज्यसभा सदस्य एडी सिंह को खड़ा किया, निर्विरोध चुनाव की संभावना खत्म हो गई। स्थितियां सत्ता और विपक्ष के उम्मीदवारों के लिए पलट गईं। जो प्रारंभ में लग रहा था कि निर्विरोध चुनाव हो जाएगा, उसकी संभावना तो

खत्म हो गई।

अब जब राज्यसभा की पांचों सीटों पर चुनाव की स्थिति आ ही गई तो वोटों के जुगाड़ का सिलसिला भी यहीं से शुरू हो गया। यह दीगर कि सत्ताधारी एनडीए को तीन तो विपक्ष को छः विधायकों का जुगाड़ करना जरूरी हो गया। और यहीं से वोट प्रबंधन का खेल शुरू हो गया। इस प्रबंधन में प्रलोभन और पैसा का खेल भी शामिल हो गया। नतीजतन खरीद फरोख्त का बाजार काफी गर्म होता चला गया। इस खरीद फरोख्त पर एजेंसियां अब सक्रिय हो गईं हैं।

अब इसे संयोग कह लें कि राज्यसभा की पांचवी सीट को लेकर महागठबंधन ने जिस उम्मीदवार को उतारा वह एक धनाढ्य फैमिली से आते हैं। वे पिछली बार भी राज्यसभा चुनाव लड़े और जीते थे। सवर्ण वर्ग से आने वाले राजद के उम्मीदवार एक बड़े उद्योगपति हैं न कि विचारों से लैस एक कार्यकर्ता। इसलिए भी यह खबर फेल गई कि इस बार वोटों की खरीद फरोख्त होगी।

निशाने पर तो एनडीए के साथी दल भी हैं। एआईएमआईएम की सक्रियता ने केंद्रीय नेतृत्व की धड़कन बढ़ा दी है। ऐसा इसलिए भी कि एनडीए के पांचवे उम्मीदवार के लिए भी तीन वोटों की जरूरत है। और इन वोटों के निशाने पर कांग्रेस और बसपा के साथ साथ एआईएमआईएम के विधायक भी हैं।

महागठबंधन को उम्मीद अपने 35 विधायकों के साथ-साथ छः अन्य दल के विधायकों से है। प्रारंभ में तो एआईएमआईएम ने राजद से नाता ही तोड़ लिया। पर इधर जब राजनीतिक मिजाज मिला तो दोनों दल एक हैं, यह सूचना राजनीति फ्लोर पर खूब चली।

इस खबर के बाद आर्थिक अपराध एजेंसियां सक्रिय हो गईं हैं। मिली जानकारी के अनुसार इन एजेंसियों के निशाने पर अब वे विधायक हैं जिनके दल से कोई राज्यसभा उम्मीदवार नहीं है। राजनीतिक गलियारों की मानें तो वोट के नाम पर भय फैलाया जा रहा है कि हर विधायक आर्थिक अपराध एजेंसियां की निगरानी में है। पकड़े जाने पर विधायकी भी जाएगी।

झारखंड में फैल रहा 'सफेद जहर' का जाल

विधानसभा में गूंजा सर्वे में हुई गड़बड़ी का मुद्दा

रांची, 14 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के 14 वें दिन आज प्रश्नकाल की कार्यवाही शांतिपूर्ण ढंग से चली। इससे पहले लंबित ध्यानाकर्षण सूचना पर भी सरकार ओर से पक्ष-विपक्ष के कई सदस्यों की ओर से उठाए गए सवाल का जवाब भी दिया गया। इस दौरान एचईसी के विस्थापितों के लिए तैयार मकान को आवंटित करने, अन्य जिलों में विस्थापितों की समस्या, जेल की सुरक्षा और मादक द्रव्यों के अवैध कारोबार का मुद्दा भी जोर-शोर से उठा।

'सफेद जहर' तेजी से फैल रहा

विधानसभा में राज्य में बढ़ते अवैध ड्रग्स कारोबार और युवाओं में बढ़ती नशे की लत का मुद्दा गूंजा। भाजपा विधायक रोशन लाल चौधरी ने हजारीबाग और रामगढ़ समेत कई जिलों में फैल रहे 'सफेद जहर' (हेरोइन और ब्राउन शुगर) को लेकर सरकार से जवाब मांगा। उन्होंने कहा कि हजारीबाग के साथ-साथ रामगढ़ जिले के पतरातू, बड़कागांव और केरेडारी क्षेत्रों में ड्रग्स का अवैध व्यापार तेजी से फैल रहा है। इससे युवाओं में नशे की लत बढ़ रही है

और क्षेत्र में अपराध की घटनाओं में भी इजाफा हो रहा है।

सदन में पेश आंकड़ों के अनुसार, झारखंड में वर्ष 2023 से 2025 के बीच एनडीपीएस एक्ट के तहत 2829 मामले दर्ज किए गए थे। वहीं वर्ष 2023 से 2026 के बीच जिला-वार मामलों की संख्या में और वृद्धि दर्ज की गई है। हाल के दिनों में हजारीबाग और आसपास के थाना क्षेत्रों में करोड़ों के ड्रग्स बरामद किए जाने से राज्य में ड्रग माफियाओं की गहरी पैठ का भी संकेत मिला है।

रोशन लाल चौधरी ने राज्य में बढ़ते नशे पर रोक लगाने के लिए विशेष टास्क फोर्स और एंटी-नारकोटिक्स अभियान शुरू करने का प्रस्ताव भी रखा। इस पर जवाब देते हुए मंत्री योगेंद्र महतो ने कहा कि राज्य में नशे के कारोबार पर लगाम लगाने के लिए हर जिले में विशेष टीम गठित की जाएगी और अवैध ड्रग्स के खिलाफ सख्त अभियान चलाया जाएगा।

सदन की कार्यवाही सुबह 10 बजे शुरू होने पर भाजपा विधायक नवीन जायसवाल ने रांची के धुर्वा स्थित जगन्नाथपुर मौजा में बने आवासों के आवंटन का मुद्दा उठाया। उन्होंने वहां बने मकानों को जल्द विस्थापितों को आवंटित करने की मांग की। इस पर जवाब देते हुए मंत्री सुदिव्य कुमार ने बताया कि जगन्नाथपुर मौजा में कुल 393 मकान बनकर तैयार हैं।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2016 में पूर्व की सरकार के समय एक निजी परामर्श संस्थान से विस्थापित लाभुकों की सूची का सर्वेक्षण कराया गया था। उन्होंने कहा कि यह संभवतः पहला मामला है, जब किसी निजी संस्थान से इस तरह का सर्वे कराया गया। मंत्री ने कहा कि निजी संस्थान के सर्वेक्षण में 108 ऐसे लोगों के नाम जोड़े गए हैं, जो वास्तविक रैयत या उनके परिवार के सदस्य नहीं, बल्कि बाहरी लोग हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि हेमंत सोरेन सरकार किसी भी हाल में बाहरी लोगों को जमीन या मकान आवंटित नहीं होने देगी।

जरमुंडी के भाजपा विधायक देवेंद्र कुंवर ने झारखंड के जेलों में मोबाइल नेटवर्क पर रोक लगाने को लेकर 4जी या 5जी जैमर लगाने का मामला उठाया।

सिलेंडर की किल्लत रेस्टोरेंट्स में 10% सरचार्ज

बिलासपुर के एजेंसी में लगा ताला, रायगढ़-जगदलपुर के होटलों में लकड़ी के भट्ठों में बन रहा खाना

रायपुर, 14 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव का असर अब भारत में भी देखने को मिल रहा है। छत्तीसगढ़ समेत देश के कई हिस्सों में एलपीजी गैस सिलेंडर की कमी महसूस की जा रही है। गैस एजेंसियों के बाहर लोगों की लंबी कतारें लग रही हैं और कई जगहों पर सिलेंडर की कालाबाजारी और जमाखोरी की शिकायतें भी सामने आ रही हैं।

रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग-भिलाई, सरगुजा और रायगढ़ सहित कई जिलों में सुबह से ही गैस एजेंसियों और गोदामों के बाहर उपभोक्ताओं की भीड़ जुट रही है। लोग तेज धूप में घंटों खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। इसी बीच सर्वर ठप हो जाने से लोगों की परेशानी और बढ़ गई है।

कॉमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई बंद होने से होटलों में 10% सरचार्ज लिया जा रहा है। इसकी जानकारी भूपेश बघेल अपने एक सोशल मीडिया पोस्ट पर दी है। वहीं रायगढ़, जगदलपुर सहित कई जिलों के होटलों में लकड़ी के चूल्हों पर खाना बनाया जा रहा है। कुछ जगहों पर मेन्यू में कटौती भी की गई है।

बता दें कि ऑनलाइन और मिस्ड कॉल के जरिए गैस सिलेंडर की बुकिंग अस्थायी रूप से बंद कर दी गई है। बुकिंग कराने वाले उपभोक्ताओं को भी सिलेंडर की डिलीवरी के लिए करीब 10 से 12 दिन का इंतजार करने की बात कही जा रही है।

बिहार राज्यसभा चुनाव: तेजस्वी यादव की कमजोर बैटिंग और एनडीए का मास्टरस्ट्रोक

उपेंद्र कुशवाहा की राह हुई आसान

पटना, 14 मार्च (एजेंसियां)। बिहार में आरजेडी 16 मार्च को होने वाले राज्यसभा चुनावों में पांचवीं सीट के लिए अपने उम्मीदवार एडी सिंह के पक्ष में पूरे विपक्षी दल को एकजुट करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है, वहीं सत्तारूढ़ एनडीए सभी पांचों सीटें जीतने की राह पर अग्रसर हो सकता है। अपनी रणनीति के तहत, भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने अपने सहयोगी उपेंद्र कुशवाहा, जो राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) के प्रमुख हैं, को अपना चौथा उम्मीदवार बनाया है ताकि अपने वोटों के बल पर उनकी जीत सुनिश्चित की जा सके।

आगामी चुनावों में उच्च सदन में सीट जीतने के लिए प्रत्येक उम्मीदवार को 41 विधायकों के वोटों की आवश्यकता होगी। बिहार विधानसभा के 243 सदस्यों में से सत्तारूढ़ गठबंधन के पास 202 विधायकों की मजबूत संख्या को

देखते हुए, वह आसानी से चार सीटें जीत सकता है, जबकि उसके पांचवें उम्मीदवार को गैर-एनडीए खेमे के केवल तीन और विधायकों के वोटों की आवश्यकता होगी।

आरजेडी के नेतृत्व वाले महागठबंधन के पास 35 विधायक हैं और राज्यसभा में एक प्रतिनिधि भेजने की स्थिति में आने के लिए उसे छह और विधायकों के समर्थन की आवश्यकता होगी। भाजपा ने दलित नेता और पूर्व विधायक शिवेश राम को अपना पांचवां उम्मीदवार बनाया है। एनडीए के अन्य उम्मीदवारों में मुख्यमंत्री और जेडीयू अध्यक्ष शामिल हैं। नीतीश कुमार, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, केंद्रीय मंत्री और जेडीयू नेता राम नाथ ठाकुर और शिवेश राम। पांचवीं सीट के विजेता का निर्धारण करने वाली अहम पार्टी एआईएमआईएम प्रतीत होती है, जिसके पास पांच विधायक हैं। आरजेडी नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने एआईएमआईएम की बिहार इकाई के प्रमुख और विधायक अख्तरुल इमान से मुलाकात कर अपने उम्मीदवार के लिए पार्टी का समर्थन मांगा है, लेकिन महागठबंधन को असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली पार्टी के समर्थन को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं दिख रहा है। विपक्षी खेमे ने भी अपने उम्मीदवार की जीत की संभावनाओं को बढ़ाने के लिए बसपा के इकलौते विधायक के समर्थन पर उम्मीदें लगाई हैं।

ओवैसी की पार्टी के अंदर के सूत्र ने बताया कि 2020 के विधानसभा चुनावों के बाद आरजेडी द्वारा हमारे तत्कालीन पांच विधायकों में से चार को अपने पाले में करने की घटना को एआईएमआईएम अभी तक भूली नहीं है। साथ ही, आरजेडी हमसे बिना पूछे अपने निवर्तमान राज्यसभा सांसद एडी सिंह को फिर से विपक्ष के उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतारने का एकतरफा फैसला कैसे ले सकती है?

दुर्ग-बलरामपुर में अफीम की अवैध खेती, बिलासपुर में अलर्ट

कलेक्टर ने निगरानी के दिए निर्देश

बिलासपुर, 14 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग और बलरामपुर जिले में अफीम की अवैध खेती करने का मामला सामने आने के बाद अब बिलासपुर में भी प्रशासन अलर्ट है। शासन के निर्देश पर कलेक्टर संजय अग्रवाल ने जिले में अफीम और अन्य नशीले पौधों की अवैध खेती को लेकर सख्त चेतावनी दी है।

उन्होंने साफ निर्देश दिए हैं कि जिले के किसी भी हिस्से में इस तरह से नशे का अवैध कारोबार पनपने नहीं दिया जाएगा। इसके लिए अब राजस्व विभाग के मैदानी अमले को सक्रिय कर दिया गया है। तहसीलदार, पटवारी और ग्राम पंचायत के सचिव को गांव-गांव जाकर खेतों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं। टीम संदिग्ध फसलों की पहचान करेगी और जहां भी शक होगा, वहां तत्काल जांच कर रिपोर्ट प्रशासन को सौंपी जाएगी। जरूरत पड़ने पर ग्राम सरपंचों और सामाजिक संगठनों की मदद भी ली जाएगी।

कई सालों से खेतों में अफीम की खेती

दरअसल, हाल ही में दुर्ग और बलरामपुर जिलों में अवैध अफीम की खेती का मामला सामने आने के बाद शासन ने इसे गंभीरता से लिया है। जांच में यह बात सामने आई कि शातिर अपराधी सामान्य खेती के बीच छिपाकर अफीम की फसल लगा रहे थे, ताकि किसी को आसानी से शक न हो।

इसी को देखते हुए अब प्रदेश के सभी जिलों में कलेक्टरों को सतर्क रहने और अपने-अपने क्षेत्रों में जांच अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। बिलासपुर में भी प्रशासन ने केवल कागजी रिपोर्ट पर भरोसा करने के बजाए मौके पर जाकर सत्यापन करने की रणनीति बनाई है।

विज्ञान और आध्यात्मिकता एक ही सिक्के के दो पहलू हैं: संत राजिंदर सिंह महाराज

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। संत राजिंदर सिंह महाराज गत दिवस हैदराबाद पधारे। इस अवसर पर उन्होंने विज्ञान और आध्यामिकता पर खुल कर बात की। उन्होंने कहा कि विज्ञान और आध्यात्मिकता एक ही सिक्के के दो पहलू हैं, जो उन ज्वलंत प्रश्नों के उत्तर खोजने का प्रयास करते हैं, जिनकी खोज मानवता युगों से करती आ रही है। 'आध्यात्मिकता का विज्ञान' नाम रखने का कारण यह है कि इन प्रश्नों के उत्तर विज्ञान की कार्यप्रणाली का उपयोग करके दिए जा सकते हैं। इस प्रणाली में कोई भी व्यक्ति किसी परिकल्पना को स्वयं सिद्ध करने के लिए प्रयोग कर सकता है। जीवन का उद्देश्य क्या है, हम कहाँ से आए हैं, इस जीवन के समाप्त होने पर हम कहाँ जाते हैं, क्या इस भौतिक संसार के अलावा भी अस्तित्व का कोई और पहलू है। इन प्रश्नों के उत्तर खोजते समय हम अपनी परिकल्पना का परीक्षण कर सकते हैं और मानव शरीर की प्रयोगशाला के भीतर प्रत्यक्ष अनुभव के माध्यम से उत्तर प्राप्त कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि अपने भीतर के प्रमाण को खोजने के लिए जिस विधि का उपयोग किया जाता है, वह है आंतरिक प्रकाश और ध्वनि पर ध्यान करना। मौन बैठकर और अपने भीतर एकाग्रता स्थापित करके, हम उस चीज़ का अनुभव कर सकते हैं जो इस भौतिक अस्तित्व से परे है। जिस प्रकार वैज्ञानिक उन उपकरणों के माध्यम से ब्रह्मांड का अध्ययन करते हैं जिनका उपयोग हमारी भौतिक इंद्रियों द्वारा अवलोकन करने के लिए किया जा सकता है, उसी प्रकार हम भी अपनी आंतरिक दृष्टि जिसे अक्सर 'तीसरी आँख' कहा जाता है के माध्यम से अपने भीतर की गहराइयों का अवलोकन कर सकते हैं। यह आंतरिक दृष्टि हमें भीतर के प्रकाश को देखने और दिव्य ध्वनि को सुनने में सक्षम बनाती है। एक बार जब हम आंतरिक प्रकाश और ध्वनि से जुड़ जाते हैं, तो हमारे लिए आंतरिक क्षितिज खुल जाते हैं, जो हमें भौतिक जगत से परे स्थित वास्तविकताओं की खोज की ओर ले जाते हैं।

'विज्ञान और आध्यात्मिकता' पर संतश्री ने कहा कि एक गैर-लाभकारी और किसी विशेष संप्रदाय से न जुड़ी हुई संस्था है, जो ध्यान को एक ऐसे विज्ञान के रूप में सिखाती है जिसका अभ्यास सभी देशों और सभी पृष्ठभूमि के लोग कर सकते हैं। यह लोगों को ऐसे नैतिक गुणों को विकसित करने में भी सहायता करती है, जो एक इंसान को प्रेम, अहिंसा, सत्यनिष्ठा, विनम्रता और दूसरों की सेवा के भाव से परिपूर्ण बनाते हैं। यहाँ ध्यान की निःशुल्क कक्षाएं और ध्यान-शिविर आयोजित किए जाते हैं; साथ ही विभिन्न आध्यात्मिक विषयों पर प्रवचन, कक्षाएं और सम्मेलन भी होते हैं, जिनका मुख्य केंद्र-बिंदु ध्यान और आध्यात्मिकता ही होता है। यह एक अंतर्राष्ट्रीय संस्था है, जिसके चालीस देशों में दो हज़ार से भी अधिक केंद्र स्थापित हैं। इसे 'आध्यात्मिकता का विज्ञान' इसलिए कहा जाता है, क्योंकि इसका अभ्यास बिल्कुल विज्ञान की तरह ही किया जाता है। जिसमें हम अपने ही शरीर रूपी प्रयोगशाला के भीतर प्रयोग करते हैं। लोगों को इस बात के लिए प्रोत्साहित किया जाता है कि वे किसी भी चीज़ पर तब तक विश्वास न करें, जब तक कि वे उसे स्वयं अपनी आँखों से न देख लें। ठीक उसी प्रकार, जैसा कि वैज्ञानिक जगत में किया जाता है। इस प्रकार, यह वास्तव में एक ऐसा संगठन है जो लोगों को ध्यान की तकनीक आज़माने के लिए प्रोत्साहित करता है, ताकि वे खुद देख सकें कि उनके भीतर कौन-से खजाने छिपे हैं। उनसे यह नहीं कहा जाता कि वे आँख मूँदकर विश्वास करें, बल्कि यह कहा जाता है कि वे इस प्रयोग को पूरी सटीकता से करें, ताकि वे खुद अपने भीतर के प्रकाश को देख सकें और अपने भीतर की ध्वनि या आंतरिक संगीत को सुन सकें। केवल खुद अनुभव करने से ही कोई व्यक्ति वास्तव में समझ और पक्का विश्वास हासिल कर सकता है।

किताबें पढ़ने और साहित्य सुनने से हमें रास्ता और तरीका तो पता चल सकता है, लेकिन आध्यात्मिकता का असली सबूत तभी मिलता है, जब हम ध्यान के माध्यम से इसे खुद अनुभव करते हैं।

अपने जीवन जीवन यात्रा के बारे में संतश्री ने कहा कि मेरी पृष्ठभूमि विज्ञान और आध्यात्मिकता, दोनों पर आधारित थी। मेरा पालन-पोषण एक ऐसे घर में हुआ, जो आध्यात्मिकता में पूरी तरह डूबा हुआ था; जहाँ मेरे दादाजी और पिताजी, दोनों ही आध्यात्मिक गुरु बने और लोगों को आंतरिक प्रकाश और ध्वनि पर ध्यान करना सिखाया, ताकि लोग खुद अनुभव कर सकें कि उनके भीतर कौन-से खजाने छिपे हैं। वे ध्यान में बैठते थे और मैं, एक बच्चे के रूप में, उनके उदाहरण को देखता था और उनके साथ ध्यान में बैठता था। मैं भी जीवन के रहस्यों से जुड़े सवालों के जवाब ढूँढ़ रहा था और ध्यान के माध्यम से मुझे वे जवाब अपने भीतर ही मिल गए। इसके साथ-साथ, मेरी शैक्षणिक पृष्ठभूमि भी बहुत मज़बूत थी, जिसके चलते मुझे 1967 में भारत के मद्रास स्थित आईआईटी (इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी) से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बी. बीटेक की डिग्री मिली; और 1970 में शिकागो, इलिनोइस स्थित आईआईटी. (इलिनोइस इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी) से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में एमएस. की डिग्री मिली। मुझे एक विशेष आईआईटी फेलोशिप से सम्मानित किया गया और बाद में मैंने इंजीनियरिंग, संचार और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बीस वर्षों तक एक सफल करियर बनाया; जिसमें दुनिया की अग्रणी संचार कंपनियों में से एक के 'अनुसंधान और विकास' विभाग में काम करना भी शामिल था। आध्यात्मिकता और विज्ञान, दोनों क्षेत्रों के इस मिले-जुले अनुभव ने मुझे उन दो दुनियाओं के बीच एक सेतु बनाने में मदद की, जहाँ वैज्ञानिक पद्धति का उपयोग करके आध्यात्मिकता को गहराई से समझा जा सकता था। आज की दुनिया में, वैज्ञानिक दृष्टिकोण उन लोगों के लिए चीज़ों को समझना आसान बना देता है जो विज्ञान-आधारित दुनिया में पले-बढ़े हैं; वे आध्यात्मिकता के सिद्धांतों को आसानी से समझ पाते हैं और वैज्ञानिक तरीकों का इस्तेमाल करके खुद ही अपनी परिकल्पनाओं को परख पाते हैं।

संत राजिंदर सिंह महाराज ने कहा कि बचपन में मैं एक अच्छा विद्यार्थी था और पढ़ाई-लिखाई में मेरा प्रदर्शन बहुत अच्छा रहता था। मेरे मन में सवालों के जवाब जानने की तीव्र जिज्ञासा थी और मैं उन अनेक प्रश्नों की पड़ताल करना चाहता था, जिनका सामना मानवता को युगों से करना पड़ा है। जैसे कि हम कहाँ से आए हैं, इस जीवन के समाप्त होने पर क्या होता है, और जीवन का उद्देश्य क्या है। जब मैंने अपने दादाजी और पिताजी को आध्यात्मिक प्रश्नों की खोज में ध्यान-साधना करते देखा, तो मेरे मन में भी उन सवालों के जवाब खोजने की इच्छा जागी।

पुलिस बोर्ड बोला-दरोगा भर्ती का वायरल पेपर फर्जी, एफआईआर करेंगे

आगरा से आरोपी अरेस्ट अंबेडकरनगर में 2 की मौत

लखनऊ/प्रयागराज/मेरठ, 14 मार्च (एजेंसियां)। यूपी में आज से दरोगा भर्ती की परीक्षा शुरू हो गई। प्रदेश भर के परीक्षा केंद्रों में प्रवेश से पहले कैंडिडेट्स की 3 लेयर में चेकिंग की गई। सिर्फ प्रवेश पत्र और आईडी के साथ ही उन्हें अंदर जाने दिया गया। ड्यूटी पर लगे पुलिसवालों के फोन भी जमा करा लिए गए। सीसीटीवी से चप्पे-चप्पे की मॉनिटरिंग की गई।

वाराणसी में पुरुष अभ्यर्थियों के जूते, मोजे और बेल्ट उतरवा लिए गए। चाकू से कलावा काटा गया। महिला कैंडिडेट्स की ज्वैलरी उतरवा दी गई।

चूड़ी, बिछिया और कान की बाली निकलवाकर ही परीक्षा केंद्र में एंट्री दी गई। अंबेडकरनगर में सड़क हादसे में 2 युवकों की मौत हो गई। एक का खुद पेपर था। दूसरा बहन को पेपर दिलाने जा रहा था। तीनों एक ही बाइक से जा रहे थे।

वहीं, एसटीएफ टीम ने आगरा से एक आरोपी को अरेस्ट किया है। पकड़े गए आरोपी आयुष ने बताया- हम लोग फर्जी प्रश्न पत्र को एडिट कर इसे असली बताते थे। फिर इसे टेलीग्राम चैनल पर शेयर करके अभ्यर्थियों से ऑनलाइन पेमेंट वसूलते थे।

इस बीच, यूपी पुलिस भर्ती और प्रोन्नति बोर्ड ने सोशल मीडिया पर वायरल प्रश्न-पत्र को फर्जी करार दिया। 'X' पर फर्जी पेपर शेयर कर बोर्ड ने लिखा- ऐसे किसी भी पेपर का परीक्षा से कोई लेना-देना नहीं है। वायरल करने वाले प्लेटफॉर्म और लोगों पर एफआईआर करेंगे। ऐसी अफवाहों के झांसे में न आएं।

परीक्षा दो दिन यानी 14 और 15 मार्च को दो पालियों में कराई जानी है। पहली पाली सुबह 10 से 12 बजे और दूसरी पाली दोपहर 3 से 5 बजे तक चलेगी।

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड (यूपीपीबीबी) ने प्रदेश के सभी 75 जिलों में 1090 सेंटर बनाए हैं। भर्ती के जरिए कुल 4,543 पदों पर नियुक्ति होगी।

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के डीआईजी सत्यार्थ अनिरुद्ध पंकज ने बताया कि टेलीग्राम पर फर्जी प्रश्नपत्र उपलब्ध कराए जाने का दावा करने के मामले में अब तक 6 एफआईआर दर्ज कराई गई है। इनमें शुक्रवार को चार और शनिवार को दो एफआईआर दर्ज कराई गई हैं। भर्ती के लिए 15,75,760 अभ्यर्थियों ने रजिस्ट्रेशन कराया है।

नेपाली महिलाएं, अमेरिकी डॉलर और ड्रग्स का काला कारोबार

पुलिस ने ऐसे किया बड़े तस्करी रैकेट का खुलासा

सीतामढ़ी, 14 मार्च (एजेंसियां)। शराबबंदी के बाद बिहार के कई जिलों में सूखे नशे का प्रचलन बढ़ गया है। नशे के सौदागरों की संख्या में भी दिन पर दिन बढ़ोतरी होती जा रही है। सीतामढ़ी में भारत- नेपाल सीमा पर आए दिन ड्रग्स पकड़े जाते हैं। नशे की सामग्री के तस्कर भारत से नेपाल और नेपाल से भारत तस्करी करते है। बॉर्डर इलाके के गांवों में ज्यादातर तस्कर इस अवैध धंधे में संलिप्त हैं। नशे का बड़ा बड़ा खेप बॉर्डर से सटे गांवों से ही बरामद होते रहा है। पुलिस ने एक बार फिर नशे के एक बड़े खेप के साथ

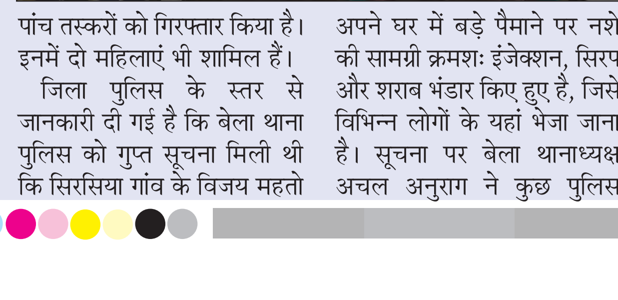

पांच तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनमें दो महिलाएं भी शामिल हैं।

जिला पुलिस के स्तर से जानकारी दी गई है कि बेला थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि सिरसिया गांव के विजय महतो अपने घर में बड़े पैमाने पर नशे की सामग्री क्रमशः इंजेक्शन, सिरप और शराब भंडार किए हुए है, जिसे विभिन्न लोगों के यहां भेजा जाना है। सूचना पर बेला थानाध्यक्ष अचल अनुराग ने कुछ पुलिस कर्मियों के साथ शुक्रवार की शाम महतो के घर पर छापेमारी की। वहां से बरामद प्रतिबंधित सामग्रियों की खेप देख पुलिस भी हैरान है।

बताया गया है कि तस्कर विजय महतो के यहां नशे का खेप देख पुलिस की आंखें खुली की खुली रह गई। कुछ ऐसी भी वस्तुएं बरामद हुई, जिसके बारे में बेला पुलिस को कोई अंदेशा नहीं था। घर में तलाशी लेने पर 17,838 पीस नशे का टैबलेट, 754 पीस कफ सिरप, 38 पीस नशे का सुई (इंजेक्शन) और 19.2 लीटर विदेशी शराब बरामद हुआ।

ईरान युद्ध में चीन ने अमेरिका को दिखाया ठेंगा

साल के पहले दो महीने में कर ली जमकर कमाई

नई दिल्ली,14 मार्च(एजेंसियां)। ईरान युद्ध के कारण तेल का सप्लाई टाइट होने से पूरी दुनिया परेशान है लेकिन चीन चुपचाप अपना कारोबार बढ़ाने में लगा है। चीन का एक्सपोर्ट जनवरी-फरवरी में पिछले साल के मुकाबले 21.8 फीसदी बढ़ गया जो तीन साल में सबसे ज्यादा है। इससे पहले दिसंबर में चीन का एक्सपोर्ट 6.6 फीसदी बढ़ा था।

इसी तरह जनवरी-फरवरी में चीन का आयात भी 19.8% बढ़ गया जो दिसंबर में 5.7 फीसदी बढ़ा था। इससे चीन का ट्रेड सरप्लस साल के पहले दो महीने में 26 फीसदी उछलकर 213 अरब डॉलर पहुंच गया। पिछले साल चीन का सरप्लस 1 ट्रिलियन डॉलर से अधिक रहा था। दिलचस्प बात है कि साल के पहले दो महीनों में चीन से सेमीकंडक्टर के निर्यात में सबसे ज्यादा उछाल आई है। पिछले साल के मुकाबले यह उछाल 66.5 फीसदी की है जो एक दशक में सबसे ज्यादा है। अमेरिका और चीन के बीच सेमीकंडक्टर को लेकर ठनी हुई है। इसके बावजूद चीन ने कमाल कर दिया।

छोटी चिप का बड़ा कमाल

चिप की बढ़ती मांग के चीन के ट्रेड में काफी तेजी आई है और आगे भी यही ट्रेंड जारी रहने की उम्मीद है। चीन ने अमेरिका के टैरिफ को भी धता बताते हुए दूसरे मार्केट्स में अपना एक्सपोर्ट बढ़ाया है। साल के पहले दो महीनों में आसियान देशों को चीन का एक्सपोर्ट 29.4 फीसदी उछल गया। इसी तरह यूरोप को शिपमेंट में 27.8 फीसदी तेजी आई जबकि साउथ कोरिया को निर्यात 27 फीसदी उछल गया। हाल में जारी आंकड़ों के मुताबिक जनवरी-फरवरी में चीन से अमेरिका को निर्यात में 11 फीसदी गिरावट आई है। टैरिफ के कारण ऐसा हुआ है। जनवरी-फरवरी में चीन ने अमेरिका को 67.24 अरब डॉलर का एक्सपोर्ट किया जबकि पिछले साल के पहले दो महीने में यह आंकड़ा 75.56 अरब डॉलर था। लेकिन चीन ने बाकी देशों को एक्सपोर्ट बढ़ाकर इसकी भरपाई कर ली।

अकासा एयर आज से लगाएगा ईंधन अधिभार

टिकट 199 से 1300 रुपये तक होंगे महंगे

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसियां)। अकासा एयर ने घोषणा की है कि 15 मार्च से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के टिकटों पर ईंधन अधिभार (फ्यूल सरचार्ज) लगाया जाएगा। एयरलाइन के अनुसार, यह अतिरिक्त शुल्क घरेलू उड़ानों के टिकटों पर 199 रुपये से 1,300 रुपये तक होगा।

इस कदम से यात्रियों को अब अपनी यात्रा के लिए अधिक भुगतान करना होगा।पिछले कुछ समय से वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। इसका सीधा असर विमानन कंपनियों के परिचालन लागत पर पड़ रहा है। ईंधन लागत विमानन कंपनियों के कुल खर्च का एक बड़ा हिस्सा होती है। इस अधिभार का उद्देश्य बढ़ती परिचालन लागत के बोझ को कम करना है। यात्रियों को टिकट बुक करते समय इस अतिरिक्त शुल्क का ध्यान रखना होगा। यह अधिभार टिकट की मूल कीमत के अतिरिक्त होगा। एयरलाइन ने कहा कि वह बाजार की स्थितियों की लगातार निगरानी करती रहेगी।

यात्रियों पर प्रभाव और लागू होने की तिथि

यह नया ईंधन अधिभार 15 मार्च, 2026 से प्रभावी होगा। इसका मतलब है कि इस तिथि के बाद बुक किए गए सभी टिकटों पर यह शुल्क लगेगा। यात्रियों को अपनी यात्रा योजना बनाते समय इस अतिरिक्त लागत को ध्यान में रखना होगा। यह कदम हवाई यात्रा को थोड़ा महंगा बना देगा। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के चलते जेट फ्यूल की कीमतों में हुई तेज बढ़ोतरी के बाद एअर इंडिया, इंडिगो और एअर इंडिया एक्सप्रेस पहले ही यह फैसला ले चुकी है।

सीबीआई ने अनिल अंबानी के बेटे से की पूछताछ

228 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी का है मामला

नई दिल्ली,14 मार्च(एजेंसियां)। सीबीआई ने 228 करोड़ रुपये के यूनियन बैंक ऑफ इंडिया धोखाधड़ी मामले में उद्योगपति अनिल अंबानी के बेटे जय अनमोल अंबानी से पूछताछ की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जय अनमोल अंबानी को शनिवार को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया है। अधिकारियों के अनुसार, एजेंसी ने कथित बैंक धोखाधड़ी मामले में उनसे पूछताछ की, जिसमें उन पर रिलायंस हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के पूर्व सीईओ तथा पूर्व पूर्णकालिक निदेशक रवींद्र सुधाकर समेत अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। कंपनी से तत्काल प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी। गत 9 दिसंबर, 2025 को एजेंसी ने जय अनमोल अनिल अंबानी और अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी, जिसके बाद जय के आवास पर तलाशी ली गई थी। सीबीआई ने यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (तत्कालीन आंध्रा बैंक) की एक शिकायत पर कार्रवाई की थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि कंपनी ने बैंक से लिए गए ऋण का भुगतान नहीं किया, जिससे खाता 2019 में एनपीए में बदल गया।

कितना है कर्ज ?

एजेंसी के मुताबिक इसे 10 अक्तूबर, 2024 को आधिकारिक रूप से फ्रॉड अकाउंट घोषित किया गया था। इस मामले की जांच एक बैंक से आगे भी जा सकती है क्योंकि आरएचएफएल पर 18 बैंकों के कंसोर्टियम, फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशंस और कंपनियों का 5,572.3 करोड़ रुपये का बकाया है। अनिल अंबानी की गिनती कभी देश के टॉप रईसों में होती थी लेकिन उनका कहना है कि उनकी नेटवर्थ जीरो हो चुकी है।

बाजार में उतार-चढ़ाव से घबराएं नहीं,धैर्य रखें रिटेल निवेशक: सेबी प्रमुख

नई दिल्ली,14 मार्च(एजेंसियां)। सेबी यानी भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (एसईबीआई) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडे ने शनिवार को कहा कि वैश्विक अस्थिरता के बावजूद भारत के पूंजी बाजार लगातार मजबूत और व्यापक होते जा रहे हैं। राष्ट्रीय राजधानी में एक मीडिया कार्यक्रम में बोलते हुए सेबी प्रमुख ने रिटेल निवेशकों को सलाह दी कि वे बाजार के अल्पकालिक उतार-चढ़ाव पर जल्दबाजी में प्रतिक्रिया न दें।

उन्होंने कहा, रिटेल निवेशकों के लिए सबसे बेहतर रणनीति धैर्य बनाए रखना है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐतिहासिक रूप से, बड़े वैश्विक संकटों के बाद बाजार में फिर से सुधार देखने को मिलता है। उन्होंने बताया कि भारत के पूंजी बाजार आकार, विविधता और मजबूती के मामले में तेजी से बढ़ रहे हैं। पांडे ने कहा, हमारे बाजार लगातार गहरे और विविध हो रहे हैं और उनकी मजबूती भी बढ़ रही है, लेकिन जैसे-जैसे बाजार का आकार और जटिलता बढ़ती है, वैसे-वैसे वे वैश्विक घटनाओं से भी अधिक प्रभावित होने लगते हैं। वैश्विक बाजारों में अस्थिरता को स्वीकार करते हुए, उन्होंने कहा कि भू-राजनीतिक तनाव, तकनीकी बदलाव और ऊर्जा संकट अनिश्चितता में योगदान दे रहे हैं।उन्होंने कहा, भू-राजनीतिक तनाव आर्थिक संबंधों को आकार दे रहे हैं। मध्य पूर्व में संघर्ष ने

ऊर्जा आपूर्ति को बुरी तरह प्रभावित किया है।उन्होंने कहा कि मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष के कारण ऊर्जा आपूर्ति पर बड़ा असर पड़ा है, जिसका प्रभाव वैश्विक पूंजी बाजारों पर भी पड़ा है। पांडे के अनुसार, आज के वित्तीय बाजारों की एक खासियत यह है कि उनमें अस्थिरता ज्यादा देखने को मिलती है, क्योंकि जानकारी और खबरें तेजी से पूरी दुनिया में फैलती हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि ऐसे दौर स्थायी नहीं होते।उन्होंने कहा, एक बात स्पष्ट है कि अत्यधिक अस्थिरता के दौर हमेशा के लिए नहीं रहते। वैश्विक बाजारों में हो रहे संरचनात्मक बदलावों का जिक्र करते हुए सेबी चीफ ने कहा कि आर्थिक विभाजन, बदलते व्यापार मार्ग और तकनीक की बढ़ती भूमिका बाजारों को तेजी से बदल रही है।उन्होंने बताया कि एल्गोरिदमिक ट्रेडिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और एडवांस्ड डेटा एनालिटिक्स के कारण बाजार पहले से कहीं ज्यादा तेजी से काम कर रहे हैं।

मुकेश अंबानी की कंपनी जियो की लिस्टिंग का रास्ता साफ

सरकार ने नियमों में बदलाव को दी मंजूरी

नई दिल्ली,14 मार्च(एजेंसियां)। सरकार ने बड़ी कंपनियों के आईपीओ को आसान बनाने के लिए न्यूनतम पब्लिक शेयरहोल्डिंग से जुड़े नियमों में बदलाव किया है। नए नियमों के तहत बड़ी कंपनियां अब आईपीओ के समय कम हिस्सेदारी जनता को ऑफर कर सकेंगी और बाद में चरणबद्ध तरीके से इसे 25% तक बढ़ा सकेंगी। इससे रिलायंस जियो और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की लिस्टिंग का रास्ता साफ हो गया है। सेबी ने पिछले साल इस बारे में नियमों में बदलाव का प्रस्ताव रखा था जिसे अब सरकार से मंजूरी मिल गई है। मार्केट रेगुलेटर सेबी ने सितंबर लिस्टिंग से जुड़े कुछ नियमों में बदलाव किया था। इसमें 5 लाख करोड़ रुपये (57 अरब डॉलर) से अधिक मार्केट कैप वाली कंपनियों को आईपीओ के तहत न्यूनतम 2.5 फीसदी हिस्सेदारी बेचने की अनुमति दी गई है। अब तक यह सीमा 5 फीसदी थी। नए नियमों के अनुसार, जिन कंपनियों की पोस्ट-इश्यू पूंजी 1,600 करोड़ रुपये से ज्यादा और 4,000 करोड़ रुपये तक है, उन्हें कम से कम 400 करोड़ रुपये के शेयर जनता को ऑफर करने होंगे। वहीं 4,000 करोड़ रुपये से ज्यादा और 50,000 करोड़ रुपये तक की पूंजी वाली कंपनियों को लिस्टिंग के समय कम से कम 10 प्रतिशत शेयर जनता को देने होंगे और

तीन साल के भीतर इसे बढ़ाकर 25 प्रतिशत करना होगा। 50,000 करोड़ रुपये से 1 लाख करोड़ रुपये तक की पूंजी वाली कंपनियों को कम से कम 1,000 करोड़ रुपये के शेयर जनता को ऑफर करने होंगे और हर वर्ग के शेयरों में कम से कम 8 प्रतिशत हिस्सेदारी पब्लिक के पास होनी चाहिए। 1 लाख करोड़ रुपये से 5 लाख करोड़ रुपये तक की पूंजी वाली कंपनियों को कम से कम 6,250 करोड़ रुपये के शेयर ऑफर करने होंगे और लिस्टिंग के समय कम से कम 2.75% पब्लिक शेयरहोल्डिंग बनाए रखनी होगी। वहीं, 5 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा पूंजी वाली कंपनियों को लिस्टिंग के समय कम से कम 15,000 करोड़ रुपये के शेयर जनता को ऑफर करने होंगे और कम से कम 1 प्रतिशत पब्लिक शेयरहोल्डिंग रखना जरूरी होगा।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सुर्य	मीन	मे
चंद्र	मकर	मे
मंगल	कुंभ	मे
बुध	कुंभ	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	मीन	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय		
मीन....	05-23	बजे
मेष.....	08-09	बजे
वृष.....	09-43	बजे
मिथुन..	11-45	बजे
कर्क...	13-56	बजे
सिंह---	16-08	बजे
कन्या--	18-15	बजे
तुला----	20-20	बजे
वृश्चिक..	22-31	बजे
धनु.....	00-42	बजे
मकर...	02-50	बजे
कुंभ....	04-44	बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे /दक्षिण , ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426874
कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885126
सूर्योदय 06-28
सूर्यास्त. 18 -22
दिशाशूल - पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
मास - चैत्र कृष्ण पक्ष रविवार 15 March 2026
तिथि - एकादशी 09-16 तक उपरान्त द्वादशी
नक्षत्र - श्रवण 05-56 रात तक उप धनिष्ठा
योग - परिघ 10-25 तक उप शिव
करण - बालव 09-16 तक उप कौलव

पापमोचिनी एकादशी व्रत सर्वे

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 16-55 से 18-25 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया	
उत्पात	06-28 - 07-55 अशुभ
चंचल	07-55 - 09-25 शुभ
लाभ	09-25 - 10-55 शुभ
अमृत	10-55 - 12-25 शुभ
काल	12-25 - 13-55 अशुभ
शुभ	13-55 - 15-25 शुभ
रोग	15-25 - 16-55 अशुभ
उत्पात	16-55 - 18-22 अशुभ

रात का चौघड़िया	
शुभ।	18-22 - 19-55 शुभ
अमृत	19-54 - 21-25 शुभ
चंचल	21-25 - 22-55 शुभ
रोग	22-55 - 00-25 अशुभ
काल	00-25 - 01-55 अशुभ
लाभ	01-55 - 03-25 शुभ
उत्पात	03-25 - 04-55 अशुभ
शुभ	04-55 - 06-28- शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो,ला, ली, लू, ले, लो, अ,
नकारात्मकता से भरे छली लोगों से दूर रहें । ये आपको भी नकारात्मक बनाकर असफल कर देने की कोशिश में हैं जबकि आप अपनी मंजिल के बहुत करीब हो । शांति के लिए आज अपना अधिकतर समय परिवार के साथ घर पर बिताएं और सारा बाकी काम पूरा कर लें । कुछ मीठी यादें सहेजने के लिए अपने कमरे में उनका फोटो लगा दें ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो
आज आपकी किस्मत चमकने का दिन है। सितारे कहते हैं कि आज आपको कोई विशेष काम करना पड़ सकता है । आज अपने किसी नजदीकी व्यक्ति को खुश कर दें,आपकी किस्मत का ताला खुल जाएगा । फिर भी आज किसी को उधार ना दें ,वापस नही मिल पायेगा । स्वास्थ्य सम्बन्धी दिक्कतें आज नही होंगी ।

मिथुन का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,
आज आपके लिए अच्छा दिन है । आपका सुंदर व्यक्तित्व दूसरों को आकर्षित करेगा । आज आप कुछ भी करें,सफलता मिलेगी । आप काफी लोकप्रिय हैं । आप सृजनात्मक भी हैं और नम्र भी ,आपके इन्ही गुणों ने आपको इस मुकाम पर पहुंचाया है । चालाकी और अभिमान को आने दिये बिना इसी रास्ते पर चलते रहें ।

कर्क ही, हू, हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज स्वयं को भौतिक चीजों के मोह में फंसा अनुभव करेंगे,लेकिन किसी भी वस्तु को इतना कसकर न पकड़ें । बहाव के साथ बहना ही उपयुक्त है,सहज बने रहें । जब तक आपको जवाब नही मिल जाते ,अपना नजरिया दृढ ही रखें । दुसरे स्थान पर शिफ्ट होने के बारे में भी सोच सकते हैं । इस बारे में दोस्तों और सहकर्मियों से बात करना सही रहेगा ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आप आज थोड़ी सी गंभीर मानसिक स्थिति में रहेंगे । आपको आज जीवन के व्यावहारिक मुद्दों पर ध्यान देना होगा । लेकिन आप विश्वास और आशावादिता से भरपूर हैं और गहरे भावनात्मक स्तर पर भी मौके लेने के लिए तैयार हैं । आपका कोई करीबी आपके लक्ष्यों और उद्देश्यों के लिए अपनी चिंता जाहिर करेगा।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आज सब कुछ आपके मनचाहे तरीके से होगा और आपको अपने प्रयासों में सफलता मिलेगी । आप पुराने नुक्सान की भरपाई भी कर लेंगे । इसके परिणामस्वरूप आप अपनी संभावनाओं के प्रति अधिक आशावादी भी हो सकते हैं ,किसी भी अवसर के बारे में गहरे से सोचे बिना जोखिम ना उठायें ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज आप बदली हुई भूमिका में हैं ,आप बेहतर वक्ता तो हमेशा से रहे ही हैं,अब आप बेहतर श्रोता भी बन गये हैं । अब सबको यह पता चल जाएगा कि आप आत्म केन्द्रित नहीं हैं और दूसरों की भलाई के लिए भी काम करने की इच्छा रखते हैं । एक चालीस वर्षीय महिला आपकी बहुत मदद करेगी ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
बिजनेस सम्बन्धी किसी मीटिंग में आपके मनमुताबिक मोड़ आने की सम्भावना है । आप आज शांत किन्तु दृढ हैं । आपने खूब सोच समझकर फैसले लिए हैं । कार्यस्थल पर सकारात्मक बदलाव होंगें । किसी पुराने दोस्त से मुलाकात संभव है । घर पर शांत और संतुष्ट बने रहेंगे । बोद्धिक उन्नति होगी ,प्रियजनों की और से कोई खुश कर देने वाली खबर मिलेगी ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज का दिन आपके लिए विशेष रूप से अच्छा है । आप अपना कुछ नया शुरू कर सकते हैं ,काफी समय लेने वाला अपना कोई अधूरा काम पूरा कर सकते हैं ,या कोई ऐसा काम जिसे आप लम्बे समय से टाल रहे हैं,को भी शुरू कर सकते हैं । आज शाम खेल और मौज मस्ती के नाम रहेगी ।

मकर भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज आप खरीदारी सम्बन्धी किसी ऑफर या लाटरी तिच्क्त खरीदने का जोखिम उठा सकते हैं । आपका भाग्य आपके साथ है ,इसलिए जीतने का अच्छा मौका आपके पास रहेगा । स्थिति आपसे अपने दृष्टिकोण पर दृढ बने रहने की अपेक्षा कर सकती है । आपकी चुप्पी को गलत समझा जाएगा और उसपर सवाल खड़े किये जायेंगे ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा
ऐसी स्थितियां आ सकती हैं जो आपको बिना सोचे काम करने के लिए उकसायें । यह सही समय है जब आपको सब कुछ अपने नियंत्रण में रखकर युद्ध स्तर पर काम करना है । अपने बच्चों या छोटे बहन भाइयों के लिए सुरक्षात्मक रवैया अपनाएँ । आप बहुत अच्छी तरह सामाजिक गतिविधियों में शामिल होंगे और यहां आपका बहुत अच्छा स्वागत होगा ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज का दिन आपके लिए विशेष है क्योंकि आज आप किसी दूसरे शहर में रहने वाले से या विदेश में किसी से संपर्क स्थापित करेंगे । यह आपके करियर के लिए फायदेमंद होगा । अपने मेल देख लें क्योंकि मेलबॉक्स में कोई महत्वपूर्ण अवसर आपकी प्रतीक्षा कर रहा है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द

ब्राजील की बंपर सप्लाई से दुनिया भर में सस्ती हुई चीनी,भारत का हाल स्थिर है

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसियां)। ब्राजील में चीनी की अधिक आपूर्ति के चलते वैश्विक बाजार में इसकी कीमतों में तेज गिरावट आई है। लेकिन भारत के चीनी उद्योग का परिदृश्य फिलहाल स्थिर बना हुआ है। रेटिंग एजेंसी आईसीआरए लिमिटेड की ताजा रिपोर्ट में यह बात कही गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, शुगर सीजन 2026 में अंतरराष्ट्रीय चीनी कीमतें मौजूदा उत्पादन लागत और भारत के घरेलू चीनी मूल्यों से नीचे बनी हुई हैं। इसकी मुख्य वजह ब्राजील से वैश्विक बाजार में बढ़ी हुई आपूर्ति है।

आईसीआरए ने कहा कि ब्राजील के अधिशेष उत्पादन ने वैश्विक कीमतों पर दबाव बढ़ाया है। आंकड़ों के अनुसार, फरवरी 2026 में कच्ची चीनी की कीमत घटकर 313 डॉलर प्रति मीट्रिक टन रह गई। वहीं फरवरी 2025 में यह 445 डॉलर प्रति मीट्रिक टन थी। इसी तरह, सफेद चीनी की कीमत भी एक साल पहले के 532 डॉलर प्रति मीट्रिक टन से गिरकर फरवरी 2026 में 408 डॉलर प्रति मीट्रिक टन पर आ गई। वहीं, सफेद और कच्ची चीनी के बीच प्रीमियम फरवरी 2026 में 95 डॉलर प्रति मीट्रिक टन रहा, जो फरवरी 2025 में 87 डॉलर प्रति मीट्रिक टन था।

चीनी उत्पादन को लेकर क्या अनुमान ?

रिपोर्ट के मुताबिक, वैश्विक चीनी उत्पादन शुगर सीजन 2025-2026 में 189.3 मिलियन मीट्रिक टन रहने का अनुमान है, जो पिछले साल की तुलना में करीब 5 फीसदी अधिक है। इसके मुकाबले वैश्विक खपत 178.1 मिलियन मीट्रिक टन रहने का अनुमान है, जो सालाना आधार पर लगभग 1 फीसदी अधिक है। यानी उत्पादन और खपत के बीच अंतर बढ़ने से वैश्विक बाजार में आपूर्ति अधिशेष की स्थिति बनी हुई है।हालांकि, भारत में मांग और आपूर्ति की स्थिति फिलहाल संतुलित और आरामदायक बताई गई है। इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन के तीसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार, शुगर सीजन 2026 में देश का सकल चीनी उत्पादन 9.4 फीसदी बढ़कर 32.41 मिलियन मीट्रिक टन हो सकता है, जो पिछले वर्ष 29.6 मिलियन मीट्रिक टन था। रिपोर्ट के अनुसार, इसमें से लगभग 3.1 मिलियन मीट्रिक टन चीनी एथेनॉल उत्पादन के लिए डायवर्ट होने का अनुमान है। इसके बाद देश का शुद्ध चीनी

उत्पादन 29.3 मिलियन मीट्रिक टन रहने की संभावना है। अगर घरेलू खपत 28.3 मिलियन मीट्रिक टन और निर्यात 0.7 मिलियन मीट्रिक टन रहता है, तो सीजन के अंत में चीनी का क्लोजिंग स्टॉक 5.6 मिलियन मीट्रिक टन तक पहुंच सकता है। यह देश की करीब दो महीने की खपत के बराबर होगा। आईसीआरए का अनुमान है कि एकीकृत चीनी मिलों के ऑपरेटिंग मार्जिन वित्त वर्ष 2026 में 10 से 10.5 फीसदी के दायरे में बने रहेंगे, जबकि पिछले वर्ष यह 9.6 फीसदी था। रिपोर्ट में कहा गया है कि बेहतर गन्ना उपलब्धता, घरेलू बाजार में मजबूत चीनी कीमतें और डिस्टिलरी कारोबार के संतोषजनक प्रदर्शन से मुनाफे को सहारा मिल रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 में एकीकृत चीनी मिलों की आय में 5 से 8 फीसदी की मध्यम वृद्धि हो सकती है। इसका आधार बेहतर गन्ना उपलब्धता और स्थिर घरेलू चीनी कीमतें होंगी। हालांकि, मार्जिन में बहुत ज्यादा सुधार की संभावना नहीं है, क्योंकि गन्ने की कीमतें बढ़ी हैं, जबकि एथेनॉल की कीमतें लगभग स्थिर बनी हुई हैं। भारत एथेनॉल ब्लेंडिंग के मोर्चे पर भी लगातार प्रगति कर रहा है। एथेनॉल सप्लाई वर्ष 2026 के पहले तीन महीनों में ब्लेंडिंग अनुपात 19.98 फीसदी तक पहुंच गया। इस दौरान 239 करोड़ लीटर एथेनॉल ब्लेंड किया गया, जिसमें जनवरी 2026 में अकेले 59.2 करोड़ लीटर शामिल थे। गन्ने के दाम की बात करें तो शुगर सीजन 2026 के लिए केंद्र सरकार ने फेयर एंड रेम्यूनरेटिव प्राइस में 15 रुपये की बढ़ोतरी कर इसे 355 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया है। यह कीमत 10.25 फीसदी बेसिक रिकवरी रेट के लिए तय की गई है। वहीं, उत्तर प्रदेश में राज्य सरकार ने स्टेट एडवाइज्ड प्राइस बढ़ाकर शुरुआती पकने वाली किस्मों के लिए 400 रुपये प्रति क्विंटल और सामान्य किस्मों के लिए 390 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया है।

ईरान जंग शुरू होने के बाद 40% तक बढ़े कच्चे तेल के दाम, आने वाले दिनों को लेकर क्या अनुमान ?

जंग का कच्चे तेल की कीमतों पर असर

- 15 दिनों में 41 फीसदी का उछाल
- कच्चा तेल 73 डॉलर से 103 डॉलर प्रति बैरल पहुंचा
- होर्मुज जलडमरूमध्य पर बढ़ा संकट
- एशिया सहित वैश्विक वित्तीय बाजारों में बढ़ी चिंता

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बीते 15 दिनों के भीतर 40 फीसदी से अधिक की तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है। अमेरिका, इस्राइल और ईरान के बीच जारी युद्ध के चलते पश्चिम एशिया में ऊर्जा आपूर्ति को लेकर गंभीर चिंताएं बढ़ गई हैं। खास तौर पर होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रभावित होने से वैश्विक ऊर्जा बाजार, विशेषकर एशियाई देशों पर दबाव बढ़ा है।युद्ध शुरू होने से पहले 27 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल करीब 73 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। वहीं शनिवार तक इसकी कीमत बढ़कर लगभग 103 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई। इस तरह महज 15 दिनों में तेल की कीमत में 30 डॉलर प्रति बैरल की बढ़ोतरी हुई, जो करीब 41.1 फीसदी के उछाल के बराबर है। बताया जा रहा है कि अमेरिका और ईरान के बीच मौजूदा सैन्य टकराव 28 फरवरी से तेज हुआ, जब अमेरिकी और इस्राइलों बलों ने ईरान के सैन्य ठिकानों और शीर्ष नेतृत्व को निशाना बनाते हुए व्यापक हमले किए। इस संघर्ष ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को लेकर बाजारों की चिंता और बढ़ा दी है। विशेषज्ञों का कहना है कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव का असर आने वाले दिनों में भी वैश्विक बाजारों पर साफ दिखाई देगा। एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर ने कहा कि आने वाला सप्ताह बेहद उतार-चढ़ाव भरा रह सकता है, क्योंकि निवेशकों की नजरें पूरी तरह इस संघर्ष से जुड़े घटनाक्रम पर टिकी रहेंगी। उन्होंने कहा कि आने वाले सप्ताह में बाजार की दिशा काफी हद तक पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से जुड़े घटनाक्रम पर निर्भर करेगी। निवेशक इस बात पर करीबी नजर रखेंगे कि संबंधित देशों के सरकारी अधिकारी और वैश्विक पक्षकार तनाव बढ़ाने या कूटनीतिक समाधान की दिशा में क्या संकेत देते हैं। पोनमुडी आर के मुताबिक, इस संघर्ष का असर केवल कच्चे तेल की कीमतों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक बॉन्ड यील्ड, मुद्रा बाजार और निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता पर भी पड़ेगा।

आईटी ने महत्वपूर्ण लेनदेन में त्रुटिपूर्ण ईमेल को नजरअंदाज करने को कहा, गलती स्वीकार की

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसियां)। आयकर विभाग ने शनिवार को करदाताओं से आकलन वर्ष 2026-27 के अग्रिम कर ई-अभियान के तहत भेजे गए 'महत्वपूर्ण लेनदेन जुड़ी त्रुटिपूर्ण ईमेल को नजरअंदाज करने की अपील की है। विभाग ने स्वीकार किया है कि इन संचारों में गलत जानकारी शामिल थी, जिसकी रिपोर्ट करदाताओं ने की थी। यह त्रुटि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए भेजे गए ईमेल में पाई गई है। विभाग ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि उसे करदाताओं से गलत जानकारी वाले ईमेल मिलने की शिकायतें मिली हैं। विभाग ने इस मुद्दे को ध्यान में लाने के लिए करदाताओं का धन्यवाद किया और हुई असुविधा के लिए माफी मांगी। अधिकारियों ने बताया कि संचार प्रणाली के लिए जिम्मेदार सेवा प्रदाता के समन्वय से इस मामले को सुलझाया जा रहा है। विभाग ने कहा, हम अपने सेवा प्रदाता के समन्वय से इस मामले को सक्रिय रूप से हल करने के लिए काम कर रहे हैं। विभाग ने आगे कहा, इस बीच, करदाताओं से अनुरोध है कि वे आकलन वर्ष 2026-27 के अग्रिम कर ई-अभियान से संबंधित पहले के ईमेल संचार को नजरअंदाज करें। आयकर विभाग ने स्पष्ट किया कि ऐसे संचार करदाताओं के लिए अनुपालन पोर्टल पर उपलब्ध वित्तीय जानकारी की समीक्षा करने और आवश्यक होने पर उचित अग्रिम कर अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए सुविधा प्रदान करने वाले अनुस्मारक के रूप में होते हैं। करदाताओं को सलाह दी गई है कि वे आयकर ई-फाइलिंग पोर्टल के माध्यम से अनुपालन पोर्टल पर 'ई-अभियान' टैब के माध्यम से अपने लेनदेन विवरण को सत्यापित करें। विभाग ने इस मुद्दे के समाधान के दौरान करदाताओं से समझ और सहयोग का भी आग्रह किया।आयकर विभाग ने स्वीकार किया है कि अग्रिम कर ई-अभियान के तहत भेजे गए कुछ ईमेल में महत्वपूर्ण लेनदेन से संबंधित गलत विवरण थे। यह समस्या आकलन वर्ष 2026-27 (वित्तीय वर्ष 2025-26) के लिए भेजे गए ईमेल में सामने आई है।

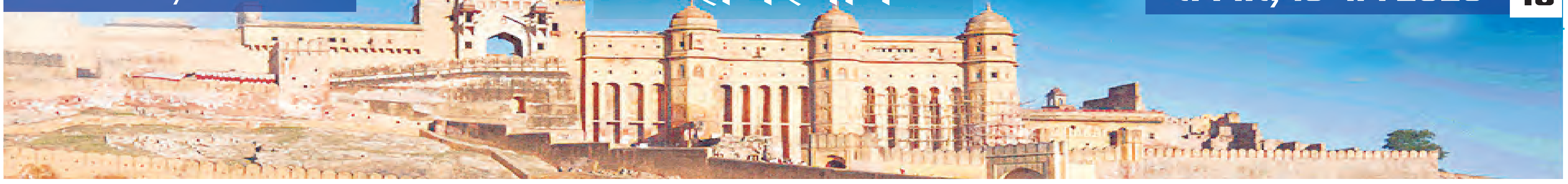

राजस्थान पंचायत चुनाव में देरी पर बढ़ा विवाद

निर्वाचन आयोग और सरकार में रार, एससी के नोटिस पर कौन जिम्मेदार?

जयपुर, 14 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में पंचायत चुनावों में हो रही देरी अब एक नए विवाद का रूप लेती दिखाई दे रही है। राज्य निर्वाचन आयोग और राज्य सरकार के बीच इस मुद्दे पर तनातनी की स्थिति बन गई है। सुप्रीम कोर्ट की अवमानना को लेकर भेजे गए नोटिस के बाद आयोग ने स्पष्ट किया है कि चुनाव में देरी की जिम्मेदारी राज्य सरकार की होगी। इस संबंध में आयोग द्वारा राज्य सरकार को पत्र लिखकर स्थिति से अवगत कराया गया है।

अवमानना नोटिस के बाद बदला घटनाक्रम

राज्य में पंचायत और निकाय चुनावों को वन स्टेट वन इलेक्शन पॉलिसी के तहत करवाने की बात भजनलाल सरकार की ओर से कही जा रही है। लेकिन चुनाव कार्यक्रम जारी न होने के कारण मामला अब न्यायिक स्तर पर भी चर्चा का विषय बन गया है। याचिकाकर्ता संयम लोढ़ा की ओर से राज्य निर्वाचन आयोग को सुप्रीम कोर्ट की अवमानना का नोटिस भेजे जाने के बाद घटनाक्रम में नया मोड़ आया है।

इसके बाद आयोग ने राज्य सरकार को पत्र लिखते हुए स्पष्ट किया कि यदि चुनाव में देरी के कारण न्यायालय की अवमानना की स्थिति बनती है तो इसके लिए संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय होगी। राजस्थान हाईकोर्ट और उसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने भी राज्य में पंचायत चुनाव 15 अप्रैल तक संपन्न कराने के निर्देश दिए थे। हालांकि अब तक चुनाव कार्यक्रम घोषित नहीं किया गया है। ऐसे में राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर यह सवाल उठने लगा है कि यदि निर्धारित समय तक चुनाव नहीं होते हैं तो न्यायालय के आदेशों की अवमानना के लिए जिम्मेदार कौन होगा।

पंचायतों का कार्यकाल पूरा, चुनाव अब भी लंबित

राजस्थान में पंचायतों का पुनर्गठन पहले ही किया जा चुका है और प्रदेश की सभी पंचायतों का कार्यकाल समाप्त हो चुका है। चुनाव निर्धारित समय से काफी पहले होने चाहिए थे, लेकिन करीब एक वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बावजूद चुनाव नहीं कराए गए हैं। इससे स्थानीय स्तर पर प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं।

ओबीसी आयोग की रिपोर्ट को लेकर अटका मामला

राज्य सरकार ने अभी तक पंचायत चुनावों के लिए ओबीसी आयोग की रिपोर्ट राज्य निर्वाचन आयोग को नहीं सौंपी है। इसी कारण आरक्षण से संबंधित जानकारी आयोग को उपलब्ध नहीं हो पाई है। वहीं यह भी उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश में सुप्रीम कोर्ट ने बिना ओबीसी आयोग की रिपोर्ट के भी चुनाव कराने के निर्देश दिए थे।

आयोग के पत्र में कही गई अहम बात

राज्य निर्वाचन आयोग ने अपने पत्र में कहा है कि राजस्थान राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग (राजनैतिक प्रतिनिधित्व) आयोग द्वारा आरक्षण के पुनर्निर्धारण को लेकर प्रतिवेदन राज्य सरकार को अभी तक प्रस्तुत नहीं किया गया है। इसी आधार पर पंचायतीराज संस्थाओं में आरक्षण संबंधी आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराना संभव नहीं हो पाया है। आयोग ने सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश का भी उल्लेख किया जिसमें कहा गया था कि यदि अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण के लिए ट्रिपल टेस्ट की प्रक्रिया पूरी नहीं होती है, तो अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के आरक्षण के अलावा बाकी पदों को सामान्य श्रेणी में अधिसूचित किया जा सकता है। आयोग ने अपने पत्र में राजस्थान हाईकोर्ट के आदेश का भी उल्लेख किया है, जिसमें पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव की पूरी प्रक्रिया 15 अप्रैल 2026 तक पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। आयोग ने राज्य सरकार से अनुरोध किया है कि न्यायालयों के आदेशों की पालना करते हुए जल्द से जल्द आरक्षण प्रक्रिया पूरी कर आयोग को सूचित किया जाए।

ई-चालान के नाम पर हो रहा साइबर फ्रॉड

मोबाइल हैक कर चुरा रहे बैंक डिटेल

जयपुर, 14 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में ई-चालान के नाम पर साइबर फ्रॉड को लेकर पुलिस की ओर से एडवाइजरी जारी की गई है। फेक लिंक व एपीके फाइल से मोबाइल हैक कर साइबर क्रिमिनल्स बैंक डिटेल चुरा रहे है। हाल में सामने आया है कि साइबर क्रिमिनल ऑनलाइन ई-चालान, पेंडिंग चालान, वाहन सूचना अपडेट और आरसी/डीएल वेरिफिकेशन के नाम पर फेक एसएमएस, लिंक और ई-मेल भेजकर लोगों से फ्रॉड कर रहे हैं।

उप महानिरीक्षक पुलिस (साइबर ब्रांच) विकास शर्मा ने बताया कि साइबर क्रिमिनल वाहन चालकों को नकली ई-चालान का मैसेज भेजते हैं, इस प्रकार के मैसेज में दिया गया लिंक फेक वेबसाइट पर ले जाता है। उस लिंक पर क्लिक करने से मोबाइल में एपीके फाइल डाउनलोड हो सकती है, जिससे कॉल फॉरवर्डिंग, मालवेयर या फिशिंग के माध्यम से बैंक संबंधी जानकारी, ओटीपी या मोबाइल डेटा चोरी किया जा सकता है।

जयपुर में प्रॉपर्टी कारोबारी पर फायरिंग

मंदिर जाने के लिए घर से निकला था, लग्जरी गाड़ी सवार बदमाशों ने घेरा

जयपुर, 14 मार्च (एजेंसियां)। जयपुर में शनिवार दोपहर एक प्रॉपर्टी कारोबारी पर फायरिंग का मामला सामने आया है। वह अपनी फॉरर्च्युन गाड़ी से मंदिर जाने के लिए निकला था। लग्जरी गाड़ियों में सवार होकर आए बदमाश घेराबंदी कर फायर कर फरार हो गए। बिंदायका थाना पुलिस की ओर से फायरिंग कर भागे बदमाशों की तलाश की जा रही है। पुलिस ने बताया-सिरसी गांव के रहने वाले कमल मीणा उर्फ कमल सिरसी (38) पर फायरिंग हुई है। प्रॉपर्टी का काम करने वाला कमल मीणा का हाथोज फाटक के पास भी मकान है। दोपहर करीब 11 बजे वह अपनी फॉर्च्युनर गाड़ी से काले हनुमान मंदिर जाने के लिए निकला था।

इसी दौरान हाथोज फाटक स्थित प्राइवेट स्कूल के पास से जाते समय थार जीप, स्कॉर्पियो और स्विफ्ट कार में सवार 10-12 बदमाशों ने उसकी फॉर्च्युनर गाड़ी को घेर लिया।

थार जीप में बैठे एक बदमाश ने कमल मीणा पर फायरिंग की। गोली फॉर्च्युनर गाड़ी के बोनट से टकराकर फ्रंट शीशे में जाकर लगी। फायरिंग कर बदमाश तेजी से अपनी गाड़ियां भागा ले गए। गोली चलने की सूचना पर करधनी-बिंदायका थाना पुलिस और डीएसटी मौके पर पहुंची। पुलिस की ओर से तुरंत बदमाशों को पकड़ने के लिए नाकाबंदी भी करवाई गई। पुलिस वारदातस्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेजों को खंगालने के साथ ही हमलावरों की तलाश कर रही है। पुलिस प्रथमदृष्टया जांच में फायरिंग पुरानी रंजिश के चलते करना माना जा रहा है।

रेरा का हंटर : 10 साल बाद भी नहीं मिला प्लॉट

अब ब्याज सहित लौटानी होगी खरीदारों की पाई-पाई

भिवाड़ी, 14 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (राज-रेरा) ने रियल एस्टेट सेक्टर में निवेशकों के साथ होने वाली वादाखिलाफी पर कड़ा रुख अपनाते हुए स्टैंडफोर्ड डेवलपर्स को तगड़ा झटका दिया है।

अथॉरिटी के सदस्य सुधीर कुमार शर्मा ने दो अलग-अलग शिकायतों (मांगे राम राजेरा और राजेंद्र कुमार प्रधान) पर एक साझा फैसला सुनाते हुए बिल्डर को निर्देश दिया है कि वह आवंटियों का पूरा पैसा 10.80% वार्षिक ब्याज के साथ वापस करे। रेरा ने स्पष्ट किया कि एक दशक बीत जाने के बाद भी कब्जा न देना प्रमोटर की विफलता है और खरीदार को अनिश्चित काल तक इंतजार करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। यह विवाद भिवाड़ी (अलवर) स्थित प्रोजेक्ट पर्ल सनराइज आरसी से जुड़ा है। शिकायतकर्ताओं ने साल 2014 में इस प्रोजेक्ट में प्लॉट बुक किए थे और प्रत्येक आवंटी ने प्रमोटर को कुल 5,38,995 रुपये का भुगतान कर दिया था। समझौते के अनुसार बिल्डर को एक निश्चित समय सीमा में प्लॉट विकसित कर कब्जा सौंपना था। हालांकि, 10 साल बीत जाने के बाद भी धरातल पर काम पूरा नहीं हुआ।

प्रमोटर ने अपना बचाव करते हुए तर्क दिया कि प्रोजेक्ट भविष्य की योजना के तहत था और उन्होंने आवंटियों को वैकल्पिक प्लॉट देने की पेशकश की थी, लेकिन खरीदारों ने रिफंड की मांग की। अथॉरिटी ने बिल्डर की दलीलों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि प्रमोटर का यह अधिकार नहीं है कि वह 10 साल तक खरीदारों की जमा पूंजी अपने पास रखे और फिर भी कब्जा न दे।

एलपीजी संकट में कालाबाजारी का खेल

कलेक्टर-एसपी खुद उतरे मैदान में; दो घरों पर छापा

बांसवाड़ा, 14 मार्च (एजेंसियां)। मध्य-पूर्व में जारी तनाव और एलपीजी संकट के बीच बांसवाड़ा में रसद विभाग की टीम ने खांदू कॉलोनी में एक सेवानिवृत्त पटवारी सहित दो घरों पर छापा मारा। कार्रवाई के दौरान वहां से छह गैस सिलिंडर जब्त किए गए। वहीं जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने गैस एजेंसियों के गोदामों का निरीक्षण कर आपूर्ति व्यवस्था की जांच की। प्रशासन ने कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है।

जिला रसद अधिकारी ओमप्रकाश जोतड़ ने बताया कि खांदू कॉलोनी के दो मकानों में अवैध भंडारण और रिफिलिंग की सूचना मिली थी। इस पर प्रवर्तन अधिकारी लालशंकर डामोर के नेतृत्व में विभागीय टीम को मौके पर भेजा गया। टीम ने लाभचंद और सोहनलाल नामक व्यक्तियों के घर पर छापा मारा। जांच के दौरान वहां कुछ लोग भरे हुए सिलिंडर लेने भी पहुंच रहे थे। टीम ने मौके से चार बड़े और दो छोटे सिलिंडर जब्त किए। दोनों के खिलाफ विभागीय नियमों के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

बांसवाड़ा और डूंगरपुर में होटल और रेस्टोरेंट संचालकों के सामने कॉमर्शियल गैस सिलिंडर की कमी की समस्या खड़ी हो गई है। सिलिंडर की आपूर्ति प्रभावित होने से कई भोजनालयों को अपने मेन्यू में बदलाव करना पड़ रहा है। उपभोक्ताओं को तवा रोटी की जगह तंदूरी नान परोसा जा रहा है। भोजनालय संचालक खिलेश कुमार ने बताया कि उनके यहां थाली सिस्टम है। पहले मिठाई में गुलाबजामुन दिया जाता था, लेकिन अब उसकी जगह श्रीखंड देना पड़ रहा है।

बारां में 44 जगह छापे 71 सिलिंडर जब्त; रसद विभाग की बड़ी कार्रवाई

बारां, 14 मार्च (एजेंसियां)। बारां जिले में एलपीजी गैस सिलिंडरों की कालाबाजारी और अवैध भंडारण के खिलाफ रसद विभाग की बड़ी कार्रवाई लगातार जारी है। विभाग ने जिलेभर में 44 स्थानों पर छापेमारी करते हुए कुल 71 एलपीजी सिलेंडर जब्त किए हैं। कार्यवाहक जिला रसद अधिकारी विश्वजीत सिंह ने बताया कि एलपीजी सिलिंडरों के दुरुपयोग, अवैध भंडारण, कालाबाजारी और अवैध रिफिलिंग की रोकथाम के लिए विशेष प्रवर्तन दल का गठन किया गया है। यह दल लगातार विभिन्न क्षेत्रों में निरीक्षण कर कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने बताया कि बारां में 9 स्थानों पर कार्रवाई कर 12 सिलिंडर, अंता में 2 स्थानों से 7 सिलिंडर, मांगरोल में 9 स्थानों से 12 सिलिंडर, सीसवाली में 2 स्थानों से 2 सिलिंडर, किशनगंज में 7 स्थानों से 10 सिलिंडर और शाहाबाद में 2 स्थानों से 5 सिलिंडर जब्त किए गए।

जल जीवन मिशन घोटाला : एसीबी कोर्ट ने चार आरोपियों के खिलाफ जारी किया गिरफ्तारी वारंट

सुबोध अग्रवाल भी शामिल

जयपुर, 14 मार्च (एजेंसियां)। जल जीवन मिशन (जेजेएम) से जुड़े चर्चित घोटाले के मामले में कार्रवाई तेज करते हुए भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) कोर्ट संख्या-1 ने चार आरोपियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं। अदालत ने यह वारंट मुकदमा संख्या 245/24 में आरोपी सुबोध अग्रवाल, जीतेन्द्र शर्मा, संजीव गुप्ता और मुकेश गोयल के विरुद्ध जारी किए हैं। एसीबी अधिकारियों के अनुसार न्यायालय के आदेशों की पालना करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। जांच एजेंसी की अलग-अलग टीमें संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं, ताकि आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जा सके।

एसीबी सूत्रों के मुताबिक यह मामला जल जीवन मिशन से जुड़े कार्यों में कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार से संबंधित है। मामले की जांच के दौरान कई दस्तावेज और वित्तीय लेनदेन की जानकारी सामने आई थी, जिसके आधार पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। जांच आगे बढ़ने के साथ ही अदालत में प्रस्तुत तथ्यों के आधार पर कोर्ट ने गिरफ्तारी वारंट जारी करने का आदेश दिया। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो का कहना है कि आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के लिए लगातार निगरानी की जा रही है और उनके संभावित ठिकानों की जानकारी जुटाई जा रही है। इसके अलावा आरोपियों के परिचितों और संबंधित स्थानों पर भी टीमों द्वारा पूछताछ की जा रही है। एसीबी अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि यदि न्यायालय द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट की तामील नहीं हो पाती है और आरोपी लगातार फरार रहते हैं, तो अदालत से उनकी संपत्ति कुर्क करने के आदेश भी प्राप्त किए जा सकते हैं। इस प्रक्रिया के तहत आरोपियों की चल-अचल संपत्तियों को चिन्हित कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अधिकारियों ने बताया कि इस पूरे मामले में अग्रिम कानूनी कार्रवाई जारी है और न्यायालय के निर्देशों का पूरी तरह पालन किया जा रहा है। एजेंसी का उद्देश्य है कि मामले में शामिल सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर कानूनी प्रक्रिया के तहत न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाए, ताकि प्रकरण में आगे की सुनवाई सुचारु रूप से हो सके।

राजस्थान पुलिस में बड़ा बदलाव

27 जिलों के एसपी-डीसीपी बदले, योगेश गोयल एसीबी जयपुर

> अमृता दुहान उदयपुर की एसपी

उदयपुर, 14 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार ने देर रात बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 64 अधिकारियों के तबादले कर दिए। कार्मिक विभाग की ओर से जारी आदेश में 17 डीआईजी और 27 जिलों के एसपी व डीसीपी स्तर के अधिकारियों को भी बदला गया है।

तबादला सूची में उदयपुर जिले में भी अहम बदलाव किया गया है। उदयपुर के पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल को एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) राजस्थान, जयपुर में एसपी पद पर नियुक्त किया गया है। उनकी जगह श्रीगंगानगर की एसपी अमृता दुहान को उदयपुर जिले की कमान सौंपी गई है। बताया गया है कि अमृता दुहान वर्ष 2016 बैच की

राजस्थान कैडर की आईपीएस अधिकारी हैं और मूल रूप से हरियाणा की रहने वाली हैं। वे इससे पहले श्रीगंगानगर में एसपी के पद पर कार्यरत थीं।

वहीं राम मूर्ति जोशी को एंटी करप्शन ब्यूरो राजस्थान, उदयपुर में डीआईजी पद पर लगाया गया है। वे इससे पहले जयपुर में एंटी टेररिज्म स्क्वाड (एटीएस) राजस्थान में डीआईजी के पद पर तैनात थे। इसके अलावा नवगठित सलूम्बर जिले में भी नया पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है। विश्वनाथ राम को सलूम्बर जिले का एसपी बनाया गया है। सरकार के आदेश के अनुसार पाली, राजसमंद, कोटपुतली-बहरोड़, बांसवाड़ा, डीग और जोधपुर ग्रामीण सहित कई जिलों के एसपी बदले गए हैं। वहीं जयपुर और जोधपुर पुलिस कमिश्नरेट में भी डीसीपी स्तर पर फेरबदल किया गया है। सरकार के इस बड़े प्रशासनिक बदलाव को राज्य में कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाने तथा पुलिस प्रशासन को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

पुलिस से घिरा हिस्ट्रीशीटर बेकाबू

पिकअप से दो पुलिस गाड़ियों को मारी टक्कर; चार जवान घायल

झुंझुनू, 14 मार्च (एजेंसियां)। झुंझुनूं जिले के गुढ़ागौड़जी कस्बे में देर रात उस समय हड़कंप मच गया, जब एक कुख्यात हिस्ट्रीशीटर ने खुद को पुलिस से घिरा देख अपनी पिकअप गाड़ी को ही हथियार बना लिया। बांडिया नाले के पास हुई इस घटना में हिस्ट्रीशीटर ने पुलिस की दो गाड़ियों को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे एक एएसआई समेत चार पुलिसकर्मी घायल हो गए। इस दौरान हिस्ट्रीशीटर रोहित महला भी घायल हो गया।

घटना के बाद सभी घायलों को तुरंत गुढ़ा सीएचसी ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद पुलिसकर्मियों को छुट्टी दे दी गई, जबकि गंभीर रूप से घायल रोहित महला को पहले झुंझुनूं जिला अस्पताल और बाद में जयपुर रेफर कर दिया गया।

देश में पेट्रोलियम उत्पादों का कोई संकट नहीं है : गजेंद्र सिंह शेखावत

जोधपुर, 14 मार्च (एजेंसियां)। पेट्रोलियम उत्पादों की किल्लत पर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि मैं पूरी जिम्मेदारी से कह सकता हूं कि देश में पेट्रोलियम उत्पादों का कोई संकट नहीं है। मध्य पूर्व में जिस तरह से संघर्ष की स्थिति बनी हुई है, उसकी वजह से सभी देशों के सामने चुनौती आ रही है। पड़ोसी देशों से तुलना करें तो पाकिस्तान में इमरजेंसी जैसे हालात हैं।

बांग्लादेश में छुट्टी घोषित कर दी गई है। उन्होंने कहा कि जनवरी की तुलना में मार्च में पेट्रोलियम पदार्थों पर 15 से 25 प्रतिशत तक कीमतें बढ़ गई हैं। अमेरिका में 22 प्रतिशत कीमतों में बढ़ोतरी की गई है। जबकि, भारत में न तो एक रुपए कीमत बढ़ाई गई और न तो किसी तरह की कोई शॉर्टेज है। भारत में अधिकांश कच्चे तेल को आयात किया जाता है। ईरान के रोक लगाने से आपूर्ति कुछ बाधित हुई।

लोकसभा में गूंजा अखिल भारतीय न्यायिक सेवा (एआईजेएस) का मुद्दा

सांसद मुरारी लाल मीना ने उठाई समावेशी प्रतिनिधित्व की मांग

दौसा, 14 मार्च (एजेंसियां)। दौसा सांसद मुरारी लाल मीना ने न्यायपालिका में सामाजिक विविधता और वंचित वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए अखिल भारतीय न्यायिक सेवा (एआईजेएस) के गठन का महत्वपूर्ण मुद्दा लोकसभा में उठाया। सदन में पूछे गए इस प्रश्न के उत्तर में केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सरकार की स्थिति स्पष्ट की। सांसद मुरारी लाल मीना ने तर्क दिया कि जिस प्रकार आईएएस और आईपीएस जैसी अखिल भारतीय सेवाएँ हैं, उसी तर्ज पर न्यायिक सेवा का गठन होना चाहिए। इससेः अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के प्रतिभाशाली युवाओं को मौका मिलेगा। ग्रामीण और वंचित पृष्ठभूमि के युवाओं का प्रवेश सुगम होगा। न्यायपालिका में सामाजिक न्याय और विविधता सुदृढ़ होगी। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बताया कि संविधान के अनुच्छेद 312 के तहत एआईजेएस के गठन का प्रावधान है।

सरकार की ओर से दी गई जानकारी के मुख्य बिंदु निम्नलिखित हैं:

ऐतिहासिक प्रयास : वर्ष 2012 में इसका व्यापक प्रस्ताव तैयार किया गया था।

विमर्श के मंच : 2015 और 2022 में मुख्यमंत्रियों एवं मुख्य न्यायाधीशों के संयुक्त सम्मेलनों में इस पर चर्चा हुई। साथ ही, 2017 में संसदीय सलाहकार समिति और 2021 में एससी/एसटी कल्याण संबंधी समिति ने भी इस पर विचार किया।

वर्तमान बाधा : राज्य सरकारों और उच्च न्यायालयों के बीच सर्वसम्मति न बन पाने के कारण यह प्रस्ताव अभी लंबित है। सरकार ने स्पष्ट किया कि वर्तमान में अनुच्छेद 235 के तहत अधीनस्थ न्यायपालिका पर नियंत्रण उच्च न्यायालयों का है। वहीं, अनुच्छेद 233 और 234 के तहत नियुक्तियों और आरक्षण के नियम राज्य सरकारें संबंधित उच्च न्यायालयों के परामर्श से बनाती हैं।

मंत्री किरोड़ी लाल की अचानक दिल्ली में शाह से मुलाकात

जयपुर, 14 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार के कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा अक्सर सुर्खियों में रहते हैं। एक बार फिर उन्हें लेकर राजनीतिक सुगबुगाहट तेज हो गई है। दरअसल, मंत्री किरोड़ी ने नई दिल्ली में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से मुलाकात की है। हालांकि उनकी ये मुलाकात शिष्टाचार भेंट बताई जा रही है। लेकिन इसके राजनीतिक मायने भी खोजे जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि दोनों नेताओं के बीच राजस्थान से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। मुलाकात को राज्य के विकास और केंद्र-राज्य समन्वय के लिहाज से अहम माना जा रहा है।

मुलाकात की जानकारी खुद मंत्री किरोड़ी ने दी

कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने बैठक के बाद सोशल मीडिया के माध्यम से इसकी जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री के साथ हुई बातचीत सकारात्मक और सार्थक रही, जिसमें राजस्थान के विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि अमित शाह का दृढ़ और दूरदर्शी नेतृत्व देश की शासन व्यवस्था को नई दिशा दे रहा है। मीणा ने अपने संदेश में लिखा कि केंद्रीय गृह मंत्री का नेतृत्व देश को लगातार प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ा रहा है। उनके अनुसार राष्ट्रहित के प्रति समर्पित नेतृत्व के कारण देश में विकास की गति तेज हुई है और विभिन्न क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार के सहयोग से राज्यों के विकास को नई गति मिल रही है।

आखिर क्या है किरोड़ी की मुलाकात के मायने

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि किरोड़ी मीणा और अमित शाह की इस मुलाकात को केवल शिष्टाचार भेंट के रूप में ही नहीं देखा जा रहा, बल्कि इसे राजस्थान से जुड़े कई अहम मुद्दों के संदर्भ में भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। माना जा रहा है कि बैठक के दौरान राज्य में कृषि क्षेत्र के विकास, सहकारिता से जुड़े विषयों और विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर भी चर्चा हुई होगी। इसके अलावा केंद्र और राज्य सरकार के बीच बेहतर समन्वय को मजबूत करने के मुद्दे पर भी विचार-विमर्श होने की संभावना जताई जा रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह की मुलाकातें राज्यों के विकास से जुड़े मामलों में नीतिगत सहयोग को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाती हैं।

मूसी नदी पुनर्जीवन से 40 लाख लोगों को मिलेगा लाभ : कोमटिरेड्डी

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क और भवन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि प्रस्तावित मूसी नदी पुनर्जीवन परियोजना से लगभग 40 लाख लोगों को लंबे समय तक राहत मिलने की संभावना है, जो वर्तमान में प्रदूषित जल के कारण स्वास्थ्य समस्याओं का सामना कर रहे हैं। यह परियोजना क्षेत्र में जनस्वास्थ्य सुधार में महत्वपूर्ण योगदान देगी। हैदराबाद के हयातनगर में विकास परियोजनाओं के उद्घाटन अवसर पर मीडिया से बातचीत करते हुए मंत्री ने कहा कि नलगोंडा जिले सहित कई क्षेत्रों के लोग लंबे समय से प्रदूषित पानी के कारण गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं, जैसे किडनी रोग और कैंसर, से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि परियोजना का विरोध करने वाले लोग इसे सहानुभूति के दृष्टिकोण से देखें। उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के इस पहल को भविष्य की पीढ़ियों के हित में बताया। मंत्री ने कहा, लगभग 40 लाख लोगों की दुर्दशा को संवेदनशीलता के साथ देखा जाना चाहिए। उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर गंगा और यमुना जैसी नदियों के सफाई प्रयासों का हवाला देते हुए मूसी परियोजना के विरोध पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि अनुमानित 10,000 परिवारों पर प्रभाव पड़ सकता है, लेकिन सरकार उनकी उचित पुनर्वास सुनिश्चित करेगी। इस अवसर पर मंत्री ने हयातनगर में साईं बाबा मंदिर (थोरूर एक्स रोड) से जी स्कूल तक सड़क चौड़ीकरण के लिए भूमि पूजन किया। यह परियोजना 10 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से दो लेन से चार लेन में विकास करेगी और सोमवार से कार्य शुरू होगा। साथ ही उन्होंने एलबी नगर से हयातनगर रेडियो स्टेशन तक डबल-डेकर कॉरिडोर बनाने की योजना की घोषणा की, जिसकी अनुमानित लागत लगभग 940 करोड़ रुपये है।

इसमें ऊपर मेट्रो रेल और राष्ट्रीय राजमार्ग होगा, जबकि नीचे वाहन मार्ग और अंडरपास होंगे। मंत्री ने कहा कि हयातनगर, इब्राहिमपट्नम और एलबी नगर जैसे क्षेत्रों में विकास और मांग में वृद्धि होगी, और यह कोकापेट जैसी स्थिति पैदा करेगा।

हैदराबाद के लोक भवन में तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व सांसद डॉ.के. लक्ष्मण ने शिष्टाचार भेंट की।

माँ ने बेटे की हत्या कर खुद दी जान, बेटी की हालत गंभीर

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बोराबंडा इलाके में शुक्रवार रात एक महिला ने अपने बेटे की हत्या करने के बाद आत्महत्या कर ली। इस घटना में उसकी दो साल की बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई और जिंदगी के लिए जूझ रही है। बताया जा रहा है कि महिला पारिवारिक समस्याओं से परेशान थी और मानसिक तनाव में चल रही थी। इसी कारण उसने पहले अपने बेटे की हत्या कर दी और बेटी को भी मारने का प्रयास किया। इसके बाद महिला ने खुद अपनी जान दे दी। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और तीनों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने महिला और उसके बेटे को मृत घोषित कर दिया, जबकि बच्ची की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना से इलाके में शोक और सनसनी का माहौल है।

कल्याण हॉस्टल्स के 80 प्रतिशत कार्य युद्ध स्तर पर पूरे किए जाएं : भट्टी

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का ने कल्याण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अगले तीन महीनों में 80 प्रतिशत पूरे हो चुके हॉस्टल भवनों को युद्ध स्तर पर पूरा करें, ताकि इन्हें आगामी शैक्षणिक वर्ष में छात्रों के उपयोग के लिए उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने सचिवालय में कल्याण मंत्री अडलुरी लक्ष्मण के साथ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति कल्याण विभागों के बजट प्रस्तावों की समीक्षा की। इसके बाद उन्होंने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग और धर्मांतरण विभाग के अधिकारियों के साथ भी समीक्षा बैठकें कीं। उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कहा कि हॉस्टल मरम्मत के बिल प्रत्येक 15 दिन में वित्त विभाग को नियमित रूप से जमा किए जाएं ताकि उनका समय पर निपटान हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि गर्मियों में हॉस्टल मरम्मत कार्य अवश्य पूरे होने चाहिए, और अधिकारियों की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। भट्टी विक्रमार्का ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि हॉस्टल में सप्लाई होने वाली सामग्री की गुणवत्ता जांच के लिए समर्पित प्रणाली

बनाई जाए और नियमित समीक्षा की जाए। उन्होंने कहा कि सरकारी पहल के तहत आहार शुल्क में 40 प्रतिशत और कॉस्मेटिक शुल्क में 200 प्रतिशत वृद्धि की गई है और हॉस्टल से जुड़े बिलों का भुगतान सर्वोच्च प्राथमिकता पर किया जा रहा है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया आयुर्वेद की ओर बढ़ रही है, और अधिकारियों को रोजगार गारंटी योजना के तहत औषधीय पौधों की खेती बढ़ाने के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए।

सांसारिक धन और झूठे मान-सम्मान पर न करें अभिमान : संत राजिन्दर सिंह महाराज

मनुष्य अक्सर सांसारिक वस्तुओं के मोह, गर्व और अहंकार में उलझा रहता

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। नामपल्ली स्थित प्रदर्शनी मैदान में आयोजित सत्संग एवं आध्यात्मिक दीक्षा कार्यक्रम में आध्यात्मिक गुरु तथा सावन कृपाल रूहानी मिशन के प्रमुख संत राजिन्दर सिंह महाराज ने विभिन्न धर्मों से आए हजारों श्रद्धालुओं को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मनुष्य को अपनी धन-संपत्ति और झूठे मान-सम्मान पर कभी गर्व नहीं करना चाहिए, क्योंकि मृत्यु के बाद यह सब यहीं रह जाता है।

अपने प्रवचन में संतश्री ने कहा कि मनुष्य अक्सर सांसारिक वस्तुओं के मोह, गर्व और अहंकार में उलझा रहता है। जीवनभर धन-दौलत और प्रतिष्ठा जुटाने में लगा रहता है, जबकि वास्तविक खजाना हमारे भीतर छिपा होता है। जैसे-जैसे मनुष्य उम्र के साथ आगे बढ़ता है, वह कई बार झूठ और दिखावे का सहारा भी लेने लगता है, जिससे उसके कर्मों का बोझ बढ़ता जाता है और वह परमेश्वर से दूर होता चला जाता है।

उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति अपना ध्यान परमात्मा की ओर लगाता है, वही इस संसार रूपी भवसागर से पार हो सकता है। मनुष्य जन्म 84 लाख योनियों में सबसे श्रेष्ठ माना गया है, क्योंकि इसी जन्म में आत्मा अपने वास्तविक स्वरूप को जानकर परमात्मा से मिल सकती है। चाहे कोई राजा हो, दार्शनिक हो, कलाकार हो या सामान्य व्यक्ति, अंततः सभी को इस शरीर को छोड़कर जाना ही पड़ता है। इसलिए संत-महापुरुष हमें बार-बार यह समझाते हैं कि धन और प्रतिष्ठा का अभिमान व्यर्थ है।

महाराजश्री ने कहा कि यदि हमें सत्य की प्राप्ति करनी है तो सांसारिक इच्छाओं का त्याग कर अपने ध्यान को परमेश्वर की ओर लगाना होगा। ध्यान-अभ्यास के माध्यम से मनुष्य अपने भीतर मौजूद प्रभु की ज्योति और श्रुति का अनुभव कर सकता है तथा स्थायी आनंद और शांति प्राप्त कर सकता है।

उन्होंने श्रद्धालुओं को प्रेरित करते हुए कहा कि मनुष्य जीवन का मुख्य उद्देश्य आत्मा का परमात्मा से मिलन है और इसे इसी जीवन में पूरा करने का प्रयास करना चाहिए। सत्संग के उपरांत संत राजिन्दर सिंह महाराज ने उपस्थित नए भाई-बहनों को आध्यात्मिक दीक्षा प्रदान कर प्रभु की ज्योति और श्रुति का अनुभव कराया।

कार्यक्रम की शुरूआत माता रीटा जी द्वारा संत कबीर साहेब के भजन के गायन से हुई। इस अवसर पर बताया गया कि संत राजिन्दर सिंह महाराज सावन कृपाल रूहानी मिशन के अध्यक्ष हैं, जिसे पश्चिमी देशों में साइंस ऑफ स्पिरिचुएलिटी के नाम से जाना जाता है। यह एक लाभ-निरपेक्ष संस्था है जो प्रेम, सेवा और आध्यात्मिक जागरूकता के प्रसार के लिए कार्य कर रही है।

पिछले 35 वर्षों से संत राजिन्दर सिंह महाराज दुनिया भर में लाखों लोगों को ध्यान-अभ्यास की विधि सिखाकर उन्हें अपने भीतर परमात्मा का अनुभव कराने में मार्गदर्शन दे रहे हैं। उनकी आध्यात्मिक शिक्षाएं सेमिनारों, पुस्तकों, ऑडियो-वीडियो माध्यमों, टीवी, रेडियो और इंटरनेट के जरिए विश्वभर में प्रसारित हो रही हैं। उनकी पुस्तकें 56 भाषाओं में उपलब्ध हैं, जिनमें 'मन का शुद्धिकरण', 'मेडिटेशन ऐज़ मेडिकेशन फॉर द सोल' और 'ध्यान-अभ्यास के द्वारा आंतरिक और बाहरी शांति' प्रमुख हैं। सावन कृपाल रूहानी मिशन के विश्वभर में 3400 से अधिक केंद्र स्थापित हैं। इसका मुख्यालय विजय नगर, दिल्ली में तथा अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय नेपरविल, शिकागो (अमेरिका) में स्थित है। कार्यक्रम में देश के विभिन्न स्थानों से आए हजारों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मनुष्य पर हावी नहीं होना चाहिए तकनीक : संदीप शुक्ल

तकनीक के भरोसे पर केंद्रित रहा 25वां अनुसंधान प्रदर्शन

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित अंतरराष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान में शनिवार को वार्षिक अनुसंधान एवं विकास प्रदर्शन का 25वां संस्करण शुरू हुआ। दो दिन तक चलने वाले इस प्रमुख आयोजन में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों, उद्योग जगत और छात्रों की व्यापक भागीदारी देखने को मिल रही है। संस्थान परिसर में आयोजित इस प्रदर्शनी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा, एल्गोरिद्म, रोबोटिकी और डिजिटल सार्वजनिक ढांचे से जुड़े नवीनतम अनुसंधान कार्य प्रस्तुत किए जा रहे हैं। इस वर्ष आयोजन का विषय 'तकनीक पर भरोसा : सुरक्षा, गोपनीयता और पारदर्शिता' रखा गया है। कार्यक्रम में 29 अनुसंधान केंद्रों के 400 से अधिक शोध पोस्टर, नमूने और प्रयोगात्मक मॉडल प्रदर्शित किए गए हैं। उद्घाटन अवसर पर अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान प्रतिष्ठान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. शिवकुमार कल्याणरामन ने कहा कि यह संस्था देश में वैज्ञानिक और तकनीकी अनुसंधान को प्रोत्साहन देने के लिए प्रमुख वित्तीय सहयोग उपलब्ध कराती है। उन्होंने बताया कि संस्था विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में अनुसंधान संस्कृति को मजबूत बनाने तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष, स्वास्थ्य, जलवायु विज्ञान और अभियांत्रिकी जैसे क्षेत्रों में उच्च प्रभाव वाले अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए कार्य कर रही है। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर संदीप कुमार शुक्ल ने कहा कि यह आयोजन संस्थान में अनुसंधान और नवाचार की भावना को

दर्शाता है। उन्होंने कहा कि तकनीक को मनुष्य पर हावी नहीं होना चाहिए, बल्कि मनुष्य को ही तकनीक का सही दिशा में उपयोग और नियंत्रण करना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान भारतीय साइबर क्षेत्र में भरोसा बढ़ाने के विषय पर एक परिचर्चा भी आयोजित की गई। विशेषज्ञों ने कहा कि डिजिटल व्यवस्था में विश्वास बढ़ाने के लिए देश को एक मजबूत राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा रणनीति की आवश्यकता है। साथ ही उन्होंने साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में प्रशिक्षित विशेषज्ञों की कमी और बढ़ते साइबर अपराध को गंभीर चुनौती बताया। प्रदर्शनी का एक प्रमुख आकर्षण स्वचालित रूप से चलने वाली एक बुद्धिमान व्हीलचेयर रही, जिसे दिव्यांग व्यक्तियों की आवाजाही को आसान बनाने के लिए विकसित किया गया है। इसके अलावा पंख फड़फड़ाने वाले रोबोट, घूमने वाले ड्रोन तथा पारंपरिक भूकंप-रोधी घरों के वास्तु मॉडल भी प्रदर्शित किए गए। इनमें हिमाचल प्रदेश के काठ-कुणी घर, राजस्थान के मिट्टी-ईंट के घर और असम के इकड़ा घरों के नमूने शामिल हैं, जो स्थानीय सामग्री और पारंपरिक निर्माण तकनीकों से बनाए गए भूकंप प्रतिरोधी घरों के उदाहरण हैं। रविवार को कार्यक्रम के अंतर्गत स्नातक छात्रों के लिए अनुसंधान के प्रति जागरूकता सत्र और अनुसंधान वित्तपोषण पर चर्चा आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम का समापन पेटेंट सम्मान समारोह के साथ होगा, जिसमें संस्थान के शोधकर्ताओं को उनके नवाचार और बौद्धिक संपदा योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा। संस्थान को अब तक 70 से अधिक पेटेंट प्राप्त हो चुके हैं। आयोजकों के अनुसार इस प्रदर्शनी में 300 से अधिक उद्योग प्रतिनिधियों और विभिन्न महाविद्यालयों के छात्रों के आने और शोध परियोजनाओं के बारे में जानकारी लेने की संभावना है।

जनसेवा संघ का हास्य व्यंग्य कवि सम्मेलन आज

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद जीएसएम हाल में जनसेवा संघ के सौजन्य से आज कवि सम्मेलन आयोजित होगा। जारी प्रेस विज्ञप्ति में संघ के सचिव राजीव चौबे ने बताया कि रविवार 15 मार्च को सांझ के साथी एवं केवल काव्य परिवार चेन्नई के सौजन्य से जन सेवा संघ द्वारा आयोजित हास्य व्यंग्य कवि सम्मेलन में मुख्य अतिथि वी.के. सिंह आईपीएस (वीआरएस) पूर्व पुलिस महानिदेशक (जेल) तेलंगाना होंगे। जन सेवा संघ अध्यक्ष विश्वजीत सिंह उपाध्यक्ष शेरखान महासचिव प्रकाश चौधरी कोषाध्यक्ष सुशील श्रीवास्तव सांस्कृतिक मंत्री सुनील श्रीवास्तव परमानंद शर्मा श्रीकांत पांडे राजीव चौबे आदि की देख रेख में कवि गण अपनी रचनाओं से हास्य व्यंग्य की बौछार करेंगे। सम्मेलन में आमंत्रित कवियों में अकोला महाराष्ट्र से घनश्याम अग्रवाल, वेणुगोपाल भट्टड नरेंद्र राय, अजित गुप्ता, ज्योतिनारायण हैदराबाद, चेन्नई से केवल कोठारी, अजय श्रीवास्तव कानपुर, श्रीमती सीमा द्विवेदी मुंबई, श्रीमती संतोष संप्रति दिल्ली एवं श्रीमती कृष्णा पुरोहित दिल्ली से अपनी रचनाएं प्रस्तुत करेंगी।

तेलंगाना कांग्रेस को झटका लग सकता है

टी. जीवन रेड्डी पार्टी छोड़ने की तैयारी में

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में जगतियाल जिले में सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी को बड़ा झटका लग सकता है, क्योंकि वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री टी. जीवन् रेड्डी पार्टी छोड़ने की तैयारी कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, जीवन रेड्डी 20 मार्च के बाद विपक्षी पार्टी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) में शामिल हो सकते हैं। कहा जा रहा है कि उन्होंने पहले ही बीआरएस के अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव और कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव के साथ विचार-विमर्श कर लिया है। वरिष्ठ नेता ने लंबे समय से कांग्रेस नेतृत्व से असंतोष जताया है, पार्टी में सम्मान और उपयुक्त भूमिका की कमी को लेकर नाराजगी व्यक्त की है। हाल ही में उन्होंने अपने सोशल मीडिया ग्रुप्स से 'कांग्रेस' शब्द हटा दिया और उन्हें केवल अपने नाम से संचालित करना शुरू कर दिया। जगतियाल जिले में स्थानीय विधायक संजय को प्राथमिकता देने पर भी उन्होंने सार्वजनिक रूप से असंतोष जताया है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, हाल की नगरपालिका चुनावों में उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवारों के लिए सक्रिय प्रचार नहीं किया। सूत्रों का कहना है कि उन्होंने अपने निकट सहयोगियों के साथ विचार-विमर्श के बाद ही अगले राजनीतिक कदम का निर्णय लिया। आगामी दिनों में जीवन रेड्डी अपनी घोषणा जंग्तियाल में एक सार्वजनिक बैठक में करेंगे।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

'एआई कानून नहीं ...

लेकिन उसे कानून बनाने या गढ़ने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

उन्होंने यह भी कहा कि हाल के समय में ऐसी घटनाएं सामने आई हैं जब एआई से तैयार सामग्री को बिना जांचे-परखे अदालत में पेश कर दिया गया। यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट में भी ऐसे उदाहरण मिले हैं, जहां ऐसी कानूनी मिसालों और फैसलों का हवाला दिया गया जो वास्तव में मौजूद ही नहीं हैं। जस्टिस नाथ के अनुसार, गलत या झूठे संदर्भ देना केवल तकनीकी गलती नहीं है, बल्कि इससे कानूनी प्रक्रिया की विश्वसनीयता और न्यायिक व्यवस्था की गरिमा पर असर पड़ता है।

उन्होंने कहा कि एआई का गलत इस्तेमाल एक गंभीर चिंता का विषय है। लेकिन इसका यह मतलब भी नहीं है कि न्यायिक व्यवस्था पूरी तरह से तकनीक से दूरी बना ले। सही रास्ता यह है कि एआई का इस्तेमाल समझदारी, नैतिक जिम्मेदारी और पेशेवर मानकों के साथ किया जाए। लोगों को यह सीखना होगा कि इन तकनीकी उपकरणों का उपयोग सावधानी से करें और उनकी सीमाओं को भी समझें।

'जहां कांग्रेस का ...

आज उत्तर पूर्व, भारत की एक्ट ईस्ट नीति का केंद्र है। लेकिन कांग्रेस ने उत्तर पूर्व को अपने हाल पर छोड़ दिया था। वैसे ही बराक घाटी को भी बेहाल करने में कांग्रेस की बड़ी भूमिका रही है। जब देश आजाद हुआ तो कांग्रेस ने ऐसे सीमा निर्धारित की, जिससे बराक घाटी का समुद्र से संपर्क ही टूट गया। जो बराक घाटी कभी व्यापार केंद्र के रूप में जानी जाती थी, उससे उसकी ताकत ही छीन ली गई। अब भाजपा की डबल इंजन सरकार बराक घाटी को व्यापार का बड़ा केंद्र बनाने के लिए निरंतर काम कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, आज करीब 24 हजार करोड़ रुपये के सिलचर-शिलॉन्ग कॉरिडोर का भूमि पूजन हुआ है। जहां कांग्रेस वालों के दिमाग का ताला बंद हो जाता है, वहां हमारा काम शुरू हो जाता है। ये उत्तर पूर्व का पहला एक्सेस कंट्रोल्ड हाई स्पीड कॉरिडोर होगा। इस कॉरिडोर से सिलचर, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, सब राज्य कनेक्ट होने वाले हैं। इन तीनों राज्यों से आगे बांग्लादेश और म्यांमार है और इनके आगे दक्षिण पूर्व एशिया का विशाल बाजार है। ये घाटी उज्जवल भविष्य से जुड़ने का आज शिलान्यास कर रही है। इसका फायदा असम सहित पूरे उत्तर पूर्व के किसानों को होगा। यहां के नौजवानों को होगा। इससे पूरे क्षेत्र में कनेक्टिविटी मजबूत होगी, पर्यटन को फायदा होगा और हिंदुस्तान का कोना-कोना आसानी से उत्तर पूर्व से जुड़ जाने वाला है।

इजरायल ने ईरान ...

सेना का कहना है कि हमलों की इस कार्रवाई के तहत, इजरायली एयर फोर्स ने ईरान की राजधानी में ईरानी आतंकी शासन के दर्जनों इंफ्रास्ट्रक्चर साइट्स पर हमला किया।

ईरान के इजरायल पर किए गए नए बैलिस्टिक मिसाइल हमले में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। यह 10 घंटे से ज्यादा समय में ईरान की तरफ से किया गया पहला हमला है। शुरुआती मिलिट्री असेसमेंट के मुताबिक, मिसाइल को शायद इंटरसेप्ट कर लिया गया था। इजरायल के सबसे दक्षिणी शहर इलियट में सायरन बज चुके थे।

रक्षा मंत्री इजरायल कॉट्ज का कहना है कि ईरान के खिलाफ जंग तेज हो रही है और अब एक ऐसे अहम मोड़ पर पहुंच रही है, जो तब तक जारी रहेगा, जब तक जरूरी होगा। उन्होंने आगे कहा, सिर्फ ईरानी लोग ही पक्के इरादे से इसे खत्म कर सकते हैं, जब तक कि आतंकी राज खत्म न हो जाए और ईरान बच न जाए।

इजरायली रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी बयान के अनुसार कॉट्ज ने शनिवार सुबह आईडीएफ चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल इयाल जमीर और सेना के शीर्ष अधिकारियों के साथ एक असेसमेंट के दौरान यह बात कही। इजरायल ईरान के अलावा लेबनान में हिज्बुल्लाह के खिलाफ भी ताबड़तोड़ कार्रवाई कर रहा है।

आईडीएफ ने बेरूत और दक्षिणी लेबनान में हिज्बुल्लाह के इंफ्रास्ट्रक्चर पर कई और हमले किए। बेरूत में हिज्बुल्लाह आतंकवादी संगठन के बनाए गए कमांड सेंटर पर आईडीएफ ने हमला करके उन्हें नष्ट कर दिया। इसमें हिज्बुल्लाह के वे कमांड सेंटर भी शामिल थे, जिनसे आतंकवादी इजरायल और उसके लोगों के खिलाफ आतंकी हमले करते थे।

दक्षिण मध्य रेलवे

@SCRailwayindia पर फॉलो करें

द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरण की हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in

खुली ई-निविदा सूचना संख्यक-सी/ई.29/इलेक/एम/एससी/49/ओइडब्ल्यू/ओटी/2025-26 दि.11-03-2026

PUB/2102

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु दि.06-04-2026 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

ई-निविदा सं.-ईटेंडर नं. सी/ई.29/इलेक/एम/एससी/49/ओइडब्ल्यू/ओटी/2025-26, ईटेंडर नं. इ-एम-एससी-49-ओटी-2025-26, कार्य विवरणः सिकंदराबाद डिवीजनः बिजली रखरखाव विभाग-वेब आधारित मानिटरिंग (आयओटी) तथा कन्ट्रोल्स आफ पम्प्स सहित अटोमेशन आफ पम्प्स का प्रावधान, प्लाटफार्म्स पर 30% से 70% लाइटिंग व्यवस्था, स्ट्रीट लाइटिंग सरक्यूट्स, लिफ्ट्स एवं एस्केलेटर्स, डीजी सेट्स, एलटी कनेक्शन तथा आयआर-नियंत्रक पोर्टल के साथ मुख्य लोड सेन्टर्स इन्टिग्रेट कार्य (फेज-॥।)-बिजली व्यवस्थाएं। निविदा मूल्य रु.9,15,55,644.00, अग्रधन रु.6,07,800.00, सीटीएफ रु. शून्य, कार्य पूरा करने की अवधिः 6 महिने

आईआरपीएस वेबसाइट www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजो में निविदा शर्ते/अन्य विवरण उपलब्ध, जिसे डाउनलोड किया जा सकता है, जिसमे भाग लिया जा सकता है तथा जिसमें यदि कोई परिवर्तन हो तो उसे देखा जा सकता है।

यह निविदा सूचना, एसआर. डीइइ (रखरखाव), सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद कार्यालय पर स्थित नोटिस बोर्ड पर भी दर्शाया गया है, जिसे सभी कार्यालयीन दिनों में देखा जा सकता है।

रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए निविदा को निरस्त करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, (एम), सिकंदराबाद

निविदा सूचना सं. 22-सीडब्ल्यूएमएल जीडीएस- इटी- 2025-26

PUB/2104

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, सीडब्ल्यूएम/एलजीडीएस द्वारा निविदा सं.22-सीडब्ल्यूएमएलजीडीएस-इटी-2025-26 के प्रति बंद करने की तिथि 07-04-2026 के 11.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है। बोलीदातागण अपने मूल/संशोधित बोलीयों को बंद करने की तिथि व समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य है, तथा मैन्युएल आफर्स की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

ठेकेदारों या कान्ट्रैक्टर्स को यह अनुमति दी जाती है कि, इस निविदा से जुडे निविदा दस्तावेज मूल्य तथा अग्रधन का भुगतान, आईआरपीएस पोर्टल स्थित आनलाइन पध्दति जैसे नेट बैन्किन्ग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ही कर सकते हैं। इस बारे में डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर्स चेक, डिपाजिट रिसीप्ट्स, एफडीआर आदि के माध्यम से मैन्युएल पेमेन्ट्स अमान्य हैं।

निविदा सं.-22-सीडब्ल्यूएमएलजीडीएस-इटी-2025-26, दि.07-03-2026, कार्य विवरणः कैरेज वर्कशाप, लालागुडा, सिकंदराबाद पर एलएचबी कोचेस से जुडी डिसमाउन्टिंग, क्लीनींग, परीक्षण तथा अन्डरस्लंग वाटर टैन्क्स की माउन्टिंग एवं एडीशनल साइड फिल्लिंग व्यवस्थाओं पर ध्यान देना।

अनुमानित मूल्य रु.98,84,298.32 (रु. अठ्टान्नवे लाख चौरासी हजार, दो सौ अठ्टान्नवे एवम् बत्तीस पैसे मात्र), अग्रधन रु.1,97,700.00 (रु.एक लाख सत्तान्नवे हजार सातसौ मात्र), कार्य पूरा करने की अवधिः24 महिने, बंद करने की तिथिः 07-04-2026 के 11.00 बजे

वेबसाइट विवरणः www.ireps.gov.in

निविदा का संपूर्ण विवरण देखने हेतु नोटिस बोर्ड स्थानः चीफ वर्कशाप मैनेजर का कार्यालय, कैरेज वर्कशाप, लालागुडा, सिकंदराबाद-500017

निविदा शर्ते/अधिक जानकारी (निविदा दस्तावेजो में उपलब्ध) तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग, शुध्दिपत्र हेतु कृपया हमारे वेबसाइटः https://www.ireps.gov.in/ पर जाएं।

चीफ वर्कशाप मैनेजर, सीडब्ल्यूएस, सिकंदराबाद

ई-निविदा सूचना सं. जीएनटी/इ.33/टीआरडी/ 2025-26

PUB/2100

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु ठेकेदारों से दि.08-04-2026 के 15.30 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा संदर्भ सं.-जीएनटी/इ.33/टीआरडी/2025-26, टेंडर टाइटलः जीएनटी डिवीजन-(1) तेनाली-पगीडीपल्ली सेक्शन में विश्वसनीयता व सुरक्षा में सुधार हेतु ओएचइ/पीएसआई इनफ्रास्ट्रक्चर या अवसंरचना का उन्यन। (2) नल्लपाडू--नंद्याल सेक्शन में विश्वसनीयता व सुरक्षा में सुधार हेतु ओएचइ/पीएसआई इनफ्रास्ट्रक्चर या अवसंरचना का उन्यन। अनुमानित मूल्य रु.1,43,15,656.00, अग्रधन रु.2,21,600.00, निविदा प्रपत्र मूल्य (अप्रतिदेय) रु. शून्य

ई-बोलीयों की आनलाइन प्रस्तुति की अंतिम तिथि व समयः 08-04-2026 के 15.30 बजे तक

यदि निविदा खोलने की तिथि को तदनंतर छुट्टी घोषित होती है तो निविदा को उसके अगले कार्य दिवस में खोला जायेगा।

किसी भी अधिक जानकारी हेतु दि. 13-03-2026 को या तदनंतर 08-04-2026 के 15.30 बजे तक वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर लाग आन करें। किसी भी अधिक संचार /शुध्दिपत्र को ई-पोर्टलः www.ireps.gov.in के माध्यम से सूचित किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, गुन्टूर

निविदा सूचना सं.- 63/2026 दि.13-03-2026 भण्डारण मदों की आपूर्ति ई-प्रापण निविदा सचना

निम्न निविदाएं आनलाइन पर दर्शायी गयी है। निविदाकारों से अनुरोध है कि, वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर जाएं तथा अपने आफर्स को आनलाइन पर प्रस्तुत करें। निविदा कार्य विवरण, मात्रा, अग्रधन, एसडी को उक्त वेबसाइट पर देखा जा सकता है। मैन्युएल रुप से प्रस्तुत आफर्स अमान्य होंगे। डाक द्वारा प्रेषित आफर्स पर भी कतई विचार नही किया जायेगा। निविदा की निर्धारित तिथि की निविदा बंद करने का समय 14.30 बजे है। सभी स्वदेशी या इन्डिगेनस आफर्स, अग्रधन को, केवल आनलाइन सिस्टम पर उपलब्ध वेबसाइटः www.ireps.gov.in द्वारा ही स्वीकार किया जायेगा।

निविदा संख्या	संक्षिप्त कार्य विवरण
66265416	प्लासर मेक के ट्रैक मशीन स्पेयर्स
एलएच2625322	स्पीड सेन्सर एफएस01
एलवाय 265085	रेल रोड जामेट्री मोडल ट्रैक स्कैन सर्वेक्षण हेतु ट्रैक मिजरिंग सिस्टम
एलएच265317	ट्रैक्शन मोटर कम्प्लीट
एलएच265324	(एससीआय*) केबीजेड-10जे400आय डिस्क ब्रेक युनिट
38262063	बोगी सेंटर पीवोट बाटम (फ्लाट टाइप)
30251150	हेलिकल स्प्रिन्ग
66265520	ट्रैक मशीन हेतु वाल्व्ज का प्राप्ण
6026पीटी 009	आरडीएसओ टी-8533 से 8536 तक काम्बिनेशन फिशप्लेट का प्राप्ण
38265011	एलडब्ल्यूएलएच25बोगी हेतु कास्ट स्टील बोल्स्टर सहित इन्टिग्रेटेड 14' सेन्टर पिवेट बाटम
6026पीटी007	विविध फिशप्लेट्स का प्राप्ण
38265012	बीएलसी वैगान हेतु कास्ट स्टील बोल्स्टर
66265656	ट्रैक मशीन हेतु ट्रांसड्यूसर आदि का प्राप्ण
38262097	बोगी सेन्टर पिवोट बाटम (फ्लाट टाइप)
38265013	बीएलसी वैगान हेतु कास्ट स्टील साइड फ्रेम
एलएच 265320	संबंधित 70एएच,110वी वीआरएलए लीड एसिड बैटरी सेट
66258000	ट्रैक मशीनों हेतु लोरम मेक स्पेयर्स का प्राप्ण
66265563	ट्रैक मशीनो हेतु स्पेयर्स का प्राप्ण
66256193बी	ट्रैक मशीनों के उपयोग हेतु सीआरसीसी एचटीडीसी मेक का प्राप्ण

टिप्पणीः निविदा खोलने की निर्धारित तिथियां

क्रम सं. 01 दि.27-03-2026, क्रम सं. 02 दि.30-04-2026, क्रम सं. 03 दि.01-04-2026, क्रम सं. 04 से 08 दि.06-04-2026, क्रम सं.-09 तथा 10 दि.07-04-2026, क्रम सं.-11 तथा 12 दि.08-04-2026, क्रम सं.-13 से 15 दि.09-04-2026,

क्रम सं. 16 दि.10-04-2026, क्रम सं. 17 दि.13-04-2026, क्रम सं. 18 दि.15-04-2026, क्रम सं. 19 दि.20-04-2026

--- शुध्दिपत्र ---

1) निविदा सूचना सं.59/2026 दि.12-02-2026 निविदा सं. 52255011ए निर्धारित तिथि 09-03-2026, संक्षिप्त कार्य विवरणः डिजल लोको हेतु आयपी आधारित वीएसएस को, मौजूदा के स्थान पर निर्धारित तिथि 23-03-2026 पढा जाना चाहिए।

2) निविदा सूचना सं.58/2026 दि.06-02-2026 निविदा सं.66259796 निर्धारित तिथि 09-03-2026, संक्षिप्त कार्य विवरणः ट्रैक मशीनों हेतु स्पेयर्स का प्रापण को, मौजूदा के स्थान पर निर्धारित तिथि 16-03-2026 पढा जाना चाहिए।

उपरोक्त निविदाओं के अलावा रु.50 लाख मूल्य से अधिक की अन्य निविदाएं भी उपलब्ध हैं।

अधिक जानकारी हेतु कृपया उपरोक्त रेलवे वेबसाइट देखें।

प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक/सिकंदराबाद

A2886

निविदा नियम शर्ते/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

पूर्व तट रेलवे

सामग्रियों की आपूर्ति

निविदा सं. 30265372, दिनांक: 10.03.2026

कार्य का नाम : (1) आपूर्ति की तिथि के बाद से 30 महीने वारंटी अवधि के साथ वाइड बेस कर्व PSC स्लीपर (RT-8979-8982) के लिए कर्व चेक रेल (RT-8985) हेतु CI ब्रेक की आपूर्ति, मात्रा : 39332 संख्यक।

(2) आपूर्ति की तिथि के बाद से 30 महीने वारंटी अवधि के साथ वाइड बेस कर्व PSC स्लीपर (RT-8979-8982) के लिए कर्व चेक रेल (RT-8985) हेतु CI ब्रेक की आपूर्ति, मात्रा : 1360 संख्यक।

(वारंटी अवधि : डिलीवरी की तिथि के बाद से 30 महीने), TPI एजेन्सी द्वारा निरीक्षण।

द्रष्टव्य : सामग्री 120 दिन के भीतर आपूर्ति की जानी चाहिए।

निविदा खुलने की तिथि एवं समय : दिनांक 09.04.2026 को 1500 बजे।

संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबंधक/वाल्टियर

PR-1226/Q/25-26

पूर्व तट रेलवे

सूचना सं. eT-WAT-South-09-2026 दिनांक : 07.03.2026

कार्य का नाम : थ्रू ब्रिज चैनल स्लीपर नवीकरण (TBCSR) - वाल्टियर मण्डल के वरिष्ठ मण्डल अभियन्ता / दक्षिण / वाल्टियर के अधीन ब्रिज नं. 752A-208 स्लीपर, ब्रिज नं. 757A-104 स्लीपर, ब्रिज नं. HWH F/O-1-110 स्लीपर एवं ब्रिज नं. HWH F/O-2-110 स्लीपर पर नए गैल्वनाइज्ड स्टील H-बीम स्लीपर द्वारा मौजूदा 532 संख्यक क्षतिग्रस्त / फटा हुआ स्टील चैनल स्लीपर के H-बीम एवं वरिष्ठ मण्डल अभियन्ता / पूर्व / वाल्टियर के अधीन गर्डर ब्रिजों पर H-बीम स्लीपर-226 संख्यक।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 2,73,57,719.28, EMD : ₹ 2,86,800/-, कार्य पूरा होने की अवधि : 08 (आठ) महीने।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 01.04.2026 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 10 (दस) दिन पहले वेबसाइट का पुन: अवलोकन करें।

मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर

PR-1223/Q/25-26

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

गिल-मंधाना वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

बिन्नी और द्रविड़ को भी मिलेगा अवॉर्ड; विश्वकप विजेताओं का होगा सम्मान

बीसीसीआई अवॉर्ड्स 2025-26 में वर्ष के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर का अवॉर्ड

पुरुष क्रिकेट में - शुभमन गिल।
महिला क्रिकेट में - स्मृति मंधाना।

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने नमन अवॉर्ड 2026 की घोषणा कर दी है।

यह समारोह 15 मार्च को नई दिल्ली में आयोजित होगा। इस दौरान भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल को बीसीसीआई के प्रतिष्ठित 'क्रिकेटर ऑफ द ईयर' पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। 'क्रिकेटर ऑफ द ईयर' पुरस्कार को 'पॉली उमरीगर क्रिकेट ऑफ द ईयर' अवॉर्ड भी कहा जाता है। वहीं, महिलाओं में स्मृति मंधाना को उनके करियर में पांचवीं बार सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर ऑफ द ईयर से सम्मानित किया जाएगा।

सचिन-अश्विन की बराबरी करेंगे गिल

शुभमन ने दूसरी बार यह पुरस्कार जीता है। इससे पहले साल 2023 में भी उन्हें इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। दूसरी बार यह अवॉर्ड जीतने के साथ ही शुभमन सचिन तेंदुलकर और रविचंद्रन अश्विन की बराबरी कर लेंगे। इन दोनों ने भी यह अवॉर्ड दो-दो बार जीता था। इन तीनों से ज्यादा बार इस अवॉर्ड से विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह ही सम्मानित हुए हैं। कोहली पांच बार बीसीसीआई के साल के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर रहे हैं, वहीं बुमराह ने तीन बार यह अवॉर्ड जीता है।

टेस्ट क्रिकेट में किया शानदार प्रदर्शन

26 वर्षीय शुभमन ने पिछले साल यानी 2025 टेस्ट और वनडे क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया। हालांकि, उन्हें हाल ही में टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम में जगह नहीं मिली थी, लेकिन बाकी दो फॉर्मेट में उनका प्रदर्शन बेहद दमदार रहा। शुभमन ने 2025 में टेस्ट क्रिकेट में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 983 रन बनाए। इसमें इंग्लैंड के खिलाफ उसकी सरजमीं पर खेली गई सीरीज में 754 रन शामिल रहे, जो उनकी बेहतरीन फॉर्म को दर्शाता है। इंग्लैंड से टेस्ट सीरीज में उनका औसत 70 से अधिक रहा और उन्होंने कई महत्वपूर्ण पारियां खेलीं।

वनडे और आईपीएल में भी दमदार फॉर्म

वनडे क्रिकेट में भी गिल ने अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने कुल 490 रन बनाए, जिसमें भारत की चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली मुहिम में बनाए गए 188 रन भी शामिल हैं। अगर सभी फॉर्मेट को मिलाकर देखा जाए तो गिल ने पिछले साल कुल 1,764 रन बनाए, जिनमें सात शतक और तीन अर्धशतक शामिल रहे। उनका औसत करीब 49 का रहा। इसके अलावा आईपीएल में भी गिल का बल्ला खूब चला। गुजरात टाइटंस के लिए खेलते हुए और टीम की कप्तानी करते हुए उन्होंने 650 रन बनाए और लगभग 50 के औसत से बल्लेबाजी की।

बिन्नी, द्रविड़ और मिताली को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

बीसीसीआई ने पूर्व भारतीय खिलाड़ी रोजर बिन्नी और राहुल द्रविड़ को कर्नल सी.के. नायुडू लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित करने का फैसला किया है। वहीं, महिलाओं में यह पुरस्कार मिताली राज को दिया जाएगा। बिन्नी बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष भी रह चुके हैं, जबकि द्रविड़ के कोचिंग कार्यकाल में भारत ने 2024 टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया था। मिताली को भी भारत में महिला क्रिकेट में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया जा रहा है।

म्हात्रे-हर्ष दुबे को मिलेगा सम्मान

अपनी कप्तानी में अंडर-19 विश्व कप का खिताब दिलाने वाले मुंबई के आयुष म्हात्रे को घरेलू सीमित ओवर के टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर का अवॉर्ड मिलेगा। इस पुरस्कार को लाला अमरनाथ अवॉर्ड के नाम से जाना जाता है। वहीं, विदर्भ के हर्ष दुबे को 2024-25 रणजी ट्रॉफी सीजन में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर चुना गया है।

विश्व कप विजेता टीम को सम्मानित करेगा बीसीसीआई

बीसीसीआई नमन अवॉर्ड्स के दौरान सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली भारतीय टीम को सम्मानित करेगा जिन्होंने हाल ही में टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। इतना ही नहीं नमन अवॉर्ड्स के दौरान सभी पांच भारतीय टीमों का सम्मान होगा जिन्होंने हाल ही में आईसीसी ट्रॉफी अपने नाम की है।

इस दौरान पुरुष टी20 टीम के अलावा, महिला विश्व कप 2025 की विजेता, चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की विजेता, अंडर-19 विश्व कप 2026 और महिला अंडर-19 टी20 विश्व कप 2025 की विजेता भारतीय टीम को सम्मानित किया जाएगा।

बीसीसीआई नमन अवॉर्ड्स में किसे मिलेगा कौन सा पुरस्कार

पुरस्कार	विजेता
क्रिकेट ऑफ द ईयर (पुरुष)	शुभमन गिल
क्रिकेट ऑफ द ईयर (महिला)	स्मृति मंधाना
लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड (पुरुष)	रोजर बिन्नी, राहुल द्रविड़
लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड (महिला)	मिताली राज
सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय डेब्यू (पुरुष)	हर्षित राणा
सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय डेब्यू (महिला)	श्री चरणी
घरेलू टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन (2024-25)	मुंबई क्रिकेट संघ

केकेआर ने किया नई जर्सी का अनावरण

टीम की विरासत पर आधारित नया डिजाइन

कोलकाता, 14 मार्च (एजेंसियां)। तीन बार आईपीएल का खिताब जीत चुकी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने इंडियन प्रीमियर लीग के अगले सीजन (आईपीएल 2026) के लिए अपनी नई जर्सी लांच कर दी है। नई जर्सी को 'लाइन्स ऑफ लेगेसी थीम' पर डिजाइन किया गया है। नई जर्सी के डिजाइन के केंद्र में वे खास पल हैं जिन्होंने इतने सालों में केकेआर के सफर को आकार दिया है। 2008 में लीग के उद्घाटन मैच में ब्रेंडन मैकुलम के 158 रन की यादगार पारी से लेकर, रिंकू सिंह के आखिरी ओवर में लगाए पांच छक्कों तक, केकेआर ने ऐसे कई पल दिए हैं जो आईपीएल की कहानियों का हिस्सा बन गए हैं। केकेआर ने एक बयान में कहा, इस सीजन में, उन लाइनों को सिर्फ याद नहीं रखा गया है-उन्हें जर्सी में ही बुना गया है, जिससे फैन्स टीम की कहानी का एक हिस्सा पहन सकें।

जर्सी के अनावरण पर बात करते हुए, नाइट राइडर्स स्पोर्ट्स के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, वेंकी मैसूर, ने कहा, द लाइन्स ऑफ लेगेसी केकेआर के शानदार इतिहास का सार है और टीम के इतने सालों के सफर का जश्न मनाती है। हर लाइन शानदार पल का एक अहम हिस्सा है, जो हमारी पहचान बनाने के लिए मिलकर काम करने वाली ऊर्जा और जोश को दिखाती है। हमें अपनी बनाई इस लेगेसी पर गर्व है और हम इसे आने वाले सीजन में भी इसे जारी रखना चाहते हैं, साथ ही अपने फैन्स के लिए और भी यादें बनाना चाहते हैं। बीसीसीआई द्वारा जारी शेड्यूल के मुताबिक कोलकाता नाइट राइडर्स अपने कैंपेन की शुरुआत 29 मार्च को वानखेड़े स्टेडियम में पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस के खिलाफ करेगी। केकेआर अपने होम ग्राउंड ईडेन गार्डन में पहली बार 2 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के खिलाफ खेलेगी। केकेआर ने आईपीएल 2026 के लिए हुई नीलामी में कैमरून ग्रीन, मथीशा पथिराना, रोवमैन पॉवेल और फिन एलन जैसे बड़े खिलाड़ियों को खरीदकर टीम को मजबूती देने का प्रयास किया था।

दो आईसीसी ट्रॉफी जीतने वाले पहले भारतीय कोच गंभीर

गांगुली बोले-असली परीक्षा 2027 वर्ल्ड कप में होगी टेस्ट क्रिकेट में पिच का मोह छोड़ना होगा

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसियां)। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने हाल ही में टी-20 वर्ल्ड कप 2026 जीतकर अपना दूसरा आईसीसी खिताब हासिल किया। इससे पहले उनकी कोचिंग में टीम इंडिया ने 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी भी जीती थी। हालांकि पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का कहना है कि गंभीर की असली परीक्षा 2027 के वनडे वर्ल्ड कप में होगी।

साउथ अफ्रीका की कंडीशन में होगी असली परीक्षा

गांगुली ने एक इंटरव्यू में कहा कि 2027 का वर्ल्ड कप साउथ अफ्रीका में खेला जाएगा और वहां की परिस्थितियां टीम और कोच दोनों को चुनौती देंगी। उन्होंने भरोसा जताया कि गंभीर मौजूदा टीम के साथ वहां भी अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। 2023 के वनडे वर्ल्ड कप में भारत ने फाइनल तक अजेय सफर तय किया था, लेकिन फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था। गंभीर ने 2011 में बतौर खिलाड़ी वर्ल्ड कप जीता था, अब उन पर बतौर कोच भारत को वनडे का विश्व विजेता बनाने का दबाव है।

रोहित-विराट के लिए आखिरी मौका हो सकता है 2027 वर्ल्ड कप

2027 का वनडे वर्ल्ड कप भारत के दो दिग्गज खिलाड़ियों रोहित शर्मा और विराट कोहली के लिए भी बेहद अहम माना जा रहा है। कयास लगाए जा रहे हैं कि यह इन दोनों दिग्गजों के करियर का आखिरी वर्ल्ड कप हो सकता है। ऐसे में गंभीर के कंधों पर इन दिग्गजों को एक यादगार विदाई दिलाने की जिम्मेदारी भी होगी।

गांगुली ने रेड बॉल यानी टेस्ट क्रिकेट में प्रदर्शन सुधारने को लेकर भी गंभीर को खास सलाह दी है। उन्होंने कहा कि गंभीर को पिच के बारे में सोचना कम करना होगा। गांगुली ने कहा,'उन्हें विकेट की चिंता अपने दिमाग से निकालनी होगी। इंग्लैंड सीरीज को ही देख लीजिए, वह पिच के बारे में कुछ नहीं कर सके और नतीजे सबके सामने हैं।' उन्होंने आगे कहा कि भारत को घरेलू मैदानों पर स्पिन की मददगार (टर्नर्स) पिचों पर खेलने की जरूरत नहीं है।

आर्याना सबालेंका इंडियन वेल्स के फाइनल में

सेमीफाइनल में लिंडा नोस्कोवा को 6-3, 6-4 से हराया; खिताब के लिए रायबकिना से होगी भिड़ंत

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसियां)। इंडियन वेल्स टेनिस टूर्नामेंट में वर्ल्ड नंबर-1 आर्यना सबालेंका फाइनल में पहुंच गई हैं। उन्होंने सेमीफाइनल में लिंडा नोस्कोवा को 6-3, 6-4 से हराया। यह मुकाबला 1 घंटा 28 मिनट तक चला। सबालेंका पिछले चार साल में तीसरी बार इंडियन वेल्स के फाइनल में पहुंची हैं। इससे पहले वह यहां दो बार उपविजेता रह चुकी हैं। अब फाइनल में उनका सामना कजाकिस्तान की एलिना रायबकिना से होगा। दूसरे सेमीफाइनल में रायबकिना ने यूक्रेन की एलीना स्वितोलिना को 7-5, 6-4 से हराया।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन की हार का बदला लेने का मौका

सबालेंका के लिए यह फाइनल बेहद अहम है। साल 2026 में सबालेंका ने अब तक 13 मैच खेले हैं, जिनमें से 12 में उन्हें जीत मिली है। उनकी एकमात्र हार इसी साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में एलिना रायबकिना के खिलाफ आई थी। ऐसे में रविवार को सबालेंका के पास न सिर्फ उस हार का बदला लेने का मौका होगा,बल्कि इंडियन वेल्स में अपने 0-2 के फाइनल रिकॉर्ड (दो बार रनर-अप रहना) को सुधारने की भी चुनौती होगी।

सबालेंका ने ज्यादा मुकाबले जीते हैं

आर्यांना सबालेंका और एलिना रायबकिना के बीच अब तक कुल 15 मुकाबले हुए हैं। इनमें सबालेंका का पलड़ा भारी है और उन्होंने 8 मैचों में जीत दर्ज की है। हालांकि, पिछले दो मुकाबलों में बाजी रायबकिना के हाथ लगी है। फाइनल को लेकर सबालेंका ने कहा,'मैं यह सुनिश्चित करूंगी कि रविवार के मैच के लिए मैं पूरी तरह तैयार रहूं। मैं अपना बेस्ट टेनिस खेलूंगी और पूरी कोशिश करूंगी कि यह साल मेरा हो।'

इंडियन वेल्स में भांबरी सेमीफाइनल में हारे

इंडियन वेल्स मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट में भारत के युकी भांबरी और स्वीडन के आंद्रे गोरानसन की शानदार दौड़ सेमीफाइनल में खत्म हो गई। गैर वरीय इस जोड़ी को फ्रांस के आर्थर रिंडरकनेक और मोनाको के वेलेंटिन वाचेरोट की जोड़ी ने 5-7, 7-6 (7), 10-5 से हराया। 33 साल के भारतीय खिलाड़ी ने पहली बार किसी एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई।

इससे पहले क्वार्टरफाइनल में भांबरी और गोरानसन ने ऑस्ट्रिया के अलेक्जेंडर एरलर और इटली के आंद्रेया वावासोरी की जोड़ी को 6-3, 7-6 (7) से हराया था। भांबरी की इस उपलब्धि के साथ मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में दो साल बाद किसी भारतीय खिलाड़ी की सेमीफाइनल में मौजूदगी भी दर्ज हुई।

आईपीएल 2026 : पीएसएल को नजरअंदाज करने पर बौखलाया पाकिस्तान

मुजरबानी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की तैयारी में पीसीबी

कराची, 14 मार्च (एजेंसियां)। जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी ने आईपीएल को तवज्जो देते हुए पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में खेलने से इनकार कर दिया था। अब पाकिस्तान मुजरबानी के इस फैसले से बौखला गया है और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की तैयारी कर रहा है। दरअसल, कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने मुजरबानी को अपनी टीम में शामिल किया था, जिसके बाद जिम्बाब्वे के इस तेज गेंदबाज ने पीएसएल की फ्रेंचाइजी इस्लामाबाद यूनाइटेड को अपनी अनुपलब्धता के बारे में सूचित कर दिया था।

इस्लामाबाद युनाइटेड ने मुजरबानी से किया था करार

मुजरबानी इससे पहले पीएसएल में मुल्तान सुल्तान को खिताब दिला चुके हैं। उन्हें 11 फरवरी को पीएसएल की नीलामी में किसी ने नहीं खरीदा था, लेकिन बाद में इस्लामाबाद फ्रेंचाइजी ने वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज शमार जोसेफ की जगह मुजरबानी के साथ करार किया था। हालांकि, केकेआर के साथ करार करने के बाद मुजरबानी ने आईपीएल में ही खेलने का फैसला किया।

पाकिस्तान को रास नहीं आया फैसला

मुजरबानी का यह फैसला पाकिस्तान को जरा भी रास नहीं आया है। समाचार एजेंसी आईएएनएस के अनुसार, पीसीबी मुजरबानी के फैसले को करार के उल्लंघन के रूप में देख रही है और कानूनी कार्रवाई के लिए विकल्पों पर विचार कर रही है। यह लगातार दूसरा साल है जब किसी खिलाड़ी ने पीएसएल करार पहले से होने के बावजूद आईपीएल को प्राथमिकता दी है। पिछले सीजन दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कॉर्बिन बॉश ने भी ऐसा ही कदम उठाया था। उन्हें पेशावर जाल्मी ने चुना था। बाद में वह आईपीएल की टीम मुंबई इंडियंस से जुड़ गए थे।

मुजरबानी ने किया था प्रभावित

ब्लेसिंग मुजरबानी ने हाल में संपन्न टी20 विश्व कप 2026 में शानदार गेंदबाजी की थी और जिम्बाब्वे को सुपर-8 में पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभाई थी। मुजरबानी ने 13 विकेट लिए थे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुजरबानी के चार विकेट ने ही जिम्बाब्वे को ग्रुप स्टेज में जीत दिलाई थी। आईपीएल और पीएसएल का सत्र एक बार फिर टकरा रहा है। आईपीएल 28 मार्च से शुरू हो रहा है, जबकि पीएसएल 26 मार्च से तीन मई तक प्रस्तावित है।

आईपीएल के शुरू होने से पहले सीएसके के खिलाफ मुकदमा दर्ज

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल 2026 की शुरुआत से पहले पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) कानूनी विवादों में घिर गई है। सन टीवी नेटवर्क लिमिटेड ने मद्रास हाई कोर्ट में सीएसके के खिलाफ कॉपीराइट उल्लंघन का मामला दर्ज कराया है। फ्रेंचाइजी पर आरोप है कि उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने कंटेंट को प्रमोट करने के लिए जेलर, जेलर 2 और कुली जैसी फिल्मों के गानों, डायलॉग्स और बैकग्राउंड म्यूजिक का अवैध रूप से इस्तेमाल किया है।

सीएसके पर कॉपीराइट का आरोप

विवाद तब शुरू हुआ जब 1 मार्च 2026 को सीएसके ने अपनी नई जर्सी लॉन्च करने के लिए एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें रजनीकांत की फिल्मों के ऑडियो ट्रैक का इस्तेमाल किया गया था विशेष रूप से एमएस धोनी के कैंप में आगमन वाले दृश्यों में। सन टीवी नेटवर्क ने अपनी शिकायत में कहा है कि सीएसके ने दक्षिण भारत में रजनीकांत और अनिरुद्ध रविचंदर के संगीत की लोकप्रियता का फायदा उठाते हुए अपनी 2,399 रुपये की जर्सी और अन्य व्यापारिक सामग्री की बिक्री बढ़ाने के लिए उनके कॉपीराइट वाले काम का इस्तेमाल किया। हालांकि, 1 मार्च को ईमेल मिलने के बाद सीएसके ने विवादित वीडियो हटा लिया था और बाद में बदलाव के साथ इसे फिर से शेयर किया लेकिन वादी ने हाई कोर्ट से सीएसके को ऐसी सामग्री का उपयोग करने से रोकने और इस प्रचार के जरिए हुई व्यावसायिक कमाई का विवरण देने की मांग की है।

ओलंपिक से बैन हो सकते हैं राष्ट्रपति ट्रंप और अमेरिकी अधिकारी

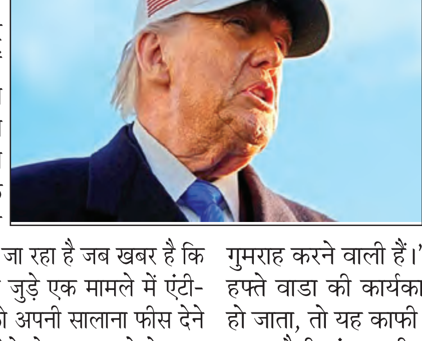

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसियां)। वर्ल्ड एंटी-डोपिंग एजेंसी अपने नियमों में बदलाव पर विचार कर रहा है ताकि वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिकी सरकार के अधिकारियों को लॉस एंजिल्स ओलंपिक में आने से रोक सके, जो दो साल के अंदर होना है। एसोसिएटेड प्रेस के अनुसार खेलों में डोपिंग रोकने वाली स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय संगठन वाडा मंगलवार को अपनी कार्यकारी समिति की बैठक करेगी, तो उसके एजेंडे में नियमों में बदलाव भी होगा। वाडा अपने नियमों में तब बदलाव करने जा रहा है जब खबर है कि अमेरिका ने चीनी तैराकों और दूसरे मामलों से जुड़े एक मामले में एंटी-डोपिंग वॉचडॉग के तरीके के विरोध में वाडा को अपनी सालाना फीस देने से मना कर दिया है। अपनी सालाना फीस देने से मना करने के बाद से अमेरिका ने वाडा की कार्यकारी समिति में अपनी सीट खो दी है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि वाडा के प्रवक्ता जेम्स फिट्जगेराल्ड ने असल में इसमें कुछ भी नया नहीं है और बताया कि सरकारों द्वारा फंडिंग रोकने के बारे में वाडा क्या कर सकता है। इस पर चर्चा 2020 से चल रही है, लेकिन इस प्रस्ताव पहली बार 2024 में ध्यान में लाया गया था।

वाडा ने रिपोर्ट का किया खंडन

एपी की शुरुआती रिपोर्ट आने के बाद वाडा ने कहा कि एपी की रिपोर्ट 'पूरी तरह से गुमराह करने वाली हैं।' ध्यान देने वाली बात यह है कि अगर अगले हफ्ते वाडा की कार्यकारी समिति की बैठक में यह नियम पास भी हो जाता, तो यह काफी हद तक एक प्रतीकात्मक कदम होगा क्योंकि वाडा जैसी अंतरराष्ट्रीय खेल निकाय का किसी देश के राष्ट्रपति के अपने देश के इवेंट में शामिल होने पर सिमित नियंत्रण होता है।

रन आउट विवाद पर बहस तेज : आगा का खेल भावना पर जोर

मेहदी से नहीं की सुलह; पाकिस्तानी खिलाड़ी के समर्थन में कैफ

ढाका, 14 मार्च (एजेंसियां)। बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच मैच के दौरान शुक्रवार को उस वक्त विवाद हुआ जब मेहदी हसन मिराज ने विवादित तरीके से सलमान अली आगा को रन आउट कर दिया। इस पूरे विवाद पर अब सलमान आगा का बयान सामने आया है। आगा ने स्पष्ट कहा है कि उन्होंने इस मामले को लेकर अभी तक मेहदी के साथ सुलह नहीं की है। यानी आगा अभी तक नाराज हैं।

बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच शुक्रवार को ढाका के शेर-ए-बांग्ला स्टेडियम में वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला खेला गया। यह मैच सलमान अली आगा के रन-आउट के तरीके को लेकर चर्चा में है। आगा को जिस तरह आउट किया गया उसे खेल की भावना के खिलाफ माना जा रहा है। यह घटना पाकिस्तान पारी के 39वें ओवर में घटी। मेहदी हसन मिराज की गेंद चौथी गेंद पर मोहम्मद रिजवान ने शॉट खेला। गेंद को रोकने के लिए मिराज आगे बढ़े और अपने पैर से उन्होंने इसे रोका। इस दौरान नॉन स्ट्राइकर एंड पर खड़े सलमान आगा क्रीज से बाहर निकले हुए थे। चूंकि गेंद सलमान आगा के पास रुक गई थी तो उन्हें लगा कि गेंद पूरी हो गई है। लेकिन मिराज ने तत्परता दिखाते हुए गेंद को स्टंप्स की ओर मारा और रन आउट की अपील कर दी। सलमान इससे चौंक गए, लेकिन वह क्रीज से बाहर थे और इस कारण तीसरे अंपायर ने उन्हें आउट दिया। इससे सलमान बौखला गए और उन्होंने गुस्से में हेलमेट मैदान पर फेंक दिया और गुस्से से ड्रेसिंग रूम की ओर लौटे। पवेलियन लौटने से पहले सलमान ने मिराज के साथ बहस की, लेकिन बांग्लादेशी कप्तान उन्हें समझाते नजर आए।

आगा बोले-हम ऐसा नहीं करते

इस मामले पर सलमान आगा ने कहा, मुझे लगता है कि खेल भावना होनी चाहिए। मैं मेहदी को गेंद वापस देने की कोशिश कर रहा था। ऐसी स्थिति में इसे डेड करार दिया जा सकता था। गेंद मेरे पैड पर और फिर मेरे बल्ले पर लगी, इसलिए मुझे लगा कि वह अब मुझे रन-आउट नहीं कर सकते, क्योंकि गेंद पहले ही मेरे पैड और मेरे बैट पर लग चुकी थी। मैं बस उन्हें गेंद वापस देने की कोशिश कर रहा था।

पूर्व डीजीपी एच.जे. दोरा का अंतिम संस्कार, वरिष्ठ अधिकारियों ने दी श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। संयुक्त आंध्र प्रदेश के पूर्व पुलिस महानिदेशक एच.जे. दोरा का अंतिम संस्कार शनिवार को जुबली हिल्स स्थित महाप्रस्थानम् में नम आंखों के बीच संपन्न हुआ। जुबली हिल्स स्थित उनके निवास से शनिवार दोपहर शुरू हुई अंतिम यात्रा में अनेक पुलिस अधिकारी, कर्मचारी और उनके प्रशंसक शामिल हुए। इसके बाद महाप्रस्थानम में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। इससे पहले अनेक वरिष्ठ अधिकारी और गणमान्य व्यक्तियों ने उनके पार्थिव शरीर के दर्शन कर श्रद्धांजलि अर्पित की। तेलंगाना डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी ने पूर्व डीजीपी दोरा को अंतिम सम्मान देते हुए स्वयं अर्थी को कंधा दिया। उनके साथ वी.सी. सज्जनार और एम. रमेश ने भी अर्थी को कंधा देकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक शिवधर रेड्डी ने कहा कि अपने सेवा काल के प्रारंभिक दिनों में जब वे पुलिस अधीक्षक थे, तब एच. जे. दोरा ने उन्हें प्रोत्साहित किया और अपने गृह जिले श्रीकाकुलम में पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त कर मार्गदर्शन दिया था। उन्होंने उन स्मृतियों को भावुकता के साथ याद किया। इस दौरान पूर्व पुलिस कांस्टेबल जितेंद्र, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी राजीव त्रिवेदी, एस. चंद्रशेखर रेड्डी तथा कमलासन रेड्डी सहित अन्य अधिकारियों ने पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। पुलिस विभाग के लिए एच.जे. दोरा द्वारा किए गए योगदान को स्मरण करते हुए अधिकारियों और सहकर्मियों ने उन्हें भावभीनी विदाई दी।

कांग्रेस सरकार के खिलाफ भाजपा ने शुरू किया पंद्रह दिवसीय संघर्ष अभियान

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के राज्य अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने आज प्रेस से संवाद में तेलंगाना में कांग्रेस सरकार के खिलाफ पंद्रह दिवसीय संघर्ष अभियान की रूपरेखा पेश की। उन्होंने बताया कि इस आंदोलन का उद्देश्य जनता की समस्याओं को सीधे सरकार तक पहुंचाना और जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आवाज उठाना है। राव ने कहा कि 16 मार्च को राज्य के सभी जिला मुख्यालयों और मंडल मुख्यालयों में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा ज्ञापन प्रस्तुत किए जाएंगे। पहले चरण में सभी मंडलों में कार्यकर्ता कार्यालयों के सामने विरोध प्रदर्शन करेंगे और अधिकारियों को प्रतिनिधि पत्र सौंपेंगे। इसके बाद 20 मार्च को सभी जिला कलेक्टर कार्यालयों के सामने विरोध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने जनता से अपील की कि वे इस आंदोलन में भाजपा का समर्थन करें और पार्टी को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए शक्ति प्रदान करें। राव ने कहा कि भाजपा का संकल्प है कि जनता के अधिकार सुरक्षित हों और उन्हें उनके हक दिलाए जाएं। भाजपा इस आंदोलन के माध्यम से राज्य के हर घर तक अपना संदेश पहुंचाएगी।

19 और 20 मार्च को दो महत्वपूर्ण कार्यक्रम होंगे, जिनका विवरण बाद में साझा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम इस प्रकार आयोजित किए जाएंगे कि कांग्रेस सरकार सोचने और प्रतिक्रिया देने के लिए बाध्य हो, साथ ही जनता का समर्थन और प्रोत्साहन भी प्राप्त हो।

एसएससी परीक्षा शुरू, 5.28 लाख छात्र शामिल

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सहित पूरे राज्य में एसएससी सार्वजनिक परीक्षा 2026 पहली भाषा के पेपर के साथ शुरू हो गई। परीक्षा के लिए राज्य भर में 2,676 केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा सुबह 9:30 बजे शुरू होकर दोपहर 12:30 बजे समाप्त होगी। समय से पहले पहुंचने वाले छात्रों को सुबह 8:30 बजे से ही केंद्र में प्रवेश दिया गया, जबकि अंतिम प्रवेश समय 9:35 बजे निर्धारित किया गया है। परीक्षा के लिए कुल 5,28,239 छात्रों ने पंजीकरण कराया है, जिनमें 2,67,954 लड़के और 2,60,285 लड़कियां शामिल हैं। ये परीक्षाएं 16 अप्रैल तक चलेंगी। परीक्षा के सुचारू संचालन और नकल रोकने के लिए 144 उड़न दस्ते तैनात किए गए हैं। छात्रों को केंद्र पर स्कूल की वर्दी पहनकर आने की अनुमति नहीं दी गई, ताकि उनकी पहचान गोपनीय बनी रहे। हॉल टिकट, लेखन सामग्री और ज्यामितीय उपकरणों के अलावा मोबाइल फोन, कैलकुलेटर, स्मार्ट घड़ी या अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। इन वस्तुओं को सुरक्षित रखने के लिए केंद्रों के प्रवेश द्वार पर विशेष व्यवस्था की गई है।

पिता की मौत के बीच बेटे ने दी परीक्षा

मेदक, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क दुर्घटना में पिता की मौत के बावजूद एक बेटे ने हिम्मत दिखाते हुए कक्षा 10 की परीक्षा दी। यह घटना जिले के पम्पबंदा गांव की है। पम्पबंदा निवासी कुम्मारि नागराजू (45) की शुक्रवार को शिववामपेट मंडल के उसिरिकेपल्ली में सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। घर में अंतिम संस्कार की तैयारियां चल रही थीं और पूरा परिवार शोक में डूबा था। इसी बीच उनका बेटा धनुष (जो कक्षा 10 की परीक्षा दे रहा है) सदमे के बावजूद पम्पबंदा से टूप्रान पहुंचा और सरकारी बालक उच्च विद्यालय में परीक्षा दी। धनुष ने बताया कि उसके पिता हमेशा चाहते थे कि वह पढ़ाई में अच्छा करे और जीवन में आगे बढ़े। उसने कहा कि वह अपने पिता का सपना पूरा करना चाहता है और अब परिवार की जिम्मेदारी भी निभाएगा। बताया जा रहा है कि धनुष शनिवार दोपहर अपने पिता के अंतिम संस्कार में शामिल होगा।

विधायक पर देवी-देवताओं के अपमान का आरोप, कार्रवाई की मांग

करीमनगर, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने हिंदू देवी-देवताओं का कथित रूप से अपमान करने के आरोप में तुगाथुर्थी के विधायक मंडुला सैमुअल के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि भड़काऊ बयान देकर समाज में तनाव पैदा करने की कोशिश करने पर विधायक के खिलाफ आपराधिक मुकदमा दर्ज किया जाना चाहिए। संजय कुमार ने शनिवार को कोंडागट्टू मंदिर की यात्रा शुरू करते समय यह बात कही। उन्होंने हैदराबाद के गांधी भवन में आयोजित एक कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि सैमुअल ने वहां हिंदू देवी-देवताओं के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की। उन्होंने यह भी कहा कि कार्यक्रम में मौजूद कुछ कांग्रेस नेताओं ने इन टिप्पणियों का समर्थन किया। संजय कुमार ने मुख्यमंत्री से हिंदू समाज से माफी मांगने और संबंधित विधायक को पार्टी से निलंबित करने की मांग की। केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि विधायक को चुनाव लड़ने से रोका जाना चाहिए। बताया जा रहा है कि वे नव निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के साथ करीमनगर से कोंडागट्टू मंदिर तक यात्रा पर निकले हैं।

सीएम के इफ्तार कार्यक्रम के चलते यातायात में बदलाव

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की उपस्थिति में आयोजित दावत-ए-इफ्तार कार्यक्रम के कारण रविवार को एलबी स्टेडियम के आसपास यातायात में बदलाव किया गया है। पुलिस ने शाम 5 बजे से रात 10 बजे तक इस क्षेत्र में यातायात को रोकने या आवश्यकता अनुसार मोड़ने की घोषणा की है। एआर पेट्रोल पंप जंक्शन से बीजेआर प्रतिमा की ओर आने वाले वाहनों को नामपल्ली रेलवे स्टेशन की ओर भेजा जाएगा। बशीरबाग से एआर पेट्रोल पंप की ओर आने वाले वाहनों को बीजेआर प्रतिमा के पास से एसबीआई, एबिड्स और नामपल्ली स्टेशन रोड की ओर मोड़ दिया जाएगा। सुजाता स्कूल लेन से खान लतीफ खान भवन की ओर जाने वाले यातायात को भी सुजाता स्कूल जंक्शन से नामपल्ली की ओर भेजा जाएगा।

यातायात पुलिस ने लोगों से शाम 5 बजे से रात 10 बजे के बीच लकड़ी का पुल, इकबाल मीनार, रवींद्र भारती, बशीरबाग, बीजेआर प्रतिमा चौराहा, एसबीआई गनफाउंड्री, एआर पेट्रोल पंप, केएलके भवन और लिबर्टी चौराहे से बचने की सलाह दी है। रवींद्र भारती से बीजेआर प्रतिमा की ओर जाने वाली बसों को भी यातायात की स्थिति के अनुसार नामपल्ली रेलवे स्टेशन की ओर मोड़ा जाएगा।

पहाड़ी शरीफ ईदगाह में ई-कचरा अभियान और स्वच्छता व्यवस्था की समीक्षा

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। महानगर नगर निगम के आयुक्त आयुक्त आर.वी. कर्णन ने शनिवार को जलपल्ली स्थित पाहाड़ी शरीफ में चल रहे ई-कचरा संग्रहण अभियान का निरीक्षण किया और रमजान पर्व के मद्देनजर ईदगाह परिसर में स्वच्छता व्यवस्थाओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने इलेक्ट्रॉनिक कचरे के संग्रह, हैंडलिंग और भंडारण की प्रक्रियाओं का अवलोकन किया और अधिकारियों से कचरा निपटान प्रणाली को व्यवस्थित करने के उपायों के बारे में बातचीत की। उन्होंने नागरिकों के बीच अधिक से अधिक जागरूकता पैदा करने पर जोर दिया और कहा कि अधिकृत संग्रहण केंद्रों के माध्यम से ई-कचरे का सुरक्षित निपटान सुनिश्चित करना आवश्यक है। व्यवस्थित ई-कचरा संग्रहण और प्रक्रमण पर्यावरणीय जोखिमों को कम करने और शहर में सतत कचरा प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए अनिवार्य है। इसके बाद आयुक्त ने पहाड़ी शरीफ ईदगाह परिसर का निरीक्षण किया और मैदान तथा आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि रमजान में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन को ध्यान में रखते हुए ईदगाह परिसर और आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ और स्वास्थकर बनाए रखा जाए। आयुक्त ने पर्व से पूर्व किए जा रहे तैयारियों की भी समीक्षा की और कहा कि सभी व्यवस्थाएं समय पर पूरी की जाएं, ताकि श्रद्धालुओं की सुविधा सुनिश्चित हो। उन्होंने कचरा फेंकने के स्थायी स्थानों पर कूड़ेदान लगाने, घर-घर से कचरा संग्रहण और सड़कों की नियमित सफाई पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। साथ ही, आयुक्त ने स्वच्छता टीमों को निर्देशित किया कि वे क्षेत्र में कचरा जमा होने के संभावित स्थानों (जीवीपी) की पहचान कर उन्हें समाप्त करें और घरों के लोगों को यह सुनिश्चित करने के लिए जागरूक करें कि वे घरेलू कचरा केवल 'स्वच्छ ऑटो' को सौंपें, ताकि उचित संग्रहण और निपटान सुनिश्चित हो सके।

अग्नि सुरक्षा पर विशेष निरीक्षण, 252 भवनों की जांच

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। नगर क्षेत्र में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए महानगर नगर निगम ने विशेष निरीक्षण अभियान चलाया। राज्य सरकार की 99 दिवसीय 'जन शासन-प्रगति योजना' के अंतर्गत नगर नियोजन विभाग के अधिकारियों ने शहर के छह क्षेत्रों में यह निरीक्षण अभियान संचालित किया। इस विशेष अभियान के दौरान कुल 252 भवनों की जांच की गई। मुख्य सड़कों के किनारे स्थित वाणिज्यिक परिसरों में यह देखा गया कि अग्नि सुरक्षा से संबंधित नियमों का पालन हो रहा है या नहीं। निरीक्षण के दौरान भवनों में स्थापित अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाओं की जांच करने के साथ-साथ भवन स्वामियों और प्रबंधकों को आग से होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम के बारे में जागरूक किया गया। विशेष रूप से तहखानों में कहीं ज्वलनशील या खतरनाक पदार्थों का भंडारण तो नहीं किया गया है, इसकी भी जांच की गई। जहां ऐसे पदार्थ पाए गए, वहां उन्हें तुरंत हटाने के निर्देश दिए गए। जिन भवनों में अग्नि सुरक्षा उपकरण नहीं थे या वे कार्य नहीं कर रहे थे, वहां उन्हें तत्काल स्थापित करने अथवा मरम्मत कराने के लिए लिखित निर्देश जारी किए गए। निरीक्षण में अधिकांश वाणिज्यिक भवनों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाएं पाई गईं, जबकि कुछ स्थानों पर कमियां भी सामने आईं। अधिकारियों ने बताया कि ऐसे भवनों पर आगे भी निगरानी रखी जाएगी और नियमों के अनुसार सुरक्षा उपाय सुनिश्चित कराए जाएंगे। नगर आयुक्त आर.वी. कर्णन ने कहा कि शहर में आग की घटनाओं की रोकथाम और सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए इस प्रकार के निरीक्षण अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in
विदेशी मुद्रा विभाग
6-1-56, सचिवालय मार्ग, सैफाबाद, हैदराबाद-500 004

संपूर्ण मुद्रा परिवर्तक का लाइसेंस निरस्त किया जाना

विदेशी मुद्रा प्रबंध अधिनियम- 1999 की धारा 10(3) के अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय रिज़र्व बैंक ने निम्नलिखित कंपनी का संपूर्ण मुद्रा परिवर्तक (एफएफएमसी) लाइसेंस स्वैच्छिक अभ्यर्पण के कारण निरस्त कर दिया है।

क्र. सं.	नाम और पंजीकृत कार्यालय का पता	लाइसेंस संख्या	जारी करने की तारीख	निरस्तीकरण की तारीख
1.	मेसर्स अक्रॉस द मोंडे ट्रैवल एंड टूर्स प्राइवेट लिमिटेड फ्लैट नंबर 202, रेवती अपार्टमेंट, गायत्री कॉलोनी, अमीरपेट, हैदराबाद- 500 038, तेलंगाना	HYD-FFMC-0069-2023	31-05-2023	18-02-2026

लाइसेंस निरस्त होने के परिणामस्वरूप, उपरोक्त कंपनी मुद्रा परिवर्तन गतिविधियों पर 01 जनवरी 2016 के मास्टर निदेश, जिसे समय-समय पर अद्यतन किया जाता है और जो भारतीय रिज़र्व बैंक की वेबसाइट (https://www.rbi.org.in) पर उपलब्ध है, के निर्देशानुसार मुद्रा परिवर्तन गतिविधियाँ या लेनदेन का कार्य नहीं करेगी।

स्थान: हैदराबाद
दिनांक: 15 मार्च, 2026

हस्ता/-
(मेघना सिंह)
उप महाप्रबंधक

कांग्रेस सांसदों का कृत्य लोकतंत्र के मंदिर का अपमान : राव

बीजेपी ने राहुल गांधी का पूतला फूंका, सांसदों की निंदा की

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के कथित अनुचित व्यवहार के विरोध में उनकी पुतला दहन किया। भाजपा के राज्य अध्यक्ष एन. रामचंदर राव के नेतृत्व में यह विरोध प्रदर्शन राज्य कार्यालय के बाहर आयोजित किया गया। एन. रामचंदर राव ने मीडिया से बातचीत में कहा कि संसद भवन के प्रवेश द्वार पर किसी प्रकार की बैठक या सभा निषिद्ध होने के बावजूद कांग्रेस सांसदों ने संसद की सीढ़ियों को "पिकनिक स्थल" की तरह इस्तेमाल किया और वहां चाय पीते हुए नियमों की अनदेखी की। राव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सांसदों का यह कृत्य लोकतंत्र के मंदिर का अपमान है। उन्होंने कहा कि संसद एक पवित्र संस्था है, जिसका उद्देश्य सार्वजनिक मुद्दों पर चर्चा करना है, लेकिन सांसदों का

हँसते-खिलखिलाते और पैर क्रॉस करके बैठना लोकतांत्रिक प्रणाली का सीधे अपमान है। उन्होंने बताया कि राहुल गांधी और अन्य कांग्रेस नेताओं में संसद में बहस करने का साहस नहीं है और नियमों का पालन करने की धैर्यशक्ति भी नहीं है। राव ने कहा, राहुल गांधी के लिए संसद अब एक पिकनिक स्थल बन गई है। प्रदेश अध्यक्ष ने कांग्रेस पर झूठ फैलाने का आरोप भी लगाया और कहा कि कांग्रेस ने एलपीजी की कमी को लेकर जनता में भ्रम फैलाया, जबकि केंद्रीय मंत्री ने पर्याप्त भंडार के आंकड़े देकर स्थिति स्पष्ट कर दी थी। इसके बावजूद कांग्रेस नेता निलंबित सांसदों के साथ मिलकर परिसर में बिस्किट खाकर और चाय पीकर संसद नियमों का उल्लंघन कर रहे थे। एन. रामचंदर राव ने पूर्व प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिंह राव की दूरदर्शिता का उल्लेख किया, जिन्होंने राष्ट्रीय हित को राजनीति से ऊपर रखते हुए विपक्षी नेता अटल बिहारी वाजपेयी को संयुक्त राष्ट्र में भारत का प्रतिनिधित्व भेजा था। उन्होंने कहा कि वर्तमान कांग्रेस नेतृत्व ने राष्ट्रीय हित को पूरी तरह नकार दिया है। उन्होंने कहा कि संसद की सीढ़ियों पर राहुल गांधी और अन्य कांग्रेस नेताओं के कृत्य लोकतंत्र के प्रति उनकी उदासीनता को दर्शाते हैं। इसीलिए भाजपा ने जनता के सम्मान में विरोध स्वरूप उनका पुतला दहन किया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.